स्थायित्व रिपोर्ट 2011-12

जीआरआई-जी3.1+ ओजीएसएस कम्प्लायैंट एप्लिकेशन लैवल ए+ रिपोर्ट

गेल (इंडिया) लिमिटेड

एक महारत्न कम्पनी

गेल (इंडिया) लिमिटेड

एक महारत्न कम्पनी

विषय सूची

इस रिपोर्ट के बारे में	2
भविष्य को आकार देना	5
गेल की स्थायित्व नीति	6
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	7
गेल में स्थायित्व को गहराई से स्थापित करना	9
व्यवसाय रूपरेखा	15
पुरस्कार और मान्यताएं	20
निगमित नियंत्रण	21
अपने स्टेकधारकों से संपर्क	28
महत्वपूर्ण मुद्दों का निर्धारण	34
भविष्य को आकार देने की कार्यनीति	39
निवेशकः संपदा सृजन	41
समुदायः सामाजिक पूंजी का पोषण	48
ग्राहकः ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना	64
आपूर्तिकर्ताः भागीदारी निर्माण	70
कर्मचारीः बदलाव के अभिकारक	73
हमारे स्थायित्व निष्पादन	82
एनवीजी- एसईई पर संप्रेषण	86
आश्वासन विवरण	89
शब्दावली	91
जीआरआई विषयवस्तु सूचकांक और यूएनजीसी/आईपीआईईसीए संदर्भ	95
भविष्य की ओर	115

इस रिपोर्ट के बारे में

''भविष्य का आकार'' से वित्तीय वर्ष 2011-12 के दौरान गेल के स्थायित्व प्रयासों और निष्पादन का ब्यौरा मिलता है। इस संप्रेषण में स्थायित्व के पक्षों पर हमारे द्वारा दी गई प्रगति की जानकारी है जो हमारे प्रधान स्टेकधाराकों के लिए महत्वपूर्ण और समावेशी वृद्धि को पोषण देने के लिए भी अनिवार्य है।

यह हमारी दूसरी स्थायित्व रिपोर्ट है जिसमें

- गंधार, पाता, वाघोडिया, विजयपुर और उसार में गैस प्रसंस्करण इकाइयां (जीपीयू);
- पाता में पेट्रोकेमिकल इकाई;
- हजीरा, विजयपुर, वाघोडिया, झाबुआ, खेड़ा और दिबियापुर में प्राकृतिक गैस कंप्रेसर स्टेशन;
- लोनी, मंसारामपुरा, नसीराबाद, आबू रोड, समाख्याली, जामनगर, विजाग और चेरलाप्पली में एलजीपी पंपिंग/ग्राही स्टेशन;
- एनसीआर, बड़ौदा, मुंबई और राजमुंद्री में क्षेत्रीय पाइपलाइन कार्यालय;
- गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीआईटी), नोएडा
- निगमित कार्यालय, नई दिल्ली और
- इंफो हब, नोएडा को शामिल[1] किया गया।

हमने स्थायित्व रिपोटिंग और तेल तथा गैस क्षेत्र सप्लीमेंट पर जीआरई जी 3.1 दिशानिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप यह रिपोर्ट बनाई है। इस रिपोर्ट में अनुप्रयोग स्तर ''ए+'' की आवश्यकताओं के अनुरूप तथा इन दिशानिर्देशों के अनुसार 64 कोर[2] सूचकांक और 23 अतिरिक्त[3] सूचकांक को शामिल किया गया हैं। निष्पादन सूचकांकों और अन्य प्रकटन आवश्यकताओं पर अधिक जानकारी पाने के लिए कृपया पृष्ठ 95 पर जीआरआई विषय वस्तु देखें। प्रस्तुत आंकड़े अनिवार्यतः वित्तीय वर्ष 2011-12 के लिए हैं जिनसे हमारे निष्पादन का एक संतुलित परिदृश्य मिलता है। हमने स्थायित्व पर अपनी महत्वपूर्ण उपलब्धियों और विकासों पर भी चर्चा की है, जो हाल ही में संपन्न हुए हैं। इस रिपोर्ट में निगमित कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित सामाजिक, पर्यावरण संबंधी और आर्थिक जिम्मेदारियों पर राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशानिर्देश के नौ सिद्धांतों का भी पालन किया गया है। इससे हमें भारतीय संदर्भ में महत्व रखने वाले स्थायित्व के मुद्दों को हल करने में सहायता मिलती है। पुनः, हमारे स्थायित्व के प्रकटनों की व्यापकता को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित की आवश्यकताएं पूरी करने के लिए इन्हें हमने इस रिपोर्ट में शामिल किया है:

- आईपीआईईसीए, द ग्लोबल ऑयल एण्ड गैस इंडस्ट्री एसोसिएशन फॉर एनवार्यनमेंटल एण्ड सोशल इशूज तथा अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट (एपीआई) द्वारा विकसित स्वैच्छिक स्थायित्व रिपोर्टिंग (2010) पर तेल और गैस उद्योग के दिशानिर्देश।
- यूनाइटेड नेशन्स ग्लोबल कॉम्पैक्ट (यूएनजीसी) के तहत सिद्धांत और प्रकटीकरण आवश्यकताएं।

हम अपने सभी स्टेकधारकों को स्थायित्व के तीन अधारभूत स्तरों पर अपने निष्पादन आगे बढ़ाने और पारदर्शी रूप से प्रकट करने के लिए निरंतर वचनबद्ध हैं। हमारे प्रबंधन ने अनेक समितियों और उप समितियों का गठन किया है जो स्थायित्व के विभिन्न आयामों का नियंत्रण करती हैं। हमने केन्द्रित रूप से अपने लक्ष्यों को पाने के लिए स्थायित्व आकांक्षा 2020 का विकास भी किया है। हम सरकार, उद्योग संघों, विचारशील व्यक्तियों और विशेषज्ञों के साथ उन समाधानों के लिए अपनी भागीदारी में

गेल संस्थापना पर होर्टन स्फीयर एलपीजी स्टोरेज टैंक

[1] हमने निम्नलिखित स्थलों को रिपोर्ट के कार्यक्षेत्र में शामिल किया है : अगरतला, पुदुचेरी, निगमित कार्यालय, गेल प्रशिक्षण संस्थान और नोएडा इंफो हब। हमने रिपोर्ट के कार्य क्षेत्र से आगरा स्थल को हटा दिया है, क्योंकि इसे गेल गैस में अंतरित किया गया है जो इस रिपोर्ट की सीमा के तहत नहीं आता है।

[2] 64 कोर सूचकांकों में से जीआरआई जी3.1 दिशानिर्देशों को ओजीएसएस के साथ जोड़ा गया है।

[3] 25 अतिरिक्त सूचकांकों में से जीआरआई जी3.1 दिशानिर्देशों को ओजीएसएस के साथ जोड़ा गया है।

एलपीजी रिकवरी प्लांट, औरेया

सुधार जारी रखते हैं, जो हमारी प्रचालन की दक्षताओं को बढ़ाते हैं और सामाजिक चुनौतियों का भी सामना करते हैं।

इस रिपोर्ट में प्रस्तुत डेटा और जानकारी हमारी आंतरिक प्रबंधन प्रणालियों तथा प्रक्रियाओं पर आधारित है। हमने अवधारणाओं, मानक सूत्रों तथा गणना विधियों का उपयोग करते हुए आवश्यकतानुसार आंकड़ों का आकलन और मात्रा ज्ञात करने का कार्य किया है। हम अपनी आंकड़ा प्रबंधन प्रणालियों में सुधार जारी रखते हैं और इसके परिणामस्वरूप हमने कुछ आंकड़ा सूचकांकों में भिन्नता के परिणामस्वरूप पिछले वर्ष में अपनाए गए अपने मार्ग में कुछ संशोधन किए हैं। इसे संगत स्थानों पर समझाया गया है। पूरी रिपोर्ट में प्रस्तुत सभी मौद्रिक मानों के लिए हमने 1 अमेरिकी डॉलर=51.63 भारतीय रुपए की विनिमय दर उपयोग की है। इस रिपोर्ट में शामिल कुछ जानकारियां हमारी भावी योजनाओं और आशयों में संदर्भित की गई हैं, ताकि हमारी स्थायित्व गतिविधियों का एक समग्र ब्यौरा प्रस्तुत किया जा सके। यह जानकारी हमारी कार्यनीति, प्रचालनों, निष्पादन लक्ष्यों और व्यापार योजनाओं, अनुसंधान और विकास तथा उन देशों, क्षेत्रों या बाजारों में निवेश से संबंधित है जहां हमारे प्रचालन हैं। इनकी उप-प्रकृति के कारण इस जानकारी में अंत्य परिणाम के रूप में कुछ सीमा तक अनिश्चितता शामिल है जो भावी बाजार परिस्थितियों तथा भू राजनैतिक विकासों पर निर्भर करता है, जिनमें से अधिकांश हमारे नियंत्रण से बाहर हैं और जिनका पूर्वानुमान हम नहीं लगा सकते हैं। यद्यपि हम इन पर लगातार प्रगति का प्रयास करेंगे, तथापि हम सभी मामलों में वांछित परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकते।

mnopq
xy

भविष्य को आकार देना

आज, पर्यावरण के संरक्षण और परिरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने आर्थिक समृद्धि प्राप्त करने तथा सामाजिक वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए बड़ा दबाव और जरूरत है। स्थायी होने का अर्थ अब केवल स्वैच्छिक नहीं रह गया है और यह व्यापार में रहने, व्यापार करने और इसे आगे बढ़ाने के लिए एक अनिवार्यता बन गई है।

गेल में हमारा प्रयास, प्राकृतिक गैस तथा इसके मूल्यवर्धित उत्पादों की पूरे भारत में उपलब्धता सुनिश्चित करना और इसके जरिए औद्योगिक तथा राष्ट्रीय वृद्धि को ऊर्जा प्रदान करने का है। हम ग्राहकों को न केवल उनकी स्थायी बेहतरी के लिए ऊर्जा का स्वच्छ रूप प्रदान करते हैं बल्कि यह संपूर्ण ग्रह के लिए अच्छा है। हमारा फोकस एक स्थायी संगठन के सृजन पर है - जिसके लिए लाभकारी विपणन और वित्तीय व्यापार मॉडल का विकास करने के साथ निर्णय लेने की प्रक्रिया में स्थायित्व के पक्षों को शामिल करने, मापन योग्य लक्ष्यों की स्थापना, सही प्रतिभाओं को लेने और उन्हें धारित करने के साथ नियमित आधार पर हमारे निष्पादन की निगरानी, मूल्यांकन और रिपोर्टिंग की जाती है।

प्रतिदिन बढ़ाए गए छोटे-छोटे कदमों और अपने कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं, ग्राहकों, सरकारों और समुदायों के साथ मिलकर कार्य करते हुए हमारी योजना एक बेहतर भविष्य के निर्माण की है और इसके लिए बताए गए उद्देश्य की प्राप्ति हेतु लाखों लोगों को ''भविष्य को आकार देने'' में सहायता देने की है। इस विचार के साथ हम स्थायी विकास को पोषण देने के प्रयासों में एक पारदर्शी और निष्पक्ष संचार प्रस्तुत करते हैं कि ये हमारे स्टेकधारकों का भविष्य सँवारने में किस प्रकार हमारी सहायता करेंगे। इस स्टेकधारी-केन्द्रित रिपोर्ट में ''धनात्मक स्टेकधारी मूल्य'' के सृजन के प्रति हमारी कार्यनीतियों तथा कार्य के साथ इसके विश्लेषण की गतिविधियों को दर्शाया गया है।

सतत् विकास नीति

गेल (इंडिया) लिमिटेड

गेल में, हम अपने सभी प्रयासों में कारोबार से इतर मूल्य सृजन करने के लिए अपनी कारोबारी प्रक्रियाओं के केन्द्र में आर्थिक, पर्यावरणीय एवं सामाजिक चिंता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को समाहित करते हुए प्राकृतिक गैस एवं इतर में अग्रणी स्थान हासिल करने के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है, अपने समुदायों, पर्यावरण एवं स्टेकधारकों के हित के लिए सतत् विकास को बनाए रखना। हम यह विकास स्थायित्व के तीन खंडों में निम्नानुसार करेंगे :

पर्यावरण

- सामग्री विस्थापन, पुन: चक्रण एवं पुन: उपयोग द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का इष्टतम उपयोग;
- अपने कारोबारी प्रचालनों हेतु पर्यावरण हितैषी एवं स्वच्छ तकनीक को अपनाना;
- अपने सभी प्रचालनों में ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण, जैव वैविध्यता का संरक्षण एवं अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान केन्द्रित करना;
- जीएचजी उत्सर्जन को घटाने के लिए पूर्ण सक्रिय;
- राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के अनुरूप कार्य करते हुए पर्यावरण की देखभाल;
- पर्यावरण हितैषी उत्पादों एवं सेवाओं के उपयोग को वरीयता;

सामाजिक

- समुदायों की चिंता का समाधान;
- सभी स्टेकधारकों में स्थायित्व संबंधी मामलों पर जागरूकता उत्पन्न करना;
- कर्मचारियों को स्थायित्व संबंधी प्रयासों को कार्यान्वित करने एवं बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहित करना;
- प्रतिभावान लोगों को शामिल करना, उनका विकास करना और उन्हें प्रशिक्षित करना;
- हमारे उत्पादों एवं सेवाओं के संरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों का न्यूनीकरण;

आर्थिक

- उच्च गुणवत्ता के उत्पादों एवं सेवाओं को सुनिश्चित करना तथा ग्राहक संतुष्टि संबंधी प्रथाएं अपनाना;
- वैकल्पिक ऊर्जा सहित अधिक स्वच्छ एवं कार्यक्षम ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देकर ऊर्जा सुरक्षा वर्धन;
- उचित, पारदर्शी एवं नैतिक तरीके से अपने कारोबारी संबंध स्थापित करना;

हम, अपनी समग्र कारोबारी नीति में सतत् विकास को शामिल करने के लिए पर्याप्त स्रोत के आबंटन तथा निदेशक मंडल समिति और वरिष्ठ स्तरीय मार्गदर्शन समिति के गठन और वार्षिक आधार पर सतत् कार्यनिष्पादन सूचित करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं ।

एस वेंकटरामन
निदेशक (व्यापार विकास)

11 मई, 2012

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

प्रिय स्टेकधारकों,

मुझे 2011-12 के लिए गेल की ''भविष्य को आकार देते हुए'' नामक स्थायित्व रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है। गेल की ओर से सभी स्टेकधारकों के लिए भारत की चारों दिशाओं में स्वच्छ और दक्ष ऊर्जा की आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए एक स्थायी भविष्य को आकार देने के प्रयास निरंतर रूप से किए जाते हैं। इस रिपोर्ट में कर्मचारियों, आपूर्तिकारों, ग्राहक, सरकार और समुदायों के साथ कार्य करते हुए सह सृजन के प्रति हमारे आशय और प्रयास बताए गए हैं। हमें विश्वास है कि इस विचारधारा और हमारी केन्द्रीय मान्यताओं के अनुसार कार्य करना दीर्घ अवधि में उच्चतम निष्पादन के लिए अनिवार्य है।

लोगों और उद्योग के लिए ऊर्जा की उपलब्धता, अभिगम्यता और वहनीयता भारत की दीर्घकालिक आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। भारत में ऊर्जा की मांग बढ़ती जा रही है और 2025 तक इसके तीसरे सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ता बन जाने की उम्मीद है। गेल भरोसेमंद और वहनीय प्राकृतिक गैस तथा अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की सोर्सिंग और प्रदायगी में सक्रिय रूप से संलग्न है ताकि इस वृद्धि को समर्थन दिया जा सके। गेल द्वारा अगले कुछ वर्षों में संचरण और पुनः गैसीकरण की नई संरचना के निर्माण, गैस के नए स्रोतों के गठबंधन, नए बाजारों और गैस पर आधारित नए या मौजूदा डाउन स्ट्रीम उपभोक्ताओं की सहायता करने के लिए लगभग 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया गया है। इन कदमों से हमें हरित औद्योगिकीकरण तथा स्वच्छतर जलवायु को बढ़ावा देने में सक्षमता मिलेगी।

> "हम स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर उनके विकास को समर्थन देते हैं तथा सामाजिक सरोकारों के उन्मूलन के साथ अपने प्रचालनों के संभावित ऋणात्मक प्रभावों को न्यूनतम बनाते हैं।"

गेल द्वारा अपने व्यापार प्रचालनों और निगमित नीति 2020 में स्थायित्व को शामिल करने के अनेक कदम उठाए गए हैं। प्रमुख व्यापार क्षेत्रों में अनेक प्रयासों के अलावा हम गैस आधारित विद्युत, अक्षय ऊर्जा और अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों जैसे शेल गैस, सीबीएम और कोल गैस में प्रवेश के लिए विस्तार कर रहे हैं। हमने अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को संवर्धित करने तथा ऊर्जा के संरक्षण पर बल दिया है एवं में लगभग 115 मेगावॉट पवन ऊर्जा परियोजनाओं की कमिशनिंग की है। हमारे कुछ पर्यावरण संबंधी प्रयासों में विभिन्न स्थल कार्यालयों के आस-पास 10 लाख से अधिक पेड़ों का एक हरित आवरण विकसित करना, वातावरण में हाइड्रोकार्बन के उत्सर्जन की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर फ्लेयरिंग प्रणालियों का कार्यान्वयन तथा अन्य के अलावा प्रभावी भूजल रीचार्ज के लिए वर्षा जल संचय शामिल है।

गेल ने हाल ही में स्थायित्व विकास (एसडी) नीति का विकास किया है जो आने वाले वर्षों में हमारे स्थायित्व के प्रयासों का मार्गदर्शन करेगी। हमने अनिवार्य संरचनाएं और प्रक्रियाएं भी स्थापित की हैं जो हमारे स्थायित्व की वचनबद्धताओं को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करती हैं, निष्पादन सूचकांकों पर बेहतर नियंत्रण के साथ इन वचनबद्धताओं और संकेतकों पर पारदर्शी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करती हैं। इसमें पक्ष स्वामियों और एसडी केन्द्रीय दल के साथ कॉर्पोरेट/स्थल स्तर पर स्थल कार्यालयों के नामनिर्दिष्ट समन्वयक शामिल हैं, जिन्होंने एसडी पक्षों पर विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

> "अपने कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों के माध्यम से हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए आगे बढ़े हैं और मुझे उनकी वचनबद्धता, रचनात्मकता और उत्साह पर गर्व है।
>
> मैं अपने स्टेकधारकों को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने हमेशा हमारी कंपनी पर भरोसा किया और इसकी सफलता में योगदान दिया है।"

गेल यूएनजीसी के सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत दस सिद्धांतों के साथ अपने प्रचालनों और कार्यनीतियों को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र वैश्विक प्रभाव (यूएनजीसी) का हस्ताक्षरी बना। हमने एसडी आकांक्षा 2020 तैयार की है जिसमें जीएचजी में कमी, ऊर्जा संरक्षण और जल संरक्षण आदि के विशिष्ट लक्ष्य अभिज्ञात किए गए हैं। आगे जाते हुए हमारी योजना कर्मचारियों, ग्राहकों, आपूर्तिकारों और अन्य सहित सभी स्टेकधारकों के साथ जागरूकता स्तर एवं संलग्नता को बढ़ाने के लिए जारी रखने की है।

गेल विभिन्न निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) प्रयासों के माध्यम से भारत की समावेशी वृद्धि में सक्रिय रूप से योगदान देता है। हम स्थानीय समुदायों के अनुसार मिलकर उनके विकास को समर्थन देते हैं तथा सामाजिक सरोकारों के उन्मूलन के साथ अपने प्रचालनों के संभावित ऋणात्मक प्रभावों को न्यूनतम बनाते हैं। गेल ने साक्षरता बढ़ाने, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं आदि की दिशा में अपने प्रमुख कार्यक्रमों के कार्यान्वयन भी जारी रखे हैं। इन कार्यक्रमों को वंचित वर्गों के बच्चों और युवाओं के जीवन पर एक स्थायी प्रभाव डालने के लिए तैयार किया गया है। वर्ष 2011-12 के दौरान हमने विभिन्न सीएसआर प्रयासों के लिए 17 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का आबंटन किया है।

आपको यह जान कर खुशी होगी कि गेल भारत में तेल और गैस क्षेत्र की ऐसी प्रथम कंपनी है जिसे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज द्वारा आरंभ प्रथम पर्यावरण अनुकूल इक्विटी इंडेक्स, जिसे बीएसई-ग्रीनेक्स कहते हैं, में शामिल किया गया है। पुनः हमारी ठोस शासन प्रक्रियाओं को मान्यता देते हुए हमें 2011 में ''निगमित नियंत्रण में उत्कृष्टता'' हेतु 11वां आईसीएसआई राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया था।

अपने कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों के माध्यम से हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए आगे बढ़े हैं और मुझे उनकी वचनबद्धता, रचनात्मकता और उत्साह पर गर्व है। मैं अपने स्टेकधारकों को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने हमेशा हमारी कंपनी पर भरोसा किया और इसकी सफलता में योगदान दिया है। हम अपने स्टेकधारकों के भरोसे को बनाए रखने के लिए वचनबद्ध हैं तथा हमारे बेहतर स्थायित्व निष्पादन पर आपसे प्रतिक्रिया की कामना करते हैं।

बी सी त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गेल (इंडिया) लिमिटेड

गेल में
स्थायित्व को गहराई से स्थापित करना

जैसे-जैसे गेल 2016-17 तक 1,000 बिलियन रुपए कंपनी और 2020 तक 1,300 बिलियन रुपए कम्पनी बनने की दिशा में एक सघन वृद्धि कार्यनीति पर क्रियाशील है, जिसमें 100 बिलियन रुपए का अनुमानित लाभ है, वैसे-वैसे इस पर भारत की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान देने और इसे स्थायी भविष्य की ओर ले जाने की एक बड़ी जिम्मेदारी आ रही है। इस वृद्धि को साकार करने के लिए हमने महत्वपूर्ण वृद्धि क्षेत्रों को अभिज्ञात किया है तथा हाइड्रोकार्बन मूल्य श्रृंखला के अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम और डाउन स्ट्रीम खण्डों में उपयुक्त रूप से प्रयासों की योजना बनाई है। हमारे मुख्य स्टेकधारकों का योगदान गेल की महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में एक केन्द्रीय भूमिका निभाएगा और हमने उनके साथ एक सहजीवी संबंध सुनिश्चित करने के लिए अनेक भागीदारी कार्यक्रमों की योजना बनाई है। गेल के कर्मचारी कम्पनी की प्रत्येक सफलता के पीछे एक प्रेरक शक्ति बने हुए हैं। हमारे सपनों को पूरा करने के लिए हमारी क्षमताओं पर शेयरधारकों और निवेशकों के विश्वास से हमारे प्रचालनों और परियोजनाओं की अबाधित निरंतरता सुनिश्चित होती है। हमारे ग्राहकों की लगातार बढ़ती उम्मीदें हमें नवाचार और प्रभावी सृजन तथा दक्ष व्यापार मॉडल तैयार करने की प्रेरणा देती हैं। हमारे आपूर्तिकर्ताओं द्वारा दिए गए निरंतर समर्थन से सुनिश्चित होता है कि हम समय सीमा के अन्दर कार्य पूरे करें और दुर्गम पड़ावों को प्राप्त करें। अन्त में, स्थानीय समुदायों तथा समाज द्वारा दी गई मान्यता से हमें सभी के लिए स्थायी आजीविका के सृजन में सहायता मिलती है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय के योग्य नेतृत्व में हमारे निदेशक हमारे भविष्य को एक स्थायी आकार देने एवं सभी के लाभ के लिए उत्तरदायी हैं।

(बायें से दायें) सर्वश्री एस.वेंकटरमन, आर.डी. गोयल, बी.सी. त्रिपाठी, एस.एल रैना, प्रभात सिंह एवं पी.के. जैन

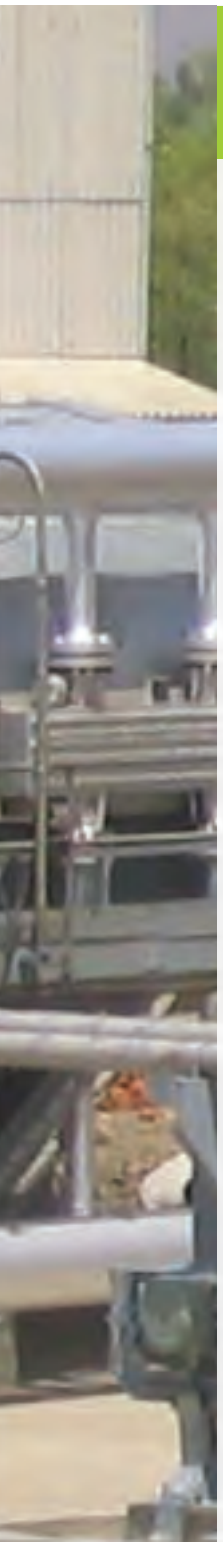

आर. डी. गोयल
(निदेशक - परियोजनाएँ)

हमारी कंपनी भारत की प्रमुख समेकित गैस कंपनी है।

गेल को 2011 में प्लैट्स द्वारा दिए गए ''डाउनस्ट्रीम प्रचालन में विश्व की पहली कंपनी'' का पुरस्कार पाने वाली एशिया की एक मात्र कंपनी होने का गौरव प्राप्त है। अब हमारी हाइड्रोकार्बन मूल्य श्रृंखला में भी समान आकांक्षाएं हैं।

हमारा निरंतर प्रयास है कि पूरे देश में वास्तविक उपभोक्ताओं पर गैस की कुशल अदायगी के लिए गैस मूल संरचना का विकास किया जाए। अनेक नई पाइप लाइनें देश भर में निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनसे अगले 5 वर्षों में मौजूदा पाइपलाइनों की लंबाई दो गुनी हो जाएगी। दाभोल में एलएनजी पुनः गैसीकरण टर्मिनल की स्थापना से कंपनी की मूल संरचना उपयोगिता में आगे वृद्धि होगी। पाता में हमारे पेट्रोकैमिकल संयंत्र का विस्तार किया जा रहा है।

हमारा उद्देश्य सदैव पर्यावरण और जोखिम प्रबंधन कार्यनीतियों के उपयोग द्वारा पर्यावरण संबंधी प्रभावों को न्यूनतम बनाने वाले कानूनों और विनियमों का पालन करना है।

परियोजना निष्पादन और प्रचालन के विभिन्न चरणों में हमने पर्यावरण संबंधी विचारों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। हमारे प्रचालनों में पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली आईएसओ 14001 मानक प्रमाणित हैं। सभी प्रचालनों में मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आईएसओ 14001 पर्यावरण प्रबंधन प्रणालियों का वार्षिक स्वतंत्र लेखा परीक्षण कराया जाता है।

ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों की सीमित उपलब्धता पर विचार करते हुए हमारा दृढ़ विश्वास है कि हमारी प्रक्रियाओं में ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने की निरंतर आवश्यकता है और इस प्रकार हमारी सुविधाओं से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों में कमी लाई जा सकती है, जिनके लिए हमारे प्रचालनों में विभिन्न प्रयास किए जाते हैं।

स्थायित्व पर गेल की संकल्पना और कार्यनीतियों पर कार्यान्वयन के प्रति अपनी वचनबद्धता के साथ आगे बढ़ते हुए राजस्थान में 2012 तक पूरा करने के लक्ष्य के साथ 5 मेगावॉट की सौर प्रकाश वोल्टीय परियोजना का निष्पादन किया गया है।

यहां 117.75 मेगावॉट की पवन विद्युत परियोजना संस्थापित की गई और इसे गुजरात में कैप्टिव खपत तथा तमिलनाडु और कर्नाटक में वाणिज्यिक उत्पादन हेतु इस्तेमाल किया जा रहा है।

एस. एल. रैना
(निदेशक - मानव संसाधन)

गेल में हमारा विश्वास है कि हमारे लोग ही कंपनी की सफलता के निर्धारक कारक हैं।

हमने अपने लक्ष्यों को केवल अपनी मानव पूंजी के समर्पण, वफादारी और योगदान से पूरा किया है।

यह हमारे लोगों की क्षमता, जुनून, उत्साह, प्रेरणा और उत्कृष्टता की खोज की मनोवृत्ति है जो हमें अन्य लोगों से अलग बनाती है और हमारे कुछ अलग आयाम बनाती है। हमारे प्रत्येक कर्मचारी ने हमारे आगे बढ़ते संगठन में मूल्यवर्धन किया है। हम अपने कर्मचारियों पर निवेश करते हैं ताकि उनके प्रेरणा और संलग्नता के स्तरों को स्थायी बनाया जा सके, जो आगे चलकर हमारे संगठन के नीतिगत लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अनिवार्य है। हम उनके कैरियर के विकास के लिए लगातार प्रशिक्षण और विकास हेतु अवसर प्रदान करते हैं। हम आंतरिक कार्य चक्रानुक्रम के माध्यम से अपने कर्मचारियों को सहयोग प्रदान करते हैं जिससे उन्हें अनेक प्रकार के विषयों में व्यापक अनुभव पाने का अवसर मिलता है। वास्तव में ''अच्छे परिणामों के लिए कर्मचारियों की संलग्नता'' हमारी सफलता का मंत्र रहा है और हम नवीनतम कर्मचारी संलग्नता सर्वेक्षण के संदर्भ में हैविट के ''सर्वोत्तम नियोक्ता क्षेत्र'' में आते हैं। यह इस तथ्य से प्रदर्शित होता है कि गेल का सभी सीपीएसई के बीच लगातार बढ़ते ''वर्षवार मूल्यवर्धित प्रति कर्मचारी अनुपात'' के साथ प्रति कर्मचारी उच्चतम लाभप्रदता अनुपात है।

गेल वचनबद्धता, समर्पण, ईमानदारी और निष्ठा का महत्व समझता है। आरंभिक चरणों से ही कर्मचारियों से तय अपेक्षाओं को पार करते हुए कुछ अधिक करने की उम्मीद की जाती है।

हम प्रत्येक को सम्मान और आदर की दृष्टि से देखते हैं और हमने कार्य स्थल पर विविधता और समानता को बढ़ावा देने की नीतियां विकसित की हैं। हमारा पूरा प्रयास है कि हम गेल को एक ऐसा स्मार्ट संगठन बनाएं जहां कानूनों से आगे बढ़ कर कार्य किया जाए और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाया जाए। हम समान अवसर देने वाले नियोक्ता हैं और लोगों को उनके वंश, जाति, धर्म, रंग, खानदान, वैवाहिक स्थिति, लिंग, आयु और राष्ट्रीयता से परे जाकर उनके गुणों और कौशलों को मान्यता देते हैं।

हम उन समुदायों के महत्व को पहचानते हैं जहां हम कार्य करते हैं और हम उनके सरोकारों को समझने के लिए वचनबद्ध हैं। समुदाय की जरूरतों और मुद्दों को समझने के लिए अपनी संरचित रूपरेखा हमारे सामाजिक दायित्व कार्यक्रमों में झलकती है। एक समग्र दृष्टिकोण को अपनाकर एक समर्पित दल के साथ एक ठोस शासन संरचना से प्रबलन क्षेत्रों में कार्यक्रमों के मूल्यांकन और चयन में सहायता मिलती है।

दूसरे शब्दों में, हम एक ऐसा संगठन हैं जो अपने कर्मचारियों तथा साथ ही उस समाज के पारस्परिक लाभ और स्थायी संबंधों के आधार पर आगे बढ़ रहे है जिनके साथ हम प्रचालन कर रहे हैं।

प्रभात सिंह
(निदेशक - विपणन)

प्राकृतिक गैस में एक अग्रणी होने के नाते हमारे पास प्राकृतिक गैस परिवहन में 75 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी और प्राकृतिक गैस विपणन में 51 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ हमारी सशक्त बाजार स्थिति है।

हम अपने ग्राहकों को महत्व देते हैं और हमारे मौजूदा गैस संचरण नेटवर्क के उन्नयन के लिए किए गए महत्वपूर्ण निवेशों का महत्व समझते हैं, जिससे हमारी संचरण और नव विकसित गैस खपत केन्द्रों की क्षमता दोगुनी हो जाएगी। हम निरंतर ऐसे ग्राहकों की खोज कर रहे हैं जो उपयोग में आ रहे प्रदूषणकारी ईंधन के स्थान पर सीएनजी का इस्तेमाल शुरू कर सकेंगे। इसके अलावा हमारे पास एक परिष्कृत गैस निगरानी प्रणाली है जो वास्तविक समय आधार पर आपूर्ति के अनेक स्रोतों को संभालने के लिए विधिवत सक्षम है। ***हमारे गैस के ग्राहकों को हमारे गैस प्रबंधन तंत्र के जरिए गैस आपूर्ति की उचित योजना और उपयोग की जानकारी दी जाती है।***

शिक्षा देने और जागरूकता लाने के अलावा ***हम उत्पाद दायित्व को बढ़ावा देते हैं*** और हमने इंडियन सेंटर फॉर प्लास्टिक्स इन द एनवार्यनमेंट (आईसीपीई) के साथ अनुसंधान और उपयोगिता तथा पर्यावरण पर प्रभाव दोनों के विकल्पों की तुलना में प्लास्टिक के धनात्मक प्रभावों को आगे बढ़ाने हेतु भागीदारी की है जबकि हमारा लक्ष्य अक्षय ऊर्जा जैसे नए व्यापार खण्डों में और अधिक सशक्त रूप में उभरना होगा।

नोएडा में स्थित गेल पॉलीमर टेक्नोलॉजी सेंटर (जीपीटीसी) ग्राहकों को तकनीकी समाधान और अंतरदृष्टि प्राप्त करने हेतु एक मंच के रूप में कार्य करता है, जहां उनकी समस्याओं को संबोधित किया जाता है।

हमारे ग्राहक संतुष्टि सूचकांक 89 प्रतिशत हैं। पुनः, ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं के साथ नियमित विचार-विमर्श बैठकें आयोजित की जाती हैं ताकि उनके मुद्दों को व्यवस्थित तरीके से और समय पर हल किया जा सके साथ ही हम अपने ग्राहकों की शिकायतों के समाधान की प्रणाली में भी हम सुधार ला सकें।

एस. वेंकटरमन
(निदेशक - व्यापार विकास)

अपनी स्थायित्व की यात्रा में आगे बढ़ते हुए स्थायित्व रिपोर्ट ***"भविष्य को आकार देना" वित्तीय वर्ष 2011-12 के इस दूसरे संस्करण में हमारे प्रयास इस दिशा में केन्द्रित हैं। चूंकि भारत 2025 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता बनने के रास्ते पर है, इसलिए भारत के लिए अधिक ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने हेतु प्राकृतिक गैस की स्थायी आपूर्ति सुनिश्चित करना अनिवार्य होता जा रहा है।***

गेल में हम प्राकृतिक गैस की लगातार बढ़ती मांग को पूरा करने की दिशा में कार्यरत हैं। हम भारत में अपने पाइपलाइन और शहरी गैस वितरण नेटवर्क को लगातार विस्तारित कर रहे हैं तथा टीएपीआई के साथ पार-राष्ट्रीय पाइपलाइन डाली गई हैं, जिसमें 30 वर्ष के लिए 38 एमएमएससीएमडी के लिए तुर्कमेनगेज़ के साथ गैस बिक्री और क्रय करार निष्पादित किया गया है। सीमित घरेलू आपूर्तियों के मामले में हमने अपने विदेशी गठबंधनों के जरिए शेल गैस और एलएनजी के माध्यम से नई विशेषज्ञता एवं संसाधन अर्जित करने हेतु अपनी वैश्विक उपस्थिति को और अधिक विस्तारित किया है। हमारी कार्यनीति 2020 में पवन और सौर ऊर्जा जैसे वैकल्पिक स्रोतों में विविधीकरण की संकल्पना की गई है। इस वर्ष हम लगभग 100 मेगावॉट की पवन ऊर्जा परियोजनाओं की कमिशनिंग के बाद कैप्टिव से वाणिज्यिक उत्पादक की ओर बढ़े हैं। इसके अतिरिक्त हम राजस्थान में 5 मेगावॉट के सौर प्रकाश वोल्टीय संयंत्र की स्थापना कर रहे हैं और देश में सौर ऊर्जा परियोजनाओं की निविदा में भाग ले रहे हैं।

ऊर्जा कंपनी होने के नाते हमने अपनी प्रौद्योगिकी क्षमताओं में सुधार लाने के लिए नीतिपरक कदम उठाए हैं। डीपीई अधिदेश के अनुसार पीएटी का 1% भाग इस क्षेत्र के नए अवसरों की खोज के लिए अनुसंधान और विकास निवेशों में उपयोग किया जाता है। हमने नई दिल्ली में सीएनजी के उत्पादन के लिए नगर निगम ठोस अपशिष्ट से लैंडफिल गैस निकालने की प्रायोगिक परियोजना हाथ में ली है। इस परियोजना से ऊर्जा के सभी स्रोतों के दोहन के प्रति हमारी वचनबद्धता प्रदर्शित होती है। इसके अतिरिक्त हम शेल गैस, भूमिगत कोयला गैसीकरण, गैस हाइड्रेट, हाइड्रोजन, गैस भंडारण आदि में संभावित प्रौद्योगिकियों की सक्रिय खोज भी कर रहे हैं।

स्थायित्व, गेल की संकल्पना में रचा बसा है और हम अपने सभी स्टेकधारकों के लिए मूल्य सृजन हेतु वचनबद्धता से प्रेरित हैं और विनियामक आवश्यकताओं का पूरी तरह पालन करते हैं।

हमारे प्रयास कार्बन फुटप्रिंट, वॉटर फुटप्रिंट आदि में कमी लाने *की हमारी इच्छा से प्रेरित हैं और एसडी आकांक्षा 2020 में हमने अपने जीएचजी उत्सर्जनों, पानी की उपभोग क्षमता आदि में कमी लाने के लिए ठोस लक्ष्य बनाए हैं।* पुनः, हमने अपने प्रमुख स्थलों में से एक पर जीएचजी लेखा-जोखा किया है और इसे गेल के अन्य स्थानों पर भी आगे बढ़ाने की योजना है।

हम कंपनी में स्थायित्व प्रयासों के शासन के लिए ऊपर से नीचे का मार्ग अपनाते हैं। स्थायी विकास बोर्ड समिति की बैठक में हमारे स्थायित्व प्रयासों पर बल देने के लिए संबंधित मुद्दों तथा गतिविधियों और योजना को प्राथमिकता दी जाती है।

पी. के. जैन
(निदेशक - वित्त)

वर्ष 2012 में हमारे कारोबार में 24 प्रतिशत वृद्धि के साथ हमारी सशक्त वित्तीय वृद्धि 40,281 करोड़ रुपए तक पहुंची तथा पीएटी में 3 प्रतिशत वृद्धि के साथ यह 3,654 करोड़ रुपए हो गई।

हमने लगभग 30,000 करोड़ रुपए निवेश से 7,500 कि. मी. लंबी पाइप लाइन डाल कर अपने पाइप लाइन नेटवर्क को बढ़ाया, प्रमुख घरेलू स्रोत बिन्दुओं के लिए नए मांग केन्द्रों तक पहुंच तथा गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ एलएनजी पुनः गैसीकरण सुविधाओं को बढ़ाया। वित्तीय वृद्धि सुनिश्चित करते हुए ***हम वृद्धि के मार्ग को अपनाने में भी विश्वास रखते हैं जो पर्यावरण की दृष्टि से तथा सामाजिक दृष्टि से स्थायी है और हमारे सभी स्टेकधारकों के लिए दीर्घ अवधि मान्यता का सृजन करता है।***

इससे एक स्वस्थ परिवेश और स्थिर समाज के आर्थिक और सामाजिक विकास के प्रति योगदान के साथ व्यापार की दीर्घ अवधि सफलता सुनिश्चित होती है।

समाज में कंपनियों की भूमिका में वर्तमान में एक बदलाव आ रहा है जो महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

गतिशील वैश्विक आर्थिक परिस्थिति में गेल के लिए इसके बढ़ते महत्व को पहचानना और ऐसी कार्यनीतियों का विकास करना अनिवार्य हो गया है जो अल्प कार्बन अर्थव्यवस्था की दिशा में कार्य करती हैं और जिनसे हमें महत्वपूर्ण व्यापार और निवेश के अवसर मिलते हैं।

व्यावसायिक रूपरेखा

गेल ने 1984 में एक प्राकृतिक गैस परिवहन कंपनी के रूप में शुरुoआत की और आज यह भारत की पहले स्थान की प्राकृतिक गैस कंपनी है। हम क्रमिक रूप से एक बड़ी समेकित और ग्राहक केन्द्रित गैस कंपनी के रूप में विकसित हुए हैं जहां प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला में इसकी उल्लेखनीय उपस्थिति है। हम अपनी वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाने तथा स्थायी भावी ऊर्जा सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों में प्रवेश करने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए सक्रियता से कार्य कर रहे हैं। आरंभ से हमने विद्युत और उर्वरकों सहित अनेक गैस आधारित क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करते हुए भारत की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुख्य विशेषताएं

- प्राकृतिक गैस के संचरण में 75 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी
- प्राकृतिक गैस विपणन में 51 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी
- 117.62 एमएमएससीएमडी गैस संचरण
- 3.36 मिलियन मीट्रिक टन एलपीजी संचरण
- 7 एलपीजी संयंत्रों के साथ 1.44 मिलियन मीट्रिक टन कुल एलएचसी का उत्पादन
- वित्तीय वर्ष 11-12 के दौरान 4,41,000 मीट्रिक टन पॉलीमर का उत्पादन
- 31 ई एंड पी/सीबीएम ब्लॉक (भारत में 29 और 2 विदेश में)
- विश्व की सबसे लंबी विशिष्ट एलपीजी पाइपलाइन अवसंरचना
- शहरी गैस वितरण के माध्यम से 23 शहरों को कवर किया गया
- पवन ऊर्जा परियोजनाओं में 7,000 करोड़ रुपए का निवेश किया गया
- 12 प्रतिशत + 10 वर्ष पीएटी सीएजीआर
- गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक का गठन
- गेल ग्लोबल (सिंगापुर), पीटीई के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय गैस सोर्सिंग और ट्रेडिंग आरंभ
- दादरी बवाना नंगल पाइपलाइन की शुरूआत
- दाभोल एलएनजी टर्मिनल की शुरूआत

हमारा कारोबार, उत्पाद और सेवाएँ

नवीकरणीय ऊर्जा

सौर एवं पवन

गैस प्रसंस्करण इकाइयां

प्रचालनात्मक इकाइयां
7 (विजयपुर (2), पाता, वाघोडिया, उसार, लकवा, गंधार)
एलएचसी उत्पादन 1.44 एमएमटी

मुख्य उत्पाद/सेवाएं
एलपीजी, पेंटेन, प्रोपेन, एसबीपी सॉल्वेंट्स, नाफ्था

PENTANE
PROPANE

पैट्रोकेमिकल्स

प्रचालनात्मक इकाइयां 1 (पाता)

कुल उत्पादन 441 टीएमटी
(वित्तीय वर्ष 11-12)

कुल उत्पाद/सेवाएं
एचडीपीई/एलएलडीपीई पैलेट्स, एलपी फ्लेक्स, पीई श्रेड

G-Lex
G-Lene

GAILTEL
देश व्यापी पाइपलाइनों (5681 कि.मी.) एवं राज्य/राष्ट्रीय राजमार्ग (7346 कि.मी.) मार्गों के माध्यम से ओएफसी नेटवर्क के 13000 कि.मी.

एलपीजी पंपिंग/प्रापण स्टेशन (9)

गेल की समग्र भारत में उपस्थिति

IN COST

पुरस्कार और मान्यताएं

गेल के प्रयासों को अनेक व्यापार क्षेत्रों में असाधारण निष्पादन के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मान्यता दी गई है। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं :

- **निगमित नियंत्रण में उत्कृष्टता के लिए 11वां आईसीएसआई राष्ट्रीय पुरस्कार, 2011**
- भारतीय वाणिज्य चेम्बर द्वारा **निगमित नियंत्रण पुरस्कार,** 2012
- **2011 में निगमित नियंत्रण के लिए स्कोप से प्रशस्ति प्रमाणपत्र**
- ''डाउनस्ट्रीम प्रचालनों में विश्व की नं. 1 कंपनी'' के लिए **प्लैट्स द्वारा दिया गया वैश्विक ऊर्जा पुरस्कार,** 2011
- गेल जामनगर - लोनी और विजाग - सिकंदराबाद एलपीजी पाइपलाइन इकाई ने सार्वजनिक क्षेत्र सेवा इकाई श्रेणी के अन्तर्गत **लागत प्रबंधन 2011 में उत्कृष्टता के लिए** क्रमशः पहला और दूसरा राष्ट्रीय पुरस्कार जीता
- **वर्ष 2009-10 के लिए लगातार दूसरे वर्ष हेतु पेट्रोलियम क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ सीपीएसई प्रदर्शन के लिए एमओयू उत्कृष्टता पुरस्कार**
- **गैस प्रोसेसिंग इकाई और प्राकृतिक गैस कम्प्रेसर स्टेशन** - वाघोडिया; गैस प्रोसेसिंग इकाई - गंधार; जामनगर - लोनी एलपीजी पाइपलाइन; क्षेत्रीय नेचुरल गैस पाइपलाइन नेटवर्क, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली और आगरा के लिए **ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल, यूनाइटेड किंगडम से अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार**
- **नेशनल सेफ्टी काउंसिल, मुंबई द्वारा गैस प्रोसेसिंग इकाई को श्रेष्ठ सुरक्षा पुरस्कार और प्राकृतिक गैस कम्प्रेसर स्टेशन, विजयपुर के लिए सुरक्षा पुरस्कार**
- गेल - गंधार, वडोदरा और वाघोडिया इकाइयों के लिए **गुजरात सेफ्टी काउंसिल, वडोदरा से प्रशंसा का प्रमाणपत्र**
- **भारतीय निदेशक संस्थान, नई दिल्ली की ओर से गेल खेड़ा के लिए गोल्डन पीकॉक ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी अवार्ड** 2011
- विजयपुर और वाघोडिया; गैस प्रोसेसिंग इकाई, लकवा; प्राकृतिक गैस कम्प्रेसर स्टेशन, खेड़ा, क्षेत्रीय प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क, मुंबई; एलपीजी बूस्टर स्टेशन, आबू रोड और मनसारामपुरा के लिए **इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, नई दिल्ली की ओर से सुरक्षा अभिनवता पुरस्कार**
- **''वर्ष की अपनी श्रेणी की सर्वाधिक अभिनव परियोजना''** हेतु कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) - शोहराब गोदरेज बिजनेस सेंटर (जीबीसी) गेल, उसार ने **एन्वायरन्मेंट बेस्ट प्रैक्टिसिज़ अवार्ड 2012 पुरस्कार जीता**
- **जीटीआई ने वर्ष 2011 के लिए प्रशिक्षण प्रणाली हेतु प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक क्वालिटी अवार्ड और 'प्रशिक्षण उत्कृष्टता में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए ग्रीन टेक गोल्ड एचआर अवार्ड' प्राप्त किए हैं**

निगमित नियंत्रण

उत्तम नियंत्रण प्रथाएं निगमित निष्ठा बढ़ाने तथा उसके दीर्घ अवधि स्थायित्व के लिए भी सहायक हैं। कई तरीकों से यह नींव एक संगठन को लचीला बनाती है और साथ ही उसे संभावित जोखिमों से सुरक्षा प्रदान करती है। गेल में, जोखिमों तथा परिवर्तनशील परिस्थितियों से अवगत रहते हुए, एवं उचित निरीक्षण और सुस्थापित नियंत्रण प्रक्रियाओं के निष्पादन द्वारा भविष्य को वांछित आकार देना हमारे लिए आसान हो जाएगा।

क्रियात्मक संरचना

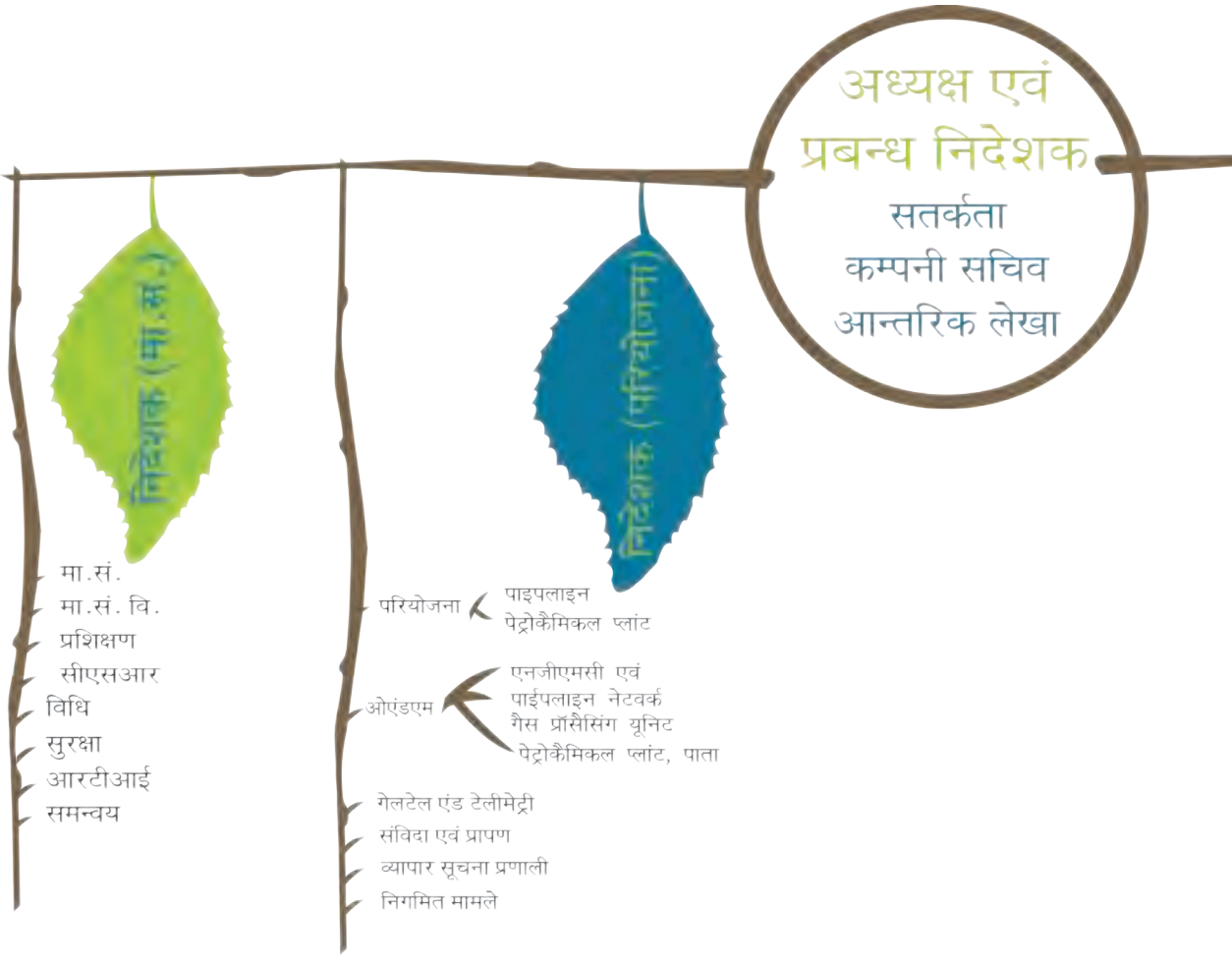

मंडल संरचना

मण्डल की उप-समितियाँ

लेखा समिति
- महेश शाह (अध्यक्ष)
- आर.एम. सेठी
- अरूण अग्रवाल

व्यवसाय विकास एवं विपणन समिति
- आर.एम. सेठी (अध्यक्ष)
- प्रभात सिंह
- एस. वेंकटरमन
- पी.के. जैन
- डॉ. नीरज मित्तल
- अरुण अग्रवाल

निगमित सामाजिक दायित्व समिति
- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (चेयरमैन)
- एस.एल. रैना
- सुधीर भार्गव
- महेश शाह

कर्मचारी अनुशासनात्मक समिति
- डॉ. विनयशील गौतम (अध्यक्ष)
- दो कार्यात्मक निदेशक (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा अलग-अलग मामलों के आधार पर नामित किए जाएंगे)

शक्ति सम्पन्न सीएंडपी समिति
- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (चेयरमैन तथा सभी कार्यात्मक निदेशक)

नीति समिति
- डॉ. विनयशील गौतम (अध्यक्ष)
- एस. वेंकटरमन
- अरुण अग्रवाल

मानव संसाधन समिति
- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (चेयरमैन)
- सभी कार्यात्मक निदेशक
- महेश शाह
- डॉ. विनयशील गौतम

एचएसई समिति
- अरुण अग्रवाल (अध्यक्ष)
- आर.डी. गोयल
- एस. वेंकटरमन

परियोजना मूल्यांकन समिति
- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (चेयरमैन)
- पी.के.जैन
- डॉ. नीरज मित्तल
- डॉ. विनयशील गौतम
- अरुण अग्रवाल
- सम्बद्ध कार्यात्मक निदेशक

पारिश्रमिक समिति
- डॉ. विनयशील गौतम (अध्यक्ष)
- एस.एल. रैना
- पी.के. जैन
- महेश शाह
- अरुण अग्रवाल

शेयरधारक/निवेशकर्ता शिकायत समिति
- महेश शाह(अध्यक्ष)
- एस.एल. रैना
- प्रभात सिंह

शेयर अंतरण समिति
- कार्यकारी निदेशक (वित्त) / वित्त प्रमुख
- कंपनी सचिव
- कंपनी सचिवालय में वरिष्ठतम अधिकारी

हितधारकों की शिकायत निवारण समिति
- अरुण अग्रवाल (अध्यक्ष)
- पी.के.जैन
- सम्बन्धित कार्यात्मक निदेशक
- डब्ल्यू.ई.टी. विषय के विवाद में शामिल नहीं

स्थायी विकास समित
- अरुण अग्रवाल (अध्यक्ष)
- आर.डी. गोयल
- एस. एल. रैना
- प्रभात सिंह
- एस. वेंकटरमन
- पी.के.जैन

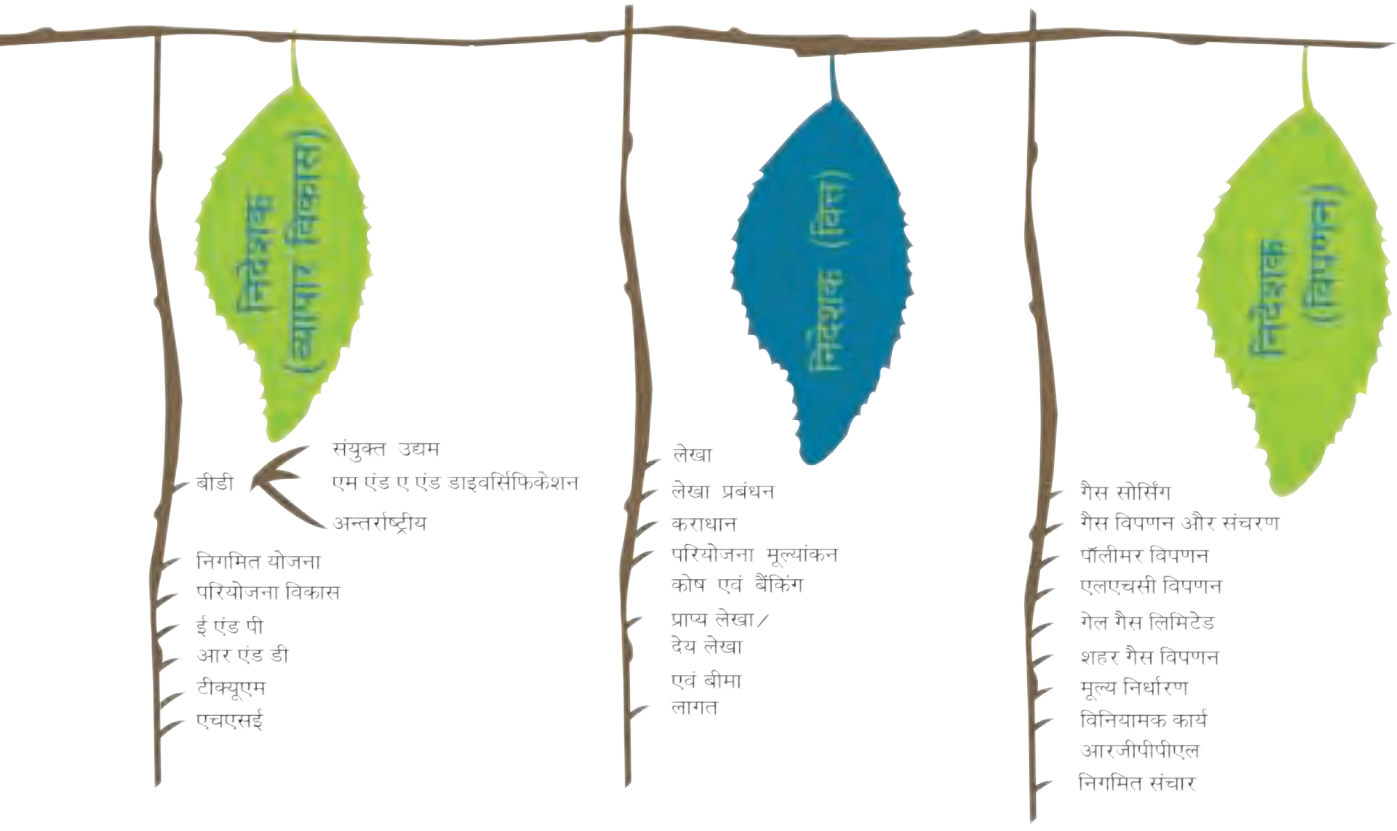

कार्यात्मक निदेशक

बी.सी. त्रिपाठी
आर.डी. गोयल
एस.एल. रैना
प्रभात सिंह
एस. वेंकटरमन
पी.के. जैन

सरकारी नामित निदेशक

सुधीर भार्गव
डॉ. नीरज मित्तल

स्वतंत्र निदेशक

महेश शाह
आर.एम. सेठी
डॉ. विनयशील गौतम
अरुण अग्रवाल
श्यामला गोपीनाथ
आर.पी. सिंह
डॉ. ए.के. खण्डेलवाल

हमारी निगमित नियंत्रण विचारधारा हमारे प्रचालनों के सभी आयामों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समानता के उच्चतम स्तर बनाए रखने के सिद्धांतों तथा सभी स्टेकधारकों के साथ हमारी संलग्नता पर आधारित है। हम लगातार बदलते व्यापार परिदृश्य के अनुरूप सार्थकता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रणालियों और प्रक्रमों में सुधार करते हैं। हमारे निगमित नियंत्रण ढांचे के आधारभूत सिद्धांत इस प्रकार हैं:

- बोर्ड के सदस्यों और इसकी समितियों की सूचना के लिए सक्रिय रूप से कार्य करते हुए प्रत्ययी कर्तव्यों का प्रभावी निर्वहन करना
- सभी लागू कानूनों, नियमों और विनियमों का अनुपालन
- बोर्ड, प्रबंधन और कर्मचारियों द्वारा नैतिक व्यापार आचरण
- सभी प्रचालनों, जोखिम प्रबंधन और वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण के लिए अच्छी तरह से विकसित प्रणालियां
- अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन की अनुमानित संरचना, आकार, विविध अनुभव और प्रतिबद्धता के निदेशक मंडल द्वारा नीतिपरक पर्यवेक्षण
- विभिन्न स्टेकधारकों के लिए महत्वपूर्ण प्रचालन और वित्तीय जानकारी का समय से और वास्तविक प्रकटीकरण

हमारा बोर्ड कंपनी की नीतियों को परिभाषित करने और उनके कार्यान्वयन की देखरेख के लिए जिम्मेदार है। एक सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम होने के नाते गेल में नियुक्ति सीधे भारत के राष्ट्रपति द्वारा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) के माध्यम से की जाती है। 31 मार्च 2012 को बोर्ड में 16 निदेशक थे, जिसमें से पूर्णकालिक निदेशकों सहित अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, दो अंशकालिक निदेशक (सरकारी मनोनीत) और आठ अंशकालिक स्वतंत्र निदेशक हैं। हम सूचीकरण करार के खण्ड 49 और निगमित नियंत्रण पर डीपीई दिशानिर्देशों की धारा के अनुसार निगमित नियंत्रण मानकों का पालन करते हैं जो हम पर लागू हैं। इस रिपोर्ट के माध्यम से हम 13 अगस्त 2012 को सेबी द्वारा लाए गए खण्ड 55 की आवश्यकताएं पूरी करते हैं।

हमारे विजन, कार्यनीति और व्यापार योजनाओं के कार्यान्वयन के निरीक्षण, आवश्यकता होने पर सुधारात्मक उपाय करने और हमारे सभी स्टेकधारकों के हितों की रक्षा हेतु निदेशक मंडल के तहत अनेक उप समितियां गठित की गई हैं। इनमें से कुछ हैं लेखा परीक्षा समिति, व्यवसाय विकास और विपणन समिति, निगमित सामाजिक दायित्व समिति, कर्मचारी अनुशासनात्मक समिति, अधिकार प्राप्त सी एण्ड पी समिति, आचार समिति, मानव संसाधन समिति, एचएसई समिति, परियोजना मूल्यांकन समिति, पारिश्रमिक समिति, शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति, शेयर स्थानांतरण समिति, हितधारक शिकायत निवारण समिति और स्थायी विकास समिति।

नैगम शासन पुरस्कार समारोह

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव और गेल के सीएमडी द्वारा गेल की प्रथम स्थायित्व रिपोर्ट का विमोचन

जोखिम प्रबंधन

एक मजबूत जोखिम प्रबंधन रूपरेखा गेल की व्यापार कार्यनीति और संचालन का समर्थन करती है। व्यापार विस्तारों और रुचियों से उत्पन्न नए और आने वाले जोखिमों के लिए रूपरेखा में लगातार जानकारी अद्यतन की जाती है। इस वर्ष मुख्य व्यापार क्षेत्रों और जोखिमों की समीक्षा के लिए वर्तमान व्यापार संदर्भ में आंतरिक नियंत्रण रूपरेखा की जांच का कार्य किया गया। बोर्ड लेखा परीक्षा समिति के साथ हमारे प्रचालनों में जोखिम प्रबंधन की प्रभावशीलता और निष्पादन का निरीक्षण करता है। सभी असामान्यताओं और अपवादों की जानकारी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को दी जाती है। स्थायित्व के तत्व हमारे जोखिम आकलन अभ्यास का अविभाज्य भाग हैं जिसमें हम प्रत्येक व्यापार तत्व का विश्लेषण न केवल ''हमारे व्यापार पर प्रभाव'' के परिप्रेक्ष्य में बल्कि ''प्राकृतिक परिवेश, सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत तथा मुख्य व्यापार स्टेकधारकों पर प्रभाव'' के संदर्भ में भी करते हैं। ''महत्वपूर्ण मुद्दे'' खंड में गेल के लिए प्रमुख स्थायित्व जोखिमों तथा चुनौतियों का विवरण और हमारी प्रतिक्रिया के विस्तृत विवरण के साथ उन पर की गई कार्रवाई के बारे में बताया गया है।

नैतिकता और पारदर्शिता

हम संगठन में सभी लेनदेन में नैतिकता और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों का पालन करने का प्रयास करते हैं। हमने अपने स्टेकधारकों को उनके सामने आने वाले किसी भ्रष्टाचार के दृष्टांत या दुरुपयोग की घटना की जानकारी विवेकपूर्ण रूप से देकर विसल ब्लोअर नीति का कार्यान्वयन भी किया है। यह नीति हमारे स्टेकधारकों को पीड़ित होने से सुरक्षा देती है और उन्हें लेखा परीक्षा समिति तक अभिगम्यता प्रदान करती है जो इन मामलों की जांच का उच्चतम प्राधिकरण है। लेखा परीक्षा समिति में स्वतंत्रता का उच्चतम स्तर सुनिश्चित करने के लिए केवल स्वतंत्र निदेशक हैं। यह प्रथा सांविधिक आवश्यकताओं के परे है।

हमने अपनी व्यापार प्रक्रियाओं और लेन-देनों में पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में अग्रणी प्रथाओं सहित अनेक प्रयास किए हैं। बोर्ड में दो अलग अलग उप समितियां हैं: शेयरधारक/निवेशक शिकायत निवारण समिति और स्टेकहोल्डर शिकायत निवारण समिति का गठन प्रत्यक्ष रूप से शिकायतों की जानकारी और जांच हेतु किया गया है जो सौहार्दपूर्ण रूप से विवादों को सुलझा कर जानकारी प्रदान करती हैं। इससे हमारी व्यापार प्रक्रिया में स्टेकहोल्डरों का भरोसा और भी मजबूत हुआ है। इसके अलावा, बोर्ड स्तर पर नैतिक समिति व्यापार में भी हमारी आचार संहिता के एक समान कार्यान्वयन को सुनिश्चित करती है। हितों के टकराव से बचने के लिए हमने खास तौर पर निदेशक मंडल के लिए भी एक आचार संहिता बनाई है। पुनः हित के टकराव से संबंधित मुद्दों पर संयम रखना इस वर्ष के समझौता ज्ञापन में निगमित नियंत्रण खंड में एक निष्पादन मापदंड के तौर पर शामिल किया गया है। हमारे सभी व्यापार प्रचालनों की निगरानी आंतरिक सतर्कता व्यवस्था और

बाह्य एजेंसियों के माध्यम से भ्रष्टाचार से जुड़े जोखिमों के लिए नियमित तौर पर की जाती है।

तेजी से बदलते व्यापार परिवेश के दौर में हम निगमित नियंत्रण के नवीनतम रुझानों से अवगत रहने की अनिवार्यता को स्वीकार करते हैं। हमारे निदेशकों को डीपीई और स्कोप द्वारा नियमित अंतराल पर आयोजित निगमित नियंत्रण के सम्मेलनों में भाग लेने के लिए मनोनीत किया जाता है ताकि वे नवीनतम विकासों पर जानकारी तथा यह समझ सकें कि गेल में इनका कार्यान्वयन किस प्रकार किया जाता है। हम पिछले 6 वर्षों से ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल्स इंटेग्रिटी पैक्ट के हस्ताक्षरी रहे हैं। इस समझौता के तहत स्वैच्छिक आधार पर हमने अपनी प्रथाओं में बाहरी संवीक्षा को अपनाया है जैसे स्वतंत्र बाह्य मॉनिटरों की नियुक्ति या कार्यरत कंपनी सचिव से पालन प्रमाणपत्र प्राप्त करना। व्यापार कार्यों और गेल के प्रभागों के बीच पारदर्शिता बढ़ाने के कदम उठाए गए हैं। इस वर्ष हमने विभिन्न व्यापार इकाइयों द्वारा आंतरिक समझौता ज्ञापन (आईएमओयू) आरंभ किया है ताकि एमओयू के तहत तय किए गए लक्ष्यों का बेहतर निष्पादन प्रबंधन और जवाबदेही तय की जा सके।

गेल में शासी स्थिरता

स्थायित्व के व्यापक प्रसार को देखते हुए गेल में प्रत्येक व्यक्ति की एक भूमिका है कि वह हमारे सभी प्रचालनों में किस प्रकार संवर्धन करे, जबकि वरिष्ठ प्रबंधन का विशेष फोकस हमारे निष्पादन की निगरानी पर होता है। शब्दावली, मानकों और लक्ष्यों की एक सामान्य समझ स्थापित करने के लिए हमने एक स्थायित्व नीति का सृजन किया है जो गेल में स्थायित्व के मूलभूत निर्माण खण्ड के तौर पर कार्य करेगी। इस नीति को हमारे निदेशक मंडल द्वारा 11 मई 2012 को अनुमोदित किया गया था और इसमें आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक स्तरों पर हमारी संकल्पना और आकांक्षाओं को समेकित किया गया।

स्थायित्व नीति की प्रभावशीलता को मापने के लिए प्रणालियों तथा प्रक्रियाओं की जरूरत होती है जो सूचना और निष्पादन को नीति निर्माताओं के सक्षम पर्यवेक्षण के तहत ग्रहण कर सकें। शासी स्थायित्व की दिशा में एक तंत्र के गठन हेतु हमने एक ऐसी संरचना परिभाषित की है जो संगठनात्मक जटिलताओं के प्रभावी प्रबंधन के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण कार्य करती है- श्री अरुण अग्रवाल (स्वतंत्र निदेशक) के नेतृत्व में एक स्थायी विकास बोर्ड उप समिति (एसडीबीसी) और निदेशक- परियोजना और निदेशक -व्यापार विकास द्वारा इन्हें सहयोग दिया जाता है। यह समिति गेल के प्रचालनों में स्थायित्व को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है। इस समिति के व्यापक रूप से फैले कार्यों के आधार पर हमने अन्य कार्यात्मक निदेशकों को हाल ही में इसके सदस्यों के रूप में शामिल किया है जो हैं निदेशक-वित्त, निदेशक-विपणन और निदेशक-मानव संसाधन।

निदेशक-व्यापार विकास के नेतृत्व में एक स्थायी विकास संचालन समिति (एसडीएससी) का गठन भी किया गया है जो स्थायित्व लक्ष्यों की प्राप्ति को गति और दिशा प्रदान करती है तथा परियोजनाओं के वास्तविक कार्यान्वयन की निगरानी करती है। हमने हाल ही में एसडीएससी को व्यापक आधार प्रदान किया है ताकि पूरे संगठन की संस्कृति में स्थायित्व की संकल्पना निहित रहे। इसके अलावा, हम गेल के सभी स्थलों पर बहु विषयक स्थायी समितियों के गठन की प्रक्रिया में हैं।

एसडीएससी द्वारा आकलन साधनों एवं गेल में स्थायित्व को बढ़ावा देने की तकनीकों के साथ सामान्य मानकों, विधियों, प्रबंधन प्रणालियों एवं सहयोगात्मक प्रयासों का सृजन भी किया जाएगा। एसडीएससी से स्थायित्व शासन संरचना को विभिन्न प्रचालन इकाइयों में लागू किया जाता है, जहां प्रत्येक स्तर पर सुपरिभाषित भूमिकाएं और दायित्व हैं। व्यापार इकाई स्तर पर कार्यकारी निदेशक अवसरों को उपयुक्त रूप से अभिज्ञात करने के प्रयास को आगे बढ़ाते हैं और सार्थक तथा प्रभाव उन्मुख परियोजनाओं का विकास करते हैं। स्थल पक्ष स्वामी और समन्वयक स्थलों से अनिवार्य सूचना के समेकन में सहायता करते हैं और साथ ही परियोजनाओं की प्रगति पर नजर रखने के लिए कार्यान्वयन एवं रुकावट रहित प्रबंधन सूचना प्रणाली में भी योगदान देते हैं।

एक जिम्मेदार निगमित नागरिक होने के नाते, गेल डीपीई द्वारा एसडी पर बनाए गए दिशानिर्देशों की अनिवार्य अपेक्षा से और आगे बढ़ गया है। गेल में स्थायित्व को निहित करने के हमारे प्रयासों को और भी अधिक गति देने के लिए हमने अपने जीएचजी उत्सर्जनों, जल की खपत, ऊर्जा दक्षता और स्थायित्व पर प्रशिक्षण/जागरूकता के प्रबंधन के पक्षों में एसडी आकांक्षाएं 2020 के माध्यम से स्पष्ट लक्ष्य तय किए हैं।

गेल उन कुछ संगठनों में से एक है जहां केन्द्रीय स्थायी दल निगमित योजना समूह का भाग है। इसमें हमारे प्रभावों के आकलन की सुविधा का विचार है तथा दीर्घ अवधि कार्यनीति और दैनिक व्यापार के निर्णय लेने में स्थायित्व के सन्निहित पक्षों द्वारा हमारे स्टेकधारकों के लिए उत्पन्न मान्यताएं शामिल हैं। एक सक्रिय संगठन के रूप में हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि लाभ पाने के लिए लगाई गई लागत और समय का पूरा फायदा मिले। केन्द्रीय स्थायित्व दल के प्रधान दायित्वों में एसडीबीसी और एसडीएससी की समर्थनकारी गतिविधियां, नए स्थायित्व प्रयासों पर कार्य, गेल की स्थायित्व रिपोर्ट के विकास तथा स्थायित्व के पक्षों पर कर्मचारियों का प्रशिक्षण शामिल था।

स्थायी विकास बोर्ड की उप समिति

अध्यक्ष
स्वतंत्र निदेशक
श्री अरुण अग्रवाल

निदेशक मानव संसाधन

निदेशक व्यापार विकास

स्थायी विकास विषय संचालन समिति

अध्यक्ष
निदेशक व्यापार विकास

गेल की स्थायित्व विकास समिति की बैठक

अपने स्टेकधारकों के साथ संलग्नता

सुव्यवस्थित स्टेकधारक संलग्नता से व्यापारिक उद्देश्यों को सामाजिक जरूरतों और उम्मीदों के साथ जोड़ने में सहायता मिलती है, जिससे स्टेकधारक मान्यता का दीर्घ अवधि स्थायित्व और उन्नयन सुनिश्चित होता है। हमारी ठोस स्टेकधारक संलग्नता प्रक्रिया से हमें स्टेकधारकों की जरूरतों और उम्मीदों को समझने और उन पर कार्रवाई करने में सहायता मिलती है। इससे हमें लगातार जटिल होते और बदलते व्यापार परिवेश में प्रतिस्पर्द्धा में भी सहायता मिलती है, तथा साथ ही स्थायित्व विकास की ओर एक धनात्मक व्यवस्थित बदलाव लाया जाता है।

स्थायित्व कार्यनीति तैयार करने की दिशा में स्टेकधारक सरोकारों और मुद्दों को समझना प्राथमिक कदम है। इस वर्ष हमने गेल के सभी प्रमुख स्टेकधारक समूहों को संलग्न करने पर ध्यान केन्द्रित किया है। कर्मचारियों, आपूर्तिकारों, ग्राहकों और समुदायों/गैर सरकारी संगठनों के लिए विभिन्न स्थलों पर कार्यशालाओं का आयोजन करने के अतिरिक्त, हमने संरचित प्रश्नावलियों, प्रत्यक्ष साक्षात्कारों तथा ऑनलाइन संलग्नता के माध्यम से संलग्नता का आयोजन किया। हमने अपने स्थायित्व के प्रयासों, जागरूकता स्तर, शामिल होने के स्तर, प्रतियोगियों के सापेक्ष ब्रांड आमंत्रण, मौजूदा नियंत्रण संरचना के साथ सरोकार तथा अन्य मानदंडों में ग्राहक संतुष्टि पर अपने स्टेकधारकों की अवधारणा का आकलन किया है। गेल द्वारा अपने प्रचालनों में स्टेकधारक संलग्नता और अवधारणा सर्वेक्षण का आयोजन करने से हमें अपनी शक्ति तथा कमजोरियों के क्षेत्रों को विशिष्ट रूप से अभिज्ञात करने में सहायता मिली है। हम इस बौद्धिकता को भविष्य में अपने संरचित स्टेकधारक कार्यक्रमों की डिजाइन बनाने में उपयोग करने के लिए वचनबद्ध बने हुए हैं। सरकार की उम्मीदों (हमारे अधिकांश शेयरधारक) को गेल द्वारा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) के साथ, हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) में रखा गया है, जहां वित्तीय और गैर वित्तीय दोनों लक्ष्य तय किए गए थे तथा इसे गेल की वेबसाइट (http://gailonline.com/final_site/mou-mopng.html) पर भी डाला गया है। इस समझौता ज्ञापन की समीक्षा तिमाही आधार पर एमओपीएनजी द्वारा की जाती है और सरकार द्वारा नियुक्त एक स्वतंत्र कार्यबल द्वारा वर्ष के अंत में इसका मूल्यांकन किया जाता है।

गेल के कर्मचारियों ने ऊर्जा संरक्षण को सुधार के क्षेत्र के रूप में बल दिया है और अभिव्यक्त किया है कि स्थायित्व विशिष्ट केआरए आरंभ करने से स्थायित्व के प्रयासों में कर्मचारियों को शामिल होने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा। ग्राहकों ने गेल के स्थायित्व प्रयासों पर जागरूकता की कमी व्यक्त की, आपूर्तिकार ने गेल को इसके प्रतियोगियों के सापेक्ष अधिक जिम्मेदार कंपनी बताया। हमारे भली भांति तैयार किए गए सामाजिक दायित्व कार्यक्रमों की प्रशंसा के बावजूद गैर सरकारी संगठनों ने हमें अपनी प्रशासनिक प्रणाली में सुधार लाने की जरूरत बताई और नैगम स्तर पर सामाजिक दायित्व एजेंडा को सुचारू बनाने पर बल दिया। स्टेकधारकों को शामिल करने के अभ्यास से इन निष्कर्षों को पूरी रिपोर्ट के संबंधित अनुभागों में समझाया गया है।

संलग्नता के परिणाम

कर्मचारी : गेल के विभिन्न स्थलों पर आयोजित जागरूकता और संलग्नता कार्यशालाओं के दौरान और कर्मचारियों की ऑनलाइन संलग्नता में निम्नलिखित फीडबैक प्राप्त हुए थे:

स्टेकधारक संलग्नता : स्थायी विकास कार्यशाला

नई दिल्ली में निदेशक मंडल द्वारा संवाददाता सम्मेलन

संलग्नता के परिणाम

कर्मचारियों की गेल के बारे में धारणा	
कर्मचारी कल्याण केंद्रित कंपनी	15%
उपभोक्ता केंद्रित कंपनी	15%
पर्यावरण के प्रति सचेत कंपनी	14%
सामाजिक रूप से जिम्मेदार कंपनी	14%
मजबूत और सम्मानित ब्रांड	14%

मुख्य अभिलक्षण	
बाजार उन्मुख पारिश्रमिक	9%
उत्कृष्ट कर्मचारी कल्याण के उपाय	8%
पर्याप्त शिक्षा और विकास	8%
कुशल मानव संसाधन	8%

स्थायित्व के बारे में कर्मचारियों से जानकारी	
ई-मेल के माध्यम से सूचना में सहभागिता	21%
इंट्रानेट	19%
स्थायित्व रिपोर्ट	17%
जागरूकता सत्र	17%

कर्मचारियों के अनुसार गेल में सुधार के उभरते क्षेत्र	
ऊर्जा संरक्षण	23%
जल संरक्षण	8%
कर्मचारी कल्याण	8%

कर्मचारी निम्नलिखित के माध्यम से स्थायित्व के बारे में योगदान कर सकते हैं...	
ऊर्जा का संरक्षण	23%
कमी और सामग्री की पुनरावृत्ति	21%
जिम्मेदार पर्यटन	19%
कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाना	18%

ग्राहक: गेल के विभिन्न स्थानों पर आयोजित स्टेकधारक संलग्नता कार्यशालाओं के माध्यम से प्राप्त फीडबैक

ग्राहकों की गेल के बारे में धारणा	
ग्राहक केंद्रित कंपनी	18%
गुणवत्ता के प्रति जागरूक कंपनी	18%
सामाजिक रूप से जिम्मेदार कंपनी	18%

गेल के ग्राहकों के अनुसार गेल के प्रदर्शन के 3 शीर्ष क्षेत्र	
ऊर्जा प्रबंधन	6%
लागत प्रतिस्पर्धा	6%
ग्राहक संबंध	5%

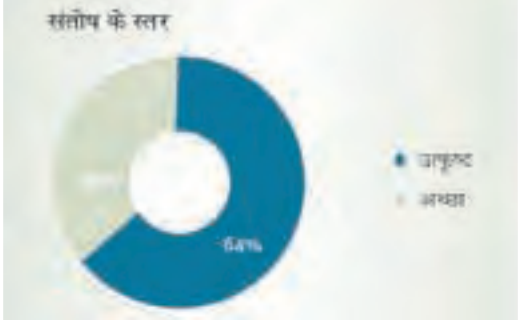

आपूर्तिकर्ता: गेल के विभिन्न स्थानों पर आयोजित पणधारी संलग्नता कार्यशालाओं के माध्यम से प्राप्त फीडबैक

आपूर्तिकर्ताओं की गेल के बारे में धारणा	
समाजिक रूप से जिम्मेदार कंपनी	16%
गुणवत्ता के प्रति जागरूक कंपनी	15%
ग्राहक के प्रति जागरूक कंपनी	14%

गेल के आपूर्तिकर्ताओं के अनुसार गेल के प्रदर्शन के 3 शीर्ष क्षेत्र	
फाइल समाशोधन प्रबंधन प्रणाली	7%
विवाद समाधान प्रक्रिया	7%
स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाएं	7%
सामुदायिक विकास और संलग्नता	7%

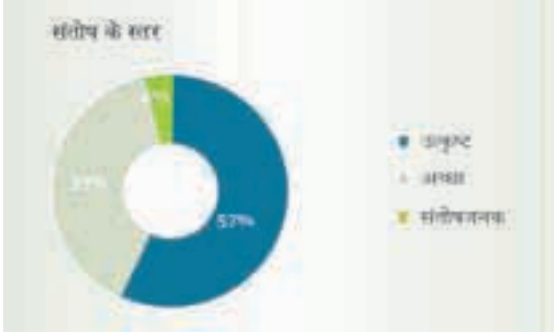

समुदाय/गैर सरकारी संगठनः गेल के विभिन्न स्थानों पर आयोजित स्टेकधारक संलग्नता कार्यशालाओं के माध्यम से प्राप्त फीडबैक

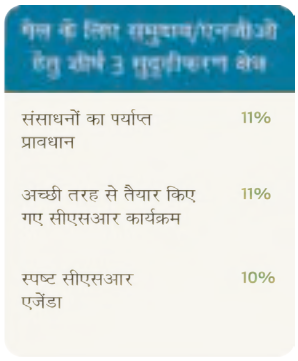

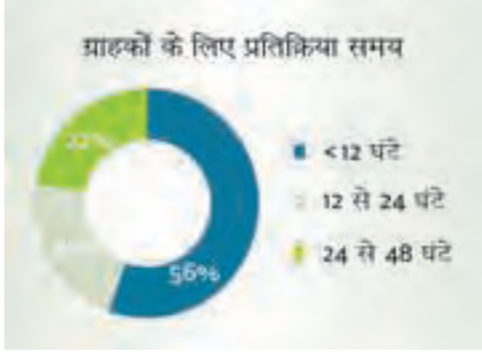

संलग्नता की आवृत्ति और विधियों सहित स्टेकधारकों के व्यापक समूह के साथ हमारे संलग्नता लक्ष्य नीचे दी गई तालिका में बताए गए हैं :

	संलग्नता के प्रमुख लक्ष्य	संलग्नता की आवृत्ति	संलग्नता की विधि
ग्राहक	▪ उनकी संतुष्टि के स्तर को समझना ▪ प्रचालन चिंताओं का समाधान करना ▪ नए उत्पादों के विकास पर प्रतिक्रिया प्राप्त करना	वार्षिक, तिमाही	वार्षिक ग्राहक बैठक, क्षेत्रीय ग्राहक बैठक
कर्मचारी	▪ गेल के व्यापार लक्ष्यों, मूल्यों और सिद्धांतों पर सूचना ▪ मुख्य परियोजनाओं पर कार्य योजना ▪ सर्वोत्तम प्रथाओं का कार्यान्वयन ▪ सीखने में की सुविधा और विकास ▪ ट्रैक प्रमुख निष्पादन संकेतक और कार्य योजना ▪ सरोकार को समझना और समाधान ▪ मूल विचार बांटना और सीखना	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक	संतुष्टि सर्वेक्षण, शिकायत निवारण, सुझाव योजनाएं, सीएमडी ओपन हाउस, विभिन्न समितियां, गेल दिवस समारोह, ई-मेल, पत्रिकाएं, कर्मचारी संघों और यूनियनों के साथ बैठकें
सरकार तथा विनियामक	▪ संबंध बनाना ▪ समझौता ज्ञापन के माध्यम से निष्पादन मूल्यांकन ▪ प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना ▪ प्रमुख निवेश योजनाओं पर चर्चाएं	वार्षिक, मासिक	समझौता ज्ञापन, क्यूपीआर
उद्योग संघ	▪ शेयर निष्पादन डेटा ▪ मुख्य निर्णयों और परियोजनाओं पर सूचना ▪ सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भागीदारी ▪ सार्वजनिक नीति समर्थन में संलग्न	आवश्यकता आधारित	संगोष्ठी, सम्मेलन, उद्योग एक्सपो, साक्षात्कार
निवेशक	▪ वित्तीय निष्पादन ▪ प्रमुख भावी कार्यनीतियों को बांटना ▪ प्रतिक्रिया प्राप्त करना और सरोकार का समाधान ▪ मुख्य निर्णयों पर शेयरधारकों की मंजूरी लेना	वार्षिक, तिमाही	वार्षिक सामान्य बैठक, तिमाही निष्पादन अद्यतन, निवेशक बैठक
मीडिया	▪ संबंध बनाना ▪ निष्पादन की मुख्य और गौण बातों का मूल्यांकन ▪ मुख्य क्षेत्रीय विकासों पर विचार	आवश्यकता आधारित	प्रेस बैठकें, साक्षात्कार

जारी....

	संलग्नता के प्रमुख लक्ष्य	संलग्नता की आवृत्ति	संलग्नता की विधि
समुदाय	▪ आवश्यकता का निर्धारण तथा सामुदायिक विकास योजनाओं को निष्पादित करने के लिए समुदायों के साथ आदान-प्रदान। ▪ महत्वपूर्ण घटनाओं पर उनकी चिंता को समझना और सम्बोधित करना	आवश्यकता आधारित	
गैर सरकारी संगठन	▪ सामुदायिक विकास परियोजनाओं का निष्पादन ▪ महत्वपूर्ण घटनाओं को समझना और चिंताओं का समाधान	आवश्यकता आधारित	परियोजना बैठकें, वार्षिक समीक्षाएं
सहभागी	▪ मुख्य निवेश परियोजनाओं पर चर्चाएं ▪ निष्पादन डेटा साझा करना ▪ मुख्य मुद्दों पर निर्णय लेने में सहायता	आवश्यकता आधारित	आवश्यकता आधारित बैठकें
आपूर्तिकर्ता	▪ प्रचालनात्मक निर्णयों का संचार ▪ उनका निष्पादन डेटा/सूचना लेना ▪ चिंताओं को समझना और उनका समाधान	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक	सप्लायरों के साथ बैठकें, सशक्त सी एंड पी समिति तक पहुंच

संयुक्त सचिव, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा गेल पाता का दौरा

निगमित और साइट दोनों स्तरों पर अपने स्टेकधारकों के साथ संपर्क के परिणामस्वरूप गेल के लिए स्थायित्व चुनौतियों या ''महत्वपूर्ण मामलों'' पर निर्धारण संभव हुआ है। सामग्री की निर्धारण प्रक्रिया हमारे स्टेकधारकों के संलग्नता सर्वेक्षण का एक अविभाज्य भाग है। अगले खंड में ऐसे महत्वपूर्ण मामलों का वर्णन किया गया है जिन्हें इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप अभिज्ञात किया गया था और बताया गया है कि इनमें से प्रत्येक क्षेत्र में गेल ने किस प्रकार प्रगामी रूप से कार्य कर रहा है।

महत्वपूर्ण मुद्दों का निर्धारण

महत्वपूर्ण मामलों का चयन स्थायी भविष्य को आकार देने की दिशा में सर्वाधिक निर्णायक चरणों में से एक है। ये ऐसे मामले हैं जिनमें किसी संगठन के स्टेकधारकों के निर्णय में बाधा डालने की क्षमता है। गेल में हम वार्षिक आधार पर इसके आकलन का अभ्यास यह अभिज्ञात करने के लिए आयोजित करते हैं कि हमारे स्टेकधारकों के लिए क्या महत्वपूर्ण है और परिणामस्वरूप इनकी तुलना में अपने निष्पादन प्रकट करते हैं।

एलएनजी शिप

स्टेकधारकों के संलग्नता कार्य के बाद एक व्यापक डेटा विश्लेषण से हमें अपने स्टेकधारकों के महत्वपूर्ण सरोकारों, आकांक्षाओं और अपेक्षाओं की तस्वीर मिली, जिससे आगे चलकर हमें सामग्री के मुद्दों के निर्धारण में सहायता मिली। इस वर्ष की संलग्नता से हमें यह तथ्य स्थापित करने में सहायता मिली कि हमारे स्टेकधारकों के महत्वपूर्ण मुद्दों में पिछले वर्ष से कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस वर्ष में इन मुद्दों पर हमारी प्रगति निम्नानुसार है:

गैस सोर्सिंग:

भारत लगातार ईंधन के विकल्प के रूप में प्राकृतिक गैस पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है, जिसे इसकी बढ़ती मांग और पर्यावरण संबंधी तथा आर्थिक लाभों के लिए महत्वपूर्ण माना गया है। बढ़ती हुई गैस की मांग के साथ गैस की पर्याप्त आपूर्तियां गेल के लिए प्राथमिक महत्व की हैं। हम स्थल पर और दीर्घ अवधि आधार पर गैस सोर्सिंग प्रयासों को पूरकता प्रदान करने के लिए अपस्ट्रीम अधिग्रहणों और विदेश के अवसरों की दिशा में कार्यरत हैं। गैस की अबाधित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हम अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एलएनजी और प्राकृतिक गैस व्यापार में अपनी पहुंच बढ़ाना जारी रखते हैं। इस दिशा में एक कदम के तौर पर 2011 में कैरिजो के ईगल फोर्ड शेल क्षेत्रफल में 20 प्रतिशत का अधिग्रहण था। इसमें भारत में शेल गैस की भावी संभाव्यता को पहचाना गया। इस लेन देन के पीछे नीतिपरक तर्क कि हमें भारत में भावी शेल गैस निविदाकरण दौरों के लिए तैयार रहने हेतु संयुक्त उद्यम में अन्वेषण और उत्पादन कार्मिकों के सैकंडमेंट के माध्यम से शेल गैस की तकनीकी जानकारी प्राप्त करना था जिससे हमें प्रतिस्पर्द्धी लाभ मिलता। इस सौदे से गेल यूएसए के उच्च प्रतिस्पर्द्धी गैस क्षेत्र में प्रवेश करने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम बन गया है। इस वर्ष के दौरान हमारी सहायक कंपनी गेल ग्लोबल (सिंगापुर) प्रा. लि. ने एलएनजी और पेट्रोकैमिकल मदों में ट्रेडिंग गतिविधियों की शुरूआत के लिए सिंगापुर में अपना कार्यालय खोला है। हमने सेबाइन पास लिक्विफेक्शन एलएलसी, चेनियर एनर्जी पार्टनर्स की एक इकाई से एलएनजी की 3.5 मिलियन टन/वर्ष आपूर्ति के लिए 20 वर्ष के बिक्री और क्रय करार पर भी हस्ताक्षर किए हैं। भारत सरकार के समर्थन से हम तुर्कमेनिस्तान से आरंभ होने वाली प्रस्तावित राष्ट्रीय टीएपीआई पाइपलाइन के जरिए गैस का आयात करते हैं जो अफगानिस्तान व पाकिस्तान के रास्ते भारत आती है। हमने मई 2012 में 30 वर्ष की आपूर्ति के लिए 38 एमएमएससीएमडी हेतु तुर्कमेनगेज़ के साथ एक गैस बिक्री क्रय करार का निष्पादन भी किया है। अन्य संगत जानकारी रिपोर्ट के निवेशक खंड में भी दी गई है।

व्यापार में वृद्धि:

हम ईंधन व्यापार वृद्धि के लिए अपने व्यापार पोर्टफोलियो में निरंतर विविधता लाते हैं और नए मार्ग खोजते हैं। हमारे पेट्रोकैमिकल के व्यापार से हमारे लाभों में उल्लेखनीय योगदान मिला है तथा इस खण्ड में बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए हम पाता में स्थित अपनी पेट्रोकैमिकल विनिर्माण सुविधा में पॉलीमर के 900,000 टीपीए की क्षमता को दोगुना कर रहे हैं। भारत की 12वीं पंच वर्षीय योजना में विद्युत क्षेत्र में क्षमता विस्तार पर लगातार बढ़ते बल की प्रतिक्रिया स्वरूप हम गैस आधारित विद्युत संयंत्रों में अवसरों की तलाश कर रहे हैं। प्राकृतिक गैस संसाधनों के लिए मांग और आपूर्ति के मौजूदा अंतराल को कम करने के एक प्रयास में हमने भारत के पूर्वी तट पर एलएनजी आयात की एक सुविधा की स्थापना हेतु प्रयास किया है। हम सौर विद्युत में सक्रिय रूप से निवेश कर रहे

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा गेल चेनियर सौदे पर हस्ताक्षर

हैं और जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन (जेएनएनएसएम) के तहत एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लि. (एनवीवीएनएल) द्वारा राजस्थान में 5 मेगावॉट की सौर पी वी परियोजना की स्थापना हेतु चुना गया है। गुजरात में 2010 में 4.5 मेगावॉट कैप्टिव पवन विद्युत संयंत्र और 15 मेगावॉट की कैप्टिव पवन ऊर्जा परियोजना की स्थापना की गई है। पुनः, तमिलनाडु और कर्नाटक राज्यों में 600 करोड़ रुपए की लागत से वाणिज्यिक बिक्री के लिए 100 मेगावॉट की पवन ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। हम कोयला गैसीकरण संयंत्र तथा कोयला आधारित उर्वरक और अमोनियम नाइट्रेट कॉम्प्लेक्स की संभाव्यता तालचर, उड़ीसा में तलाश रहे हैं।

अपने व्यापार को बढ़ावा देने के लिए इस वर्ष हमने अनुसंधान और विकास गतिविधियों पर काफी निवेश किया है। इससे हमें अनुसंधान और विकास वर्ष 2012-13 पर कम से कम 1 प्रतिशत पीएटी व्यय करने के लिए डीपीई का अधिदेश पूरा करने में सहायता मिली है। अनुसंधान और विकास गतिविधियों के निरीक्षण के लिए हमने गेल में अनुसंधान सलाहकार परिषद का गठन किया है। हमारी कुछ अनुसंधान परियोजनाओं में हाइड्रोजन भंडारण तथा ठोस ऑक्साइड ईंधन सेल के विकास सहित अनेक अनुसंधान परियोजनाएं शामिल हैं। हमने अगस्त 2011 में यूएसएईपीए के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर द्वारा ग्लोबल मिथेन इनीशिएटिव (जीएमआई) के तत्वावधान में प्राकृतिक गैस स्टार कार्यक्रम में भाग लिया। हमने 2011 में भूमिगत कोयला गैसीकरण में सहयोग के लिए उजबेकिस्तान के मैसर्स उजबेक कोल के साथ भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। अन्य संगत जानकारी रिपोर्ट के निवेशक खंड में भी दी गई है।

ग्राहक संतुष्टिः

हमने ग्राहक संतुष्टि बढ़ाने के लिए अपनी प्रक्रियाओं, प्रणालियों और कार्यात्मक क्षेत्रों में सुधार का प्रयास किया है। 2011 में हमने सैप प्लेटफॉर्म पर कार्यान्वित समेकित गैस प्रबंधन प्रणाली (जीएमएस) की शुरूआत की। जीएमएस में सभी शिपर आपूर्तिकारों, ग्राहकों और गैस परिवहनकर्ताओं को गैस परिवहन व्यापार में बेहतर समन्वय तथा पारदर्शिता प्रदान करने के लिए समेकित किया गया है। इस प्रणाली से ऑन लाइन इनवॉइस की सुविधा मिलती है जिसे ग्राहकों द्वारा डाउनलोड किया जा सकता है, इससे उच्च स्तरीय ग्राहक सेवा और तीव्रतर कार्य होता है। इससे ग्राहकों द्वारा गैस प्रदायगी की बेहतर योजना और उपयोगिता में सहायता मिलती है। गेल पॉलीमर प्रौद्योगिकी केन्द्र (जीपीटीसी) एक ऐसा मंच है जहां ग्राहक अपनी पूछताछों और कच्ची सामग्री, एडिटिव और अंतिम उत्पादों की आधुनिकतम प्लास्टिक जांच सुविधाओं तक पहुंच के लिए तकनीकी समाधान और अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकते हैं। एक ऑनलाइन निविदाकरण पोर्टल भी आरंभ किया गया है, जिसके जरिए हमारे मौजूदा ग्राहक स्पॉट आरएलएनजी की आपूर्ति हेतु निविदा कर सकते हैं। ग्राहकों और प्रचालन व्यवहार्यता द्वारा दिए गए मूल के आधार पर गैस का नामांकन ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से प्रचालन और अनुरक्षण विभाग द्वारा किया जाता है। गैस के नामांकन के बाद ऑनलाइन बिक्री और क्रय सूचना तैयार होती है जो स्वचालित रूप से ग्राहकों को मेल द्वारा भेजी जाती है। इस प्रणाली का विकास स्पॉट गैस के बेहतर मूल्यों की प्राप्ति तथा ग्राहकों के लिए समग्र प्रक्रिया में कमी लाने हेतु किया गया है। इन प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2011-12 में 89 प्रतिशत के ग्राहक संतुष्टि सूचकांक में योगदान मिला है। अन्य विवरणों के लिए कृपया रिपोर्ट का ग्राहक खंड देखें।

दक्षिण भारत के अन्दरूनी भागों में गेल के विपणन सहयोगी

सुरक्षा और संरक्षाः

कर्मचारियों और बाहरी स्टेकधारकों का स्वास्थ्य और सुरक्षा गेल की केन्द्रीय संगठनात्मक मान्यताओं में निहित हैं। हम सुरक्षा के उच्चतम मानक बनाते हैं और इसे हमारे 99.05 प्रतिशत एचएसई सूचकांक में दर्शाया गया है। एचएसई पर नियमित प्रशिक्षण से कर्मचारी हमारी निगमित एचएसई नीति का एक अविभाज्य भाग बनता है। हमारी नीति के अनुसार हमने व्यावसायिक स्वास्थ्य जोखिमों पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया तथा इसमें इनके शमन के तरीके भी बताए गए। इस कार्यशाला का आयोजन सभी व्यापार प्रमुखों, अग्नि और सुरक्षा प्रमुखों तथा साइटों के मानव संसाधन प्रतिनिधियों के लिए किया गया था। सांविधिक नियमों और विनियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए हम नियमित सुरक्षा लेखा परीक्षा और चिकित्सा स्वास्थ्य जांच का आयोजन करते हैं। इस वर्ष के दौरान हमने 27 बाहरी, सात आंतरिक सुरक्षा लेखा परीक्षाओं का आयोजन किया तथा कार्य केन्द्रों में हमने सभी कर्मचारियों की चिकित्सा जांच आयोजित की। पुनः, हमने निगमित व्यावसायिक स्वास्थ्य समिति का आयोजन किया जिसकी बैठक प्रत्येक तिमाही में कर्मचारियों के व्यावसायिक स्वास्थ्य की निगरानी और सुधार हेतु आयोजित की जाती है।

सुरक्षा कार्मिकों के साथ संपर्क

पुनः, सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता दी जाती है और हमारे प्रचालन स्थानों पर किसी बाहरी या आंतरिक जोखिम से बचने और उसे संभालने के लिए आधुनिकतम सुरक्षा प्रणालियां और प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मचारी हैं। अन्य विवरणों के लिए कृपया रिपोर्ट का कर्मचारी खंड देखें।

जलवायु परिवर्तनः

जलवायु परिवर्तन की दिशा में हमने अपनी ऊर्जा खपत में कमी लाने तथा जीएचजी उत्सर्जन घटाने के लिए अनेक उपाय किए हैं। इस वर्ष, गंधार में वाष्प पुनः प्राप्ति कम्प्रेसरों की स्थापना द्वारा प्राप्त की गई तरल हाइड्रो कार्बन वाष्प से हमें 200 एमटी एलपीजी की बचत में सहायता मिली जिससे CO_2 के 202 एमटी उत्सर्जन मे कमी ला सकें और 63 लाख रुपए के अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति हुई। पुनः, पीएलसी बर्नर प्रबंधन प्रणाली के साथ आरजी हीटर की रेट्रोफिटिंग और एलपीजी कॉलम के दबाव से प्रति वर्ष 20.6 लाख रुपए की संचयी बचत हुई। इन परियोजनाओं में ग्रीष्म के मौसम के दौरान प्रति वर्ष 1600 एमटी एलपीजी की मात्रा प्राप्त करने की क्षमता है, जिसके परिणामस्वरूप अतिरिक्त 80 लाख रुपए की बचत हो सकती है। हमने ग्लोबन मिथेन इनीशिएटिव (जीएमआई) के तत्वावधान में 29 अगस्त 2011 को यूएसईपीए के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर द्वारा प्राकृतिक गैस एसटीएआर कार्यक्रम के साथ गठबंधन किया है। इससे हमें विजयपुर संयंत्र में जीएचजी उत्सर्जन घटाने में सहायता मिलेगी। वाघोडिया में एलपीजी नियंत्रण कक्ष के लिए अग्नि सुरक्षा प्रणाली को बदल कर वहां हेलॉन 1301 के स्थान पर नोवेक टीएम 1230 लगाया गया और इस प्रकार ओजोन क्षरण की कमी और ग्लोबल वॉर्मिंग की संभाव्यता 10 और 6900 से कम होकर क्रमशः 0 तथा <1 हो गई है। वाघोडिया में वाष्प उत्पादन से ताप प्राप्ति (एचआरएसजी) की प्रणाली स्थापित करने के लिए एक अन्य कार्यक्रम चलाया जा रहा है ताकि गैस टर्बाइन कम्प्रेसर एक्जॉस्ट की अपशिष्ट ऊर्जा पुनः प्राप्त की जा सके। आरंभिक अनुमानों में CO_2-e मे 80,589 टन की कमी का संकेत मिला है, यदि इतनी ही ऊर्जा को वाष्प उत्पादन के लिए प्राकृतिक गैस से उत्पन्न माना जाए। इन सभी प्रयासों से संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में हमारे कार्बन फुट प्रिंट घटाने की दिशा में हमारी वचनबद्धता झलकती है।

कुशल जनशक्ति की उपलब्धताः

हाइड्रोकार्बन क्षेत्र एक अत्यंत गतिशील क्षेत्र है और यहां तेजी से प्रौद्योगिकी विकास हुए हैं जिससे विशिष्ट कौशलों और

पर्याप्त ज्ञान वाले व्यक्तियों को यहां लाने और बनाए रखने की आवश्यकता पड़ी है। हम भारत के सर्वोत्तम शैक्षिक संस्थानों से लोगों को चुनते हैं तथा देश भर की प्रतिभाओं को एक निष्पक्ष और पारदर्शी अवसर प्रदान करने के लिए कड़ी प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन करते हैं। हम अपने कर्मचारियों के साथ मिलकर उनके विकास लक्ष्यों को तय व्यापार उद्देश्यों के साथ पूरा करने में सहायता देते हैं। हम अपने कर्मचारियों को गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) द्वारा समर्थित उच्च गुणवत्ता प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करते हैं। इस वर्ष के दौरान जीटीआई द्वारा संचयी रूप से 177 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें 14,079 श्रम दिवस तक हमारे कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। शिक्षा और विकास (एल एण्ड डी) के एक भाग के रूप में वरिष्ठ प्रबंधन विकास केन्द्र (एसएमडीसी) की शुरूआत गेल में उच्च संभाव्यता वाले कार्यपालकों को चुनने, वरिष्ठ कार्यपालकों की विकास संबंधी जरूरतों का आकलन करने और चुनौतीपूर्ण कार्यों तथा नेतृत्व भूमिकाओं के लिए उपयुक्त प्रत्याशियों का पता लगाने हेतु की गई है। एसएमडीसी अभ्यास के माध्यम से अभिज्ञात विकास संबंधी अंतरालों को पूरा करने के लिए वैयक्तिक विकास योजनाओं (आईडीपी) में सुझाई गई पाठ्य सामग्री, ई-शिक्षा पाठ्यक्रम, फिल्में और आवश्यकतानुसार बनाए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को चुने गए कर्मचारियों हेतु तैयार किया गया है। जीटीआई के माध्यम से हमने 'ई-ज्ञान प्रवाह' आरंभ किया जो हार्वर्ड मैनेजमेंट मेंटोर के साथ सहयोग से वरिष्ठ कार्यपालकों हेतु एक ई-शिक्षा प्रयास है जिसका आयोजन आईआईएम कोलकाता और बैंगलोर के जरिए आवश्यकतानुसार बनाए गए अनुकूलित कार्यपालक विकास कार्यक्रमों के साथ किया गया। जीटीआई द्वारा सभी कार्य केन्द्रों में उपयुक्त विकास पर जागरूकता लाने के लिए भी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। व्यापक प्रशिक्षण और एल एण्ड डी कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप हम प्रति कर्मचारी वर्धित मूल्य में एक वृद्धि देख रहे हैं, जिससे उत्पादकता तथा हमारे कर्मचारियों के निष्पादन में लगातार सुधार हुआ है। उपरोक्त प्रयासों तथा अन्य अनेक के जरिए जीटीआई ने वित्तीय वर्ष 2011-12 में 91.76 प्रतिशत की उच्च प्रशिक्षण दक्षता का अंक अर्जित किया है। अधिक विवरण के लिए कृपया इस रिपोर्ट का कर्मचारी खंड देखें।

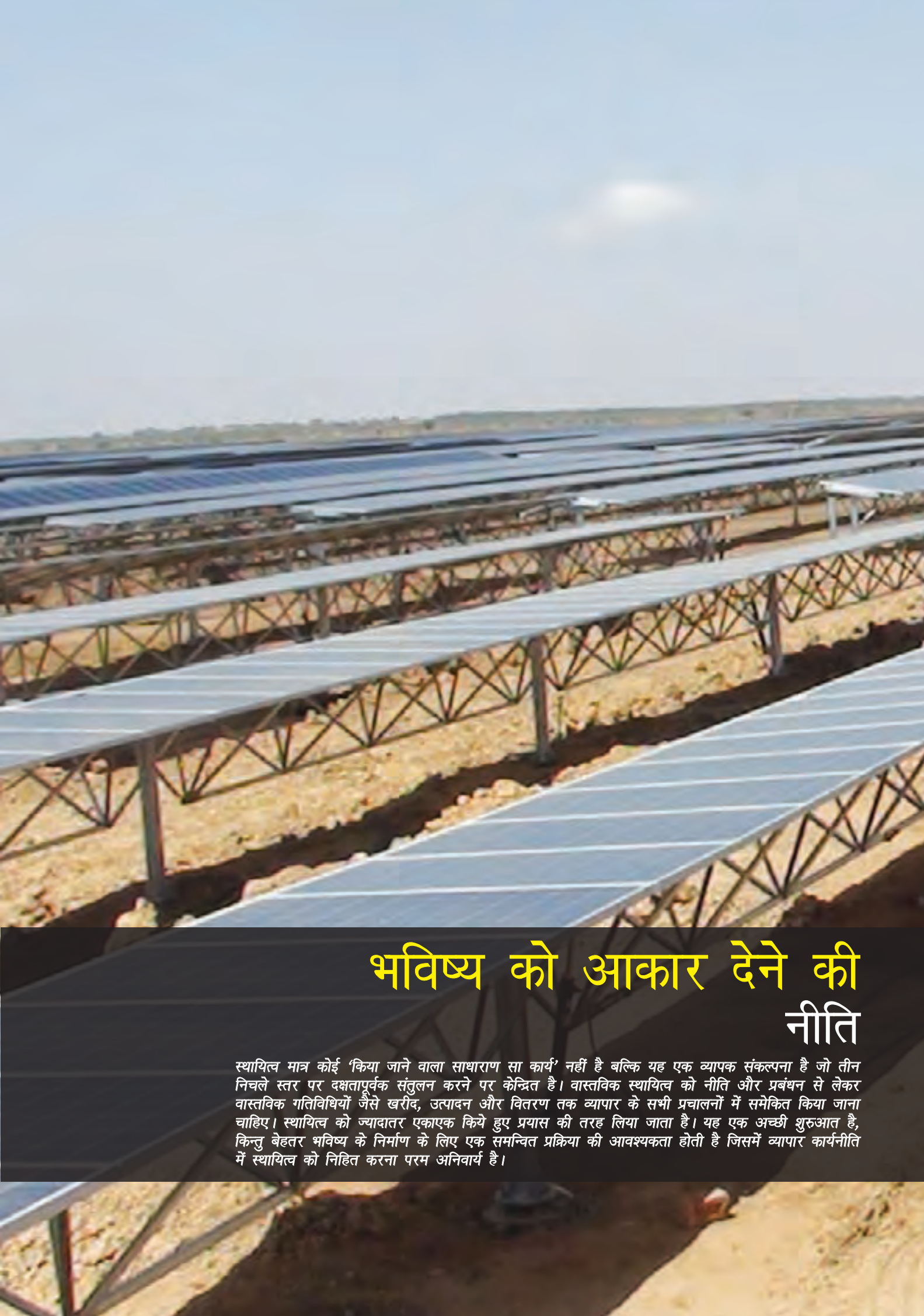

भविष्य को आकार देने की नीति

स्थायित्व मात्र कोई 'किया जाने वाला साधाराण सा कार्य' नहीं है बल्कि यह एक व्यापक संकल्पना है जो तीन निचले स्तर पर दक्षतापूर्वक संतुलन करने पर केन्द्रित है। वास्तविक स्थायित्व को नीति और प्रबंधन से लेकर वास्तविक गतिविधियों जैसे खरीद, उत्पादन और वितरण तक व्यापार के सभी प्रचालनों में समेकित किया जाना चाहिए। स्थायित्व को ज्यादातर एकाएक किये हुए प्रयास की तरह लिया जाता है। यह एक अच्छी शुरुआत है, किन्तु बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए एक समन्वित प्रक्रिया की आवश्यकता होती है जिसमें व्यापार कार्यनीति में स्थायित्व को निहित करना परम अनिवार्य है।

हमारी 2020 व्यापार कार्यनीति के भाग के रूप में हमारी योजना विविधीकरण पर उल्लेखनीय बल देकर उच्च मूल्य वाले व्यापारों पर केन्द्रित करने की है जैसे गैस आधारित विद्युत संयंत्र और अक्षय ऊर्जा। विभिन्न स्थानों पर गैस आधारित विद्युत परियोजनाओं की संभावना खोजी जा रही है तथा उक्त परियोजनाओं की स्थापना के लिए व्यापार मॉडल विचाराधीन हैं। अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में हमारी योजना अगले 3-4 वर्षों में 500 मेगावॉट पवन विद्युत क्षमता तथा चरणबद्ध रूप से 300 मेगावॉट से अधिक सौर आधारित विद्युत उत्पादन क्षमता स्थापित करने की है। इन परियोजनाओं से अल्प कार्बन फुट प्रिंट तथा स्थायी वृद्धि में योगदान मिलेगा। प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र है जहां संभावित भावी अवसरों का दोहन होगा। इस विषय में हमारी योजना हाइड्रोजन जैसे वैकल्पिक ईंधन, ईंधन सेलों, मिथेन से पॉलीमर आदि जैसे उभरते हुए क्षेत्रों में ध्यान केन्द्रित करने की है।

स्थायी विकास आकांक्षाएं 2020

हमारे स्थायित्व संबंधी एजेंडा को संरचना का रूप देने के लिए हमने कुछ प्राथमिकता क्षेत्रों को चुना है जिन पर हमारा ध्यान अपेक्षित है और जो सीपीएसई हेतु डीपीई द्वारा प्रकाशित एसडी दिशा-निर्देशों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाए गए हैं। इन स्थायित्व आकांक्षाओं को वास्तविक कार्यान्वयन करने वाले बाहरी और आंतरिक स्टेकधारकों के साथ सघन परामर्श के पश्चात तैयार किया गया था और इन्हें आगे चलकर प्रबंधन द्वारा अनुमोदित किया गया था। इन आकांक्षाओं में वे क्षेत्र शामिल हैं जहां हम अधिकतम बल प्रदान करेंगे और सुपरिभाषित स्पष्ट लक्ष्य प्राप्त करेंगे। शुरूआत में हमने जीएचजी उत्सर्जन में कमी, ऊर्जा दक्षता, जल प्रबंधन तथा स्थायित्व पर जागरूकता के कुछ पक्षों को चुना है। आगे चलते हुए हम स्थायित्व के अन्य पक्षों के लिए भी आकांक्षाओं का सृजन करेंगे।

स्थायित्व फोकस क्षेत्र	आकांक्षा 2020	कार्य योजना
जीएचजी उर्त्सजन तीव्रता में कमी (विस्तार 1 और विस्तार 2)	आधारभूत वर्ष (वित्तीय वर्ष 2010-11) की तुलना में जीएचजी उत्सर्जन तीव्रता में 33 प्रतिशत की कमी (कुल जीएचजी उत्सर्जन/सकल बिक्री)	▪ प्रक्रिया अनुकूलन ▪ आईएसओ 14064 जीएचजी प्रबंधन प्रणालियों को अपनाना ▪ हमारे प्रचालनों में तीव्र उत्सर्जन में कमी और ग्रीन हाउस गैसों का निर्गम ▪ हमारे प्रचालनों से पृथक जीएचजी उत्सर्जन का वनरोपण
ऊर्जा दक्षता	आधारभूत वर्ष (वित्तीय वर्ष 2010-11) की तुलना में विशिष्ट ऊर्जा खपत में 5 प्रतिशत की कमी	▪ एकीकृत ऊर्जा प्रबंधन प्रणालियों को अपनाना ▪ कॉर्पोरेट और स्थल स्तर पर आंतरिक ऊर्जा लेखा परीक्षा समूहों का उद्भवन ▪ केन्द्रित ऊर्जा लेखा परीक्षा ▪ ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी को अपनाना ▪ अक्षय ऊर्जा की वृद्धि को अपनाना ▪ ज्वाला और प्रज्वलन गैस की पुनः प्राप्ति में कमी
ताजा और अपशिष्ट जल	आधारभूत वर्ष (वित्तीय वर्ष 2010-11) में जल की तीव्र खपत में 45 प्रतिशत की कमी (कुल जल खपत/सकल बिक्री) आधारभूत वर्ष (वित्तीय वर्ष 2010-11) में अपशिष्ट जल रिसाइक्लिंग में 5 प्रतिशत की वृद्धि	▪ सभी प्रचालनात्मक इकाइयों में मजबूत जल लेखा परीक्षा प्रणालियों की स्थापना ▪ उपचारित अपशिष्ट जल का उपयोग करने के लिए संयंत्र की प्रक्रिया की आवश्यकताओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करने में वृद्धि ▪ सभी स्थलों में वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहन ▪ सुदृढ़ जल सुधार के अवसरों और न्यूनतम हानि के लिए लेखा परीक्षा की स्थापना
स्थायित्व के बारे में जागरूकता	स्थायित्व के बारे में हमारे 100 प्रतिशत कर्मचारियों में जागरूकता होगी	▪ संगठनात्मक व्यापक स्थायित्व प्रशिक्षण के लिए पहचान कार्यक्रम की आवश्यकता ▪ कार्यपालक और गैर कार्यपालक कर्मचारियों के लिए स्थायित्व प्रशिक्षण कार्यक्रम ▪ एसडी पर प्रशिक्षक कार्यक्रमों का प्रशिक्षण ▪ भर्ती के दौरान आने वाले नए व्यक्तियों के लिए अनिवार्य स्थायित्व मॉड्यूल

निवेशक: संपदा सृजन

निवेशक हमें मूलभूत अपेक्षा के साथ अपेक्षित पूंजी प्रदान करते हैं ताकि वापस उपयुक्त परिणाम मिल सकें। इस पूंजी के माध्यम से हम अपनी वृद्धि योजनाएं साकार करेंगे और स्थायी भविष्य की ओर कदम बढ़ाएंगे। हम महसूस करते हैं कि अपने निवेशकों की भावनाओं का आदर करना और निवेशों पर निरंतर तथा आश्वस्त प्राप्ति सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है।

गेल एक केन्द्रीय लोक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) जो भारत सरकार के प्रति जवाबदेह है, जो हमारे प्रधान स्टेकधारक हैं। अपने विजन विवरण के आधार पर और अपने व्यापार करने के तरीके से हम अपने सभी स्टेकधारकों के लिए पारदर्शिता का उच्च स्तर बनाए रखते हुए ठोस मूल्य सृजन और भरोसे का निर्माण करने में विश्वास रखते हैं। हम अपने व्यापारों में दीर्घ अवधि लाभप्रदता सुनिश्चित करने तथा अपने शेयरधारकों और निवेशकों की संपदा में योगदान देने के लिए वचनबद्ध हैं। हम "प्राकृतिक गैस संचरण कंपनी" की छवि से बहुत आगे निकल गए हैं और अब अपनी भावी पीढ़ियों के लिए ऊर्जा तक अपनी पहुंच सुनिश्चित करने के विजन पर काम कर रहे हैं। इसे प्राप्त करने के लिए हम हाइड्रो कार्बन मूल्य श्रृंखला में अपनी उपस्थिति लगातार बढ़ाते आए हैं और दीर्घ अवधि स्थायित्व के लिए ''गैस सोर्सिंग'' और ''मजबूत व्यापार वृद्धि'' पर भी ध्यान केन्द्रित करते हैं। हमने निम्नलिखित सहित आर्थिक स्थायित्व प्राप्त करने के लिए अपनी व्यापार कार्यनीति के भाग के रूप में नए भावी निवेशों के लिए फोकस क्षेत्रों की स्पष्ट रूप से पहचान की।

- भारत भर में अपना प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क बढ़ाना
- महत्वपूर्ण पेट्रोकैमिकल उत्पादन और विपणन क्षमता को बढ़ाना
- एलएनजी आयात और सीमा पार पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से गैस सोर्सिंग का सुधार
- ई एंड पी प्रचालनों में अपनी पकड़ का सुदृढ़ीकरण और हाइड्रोकार्बन परिसंपत्तियां प्राप्त करना

निवेशक प्रबंधन और संलग्नता

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के साथ संबंध हमारे लिए बहुत अधिक महत्वपूर्ण हैं। हमारे पास एक स्वतंत्र निदेशक के नेतृत्व में और तीन पूर्णकालिक निदेशकों के साथ सरोकारों के संबंधित मामलों पर विचार करने और एक सुपरिभाषित समाधान प्रक्रिया के जरिए इन्हें सुलझाने के लिए एक समर्पित शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति है। कंपनी सचिव एक अनुपालन अधिकारी के रूप में निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए इस पर विचार करते हैं। आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों, पारदर्शक रिपोर्टिंग और बाह्य निवेशक समूहों एवं अन्य स्टेकधारकों को प्रकटन पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए बोर्ड स्तरीय लेखा परीक्षा समिति का गठन भी किया गया है। इन सभी प्रक्रियाओं के अलावा हमारे स्टेकधारक गेल की ''विसल ब्लोअर नीति'' के माध्यम से भ्रष्टाचार या कार्यालय के दुरुपयोग की घटनाओं की बेनाम रिपोर्ट कर सकते हैं।

हम अपने निवेशकों के लिए विश्लेषक बैठकों का नियमित आयोजन करते हैं। इस वर्ष हमने 3 विश्लेषक बैठकों का आयोजन किया है जिसमें से एक का आयोजन मुम्बई में किया गया था और इसकी अध्यक्षता हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने की थी। हम अनेक निवेशक सम्मेलनों में भी भाग लेते हैं और वित्तीय समुदाय के साथ संप्रेषण और मेल जोल को मजबूत बनाने की बैठकें करते हैं। हम पारदर्शी रूप से अपने व्यापार निष्पादन और वृद्धि योजनाओं की सभी जानकारियां प्रकट करते हैं, जिन्हें हमारी कॉर्पोरेट वेबसाइट में हमारे निवेशकों द्वारा संगत रूप से देखा जा सकता है।

व्यापार वृद्धि और प्राकृतिक गैस की सोर्सिंग

गेल निरंतर केन्द्रीय प्राकृतिक गैस संचरण व्यापार के अपस्ट्रीम सह संबंधों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से अन्वेषण और उत्पादन पोर्टफोलियो का निर्माण करता रहा है। हमारी योजना एनईएलपी ब्लॉकों के प्रचालकों तथा वैश्विक हाइड्रोकार्बन परिसंपत्तियों में इक्विटी हित के साथ मजबूत घरेलू गैस गठनबंधनों के माध्यम से अपस्ट्रीम हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और उत्पादन (ई एण्ड पी) में अपनी स्थिति सुदृढ़ बनाने की है। अन्वेषण और उत्पादन प्रचालनों के विकास में हमारे कुल निवेश पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष दोगुने से अधिक हो गए। हमने शेल गैस जैसे उभरते हुए क्षेत्रों में गठनबंधन के माध्यम से नई विशेषज्ञता और संसाधन भी अर्जित किए हैं। हमने कैरिजो ऑयल एण्ड गैस इंक में 20 प्रतिशत हित का अधिग्रहण सफलतापूर्वक पूरा किया है। जबकि यूएसए में ईगल फोर्ड शेल के क्षेत्रफल को हाल ही में सहायक कंपनी गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक में निगमित किया गया है। इसके अलावा हमने सेबाइन पास लिक्विफेक्शन एलएलसी के साथ प्रति वर्ष 3.5 मिलियन टन एलपीजी की आपूर्ति के लिए क्रय और बिक्री करार पर हस्ताक्षर किए हैं। अधिग्रहण के अलावा हमने सिंगापुर में पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी की खोज के रूप में एलएनजी और पेट्रोकैमिकल ट्रेडिंग में एक विदेशी निवेश शाखा भी स्थापित की है। मध्य धारा प्रचालनों में गेल लगभग 9,500 कि.मी. के पाइप लाइन नेटवर्क के साथ प्राकृतिक गैस के संचरण में बाजार का अग्रणी बना हुआ है और प्राकृतिक गैस मात्रा में इसकी बाजार हिस्सेदारी 74 प्रतिशत है। वर्ष के दौरान गेल ने लगभग 30,000 करोड़ रु. के निवेश से 7,500 कि. मी. पाइप लाइन नेटवर्क वृद्धि का कार्य 12वीं योजना अवधि में करने का निर्णय लिया है, जिसमें से अब तक 2,500 कि.मी. का कार्य पूरा हो गया है। आने वाली प्रमुख गैस पाइप लाइन परियोजनाओं में दाभोल- बैंगलोर- मैंगलोर, कोची, कूट्टानद- बैंगलोर और सूरत- पारादीप पाइप लाइनें हैं। हमारी योजना एलएनजी टर्मिनल और फ्लोटिंग भंडारण पुनः गैसीकरण इकाइयों के विस्तार द्वारा अधिक क्षमताओं को संभालने तथा निरंतर एलएनजी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय एलएनजी ट्रेडिंग डेस्क स्थापित करने के लिए निवेश की है। डाउनस्ट्रीम पक्ष पर हम अपने पेट्रोकैमिकल उत्पादन और विपणन क्षमताओं को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाते हैं। उत्तर प्रदेश में मौजूदा संयंत्र की क्षमता दोगुनी करते हुए 8,10,000 एमटीपीए की जा रही है। भारत के अनेक शहरों और कस्बों में शहरी गैस वितरण का विस्तार इसके पूर्ण स्वामित्व की सहायक कंपनी गेल गैस लि. के माध्यम से गेल हेतु वृद्धि का एक क्षेत्र बना हुआ है। हम अपनी सहायक कंपनी बह्मपुत्र क्रैकर एण्ड पॉलीमर लि. के माध्यम से असम में पेट्रोकैमिकल परियोजना का कार्यान्वयन भी कर रहे हैं, जो भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र की एक परियोजना के लिए अब तक का सबसे बड़ा निवेश है।

स्वच्छ ऊर्जा में विविधीकरण

हमारी योजना अन्य व्यापारों में विविधीकरण की है जैसे अक्षय ऊर्जा और गैस आधारित विद्युत उत्पादन। भारत सरकार (जीओआई) ने 2008 में जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) के विकास द्वारा राष्ट्रीय मुद्दे के रूप में जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने के लिए अनेक सक्रिय कदम उठाए तथा हाल ही में 2005 में उत्सर्जन तीव्रता की तुलना में 2020 तक भारत की कार्बन उत्सर्जन तीव्रता (जीडीपी की प्रति इकाई पर उत्सर्जित जीएचजी) में स्वैच्छिक रूप से 20-25 प्रतिशत कमी लाने की घोषणा हाल ही में की गई। ऊर्जा के अक्षय रूपों की ओर बढ़ते हुए इस पर एक उल्लेखनीय राष्ट्रीय प्रबलन रहा है और गेल में हमने उच्चतर अक्षय ऊर्जा योगदान की दिशा में राष्ट्रीय ग्रिड और अपने प्रचालनों में योगदान के लिए अपनी कार्य योजना का विकास किया है। हम कैप्टिव उत्पादक से सफलतापूर्वक आगे बढ़कर पिछले वर्ष लगभग 100 मेगावॉट पवन ऊर्जा परियोजनाओं की कमिशनिंग के बाद वाणिज्यिक उत्पादक बन गए हैं। इस वर्ष हमने गुजरात में कैप्टिव उपयोग के लिए 14.7 मेगावॉट पवन ऊर्जा परियोजना और तमिलनाडु तथा कर्नाटक ऊर्जा में वाणिज्यिक उपयोग के लिए 98.75 मेगावॉट की स्थापना की है। वित्तीय वर्ष 2011-12 के दौरान पवन ऊर्जा परियोजनाओं में 674 करोड़ रु. का निवेश किया गया था। पुनः इस वर्ष हमने सरकारी योजना में भी प्रवेश किया है- राजस्थान में 5 मेगावॉट सौर संयंत्र की स्थापना द्वारा सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन (जेएनएनएसएम)। हमारी कुछ अनुसंधान और विकास परियोजनाएं लैंड फिल के कैप्चर तथा वाणिज्यिक उपयोग हेतु तकनीकी हस्तक्षेपों के विकास पर केन्द्रित हैं।

अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव

आरंभ से हमारा फोकस अपने स्टेकधारकों के लिए मान्यता सृजन पर ही नहीं बल्कि राष्ट्र और समाज की वृद्धि में एक प्रधान योगदानकर्ता बनने पर रहा है, जहां हम प्रचालन करते हैं। हमारे द्वारा समाज के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयासों पर हमारे सीएसआर मार्ग के तहत समुदाय खंड में विस्तार से चर्चा की गई है। हमने इनके माध्यम से राष्ट्रीय विकास और कल्याण में योगदान दिया है:

- भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में हमारे गैस पाइपलाइन नेटवर्कों के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों तक पहुंच प्रदान करना।

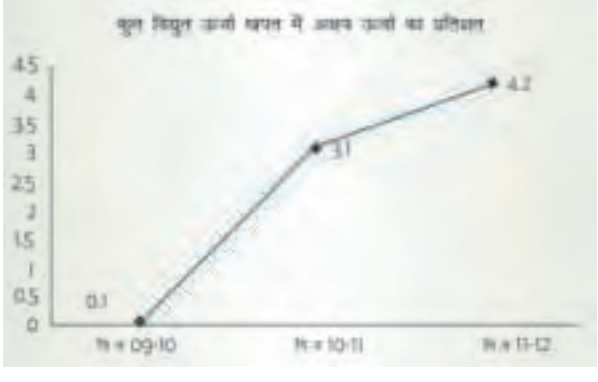

गेल की पवन विद्युत स्थापना

- भारत में उच्च ग्रेड इस्पात उद्योग का विकास
- एलपीजी के सड़क परिवहन का विस्थापन
- सीएनजी के रूप में स्वच्छतर ईंधन की पेशकश द्वारा शहरों में वाहनों द्वारा उत्सर्जन में कमी लाकर डीजल और मोटर स्पिरिट का स्थान लेना।
- फ्लेयरिंग से जीएचजी उत्सर्जनों में कमी लाना

इनके विवरण हमारी स्थायित्व रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 10-11 में व्यापार से इतर मूल्य के गेल- रीविजिटिंग द जर्नी खंड में दिए गए हैं।

प्रचालनात्मक उत्कृष्टता की उपलब्धि

- हमारे कार्य करने के तरीके में 'उत्कृष्टता' की संकल्पना भली भांति समेकित है। हम ऊपर से नीचे नीचे से ऊपर का मार्ग अपनाते हैं, सबसे पहले हम अपने कर्मचारियों की अभिनव रूप से विचार करने की क्षमताओं को बढ़ावा देते हैं और उसके बाद ऐसे अवसरों का चयन, विकास और उपयोग करते हैं जिनसे हमारे प्रचालन फुटप्रिंट तथा लागत में कमी लाई जा सके। हमने टीक्यूएम पर एक मजबूत मार्ग अपनाया है जो हमारी प्रत्येक प्रचालन इकाइयों में छोटे किन्तु फिर भी प्रभावी गुणवत्ता नियंत्रण दायरों में केन्द्रित है। एक टीक्यूएम समूह का गठन केन्द्रीय रूप से गेल के सभी प्रचालनों में गुणवत्ता और निष्पादन सुधार प्रयासों के केन्द्रीय समन्वय हेतु निगमित कार्यालय में किया गया है। कर्मचारियों की जागरूकता बढ़ाने तथा गुणवत्ता परियोजनाओं की प्रदायगी की क्षमता विकसित करने तथा गुणवत्ता के निरंतर सुधार

की संस्कृति को आगे बढ़ाने के अनेक कदम बढ़ाए गए हैं। गुणवत्ता दायरों के अलावा कर्मचारियों में अभिनवता और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए सुझाव की योजना भी लागू की गई है। यह कार्यक्रम उन व्यक्तियों के लिए एक पुरस्कार योजना है जो अपने कार्य के क्षेत्रों में निष्पादन सुधार के विचार दे सकते हैं। हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा सर्वाधिक प्रभावी सुझाव के लिए 1 लाख रुपए की राशि का वार्षिक पुरस्कार दिया जाता है।

- ऊर्जा संरक्षण तथा ऊर्जा दक्षता में सुधार गेल के सर्वोच्च प्रचालन सुधार क्षेत्रों में से एक है। हमारे एसडी आकांक्षा, 2020 में हम 2010 की आधारभूत सीमा की तुलना में 2020 तक 5 प्रतिशत विशिष्ट ऊर्जा खपत में कमी लाने के लिए वचनबद्ध हैं। हमारी योजना एक संगठनव्यापी समेकित ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली के विकास द्वारा और अन्य तकनीकी हस्तक्षेपों के अलावा अपने ऊर्जा लेखा परीक्षा की प्रक्रियाओं को मजबूत बनाकर प्राप्त करने की है। इस वर्ष हमने अपनी पाता इकाई में एक ऊर्जा लेखा परीक्षा आयोजित करने के लिए एक बाहरी एजेंसी को नियुक्त किया है और वर्तमान में यह लेखा परीक्षा के दौरान अभिज्ञात प्रयासों के कार्यान्वयन पर कार्यरत है। अनेक प्रयासों में से एक है पाता के एलएलडीपीई संयंत्र में खाली ब्लैंडर ब्लोअर के ऑटो स्टॉपेज के लिए एक तर्क का कार्यान्वयन, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय मुद्रा में लगभग 12.50 लाख रुपए की बचत होगी। हमारी योजना आने वाले वर्षों में अन्य संयंत्रों में समान प्रकार के ऊर्जा लेखा परीक्षा के आयोजन की है। हमारे संकेन्द्रित प्रयासों के कारण हमने अपने प्रचालनों में 1.17 मिलियन जीजे ऊर्जा का संरक्षण किया है। समग्र विशिष्ट ऊर्जा खपत रुझान और प्राप्त दक्षताएं नीचे तालिका में दी गई हैं:

	वित्तीय वर्ष 2009-10	2010-11	2011-12
एलएचसी और पीसी उत्पाद की विशिष्ट ऊर्जा खपत जीजे/एमटी	13.1	14.0	14.3

अगले वित्तीय वर्ष में ऊर्जा दक्ष प्रयासों के लिए हमारी ऊर्जा दक्षताओं में सुधार हेतु उल्लेखनीय निवेशों की योजना बनाई गई है। कुछ योजनाबद्ध परियोजनाओं में शामिल हैं:

- वाघोडिया में एलपीजी संयंत्र में हॉट ऑयल हीटर के बर्नर प्रबंधन प्रणाली के स्वचालन के लिए 61 लाख रुपए प्रति वर्ष समकक्ष फ्यूल गैस के 0.612 एमएमएससीएम की एक संभावित बचत के साथ 85 लाख रुपए का निवेश। यह हमारी पहली स्थायित्व समझौता ज्ञापन परियोजना है जो समझौता ज्ञापन के अनुसार 30 नवम्बर 2012 की लक्षित तिथि से पहले पूरी की गई है।
- 110 लाख रुपये के निवेश से जीपीयू वाघोडिया में फीड गैस को ठंडा करने के लिए दक्षिणी गुजरात पाइपलाइन को आपूर्ति की जा रही आरएलएनजी के दबाव में कमी के कारण उत्पन्न अल्प तापमान के उपयोग के परिणामस्वरूप 186 लाख रुपए के समकक्ष अतिरिक्त 1285 एमटीपीए एलपीजी।
- वाघोडिया में हीट रिकवरी जनरेशन सिस्टम (एचआरजीएस) गैस टर्बाइन कम्प्रेसर (जीटीसी) से अपशिष्ट ऊष्मा निकास के लिए 55 करोड़ रुपए की एक अनुमानित लागत से 44,635 एमडब्ल्यूएच/प्रति वर्ष की एक अतिरिक्त अतितापित भाप उत्पादन इकाई की स्थापना।
- पाता में सील वायु पंखों पर रोक लगाना, जिनका उपयोग एफडी फैन के गेट की सीलिंग में किया जाता है इसके कारण 13.26 लाख रुपए की वार्षिक बचत।
- पाता में वर्तमान मैनुअल एसी प्रणाली के स्वचालन से 14.15 लाख रुपए की अनुमानित वार्षिक बचत।
- 12.40 करोड़ रुपये के निवेश से अतिरिक्त कूलिंग आवश्यकता को पूरा करने के लिए पाता मे 3000 एम 3/घंटा क्षमता वाली मिस्ट कूलिंग प्रणाली की स्थापना से 4.40 करोड़ का वार्षिक लाभ।
- पाता में जीपीयू संयंत्र के एचआरएसजी-2 में स्वचालित ब्लोडाउन प्रणाली का कार्यान्वयन 18.00 लाख रुपए की वार्षिक बचत के परिणामस्वरूप।

गंधार में ऊर्जा संरक्षण

हमने जीपीयू गंधार में एलपीजी माउंडेड बुलेट का सांविधिक सुरक्षा निरीक्षण करने के दौरान एलपीजी वेपर की प्राप्ति के लिए एक परियोजना हाथ में ली। एक मानक प्रथा के रूप में, उस बुलेट से एलपीजी तरल को अधिकतम संभव सीमा तक निकाल लिया गया और शेष बचे हाइड्रोकार्बनों को फ्लेयर कर दिया गया दिया गया। एक वाष्प निष्कर्षण प्रणाली शुरू की गई जिससे हाइड्रोकार्बन्स निष्कर्षण तब तक होता रहता है जब तक दबाव घटकर 1.0-1.5 किलोग्राम/सेमी2जी नहीं हो जाता। इसके परिणामस्वरूप लगभग 200 मीटर टन एलपीजी की बचत हुई जो 63,00,000 रु. के अतिरिक्त राजस्व के बराबर थी।

जीपीयू गंधार में एक अन्य महत्वपूर्ण पहल में एलपीजी कंडेंसर ट्रिम कूलर को स्थापित किया गया जिससे सभी मोटर चालित एलपीजी कंडेंसर वायु प्रशीतक पंखे रोकना सुलभ हो गया। इससे 14,00,000 रु. मूल्य की विद्युत ऊर्जा तथा 1,600 एमटी की एलपीजी का निष्कर्षण किया गया जो 80,00,000 रु. के अतिरिक्त राजस्व के बराबर है। कुछ प्रति प्रचालन पहलों में हमने परम्परागत लाइटिंग व्यवस्था एचपीएमवी/टी8/जीएलएस को धातु हेलाइड/टी5/सीएफएल जैसे अधिक ऊर्जा कार्यकुशल विकल्प से प्रतिस्थापित कराया है।

गंधार में पीएलसी आधारित बर्नर प्रबंधन प्रणाली द्वारा आरजी हीटर की रिट्रोफिटिंग

गंधार स्थित आरजी हीटर को सतत प्रायोगिक चार प्राकृतिक गैस फायर बर्नर से सुसज्जित किया गया जिससे कि फीड गैस ड्रायर में नमी को हटाने के लिए प्रयोग की जाने वाली 280 डिग्री से. से 320 डिग्री से. (प्रचालनात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप) की श्रृंखला

में गैस पुनर्सृजन को ताप प्रदान कर सके ताकि फीड गैस चिलर में नमी रहित गैस सुनिश्चित हो सके तथा चिलर के अंदर और अन्य न्यून तापमान वाले क्षेत्रों में हाइड्रेट का निर्माण न हो सके। आरजी प्रचालनों में हाथ से काम करना अपेक्षित होता था जो कार्मिकों की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय था। इसके अलावा प्रचालनात्मक नियंत्रण की सुरक्षा तथा ऊर्जा कार्य कुशलता जैसी कई अन्य सीमाएं भी थीं।

इन सीमाओं का सामना करने के लिए मौजूदा बर्नर व्यवस्था में एक बर्नर प्रबंधन व्यवस्था (बीएमएस) संस्थापित की गई। इससे हाथ द्वारा काम करने की व्यवस्था पूरी तरह से समाप्त हो गई तथा इससे ऊर्जा कार्यकुशलता में पर्याप्त मात्रा में सुधार आया। प्राप्त किए गए महत्वपूर्ण लाभों में शामिल हैं आरजी हीटर की कार्यकुशलता बढ़ाना तथा जीएचजी, एनओएक्स, तथा एसओएक्स निस्सरण में उत्तरवर्ती कमी आना।

वाघोडिया में ऊर्जा संरक्षण परियोजना

वघोडिया स्थित एलपीजी संयंत्र ऑयल सिस्टम पर आधारित है जो एलपीजी प्राप्त करने के लिए विखंडन प्रक्रिया के दौरान आसवन कालमों में हाइड्रोकार्बन्स तरल को पुनः उबालते हैं। इन रिबॉयलरों में आपूर्ति किए गए गरम ऑयल को ऑयल हीटर में गरम किया जाता था। भट्टी को प्राकृतिक ड्राफ्ट से नियंत्रण प्रणाली युक्त एक दाब ड्राफ्ट में परिवर्तित करना प्रारंभ किया गया ताकि उपयुक्त वायु ईंधन सुनिश्चित किया जा सके और तद्द्वारा अधिक हवा एवं संवेदनशील ताप का उपशमन किया जा सके। प्रक्रिया के इस परिवर्तन के परिणामस्वरूप दहन कार्यकुशलता में सुधार हुआ तथा फ्यूल गैस खपत में 20 प्रतिशत कमी आई और प्रतिवर्ष 42,69,767 केडब्ल्यूएच ऊर्जा की बचत हुई।

गेल के समझौता ज्ञापन का निष्पादन

समझौता ज्ञापन, सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के केंद्रीय उद्यमों के प्रबंधनों के बीच एक सुविचारित दस्तावेज होता है जिसमें करार के उद्देश्यों एवं दोनों पक्षकारों की वचनबद्धताओं का स्पष्ट उल्लेख होता है। समझौता ज्ञापन व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों तथा गैर सरकारी सहकारी क्षेत्रों के बीच कार्य करने का एक समान क्षेत्र सुनिश्चित करना होता है।

भारत में समझौता ज्ञापन प्रणाली की शुरूआत अर्जुन सेन गुप्ता समिति की रिपोर्ट (1984) में की गई सिफारिशों के परिणामस्वरूप 1986 में की गई थी। इस समिति ने सरकार तथा सार्वजनिक क्षेत्र के केंद्रीय उद्यमों के बीच एक मध्यम स्तर की संविदा पर जोर दिया और एक ऐसे पांच वर्षीय करार की सिफारिश की जिसकी प्रतिवर्ष पुनरीक्षा की जा सकती हो। चूंकि सीपीएसई की स्थापना राष्ट्रीय/केंद्रीय योजना के एक भाग के रूप में की गई थी इसलिए समिति ने इस्पात, ऊर्जा, पेट्रोलियम, उर्वरक और पेट्रो कैमिकल जैसे प्रमुख क्षेत्रों में कार्य कर रहे सीपीएसई में समझौता ज्ञापनों की व्यवस्था का समर्थन किया था। समझौता ज्ञापन में वित्तीय (50 प्रतिशत) और गैर वित्तीय प्राचलों (50 प्रतिशत) के संबंध में परस्पर सहमत लक्ष्यों का उल्लेख होता है। वित्तीय मानदंडों में सकल बिक्री, कारोबार, सकल मार्जिन, निवल लाभ और निवल मूल्य आदि शामिल होते हैं। गैर-वित्तीय मानदंडों में निगमित सामाजिक दायित्व के अंतर्गत कार्य निष्पादन, अनुसंधान एवं विकास, सतत धारणीय विकास, मानव संसाधन प्रबंधन तथा निगमित नियंत्रण शामिल हैं।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गेल और सचिव, एमओपीएनजी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए

2011-12 के लिए एसडी दृष्टिकोण में गेल के लक्ष्य और निष्पादन

मापदंड	इकाई	उत्कृष्ट निष्पादन लक्ष्य	वास्तविक निष्पादन
''जोखिम प्रबंधन'' पर प्रशिक्षण	व्यक्तियों की सं.	40	163
श्रमदिवस हानि की संख्या (उपलब्ध श्रमदिवस के प्रतिशत के रूप में)	%	0	0
पिछले वर्ष पीएटी के प्रतिशत के रूप में अनुसंधान और विकास व्यय	%	>=1%	1.13%
स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण सूचकांक	%	98.0	99.05
बोर्ड द्वारा जोखिम प्रबंधन रूपरेखा की समीक्षा	तिथि	29.02.12	28.02.12
डीपीई/स्टॉक एक्सचेंजों के निगमित नियंत्रण रिपोर्ट की प्रस्तुति	नग	4 (प्रति तिमाही रिपोर्ट 1)	4 (रिपोर्ट)
विसल ब्लोअर नीति का निरूपण	तिथि	30.09.11	29.09.11
वंचित वर्ग के बच्चों के लिए आईआईटी/इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के लिए विशिष्ट कोचिंग (परियोजना- गेल उत्कर्ष)	बच्चों की सं.	100	100
वंचित ग्रामीण/अर्ध ग्रामीण परिवारों के युवाओं के लाभकारी रोजगार के लिए व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण (परियोजना- स्वावलम्ब)	युवा की सं.	500	509
अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से सरकारी स्कूलों के झुग्गियों में रहने वाले बच्चों को स्कूल के बाहर मुख्यधारा (परियोजना- पढ़ो और बढ़ो) से जोड़ना	झुग्गी के बच्चों की सं.	3,000	4,071
मोबाइल स्वास्थ्य देखभाल वैन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब लोगों के लिए पर्याप्त प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना (परियोजना- ग्रामीण चिकित्सा देखभाल क्रांति)	गरीब व्यक्तियों की सं.	30,000	50,000
पिछले वर्ष पीएटी के प्रतिशत के रूप में सीएसआर व्यय	%	0.85%	1.52%
गेल (इंडिया) लिमिटेड की स्थिरता रिपोर्ट के विकास के आधार पर जीआरआई जी3 दिशानिर्देश	तिथि	29.02.12	29.02.12
पवन ऊर्जा परियोजना	पड़ाव	10 (31.03.12 तक कमिशनिंग)	10 (09.01.12 को कमिशनिंग)
गेल पाता में सभी तकनीकी और प्रशासनिक भवनों का वर्षा जल संचयन	नग	9 (भवन)	10 भवन
गेल के प्रमुख की संस्थापनाओं के निकट के गांवों में सौर लाइट्स की स्थापना	नग	1,000	1,000
गेल (इंडिया) लिमिटेड की स्थापना के लिए 'ग्रीन हाउस गैस लेखा रिपोर्ट' की तैयारी	तिथि	29.02.12	07.02.12
पिछले वर्ष पीएटी के प्रतिशत के रूप में एसडी व्यय	%	0.10%	2.30%

2012-13 के लिए एसडी दृष्टिकोण में गेल के लक्ष्य

मापदंड	इकाई	उत्कृष्ट निष्पादन लक्ष्य (समझौता ज्ञापन में महत्व)
पिछले वर्ष के पीएटी के 1 प्रतिशत के रूप में अनुसंधान और विकास व्यय	%	2.5
सीओ2 के उपयोग की परियोजना	पड़ाव	0.5
वंचित वर्ग के बच्चों के लिए आईआईटी/इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के लिए विशिष्ट कोचिंग (परियोजना- गेल उत्कर्ष)	बच्चों की सं.	0.5
सरकारी स्कूलों के झुग्गी के बच्चों के स्कूल की बाह्य मुख्यधारा के लिए अनौपचारिक शिक्षा (एनएफई) केंद्रों की स्थापना (परियोजना- पढ़ो और बढ़ो)	एनएफई केंद्रों की सं.	1
वंचित ग्रामीण/अर्ध ग्रामीण परिवारों के युवाओं के व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण के नौकरी से जुड़े (परियोजना- आईएल और एफएस कौशल स्कूल)	युवा की सं.	1
मोबाइल स्वास्थ्य देखभाल वैन के माध्मय से प्रमुख गेल कार्य केंद्र से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय गांवों के लिए चिकित्सा आउटरीच कार्यक्रम	शामिल कर्मचारियों की सं.	1
शामिल व्यक्तिगत घरों के 5 गांवों में सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान	स्वच्छता इकाइयों की सं.	0.5
पिछले वर्ष पीएटी के प्रतिशत के रूप में सीएसआर व्यय	%	1
एसडी निष्पादन रिपोर्ट का प्रकाशन	तिथि	0.5
बोर्ड स्तर एसडी उप समिति की बैठकों की सं.	संख्या	0.5
जीपीयू वघोडिया के हॉल ऑयल हीटर में बर्नर प्रबंधन प्रणाली का कार्यान्वयन	तिथि	0.5
गेल, पाता में विवेकानंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और बागवानी प्रयोजनों के लिए उपचारित सीवेज अपशिष्ट जल के उपयोग	31.03.13 को या उससे पहले उपलब्धियों की संख्या	0.5
गेल (इंडिया) लिमिटेड की स्थापना के लिए 'ग्रीन हाउस गैस लेखा रिपोर्ट' की तैयारी	संख्या	0.5
धरोहर : जीपीयू प्रयोक्ता में मूल निवासी संयंत्र प्रजातियों का संरक्षण	31.01.13 को या उससे पहले उपलब्धियों की संख्या	0.5
एसडी पहलुओं पर कर्मचारियों का प्रशिक्षण	श्रम समय	0.5
रिपोर्टों के विदेश मूल्यांकन	संख्या	0.5
एसडी व्यय (100 करोड़ रु. से अधिक के पिछले वर्ष के पीएटी के 50 लाख रु. के साथ 0.1 प्रतिशत)	%	1
स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण सूचकांक	%	2

विनियामक अपेक्षाओं का अनुपालन

उत्कृष्ट व्यापार-लक्ष्य प्राप्त करने के दौरान हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे सभी प्रचालन हम पर लागू होने वाले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विनियमों के अनुरूप हों। इस वर्ष हमारी जामनगर इकाई में एलपीजी संचरण सीमा पार करने पर स्थानीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी करने की एक घटना घटी। प्रबंधन ने तुरंत सुधारात्मक कार्यवाई की और स्वीकार्य सीमा को संशोधित करने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को आवेदन किया गया।

समुदायः सामाजिक पूंजी का पोषण

सामाजिक पूंजी को पोषण देने से सामाजिक जरूरतों की पूर्ति में सहायता मिलेगी और स्थायित्व से स्थानीय समुदायों के जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार आएगा। हमने स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, रोजगार तथा रोजगार परकता को बढ़ाने, स्थानीय समृद्धि को बढ़ाने, पर्यावरण प्रभाव में कमी लाने तथा समुदाय समूहों को समर्थन देकर सशक्त बनाने के लिए अनेक सामाजिक दायित्व कार्यक्रम आरंभ किए हैं। समुदाय को खुशहाल रखने और संतुष्टि देने से हमें प्रचालन के लिए सामाजिक लाइसेंस मिलना सुनिश्चित किया जाता है।

उस स्थान का स्थानीय समुदाय, जहां हम अपना प्रचालन करते हैं, प्राकृतिक संसाधनों, मानव शक्ति तक हमारी पहुंच प्रदान करते हुए तथा हमारे प्रचालनों के लिए अन्य सहायता के साधनों द्वारा हमारी सफलता में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करना तथा अपना विकास करने के लिए उन्हें सशक्त बनाना हमारे कार्य का एक महत्वपूर्ण तत्व होता है। गेल में हमारा प्रयास होता है कि हमारे प्रचालनों से होने वाले पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रभावों की व्यापक संभावनाओं को समझें, उनका मापन करें तथा उनकी निगरानी करें। हमारे समुदाय कार्यक्रम निचले स्तर पर समुदाय की जरूरत का पता लगाने तथा उसका आकलन करने की एक व्यापक प्रक्रिया द्वारा जाने जाते हैं जिसमें समुदाय विकास, पेयजल एवं स्वच्छता, स्वास्थ्य, बुनियादी सुविधाएं, कौशल विकास, साक्षरता संवर्धन/शिक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी सात प्रमुख क्षेत्रों के अंतर्गत तैयार विकास क्रियाकलापों का एक व्यापक परिदृश्य होता है। हमारा विश्वास है कि इन क्षेत्रों में समुदाय की समस्याओं का निराकरण करके हम उनका सर्वांगीण विकास करने में सहायक हो सकते हैं। दूसरी ओर, हम अपने प्रचालनों के कारण होने वाली किसी भी प्रकार की पर्यावरणीय बाध्यता को न्यूनतम करने का सार्थक प्रयास करते हैं, एवं उन पर्यावरणीय मानकों का अनुसरण करते हैं जिनका अन्य द्वारा अनुपालन अक्सर संभव नहीं हो पाता है तथा प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा/पुनर्बहाली करते हैं।

समुदाय की बेहतरी करने तथा उनका स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने के लिए हमारी प्रमुख पहलें हमारी सतत धारणीय विकास नीति के अंतर्गत पर्यावरणीय एवं सामाजिक लक्ष्यों द्वारा संचालित होती हैं। हमारी सीएसआर नीति में कंपनी की कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में जिम्मेदारी का स्पष्ट उल्लेख होता है और इसमें समुदाय के विकास एवं कल्याण के लिए सामाजिक रूप से उपयोगी कार्यक्रम करने के दिशानिर्देश एवं तंत्र निर्धारित होते हैं। इसके अलावा हम अपनी सीएसआर गतिविधियां ऐसे ढंग से चलाने की योजना बनाते हैं जिनसे राष्ट्रीय योजनागत लक्ष्यों एवं उद्देश्यों तथा सहस्राब्दि के विकास लक्ष्यों को पूरा करना सुलभ होता है। संयुक्त राष्ट्र वैश्विक कॉम्पैक्ट के हस्ताक्षरकर्ता के रूप में हम अपने सीएसआर उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों को यूएनजीसी के सार्वभौम रूप से स्वीकृत दस सिद्धांतों के अनुरूप बनाते हैं जिनमें पर्यावरणीय संरक्षण से संबंधित सिद्धांतों पर विशेष बल दिया जाता है। हमारे पर्यावरणीय मिशन में ऊर्जा सामग्री एवं जल खपत को इष्टतम बनाना पर्यावरण परिवर्तन तथा वायु उत्सर्जन पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करना, जैव विविधता के प्रति संवेदनशीलता सुनिश्चित करना तथा पर्यावरणीय रूप से ठोस प्रचालनों का प्रबंधन करना शामिल है।

समाज पर प्रबंधन का प्रभाव

सीएसआर कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करके सीएसआर उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए हम विगत वर्ष के कर-पश्चात लाभ (पीएटी) के 2 प्रतिशत का आबंटन वार्षिक सीएसआर बजट के रूप में करते हैं। सार्थक परियोजनाओं पर विचार-विमर्श करने के लिए निगमित स्तर पर वर्ष 2010 में विभिन्न विभागों के प्रमुखों को शामिल करके एक समिति बनाई गई थी। बोर्ड स्तर पर भी एक सीएसआर उप-समिति का वर्ष 2010 में गठन किया गया है जिससे कि हमारे सामाजिक निष्पादन में अभिशासन संवर्धन हो सके। इसके अतिरिक्त, भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में सीएसआर पैरामीटरों तथा निष्पादन संकेतकों को शामिल किया गया है। हमारे सीएसआर दृष्टिकोण पर हमारी पिछले वर्ष की स्थायित्व रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 10-11 में व्यापार से इतर मूल्य के समुदाय विकास में योगदान खंड में विस्तार से चर्चा की गई है।

प्रक्रियाओं में कुशलता लाने और हितलाभियों में आत्मनिर्भरता लाने हेतु विश्वसनीय और वास्तविक का चयन और निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक प्राणाली है जिसमें निष्पादन भागीदार के साथ हस्तक्षरित मानव करार और सुपरिभाषित परियोजना कार्य और समय सीमाएं शामिल हैं। वर्ष 2011-12 से फ्लैगशिप कार्यक्रमों के धनात्मक प्रभावों तथा देखी गई कमियों के मूल्यांकन हेतु एक वार्षिक आकलन भी किया जा रहा है। यह सीएसआर परियोजना कार्यान्वयन की "प्रक्रिया में अभिनवता" कंपनी की स्वीकृत उपलब्धि है और सीएसआर दल प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान और अन्य तीसरे पक्षों से व्यावसायिक मार्गदर्शन के माध्यम से अपनी प्रणाली और प्रक्रियाओं को परिमार्जित करने के लिए प्रयासरत है।

पर्यावरण पर प्रबंधन का प्रभाव

गेल के निदेशक मंडल की दो कोर उप-समितियां- एचएसई समिति तथा स्थाई विकास समिति - गठित की है जो सुदृढ़ पर्यावरण प्रबंधन संबंधी सभी प्रयासों के लिए निर्णय प्रक्रिया का आधार हैं। गेल के सभी सतत स्थिति संयंत्र प्रचालन आईएसओ 14001 पर्यावरणीय प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत प्रमाणित हैं। हमने अपनी वहनीय विकास नीति और एसडी महत्वाकांक्षा 2020 प्रारंभ की हैं जिनसे हमारी दिशा एवं हमारे फोकस क्षेत्रों का स्पष्ट संकेत मिलता है। गेल के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों के लक्ष्यों का एक भाग सतत विकास करना भी है, जिसमें ''पर्यावरणीय उत्कृष्टता'' संबंधी परियोजनाओं को प्रमुख रूप से शामिल किया गया है। एचएसई और एसडी दोनों समितियां हमारे द्वारा निर्धारित निष्पादन लक्ष्यों और पहलों की प्रगति की आवधिक समीक्षा करती हैं। पर्यावरणीय उत्कृष्टता संबंधी प्रस्तावित परियोजना क्रियाकलापों को एमओयू के जरिए हमारे प्रत्येक विनिर्माण स्थल तक विस्तारित किया जाता है और परियोजना विशिष्ट विशेषज्ञता एवं सक्षमता के आधार पर साइट स्तर की टीमों के माध्यम से उन्हें चलाया जाता है।

समुदाय विकास

हमारे प्रचालन अधिकांशतः दूरदराज के उन गांवों में स्थित हैं जहां बुनियादी सुविधाओं एवं अवसंरचना का अभाव है। गेल की सीएसआर नीति, सीएसआर कार्यक्रमों में भी डीपीई द्वारा की गई संकल्पना के अनुसार ''परियोजना आधारित दृष्टिकोण'' प्राथमिक रूप से प्रमुख गेल कार्य केन्द्रों/संस्थापनाओं के आस पास स्थित ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यान्वित किया गया है। इस तथ्य के अनुरूप हमने सार्वजनिक उपयोग के स्थलों/भवनों का निर्माण कराया है एवं उनका पुनर्नवीकरण कराया है तथा हमारी प्रचालन इकाइयों के आसपास स्थित अनेक गांवों में जीवन स्तर को सुधारने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक अवसंरचना का प्रावधान किया है। हमारा मुख्य ध्यान उन गांवों पर रहता है जहां पिछले कुछ वर्षों में आर्थिक प्रगति बहुत कम रही तथा हम इन गांवों में रह रहे ग्रामवासियों, खासकर लघु एवं सीमांत किसानों के परिवारों के लिए आजीविका कार्यक्रम आयोजित करते हैं जिससे उन्हें मौजूदा बाजार प्रवृत्तियों एवं संभावित ग्रामीण व्यवसाय मॉडलों के संबंध में शिक्षित किया जा सके, जो उनके आय स्तर में वृद्धि कर सकें तथा उनके जीवन स्तर को बढ़ा सकें। हम तेल एवं गैस संबंधी अन्य पीएसयू के साथ मिलकर भी काम करते हैं जिससे कि राजीव गांधी ग्रामीण एलपीजी वितरक योजना के अंतर्गत गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों को एलपीजी का कनेक्शन मिल सके। ऐसा ही एक कार्य लखनऊ से 175 किलो मीटर दूर शाहजहांपुर जिले के एक छोटे से गांव खंडसार में किया गया। हमने विश्लेषण किया कि इस क्षेत्र को सड़कों, समुचित जल निकास व्यवस्था, स्वच्छता एवं बिजली की अत्यधिक आवश्यकता है। यद्यपि इस क्षेत्र का संपूर्ण विकास किया जाना वांछित था तथापि हमने अत्यधिक गंभीर जरूरतों को समझा और तदनुसार उन कार्यों को प्राथमिकता दी। हमने वहां सड़कें बनवाईं, तालाबों की बाउंड्री बनवाई, सौर ऊर्जा की व्यवस्था की तथा हैंड पम्प एवं बोरवेल के जरिए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जिससे कि उस गांव की बुनियादी सुविधाओं संबंधी जरूरतों का निराकरण किया जा सके।

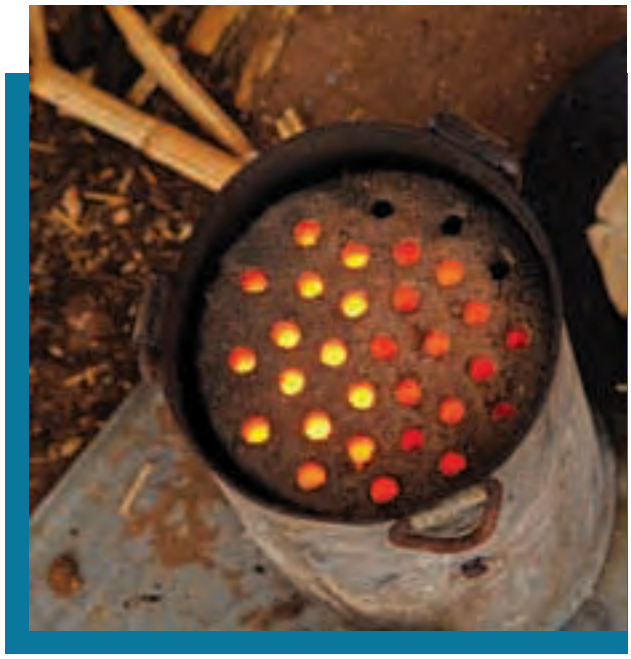

अनहद ग्राम समुदाय हितैषी प्रयास

मामला अध्ययन

आवश्यकता पहचान अध्ययन

गेल ने वित्त वर्ष 2011-12 में अपने संयंत्रों एवं प्रतिष्ठापनों के आसपास स्थित गांवों, जिनमें पाता, विजयपुर, झाबुआ, खेड़ा, हजीरा, राजमंड्री और अगरतला शामिल हैं, में, ग्रामवासियों की जरूरतों की पहचान करने के लिए एक अध्ययन कार्य प्रारंभ कराया। इस अध्ययन का प्राथमिक उद्देश्य वित्त वर्ष 2012-13 के लिए अपने प्रचालन क्षेत्रों के आसपास गेल के सीएसआर क्रियाकलापों की योजना बनाना। बाह्य एजेंसी द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में उपर्युक्त सभी प्रचालन यूनिटों के आसपास की जरूरतों का आकलन किया गया जिनमें सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल, शैक्षिक स्थिति, आजीविका के साधन, जल की उपलब्धता, स्वच्छता की स्थिति, ऋण की उपलब्धता आदि विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। इस आवश्यकता पहचान अभ्यास से हमें उन क्षेत्रों की पहचान हुई जिनमें विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत थी ताकि हमारी प्रत्येक यूनिट के निकटवर्ती गांवों के समुदायों की जरूरतों के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाई जा सके। निम्नलिखित कार्य क्षेत्रों की पहचान की गई:

- *पाता एवं विजयपुर: सौर ऊर्जा का प्रावधान, स्व-रोजगार पहलों को सहायता, और जलागम प्रबंधन*
- *झाबुआ: विद्यालय में शौचालयों का प्रावधान, स्वस्थ आदतों के संबंध में प्रशिक्षण, जलागम प्रबंधन*
- *खेड़ा: समुदाय शौचालयों का प्रावधान और जलागम प्रबंधन*
- *हजीरा: व्यावसायिक प्रशिक्षण*
- *अगरतला: पशुपालन व्यवसाय का उत्थान तथा पेयजल की व्यवस्था*
- *राजमंड्री: व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं शौचालयों की व्यवस्था*

मामला अध्ययन

झाबुआ में अनहद ग्राम गांव विकास कार्यक्रम

अनहद ग्राम परियोजना, जिसका आशय है गांव की कोई बाउंडरी न होना, का उद्देश्य आजीविका, पर्यावरण एवं जल प्रबंधन के प्रमुख मुद्दों का निराकरण करना है। कम्युनिटी फ्रैंडली मूवमेंट (सीएफएम) इस परियोजना की क्रियान्वयन एजेंसी है। इसे एक स्थायी मॉडल के रूप में विचारा गया जिसका उद्देश्य था, शहरों की ओर होने वाले प्रवास को रोकना, गांव आधारित उद्यमों का संवर्धन करना और शामिल किए गए गांवों में रोजगार के अवसरों का सृजन करके उस गांव का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना। विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत नियोजित विशिष्ट कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:

- *सुलंधन- घरों में प्रयोग किया जाने वाला स्वच्छ ईंधन प्रदान करने के लिए बायोमास ब्रिकेटिंग: इस कार्यक्रम के अंतर्गत पायरोलायसिस प्रक्रिया द्वारा धुआं रहित ब्रिकेट्स का सृजन करना है। इसमें कोयला, लकड़ी और गोबर के उपलों जैसे परम्परागत ईंधन के बजाय कृषि एवं वन अवशिष्टों का प्रयोग किया जाता है। इससे समुदाय के सदस्यों द्वारा साँस के साथ धुआं अन्दर जाने के कारण होने वाली बीमारियों का बचाव होता है।*
- *पशुधन- मुर्गीपालन और बकरी पालन के अंतर्गत पशुपालन करने का विकास एवं प्रशिक्षण: 16 एसएचजी के 160 लाभग्राहियों को बकरी पालन परियोजना के अंतर्गत बकरी पालने तथा उसका पोषण करने की आधुनिक तकनीकों, उपकरणों तथा हरे चारे तक पहुंच प्रदान कराई गई। इससे मौजूदा पशुधन में स्वस्थ प्रजनन को बढ़ावा मिला। मुर्गीपालन परियोजना से 42 एसएचजी लाभ हुआ। इससे स्थानीय ब्रीड-कड़कनाथ का संरक्षण एवं संवर्धन किया गया।*
- *जय मृदा- धारणीय एवं कार्बनिक कृषि के लिए जल स्तर में सुधार करना: यह परियोजना 30 एसएचजी में 350 लाभग्राहियों को चल रहे प्रशिक्षण में सहयोग दे रही है। इससे उन्हें एपीडा के अंतर्गत कृषि प्रमाणन के लिए तैयार करना, उनका बाजार से सीधा संपर्क स्थापित करना, आधुनिक कृषि उपकरणों तक उनकी पहुंच और उनका उपयोग, जैव उर्वरक और समुदाय आधारित सिंचाई व्यवस्था का लाभ प्रदान कराया गया। इस कार्यक्रम में वर्मिन कम्पोस्टिंग, वर्मिन वॉश तथा अजोला यूनिटों के प्रशिक्षण व उपयोग की सुविधा भी प्रदान कराई गई है ताकि कृषि उत्पादकता में सुधार लाया जा सके तथा मृदा का उपजाऊपन बढ़ाया जा सके*
- *क्रियान्वयन के पश्चात विकास मॉडल में निम्नलिखित शामिल होंगे:*
- *बायोमास तथा कृषि अपशिष्टों जैसे कॉब, जंगली झाड़ियों और घास से प्राप्त ईंधन स्रोत एवं वैकल्पिक पावर का प्रयोग करके ऊर्जा की बचत कराना*

- *जल संचयन एवं जल कृषि तकनीकों के कारण बेहतर कृषि उत्पाद*
- *बीजों एवं कार्बनिक उर्वरकों के जरिए फसल उत्पादन में सुधार करना*
- *खाद्य प्रसंस्करण एवं निर्वात पैकिंग तकनीकों की शुरूआत करके फसलों (नकद/कृषि) बाजारों तक पहुंच सुनिश्चित करना ताकि और आगे के बाजार तक पहुंच हो सके*
- *इस समय अनहद ग्राम परियोजना के अन्तर्गत 10 गांव एवं 88 एसएचजी हैं। हमारी योजना है कि इस परियोजना को वित्त वर्ष 2012-13 में 15 अन्य गांवों तथा 150 एसएचजी तक बढ़ाया जाए*

पेय जल एवं स्वच्छता

भारत में स्वच्छ पेय जल तक पहुंच के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए हमने अपनी प्रचालनरत यूनिटों के आसपास जल अवसंरचना एवं उसकी उपलब्धता में सुधार करने के लिए कई कार्यक्रम चलाए हैं। बोरवेल, ट्यूब वेल, हैंड पम्प, ओवर हेड टैंक और जल भंडारण की सुविधा सहित आधारभूत जल अवसंरचना उपलब्ध कराना इस दिशा में एक प्रयास है।

भारत में साफ-सफाई का ध्यान रखना भी एक समस्या है और इस समस्या का निराकरण करने के लिए हमने अपने संयंत्रों के आसपास विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में नाला बनवाकर तथा जल निकास व्यवस्था में सुधार करके स्थानीय साफ-सफाई एवं स्वच्छता परम्पराओं में सुधार करने का प्रयास किया। हमने ट्यूब वेल, पाइप लाइन, सबमर्सिबल पम्प सैनिटरी लाइन आदि की स्थापना सहित स्वच्छता व्यवस्था के विकास हेतु संसाधनों का विस्तार भी किया है।

कुछ प्रमुख पहलों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- गुना तथा औरैया के चुनिंदा गांवों में स्वच्छता का समग्र विकास करने के लिए सुलभ स्वच्छता मिशन फाउंडेशन के साथ मिलकर एक दीर्घावधि परियोजना चलाना क्योंकि स्वच्छता इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू है।
- हमने ग्रामवासियों को स्वच्छता एवं साफ-सफाई की आवश्यकताओं के संबंध में शिक्षा देने के साथ-साथ गांवों में सार्वजनिक शौचालयों एवं सीवरेज नालियों का निर्माण भी कराया है।
- जल अवसंरचना में सुधार करने के लिए हम मंडी गोविंदगढ़ के 32 गांवों में मौजूदा जल वितरण प्रणाली को चुस्त दुरुस्त कर रहे हैं।
- अब तक हमने अजमेर में गांवों में पानी के 500 टैंक लगवाए जिससे कि इस क्षेत्र में पेयजल की कमी की समस्या का समाधान किया जा सके।

मामला अध्ययन

देवराय का पुरवा गांव में स्वच्छता एवं साफ-सफाई आदतों में सुधार करना

अपने आकलन सर्वेक्षण के दौरान हमने पता लगाया कि औरैया, उत्तर प्रदेश स्थित गांव देवराज का पुरवा में ग्रामवासियों में साफाई की खराब आदतों के कारण पीड़ित हैं तथा वहां स्वच्छता स्थितियों के लिए आवश्यक समुचित अवसंरचना का अभाव है। भारी संख्या में निष्क्रिय पड़े शौचालयों के कारण खुले में शौच करना वहां एक आम आदत बन गई थी जिससे इस क्षेत्र में आंत्र रोगों में वृद्धि हो गई और इससे आसपास का क्षेत्र, खासकर मानसून के मौसम के दौरान, संदूषित हो गया। इसके अतिरिक्त, मल-मूत्र का समुचित ढंग से निस्तारण नहीं किया जा रहा था। गांव परिसर में स्थित पंचायत भवन तथा आंगनवाड़ी दोनों में समुचित स्वच्छता सुविधाओं का अभाव था, वहां हैंड पम्प उखड़े पड़े थे तथा शौचालय टूटे हुए एवं उपयोग के योग्य नहीं थे। इस समस्या के कारण स्कूल छोड़कर घर बैठने की समस्या खासकर लड़कियों में, बहुत अधिक थी।

इस परियोजना का उद्देश्य था गांव में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि एवं आजीविका के मुद्दों को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं और साफ-सफाई की आदतों में सुधार करना। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए हमने निम्नलिखित कार्य किए:

- *25 परिवारों को कार्बनिक अपशिष्टों का निस्तारण करने के लिए एक कम्पोस्ट गड्ढ़े के निर्माण हेतु प्रेरित किया तथा 16 परिवारों को अपने घर में निजी शौचालय बनवाने के लिए प्रेरणा दी*
- *आंगनवाड़ी शौचालय की मरम्मत कराई गई तथा उसकी देखभाल की गई जिससे बच्चे उसका नियमित प्रयोग कर सकें।*
- *सामुदायिक भागीदारी को सुलभ बनाकर गांव की पगडंडियों एवं जल निकास पाइपलाइनों की सफाई कराई गई।*
- *स्कूली बच्चों के साथ नियमित कार्यशालाओं और सामूहिक बैठकों द्वारा उनमें साबुन से हाथ धोना, मध्याह्न भोजन के उपरांत प्लेटें साफ करना आदि जैसी साफ-सफाई की आदतों का विकास किया गया।*
- *बालिका शिक्षा के मुद्दे पर अभिभावकों के साथ वार्ता करने से विद्यालयों से लड़कियों की ड्रॉप-आउट दर में कमी करने में सहयोग मिला।*
- *ग्रामवासियों को सरकार द्वारा उनके लिए बनाई गई विभिन्न ऐसी स्कीमों के प्रति जागरूक किया गया जिनकी जानकारी उन्हें पहले नहीं थी।*
- *समुदाय को मौजूदा अवसंरचना का रख-रखाव करने तथा अन्वेषण के प्रति जागरूक किया गया।*

स्वास्थ्य

गेल की प्रचालनात्मक यूनिटों के आस-पास स्थित अधिकांश ग्रामीण समुदायों में समुचित स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की कमी है। बढ़ती हुई इस चिंता का निराकरण करने के लिए हमने चल स्वास्थ्य देखभाल वाहन प्रारंभ कराए, जिससे उत्तर प्रदेश के पाता तथा विजयपुर, मध्य प्रदेश के दूरदराज स्थित क्षेत्रों में बुनियादी चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई जा सकें। हमने इसी पहल को आगे बढ़ाते हुए मैसर्स वर्कहार्ड्ट फाउंडेशन के साथ एक कार्यनीतिक समझौता किया है ताकि पाता, विजयपुर, झाबुआ और खेड़ा स्थित चार प्रमुख कार्य केन्द्रों पर चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त हो सकें। इससे वित्त वर्ष 2011-12 में जरूरतमंद 2,25,000 रोगियों को स्वास्थ्य देखभाल सहायता प्रदान की गईं।

हमने अपनी प्रचालनरत यूनिटों के आसपास के विभिन्न जिला मुख्यालयों पर टेलीचिकित्सा केंद्र स्थापित कराने में भी सहायता की है। इन केन्द्रों को प्रमुख चिकित्सा संस्थानों एवं अनुसंधान केन्द्रों से जोड़ा गया है और इनका प्रयोग प्रशिक्षण एवं उपचार दोनों के लिए किया जा रहा है। हम स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करते हैं जिनमें कैंसर, थैलेसीमिया, टीबी जैसी बीमारियों की जांच की जाती है। मोबाइल संयोजकता वाले क्षेत्रों में हमने रोगी वाहन, मोबाइल स्वास्थ्य आउटरीच कार्यक्रम और दवाइयों का वितरण करके विभिन्न परियोजनाओं को सहायता दी है। आस-पड़ौस के समुदाय

में स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के एक भाग के रूप में हमने कई स्वास्थ्य देखभाल परियोजनाएं प्रारंभ की हैं जैसे कुष्ठ रोगियों के लिए उपचारात्मक सर्जरी, नेत्रों की देखभाल - मोतियाबिंद सर्जरी तथा आइओएल इम्प्लांट, तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम, निःशुल्क उपचार एवं दवाइयों सहित मलेरिया शिविर, परिवार नियोजन आदि। गेल की टाउनशिप में अवस्थित इसके निजी अस्पतालों एवं डिस्पेंसरियों में स्थानीय ग्रामवासियों को चिकित्सा उपचार प्राप्त करने की सुविधा है।

अवसंरचना

अवसंरचना का विकास करना हमारी सीएसआर नीति का प्रमुख फोकस क्षेत्र है। अधिकांश अवसंरचना कार्य स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में किया गया जिसका संभावित वांछनीय दीर्घावधि प्रभाव होगा। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण सड़कों, पुलियों, समुदाय शौचालयों, समुदाय केंद्रों और पहुंच मार्गों का निर्माण कराने से भी ग्रामवासियों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है तथा इससे हमारे प्रतिष्ठानों के आसपास स्थित गांवों का चिरकालिक विकास करने में पर्याप्त योगदान मिला है। हमने विजयपुर स्थित अपने संयंत्र के आसपास के गांवों में चेक डैम और वॉटर कैचमेट एरिया बनवाना जारी रखा है। इस कार्यक्रम से कृषकों की कृषि और मत्स्यपालन जल का पुनः उपयोग से सुलभ हुआ है और लाभग्राही गांवों के 30 से अधिक कृषक इस जल का प्रयोग कृषि एवं पशु पालन उद्देश्यों के लिए कर रहे हैं। यह कार्यक्रम प्रारंभ होने से पहले वहां के ग्रामवासियों को गैर मानसून मौसम के दौरान आजीविका का अर्जन करने के लिए अन्यत्र प्रवास करना पड़ता था। तथापि, चेक डैम एवं अंतःस्रावी टैंकों के निर्माण से ग्रामवासी एक वर्ष में दो या तीन फसलें उगाने तथा भारी संख्या में पशु पालने एवं बिना प्रवास के अपने जीवन स्तर में सुधार लाने में सक्षम हुए हैं।

वित्त वर्ष 11-12 में शैक्षिक अवसंरचना में सुधार करने के लिए गेल द्वारा की गई पहलें:

- कर्नाटक राज्य में, टुमकुर में मूक एवं बधिर बच्चों के लिए स्कूल भवनों का निर्माण
- गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, कोच्ची, केरल में छोटे क्लास रूम की स्थापना
- पंजाब राज्य में, राजपुरा तहसील के तक्तू माजरा में सरकारी प्राथमिक विद्यालय भवन का पुनर्निर्माण

वित्त वर्ष 11-12 में स्वास्थ्य अवसंरचना में सुधार करने के लिए गेल द्वारा की गई पहलें:

- जे. के. मातृ एवं शिशु अस्पताल, कोटा, राजस्थान में उच्च निर्भरता यूनिट का निर्माण
- एमबीएस हॉस्पिटल एंड गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, कोटा राजस्थान में नवीन न्यूरो सर्जरी आईसीयू एवं ओटी परिसर का विकास
- गवर्नमेंट हॉस्पिटल, बूंदी, राजस्थान में चिकित्सा वार्ड का निर्माण
- राजस्थान राज्य में, अंता एवं छाबरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सोनोग्राफी यूनिटों का प्रावधान
- उत्तर प्रदेश राज्य में, मुरादाबाद के जिला अस्पताल में दो रोगी वाहन तथा शहरी मलेरिया नियंत्रण विभाग के मलेरिया प्रतिरोधक अभियान के लिए 60 नेफ्सेक पम्पों का प्रावधान
- लखनऊ में अखिल भरतीय बीर बहादुर सिंह जन सेवा संस्थान (एनजीओ) के लिए रोगी वाहन का प्रावधान।

वित्त वर्ष 11-12 में सड़क अवसंरचना एवं जल प्रबंधन व्यवस्था में सुधार के लिए गेल द्वारा की गई पहलें:

- मुलावुकाड पंचा, केरल में ग्रामीण सड़कों का निर्माण
- पंजाब राज्य में, फतेहगढ़ साहिब जिले के बधौछी कलां गांव में सड़क की (3 किलोमीटर) की प्रीमिक्स कारपेटिंग
- पंजाब राज्य में, फतेहगढ़ साहिब जिले में मंडी गोविंदगढ़ के 32 गांवों में मौजूदा जल वितरण प्रणाली में सुधार

मामला अध्ययन

खेड़ा में सूक्ष्म बांधों का निर्माण करके जल संरक्षण

हमारे खेड़ा (उज्जैन) संयंत्र के आसपास के गांवों के ग्रामीण पीने एवं सिंचाई कार्यों के लिए अपर्याप्त जल उपलब्धता की समस्या से जूझ रहे थे। अत्याधुनिक कृषि तकनीकों की ऐसी जानकारी का भी अभाव था जो जल संरक्षण करने में उनकी सहायता कर सकती थी तथा पानी की कमी की समस्या का निराकरण कर सकती थी। ग्रामवासियों को जल संरक्षण के तरीकों और जल से संबंधित अवसरंचना का विकास करने के तरीकों के प्रति शिक्षित करने के लिए खेड़ा गांव में एक जल संरक्षण परियोजना का ग्रामवासियों को जल संरक्षण के तरीकों से अवगत कराने तथा जल से संबंधित बुनियादी सुविधाएं विकसित करने के लिए एक जल संरक्षण परियोजना का क्रियान्वयन किया गया है जिसमें तालाब खोदना, कुएं खोदना, कुओं में पुनः जल भराव बहाल करना, सूक्ष्म चेक डैम्स बनाना आदि शामिल हैं। इस परियोजना में जमीन के जल स्तर को पुनः बढ़ाने, चेक डैम तैयार करने और कुएं खोदने का प्रशिक्षण भी शामिल है। निकटवर्ती गांवों के ग्रामीणों में जल संरक्षण तकनीकों और आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रयोग करके खेती के लिए जल का न्यूनतम उपयोग करने के प्रति भी जागरूकता लाई गई।

कौशल विकास

योजना आयोग, भारत द्वारा यह उद्धृत किया गया है कि ''कौशल विकास से श्रमिकों की कार्यकुशलता में सुधार करने तथा उनके समग्र उत्पादन में योगदान से उत्पादन संभावना का स्तर बहुत आगे बढ़ जाता है तथा अर्थव्यवस्था की विकास दर उच्चतर स्तर पर पहुंच जाती है। व्यक्ति को सशक्त बनाकर, यह उसकी सामाजिक स्वीकृति में सुधार कर देती है।'' तथापि, बढ़ती बेरोजगारी तथा बेरोजगारी दर में शहरी एवं ग्रामीण आबादी के बीच बढ़ती अत्यधिक विसंगति से भारत के विकास में व्यवधान उत्पन्न हुआ है। हमारा प्रयास है कि बेरोजगार युवकों में उद्योगों से संगत कौशल सृजित करके, आजीविका के अधिक अवसर प्रदान करके और सामाजिक-आर्थिक विकास की स्थिरता को सुलभ बनाकर रोजगार परकता में सुधार किया जाए तथा देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान दिया जाए। इस दिशा में हमारा फ्लैगशिप कार्यक्रम स्वावलम्ब है जिसे हमने वर्ष 2010 में आई एल एंड एफ एस सहभागिता करके प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम के लक्षित लाभग्राहियों में शामिल है स्कूल ड्रॉप आउट्स, स्नातकपूर्व के वे विद्यार्थी जिनके अंक कम आए हैं, शैक्षणिक रूप से अभिज्ञ महिलाएं और अन्य उपेक्षित वर्ग। अभ्यर्थियों को खुदरा एवं सुविधा प्रबंधन में प्रशिक्षित किया जाता है तथा उन्हें छह से आठ सप्ताह की अवधि का कम्प्यूटर से संबंधित आधारभूत कौशल प्रदान कराया जाता है। यह पाठ्यक्रम अभ्यर्थियों को दक्षता से पूर्व मौजूदा अंतराल तथा सेवा क्षेत्रों की मांग को बेहतर ढंग से पूरा करने में दक्ष बनाता है। स्वावलम्ब के सकारात्मक प्रभावों से प्रेरित होकर गेल ने आंध्र प्रदेश के रंगारेड्डी जिले के तन्दूर में तथा गुजरात के सगबरा जिले में समान किस्म के विद्यालय खोले हैं।

ग्रामीण भारत में रोजगार संवर्धन करने के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय की स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (एसजीएसवाई) को अपना समर्थन प्रदान करते हुए गेल ने गेल आरोह दक्षता संसाधन प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ पीपीपी माडल के अंतर्गत निष्पादित किए जाने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालयों से ड्रॉप आउट्स को अनौपचारिक शिक्षा प्रदान करके उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा राज्यों में दो वर्षों की अवधि के अंदर 7,000 युवकों को रोजगार प्राप्त करने में सहायता प्रदान करना है। लगभग 3,500 बीपीएल युवकों ने एसजीएसवाई स्कीम को अंगीकार किया है और उन्होंने इस कार्यक्रम से लाभ उठाया है। आरोह के अंतर्गत कार्यान्वित दूसरा कार्यक्रम 'प्रॉजेक्ट गरिमा' है, जो अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों में आने वाली माताओं को कटाई, सिलाई, कढ़ाई, कशीदाकारी हस्तशिल्प निर्माण जैसे कौशलों में प्रशिक्षित किया जाता है। यह परियोजना उन्हें बाजार के साथ संपर्क बनाने में सहायता करती है, जिससे उन्हें अपने परिवार की आय बढ़ाने और अपने बच्चों का दक्षता विकास कार्यक्रम में नामांकन सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है। हम दूसरे ढंग से दक्ष एवं शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को भी विशेषीकृत मोटर वाहन, चिकित्सा सहायता, उपकरण एवं अवसंरचना सहायता देकर उन्हे सक्षम बनाने को बढावा देते हैं।

मामला अध्ययन

पाता में कम्बल बुनाई प्रशिक्षण एवं विनिर्माण यूनिट की स्थापना

पाता के ग्रामवासियों के साथ सर्वेक्षण करने से पता चला कि इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों का सृजन करने की सख्त आवश्यकता है। इन चर्चाओं के दौरान यह पता चला कि कुछ महिलाएं ''कुटीर उद्योग'' के बैनर तले अपने घरों में गलीचा बनाने का कार्य करती हैं। तथापि, कच्चे माल की सीमित उपलब्धता और इसके परिणामस्वरूप अल्प मात्रा में व्यापार होना इस व्यवसाय की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए चिंता के प्रमुख कारण थे। इसके अतिरिक्त, इन महिलाओं को प्रति नग के हिसाब से संविदा पर रखा गया था, उन्हें न्यूनतम मजदूरी मिलती थी जबकि कच्चे माल की आपूर्ति करने वाला, जो परिष्कृत गलीचे उठाता था, भारी मार्जिन कमाता था।

इस समस्या का निराकरण करने के लिए हमने इन महिलाओं के कौशल का विकास करने का निश्चय किया जिससे कि हमारी एक पहल की मांग पूरी हो सके जिसमें हमारे प्रचालनात्मक यूनिटों के आस-पास स्थित गांव में गरीब ग्रामवासियों को कम्बल वितरित कराना शामिल है। अब तक हम इन कम्बलों का प्रापण कानपुर से कर रहे थे। तथापि, हमारे वार्ता सर्वेक्षण से हमें यह जानकारी मिली कि हम इन महिलाओं के स्थानीय कौशल का फायदा उठा सकते है और इन कम्बलों का इन हाउस विनिर्माण करा सकते हैं तथा स्थानीय बाजार से उनकी खरीद कर सकते हैं, इस प्रकार इन ग्रामवासियों के

लिए रोजगार के अवसरों का सृजन कर सकते हैं। इससे स्थानीय लोगों को सस्ते कम्बल उपलब्ध होंगे तथा इन महिलाओं को उच्चतर लाभ एवं मार्जिन प्राप्त होगा। इस परियोजना को प्रारंभ करने के लिए हमने सीवीपीएस नामक एक एनजीओ के साथ सहयोग किया तथा एक विनिर्माण इकाई की स्थापना करने की संभावना का पता लगाने के लिए एक सर्वेक्षण किया गया। इन प्रत्युत्तरों के आधार पर नवम्बर 2011 में 5 करघों से युक्त पहली इकाई की स्थापना फफूंद में की गई जहां 15 प्रशिक्षु महिलाओं को 10 माह तक कम्बल बुनने का प्रशिक्षण देने के लिए दो प्रशिक्षकों को नियुक्त किया गया। कच्चे माल का प्रापण करने, प्रशिक्षुओं का चयन करने, उनके एसएचजी का पंजीकरण, उत्पाद बाजार संपर्क, रिपोर्टिंग, समन्वयन आदि सहित इस परियोजना का पर्यवेक्षण करने के लिए एक परियोजना समन्वयक की नियुक्ति की गई।

इस परियोजना से उन 15 महिलाओं को लाभ हुआ जिन्हें कम्बल बुनने का प्रशिक्षण दिया गया था और उन्होंने 200 से अधिक कम्बलों का उत्पादन पहले ही कर लिया है। इस परियोजना से सृजित आय का पुनः निवेश किया जाएगा और इसे एसएचजी के खाते में रोलिंग निधि के रूप में जमा कराया जाएगा जिससे कि इसकी स्थिरता सुनिश्चित हो सके। इस परियोजना का नजदीक के अन्य गांवों के ग्रामवासियों ने व्यापक सम्मान किया है और इसे वित्त वर्ष 12-13 में कन्हो एवं खानपुर गांवों में भी चलाया जाएगा।

शिक्षा

अप्रैल, 2012 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने घोषित किया कि शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के अंतर्गत निधि को दोगुनी कर दिए जाने के बावजूद एक तिहाई राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों ने प्राथमिक शिक्षा में ड्रॉप आउट की दर में बढ़ोतरी दर्शाई है, इनमें प्रगतिशील राज्य तमिलनाडु और गुजरात भी शामिल हैं। इसके प्रमुख कारण हैं शिक्षा की न्यून गुणवत्ता तथा विकट गरीबी। इस समस्या का उपशमन करने के लिए एक गैर-सरकारी संगठन आरोह के साथ गेल की पहल ''पढ़ो और बढ़ो'' का उद्देश्य है दिल्ली की शहरी मलिन बस्तियों में रहने वालों के बच्चो को शिक्षा प्रदान करना। इनमें से कई बच्चे कूड़ा-कचरा इकट्ठा करके और भृत्योचित कार्य करके आजीविका अर्जन करते है। इस पहल का उद्देश्य है इन बच्चों का पुनर्वास करना और उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए अनौपचारिक प्रशिक्षण के जरिए आधारभूत शिक्षा प्रदान करना। पिछले 2 वर्षों में गेल के शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों से 11,000 से अधिक छात्रों को लाभ मिला है।

हमने अपने दो फ्लैगशिप कार्यक्रम- 'गेल उत्कर्ष' और 'ई-शिक्षा' का कार्यक्षेत्र बढ़ाने और उसके प्रभाव का संबर्धन करने के लिए अपने प्रयासों को जारी रखा। ये कार्यक्रम क्रमशः आईआईटी- जेईई कोचिंग और कम्प्यूटर साक्षरता पर फोकस हैं और क्षमताओं का विकास करने और विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल बनाने पर बल दिया गया है। हमने अपनी सुविधाओं के आसपास ग्रामीण भारत के सरकारी विद्यालयों में कक्षा कक्षों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, छात्रावासों, स्मार्ट कक्षाओं, शौचालयों का निर्माण करके और पेयजल सुविधा प्रदान करके शैक्षिक अवसंरचना का संवर्धन करने का अपना प्रयास जारी रखा। इन समर्थनकारी क्रियाकलापों से स्कूलों में उपस्थिति में सुधार करने, उनकी सृजनात्मकता एवं स्वतंत्र विकास में योगदान करने में सहायता मिली है। हमने असम में इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी की स्थापना करने के लिए तेल क्षेत्र की अन्य पीएसयू के साथ सहयोग भी किया है।

''ई-शिक्षा''

शिक्षा के क्षेत्र में गेल के महत्वपूर्ण क्रियाकलापों में से सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्यक्रम ई-शिक्षा कार्यक्रम है जिसमें हमने स्वतः विद्युत व्यवस्था से लैस मोबाइल वाहनों में योग्य अनुदेशक एवं शिक्षण साधनों से युक्त एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला की स्थापना की है। यह प्रोग्राम विद्यार्थियों को कम्प्यूटर संबंधी अपने स्कूली पाठ्यक्रम को कम्प्यूटर से जुड़ी सचल प्रयोगशाला से निष्पादित करने और दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित सरकारी विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षा पहुंच सुलभ बनाने में सक्षम हुए है। स्कूल समय के उपरांत, यह मोबाइल कम्प्यूटर वाहन पाता और विजयपुर के वयस्क ग्रामवासियों को भी उपलब्ध रहता है जहां वे आधारभूत कम्प्यूटर साक्षरता एवं टंकण में कोर्स कर सकते हैं। इस कार्यक्रम ने आसपास के गांवों में कम्प्यूटरों और प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता का संवर्धन किया है। इसके अतिरिक्त, हमारे एनजीओ भागीदार द्वारा सफल अभ्यर्थियों को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा पंजीकृत पाठ्यक्रमों के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किए जाते हैं जिससे इस पाठ्यक्रम की विश्वसनीयता बढ़ती है और इससे कई अभ्यर्थियों को स्थानीय संविदाकारों के साथ क्लर्क या बही खाता लेखक के रूप में रोजगार प्राप्त करने में भी सहायता मिलती है।

"गेल उत्कर्ष"

इस कार्यक्रम के अंतर्गत गेल, सीएसआर के माध्यम से विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की कोचिंग प्राप्त करने के लिए आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है। परम्परागत रूप से भारत में इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के लिए कोचिंग कक्षाएं अत्यधिक मंहगी है तथा कभी-कभी तो वह हमारे समाज के एक बड़े भाग द्वारा सहन करने योग्य या पहुंच योग्य नहीं रह जाती हैं। हमने यह कार्यक्रम यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया है कि पिछड़े क्षेत्रों में योग्य विद्यार्थी संसाधनों के अभाव में आईआईटी और एनआईटी जैसी अति प्रतिष्ठित संस्थानों में अवसर प्राप्त करने में सक्षम हो सकें। इसे ध्यान में रखते हुए ही हमारे द्वारा प्रदान कराई गई छात्रवृत्ति में ट्यूटोरियल, भोजन तथा आवास पर होने वाला व्यय शामिल है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को इन प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के लिए उनकी मेंटरिंग करना और उन्हें तैयार करना है। इस कार्यक्रम से उ.प्र. और म.प्र. राज्यों में आशा उत्पन्न हुई है जहां हमारे प्रमुख व्यापार प्रचालन हैं। वर्ष 2009 में जब कार्यक्रम आरंभ हुआ तब कार्यक्रम में भाग लेने के लिए विभिन्न समुदायों के केवल 122 छात्रों ने दिलचस्पी दिखाई। वर्ष 2011-12 में 4,000 से अधिक छात्रों ने दिलचस्पी दिखाई और लिखित परीक्षा में शामिल हुए।

हम उपेक्षित अपंग बच्चों को अपने क्रियान्वयनकर्ता भागीदार के साथ मिलकर विशेष शिक्षा प्रशिक्षण भी देते है। यह कार्यक्रम कम्प्यूटर आधारित दृष्टिगोचर वाक प्रशिक्षण उपकरणों, दृश्य-श्रव्य प्रक्षेपकों, दृष्टि हीनता से ग्रस्त बच्चों के विशेष सॉफ्टवेयर युक्त कम्प्यूटरों और श्रव्य सहायक साधनों के जरिए किया जाता है।

समुदाय पर्यावरणीय कार्यक्रम

हम अपने प्रचालनों के आसपास, स्थानीय समुदायों का सम्पोषण करने के लिए आवश्यक सामान्य पर्यावरणीय संसाधनों की रक्षा एवं संरक्षण करने के उद्देश्य से स्थानीय निकायों के साथ मिलकर सकारात्मक भागीदारी करते है। इस संबंध में हमारे द्वारा उठाई गई कुछ पहलों में निम्नलिखित शामिल हैं:

सौर प्रकाश:

हमने पाता में अपने पेट्रोकैमिकल कॉम्प्लेक्स के निकट सौर लाइटें प्रतिष्ठापित करने और टेरी के लाइटिंग ए बिलियन लाइव्ज पहल के साथ सहयोग से गांवों को सौर लालटेनों से आलोकित करने के लिए दो पायलट परियोजनाएं शुरू की हैं। समुदाय द्वारा इसका उत्साहजनक प्रत्युत्तर प्राप्त होने पर हमने इस परियोजना को विजयपुर संयंत्र के निकट एक जनजातीय गांव में भी प्रारंभ किया। वर्ष 2011 तक हमने उन ग्रामीण क्षेत्रों में 1,000 से अधिक सौर लाइटें वितरित कीं जहां बिजली की अत्यधिक कमी है। इन सौर लाइटों को प्राप्त करने के लिए हमने टाटा बीपी सोलर तथा सीईएल जैसे विशेषज्ञ सौर उत्पादकों के साथ समझौता किया है। वित्त वर्ष 2011-12 में सौर लाइटिंग का संवर्धन करने के लिए की गई कुछ पहलों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- मुरादाबाद जिले में गांवों में सौर प्रकाशन का प्रावधान
- फतेहगढ़ साहिब जिले के जल्लाह गांव में सौर पथ प्रकाश का प्रावधान एवं प्रतिष्ठापन
- दावणगेरे में गांवों में सौर लाइटों का प्रावधान
- गोरखपुर जिले के लक्ष्मीपुर प्रथम एवं गुन गुन कोटा गांवों में सौर लाइटों का प्रावधान एवं प्रतिष्ठापन

जल प्रबंधन:

वर्षा जल संचय की हमारी पहल की वजह से कई गांवों में जल स्तर बढ़ा है तथा इससे फसलों के संवर्धन और सिंचाई के लिए संवर्धित सुविधा प्राप्त हुई है। संवर्धित जल की उपलब्धता से कृषि फार्मिंग तथा फसल में अदला बदली करने में सक्षम हुए हैं। गेल ने पर्यावरणीय संरक्षण तथा अवसंरचना विकास के दोहरे उद्देश्य को पूरा करने के लिए कई अन्य जल संरक्षण पहलें, जैसे भूजल जलागमों को फिर से भरना और चेक डैम्स का निर्माण कार्य भी किया हैं।

वन्य जीव परिरक्षण:

हम, पूर्वोत्तर में मालेनाड मैसूर चीता संरक्षण क्षेत्र में 'चीता बचाओ' परियोजना के लिए वाहन की व्यवस्था करके तथा मेलिनाहुलवती भद्रा प्रारक्षित वन में क्षेत्र अनुसंधान केंद्र का निर्माण

(वन्य जीव अध्ययन केंद्र, बंगलौर द्वारा क्रियान्वित) करके, तथा मानस राष्ट्रीय उद्यान की वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी में भारतीय वन्यजीव न्यास के माध्यम से सचल पशुचिकित्सा सेवा यूनिट को सहायता प्रदान कर सचल पशुचिकित्सा सेवा (एमवीएस) इकाइयाँ चला रहे हैं।

अन्य पहलें:

गेल ने नई दिल्ली में गैस आधारित एक शवदाह गृह विकसित करने, मलिन बस्तियों में रहने वाले गरीबों के लिए एक बायोगैस संयंत्र का प्रतिष्ठापन करने और मलिन बस्तियों में रहने वाले हजारों व्यक्तियों के लिए एक पर्यावरणीय पार्क भी विकसित किया है।

मार्ग का अधिकार और पुनर्स्थापन एवं पुनर्वास

हम पाइपलाइन बिछाते समय सख्त डिजाइन एवं प्रबंधन मानकों का पालन करते हैं। हमारी पाइपलाइनें अंतरराष्ट्रीय डिजाइन स्टैंडर्ड जैसे एएसएमई, एपीआई, डीआईएन, आईएसओ तथा राष्ट्रीय स्टैंडर्ड जैसे ओआईएसडी के अनुरूप हैं। सभी पाइपलाइन परियोजनाओं के विस्तृत पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन किया जाता है तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से नियोजन स्तर पर ही आवश्यक अपेक्षित समाशोधन प्राप्त किए जाते हैं। पाइपलाइन मार्गों की योजना बनाते समय हम उन विकल्पों का विश्लेषण करते हैं जहां पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण प्रभाव न्यूनतम होता है। पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील तथा भौगोलिक रूप से अस्थिर मार्गों को छोड़कर उन मार्गों को अपनाया जाता है जहां रेलरोड और राजमार्गों का कम से कम व्यवधान होता है। पाइप लाइन बिछाने के कार्यों में लगे सभी संविदाकारों को केवल अनुमोदित मार्ग का अधिकार में कार्य करने के लिए अधिदेशित किया जाता है। हम पुनर्स्थापन एवं पुनर्वास के संबंध में भारतीय विनियमों का पालन करते हैं तथापि इस वर्ष हमने अपनी परियोजनाओं एवं प्रचालनों में किसी आर एंड आर की परिकल्पना नहीं की है।

हमारे स्वामित्व वाले प्रचालनों का पर्यावरणीय निष्पादन

अपशिष्ट प्रबंधन करना

हम अपने उत्पादों के सभी स्तरों पर पर्यावरणीय प्रभाव को कच्चे माल से लेकर जीवन के अंत तक मापते हैं तथा निगरानी करते हैं। अपशिष्ट प्रबंधन हमारे प्रचालनों का एक संवेदनशील पहलू है और हमने विभिन्न रिसाइक्लिंग, रिकवरी और रिक्लेमेशन पहलें करके अपशिष्टों को अधिक कार्यकुशल ढंग से हैंडल करने तथा उसका निपटान करने के लिए कई उपाय किए हैं। हमारे प्रचालनों से सृजित होने वाला सर्वाधिक निकलने वाले अपशिष्ट उत्पाद में प्रयुक्त आयल ल्यूब आयल तथा तैलीय कचरा शामिल है। हमने अपशिष्ट उत्पादों को प्रोसेस करने तथा उसका निपटान करने के लिए सीबीसीपी नामक प्राधिकृत अपशिष्ट हैंडलर की नियुक्ति की है जिससे पर्यावरण पर उसका न्यूनतम प्रभाव हो। हम पाता स्थित अपने पेट्रोकैमिकल कॉम्प्लेक्स से उत्पन्न होने वाले दो बड़े अपशिष्टों स्लॉप आयल तथा स्पेंट अल्युमिना को रिसाइकल कर रहे है। इन उत्पादों की रिसाइक्लिंग करने से वास्तविक लागत तथा लैंडफिल में जाने वाले अपशिष्ट की मात्रा कम होती है। यह लैंडफिल क्षेत्र तक अपशिष्ट को ले जाने की लागत भी कम कर देता है।

मामला अध्ययन

जीटीआई पर ई-अपशिष्ट का निपटान

ई-अपशिष्ट के सफल निपटान की नई क्रियाविधियों को शुरू करने का प्रस्ताव हमारे जीटीआई परिसर में किया गया है। इस संबंध में निम्नलिखित पहलें क्रियान्वित की गईः

- *उपभोज्यों जैसे प्रिंटर कार्ट्रिज, टोनर और बैटरियों से उत्पन्न होने वाले ई-अपशिष्टों का समुचित संग्रहण और भंडारण*
- *सेवा प्रदाताओं द्वारा प्रयुक्त बैटरियों का समय से संग्रहण*
- *ई-अपशिष्ट की विपर्यय आपूर्ति चेन प्रारंभ करना*
- *ओईएम को अपने संबंधित स्थलों से ई-अपशिष्ट का संग्रहण करने की जरूरत के बारे में शिक्षित करना*
- *ई-अपशिष्ट का स्रोत पर समुचित संग्रहण और सामयिक वापसी सुनिश्चित करने के लिए प्रयोक्ताओं के बीच जागरूकता उत्पन्न करना*
- *प्रयुक्त कार्ट्रिज/टोनरों का संग्रहण करने के पश्चात ही नए उपभोज्य जारी करना*

इस परियोजना में एक समयावधि के उपरांत निम्नलिखित लाभ होंगे:

- *पर्यावरणीय परिरक्षण: ई-अपशिष्टों का सफल निपटान एवं रिसाइक्लिंग करने से कार्बन निस्सरण कम करने में सहायता मिलेगी।*
- *स्वास्थ्य जोखिमों से संरक्षण: टोनर इंक का असुरक्षित निपटान करने से स्वास्थ्य को गंभीर खतरे हो सकते हैं जैसे जलन, त्वचा में लालिमा एवं सूजन, आदि। काफी लंबे समय तक इसका श्वसन करने से, यह श्वसन पथ में जलन पैदा करता है। कैंसर के संबंध में अनुसंधान करने वाली अंतरराष्ट्रीय एजेंसी (आईएआरसी) ने कार्बन ब्लैक, जिसका प्रयोग टोनर पाउडर में किया जाता है, को कार्सिनोजेनिक सामग्री के रूप में वर्गीकृत किया है। अतः इसका सुरक्षित निपटान संभावित रूप से विपरीत स्वास्थ्य प्रभावों जो ई-अपशिष्टों के अनुचित निस्तारण से उत्पन्न होती हैं उसे कम कर देगा।*
- *भंडारण स्थल का उपयोग: ई-अपशिष्ट का प्रभावी निपटान हमारे कार्यालय में भंडारण स्थल का इष्टतम उपयोग करने में भी योगदान देगा।*
- *सरकार की ई-अपशिष्ट नीति का अनुपालन: यह पहल भारत सरकार द्वारा अधिदेशित 'ई-अपशिष्ट प्रबंधन एवं हैंडलिंग नियम, 2011' का अनुपालन हमारे लिए सहायताप्रद होगा।*

जैव विविधता के संबंध में हमारे प्रभाव का प्रबंधन

हम इस तथ्य के प्रति जागरूक हैं कि हमारे प्रचालन, खासकर पाइपलाइन, उच्च जैव विविधता मूल्य के आसपास एकत्रित है और हम इन क्षेत्रों को प्राकृतिक रूप में परिरक्षित रखने के सार्थक प्रयास करते हैं, तथा वनस्पतियों एवं जीव जन्तुओं को होने वाले आसन्न जोखिम का नियमित आकलन एवं प्रबंधन करते है। हमारी जैवविविधता प्रबंधन कार्यनीति की आधार शिला के रूप में हमारे सभी प्रचालनों और परियोजनाओं में पर्यावरण प्रभाव आकलनों की कठोर प्रक्रियाएं अपनाई जाती हैं और सुधारात्मक उपायों की योजना बनाई गई है तथा शीघ्रतम संभव चरण पर इन्हें किया जाता है। जबकि हमारे किसी भी केन्द्रीय प्रचालन के पास कोई संरक्षित या आरक्षित जैव विविधता क्षेत्र नहीं है, जैसा कि हमारे राष्ट्रीय मानकों में निर्धारित किया गया हो, एक प्रक्रिया के अनुसार गेल द्वारा इन अलग अलग स्थानों पर उपस्थित/उत्पन्न होने वाले जैव विविधता हॉट स्पॉट पर समाशोधन पर घोषणा प्रदान करने के लिए इसके ओआईसी का अधिदेश दिया गया है।

हमने उसार, पाता और समाख्याली स्थित कार्य केंद्रों में जैव विविधता प्रबंधन क्रियाकलाप प्रारंभ किए हैं। उदाहरण के लिए, हमने पाता में व्यापक मृदा उपचार करके मृदा में उच्च लवणता में सुधार किया और मृदा संतुलन की पुनर्बहाली की और एतद्द्वारा उस क्षेत्र में हरित पट्टी विकसित करने में योगदान दिया। कच्छ जिले की बंजर भूमि में स्थित समाख्याली यूनिट पर लवणीय मृदा के साथ मिश्रित गर्म मौसम स्वस्थ वनस्पति की वृद्धि में बाधा डालता था। इस क्षेत्र में वानस्पतिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए हमारे कर्मचारियों ने वर्ष 2009 में 10,000 पौध तथा वर्ष 2011 में 7,500 पौध रोपण का संकल्प किया। हमारे नियंत्रण की परिधि में हरित पट्टी क्षेत्र 17.2 मिलियन वर्गमीटर में फैला हुआ है, जो हमारी कुल भूमि धारिता का 41 प्रतिशत- विनियामक अपेक्षाओं से काफी अधिक है।

मामला अध्ययन

जीपीयू, उसार (महाराष्ट्र) में मूल पौध प्रजातियों का संरक्षण

परियोजना धरोहर ''पारिस्थितिकी संतुलन का परिरक्षण और जैव विविधता का अनुरक्षण करने संबंधी राष्ट्रीय मिशन'' का एक हिस्सा है। यह परियोजना, उसार में वहां के स्थानीय पौधों का परिरक्षण करने के लिए लैंडस्केपिंग करने, प्रदूषण को कम करने और हमारे प्रचालनों से पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव न्यूनतम बनाने पर बल देता है। पश्चिमी घाट के अलीबाग में स्थित संयंत्र से हमारा आशय अपनी उपलब्ध भूमि तथा अन्य संसाधनों से, हमारी भावी पीढ़ी के लिए यह खजाना परिरक्षित रखना है। हम इस परियोजना के लिए 31 जनवरी, 2013 तक ज्ञान संवितरण करने और क्षमता निर्माण करने की योजना बना रहे हैं।

जल संसाधनों का प्रबंधन

देश में पानी की निरंतर कमी और जल स्तर में निरंतर गिरावट आने से संवेदनशील जल संसाधनों की रक्षा करना हमारे लिए आवश्यक हो गया है। विश्व भर में कुल पानी का केवल 2.5 प्रतिशत ही मीठा जल है, जिसमें से केवल एक तिहाई जल संसाधन तक ही जनता की पहुंच है। हमने अपनी जल खपत को इष्टतम और जल संसाधनों तक पास-पड़ोस के समुदायों की पहुंच सुलभ बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इस वर्ष के दौरान, 99 प्रतिशत स्थल जल निकायों से प्राप्त किया गया। हमने अपने संयंत्रों में खपत के लिए भूतल एवं जमीनी जल के स्थान पर वर्षा जल संचयन के अवसरों का पता लगाने का प्रयास किया है। वर्ष 2010 में गंधार यूनिट का निर्माण करने के लिए मिट्टी की खुदाई के कारण उत्पन्न हुए गड्ढों में वर्षा जल संचयन किया गया। बहते जल को तालाब में एकत्र करने की योजना तैयार करने के लिए उपग्रह इमेजरी एवं कंटूरिंग का प्रयोग किया गया। इस प्रकार सृजित वर्षा जल संचयन तालाब का प्रयोग मानसून सत्र के दौरान 6,000 एम3 वर्षा जल एकत्र करने के लिए किया गया। निकटवर्ती गांवों में हमारी जल संरक्षण पहल की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए हमने उसार यूनिट के निकट वर्षा जल संचयन के परम्परागत तरीकों के संबंध में ग्रामवासियों के लिए जागरूकता सत्र का आयोजन करना जारी रखा और गांवों में जल की गुणवत्ता का अनुवीक्षण करने के लिए उन्हें तकनीकी सहायता भी प्रदान की।

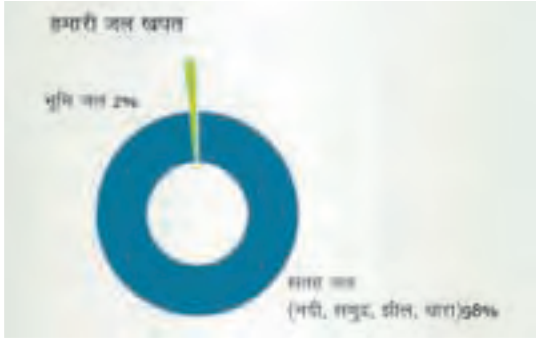

यद्यपि हमारी अधिकांश यूनिटों से अधिक अपशिष्ट जल धारा प्रवाहित नहीं होती, तथापि हम उपचारित अपशिष्ट जल को जिम्मेदाराना ढंग से प्रवाहित करने का सतत प्रयास करते हैं। इस बात पर बल दिया जाता है कि उपचारित जल के अधिकतम भाग की रिसाइक्लिंग करके उसका हमारी यूनिटों में ही प्रयोग किया जाए तथा हमारे अपशिष्ट जल के प्रभावों को सकारात्मक बनाया जाए। वर्ष के दौरान, सृजित 2.25 मिलियन एम3 अपशिष्ट जल में से 1.33 मिलियन एम3 जल का निस्तारण हमारे प्रचालनात्मक संयंत्रों की सीमा से बाहर किया गया और 0.87 मिलियन एम3 जल का पुनर्चक्रीकरण/पुनः प्रयोग हमारी प्रचालन यूनिटों से ही किया गया। हमारे स्थानों में से एक में अपशिष्ट जल बैटरी सीमा के बाहर प्रवाहित किया जाता है। मई माह 2011 और जनवरी 2012 के लिए निम्नलिखित मानदंडों के औसत मूल्य इस प्रकार हैं:

- टीएसएस- 68.6 एमजी/एल
- बीओडी- 16.26 एमजी/एल
- सीओडी- 228.9 एमजी/एल
- सल्फाइड- 0.72 एमजी/एल
- ऑयल एंड ग्रीज- <10 एमजी/एल
- फेनोलिक्स- 0.019 एमजी/एल
- पीएच- 7.36

इस वर्ष, हमने विवेकानंद स्पोर्टिंग परिसर पाता में अपना एक प्रमुख जल स्टुअर्डशिप कार्यक्रम प्रारंभ किया जहां उपचारित सीवरेज जल का पुनर्प्रयोग बागवानी एवं अनुरक्षण क्रियाकलापों के लिए किया जाएगा, इस प्रकार मीठे जल की 50 प्रतिशत से अधिक खपत कम हो जाएगी। वर्ष के दौरान शुरू की गई कुछ अन्य परियोजनाएं निम्नलिखित हैं:

- **विजयपुर (मध्य प्रदेश) में परियोजना जलधारा, जलागम प्रबंधनः** इस परियोजना में भूभौतिकी, भूजल और हाइड्रोलोजिकल अध्ययन जैसे विभिन्न अध्ययन करके जल संतुलन एवं अंकेक्षण जैसे क्रियाकलाप शामिल हैं जिससे कि इस क्षेत्र में जल शालिका प्रबंधन की संभावना का पता लगाया जा सके।

- **गंधार (गुजरात) में जल संचयन जलाशय का क्षमता संवर्धनः** इस संयंत्र का समस्त जल जीआईडीसी के स्थानीय निकाय से आता है। हमने वर्षा जल संचयन पहल की है जो ताजे जल का संरक्षण करने में सहायक होगी और इसका प्रयोग बागवानी, हरित पट्टी विकास करने और मानसून मौसम के उपरांत अग्निजल का संवर्धन करने में किया जाएगा।

- **समाख्याली (गुजरात) में शून्य वर्षा जल निस्सरणः** हमारा संयंत्र कच्छ जिले के एरिड जोन में अवस्थित है जहां भूमिगत जल ही जल का प्रमुख स्रोत है। इस समय, वर्षा जल को स्टार्म जल नालियों से संयंत्र में अंतरित करने की सुविधा नहीं है जिससे कि जलाशय को फिर से भरा जा सके। इस जरूरत को पहचानते हुए, हम एक ऐसी उपयुक्त अवसंरचना का विकास कर रहे हैं जिससे संग्रहीत वर्षा जल को स्टार्म जल नालियों से तीन भूमिगत जलाशयों को भरा जाता है।

- **आरटी-लोनी और आरटी-मदनपुर (एनसीआर) में वर्षा जल संचयनः** एनसीआर क्षेत्र में मानसून के मौसम के दौरान भारी वर्षा होती है और इसी को मानते हुए टर्मिनल में विभिन्न अवस्थापनों में वर्षा जल संचयन की प्रक्रिया प्रारंभ की है जिससे कि भूमिगत जल की भरपाई की जा सके।

- **परियोजना बहती धारा- विजयपुर (मध्य प्रदेश) में पाइप्ड नहर परियोजनाः** इस परियोजना का आशय गोपी सागर बांध को संयंत्र तक पाइप्ड नहर का निर्माण करके जल की स्थायी उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इस समय, खुली नहर की स्थिति अच्छी नहीं है, इसमें जगह-जगह सीपेज है, वहां से पानी रिसता है और भारी मात्रा में जल की चोरी होती है। यह परियोजना गेल की आने वाली सी2/सी3 परियोजनाओं के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इससे मध्य प्रदेश राज्य को अतिरिक्त राजस्व का सृजन होगा और डैम जलाशय पर कोई बोझ डाले बिना, खुली नहर से जल की क्षति का मूल्य वसूल हो जाएगा।

हमारी एसडी आकांक्षा 2020 के तहत हम 2010 की आधार सीमा की तुलना में 2020 तक जल की खपत में 45 प्रतिशत तक कमी और अपशिष्ट जल की रिसाइकलिंग में 5 प्रतिशत वृद्धि लाने के लिए वचनबद्ध हैं। समग्र जल खपत तीव्रता और अपशिष्ट रिसाइकिल जल की मात्रा अपशिष्ट जल के उत्पादन के प्रतिशत के रूप में निम्नलिखित तालिका में दी गई हैः

	वि.व. 2009-10	2010-11	2011-12
जल खपत तीव्रता (घन मीटर/करोड़)	505.2	419.7	344.9
रिसाइकल अपशिष्ट जल (उत्पन्न अपशिष्ट जल का प्रतिशत)	43%	45%	39%

वायु उत्सर्जन कम करना

ऑयल एवं गैस उद्योग से जुड़ी एक प्रमुख पर्यावरणीय चुनौती वायु उत्सर्जन है। हम इस तथ्य से अच्छी तरह परिचित हैं और हमने अपने प्रचालनों से वायु उत्सर्जन को कम करने के कई प्रभावकारी उपाय किए हैं। हमने हाइड्रोकार्बन्स के सीधे वातावरण में निरावेशन को रोकने के लिए प्रमुख अवस्थापनों पर फ्लेयरिंग प्रणाली का क्रियान्वयन किया है। सभी बॉयलर और फरनेस स्टैक पर उत्सर्जन स्तर की निरंतर निगरानी के लिए ऑनलाइन एनालाइजर लगे हैं। सभी सुविधाओं में हम कड़ाई से यह सुनिश्चित करते हैं कि वायु उत्सर्जनों को निर्धारित विनियामक अपेक्षाओं से न्यून स्तर पर ही नियंत्रित कर लिया जाए। हम पिछले वर्ष अपने एसओएक्स उत्सर्जन को 38.95 प्रतिशत तक कम करने में सफल हुए हैं जबकि एस पी एम का उत्सर्जन 4.69 प्रतिशत बढ़ा है। हम ओजोन क्षय को चरणबद्ध ढंग से दूरे करने के लिए राष्ट्रीय विनियमों का कड़ाई से पालन करते हैं। हमारे प्रचालनों में मुख्यतः प्रशीतन कार्य एवं एयर कंडीशनिंग के लिए आर-24 एवं आर-134ए का प्रयोग किया जाता है। इन गैसों का वातावरण में अवांछित रिसाव रोकने के लिए सख्त अनुरक्षण प्रक्रिया द्वारा उचित देखभाल की जाती है।

हमने अपने प्रचालनों से उत्सर्जित होने वाली जीएचजी गैसों के मामले में कई पहले की हैं। गेल ने 2010-11 की बेसलाइन के आधार पर जीएचजी उत्सर्जन तीव्रता (कुल जीएचजी उत्सर्जन/सकल बिक्री) को वर्ष 2020 तक 33 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य निर्धारित करने वाला सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में अग्रणी उद्यम है। इस समय हम कर्मचारियों की आवाजाही और व्यावसायिक यात्रा से संबंधित स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन तथा कुछ भाग स्कोप 3 उत्सर्जन की मैपिंग कर रहे हैं। वर्ष के दौरान स्कोप 1 उत्सर्जन बढ़कर 2.75 मिलियन टन कार्बन डायऑक्साइड समकक्ष हो गया जबकि स्कोप 2 के उत्सर्जन में वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में 0.26 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष हुई। भविष्य में कार्बन की वृद्धि को कम करने के लिए हमारे प्रयास में कई पहलें होंगी जैसे प्रासेस ऑप्टिमाइजेशन, ऊर्जा अंकेक्षण, आईएसओ 14064 जीएचजी प्रबंधन प्रणाली अपनानाा, वातावरण में प्रत्यक्षतः उत्सर्जित कार्बनडाइऑक्साइड के प्रयोग के अवसर तलाशना, वानिकी और आधुनिक आईटी अवसंरचना का प्रयोग करना शामिल है। जीएचजी उत्सर्जन का कम करने के लिए वर्ष के दौरान अपनाए गए कुछ साधनों में शामिल हैं:

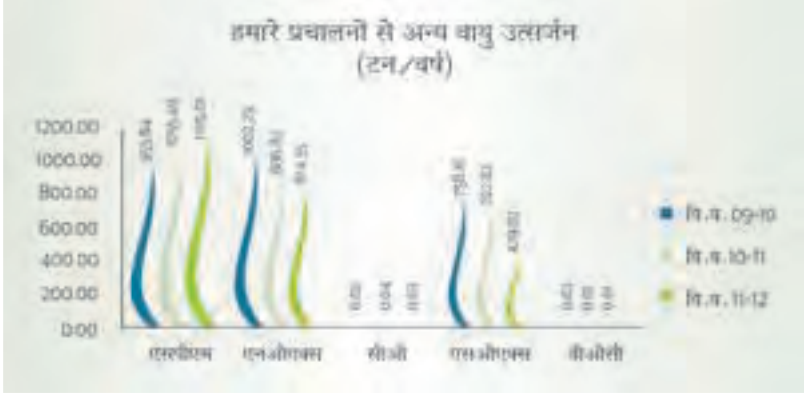

- गंधार में, वाष्प रिकवरी कम्प्रेसरों की स्थापना करके तरल हाइड्रोकार्बन वाष्प को रिकवर किया गया जिससे कार्बनडाइआक्साइड उत्सर्जन 202 एमटी कम करने में सहायता मिली।
- वाघोडिया में, एलपीजी नियंत्रण कक्ष में अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था को हेलोन 1301 से नोवेक टीएम 1230 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया। चरणबद्ध रूप से समाप्त किए गए अग्नि प्रशमन सामग्री (हेलोन) में ओजोन परत का क्षरण करने और ग्लोबल वॉर्मिंग की संभावना क्रमशः 10 और 6,900 थी। इसकी तुलना में नवीन अग्नि शामक सामग्री नोवेक टीएम 1230 में ओजोन क्षरण करने और ग्लोबल वॉर्मिंग की क्षमता क्रमशः 0 और 1 से कम है।

- वाघोडिया में गैस टरबाइन कम्प्रेसर की अपशिष्ट ताप की रिकवरी के लिए हीट रिकवरी स्टीम जनरेशन की स्थापना। यह आकलन किया गया कि यदि स्टीम जनरेशन के लिए प्राकृतिक गैस द्वारा समान ऊर्जा का उत्पादन किया जाता है तो 80,589 टन कार्बनडाइआक्साइड की बचत की जा सकती हैं। यह परियोजना 60 एमटी/एचआर सुपर हीटेड स्टीम का उत्पादन करेगी जो 44,635 एमडब्ल्यूएच/वार्षिक ऊर्जा के बराबर होगी।

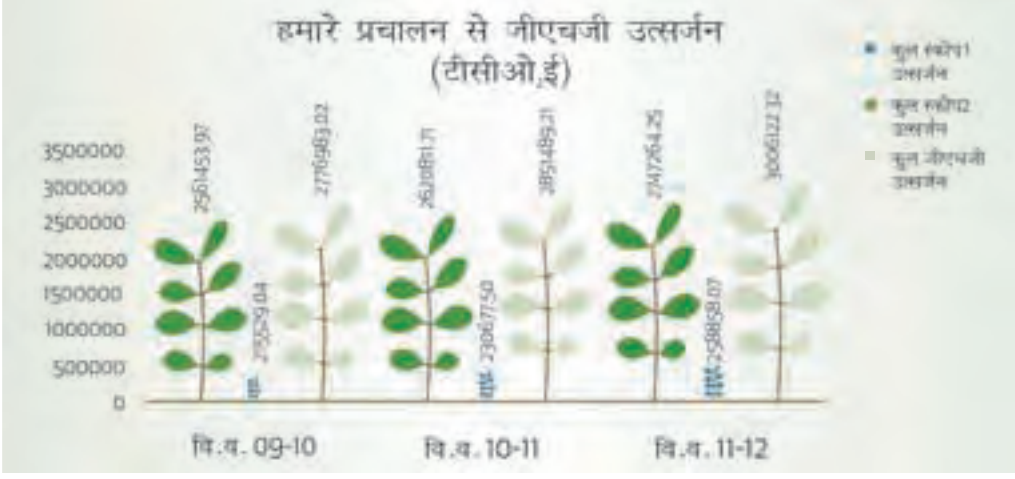

मामला अध्ययन

यूएसईपीए की ग्लोबल मीथेन पहल के अंतर्गत फ्युजिटिव मीथेन उत्सर्जन का मापन करने की पहल

गेल ने विजयपुर में एक प्रायोगिक परियोजना के जरिए मीथेन उत्सर्जन की पहचान करने तथा उसके उत्सर्जन को कम करने का क्रियान्वयन करने के लिए पहल की है। यह परियोजना जीएचजी उत्सर्जन में कमी लाकर प्रचालनों के जीएचजी फुटप्रिंट को कम करने, उत्पाद घाटों को न्यूनतम करने और समग्र कार्यकुशलता एवं सुरक्षा में सुधार करने में हमारी सहायता करेगी। यह पहल निम्नलिखित प्रमुख लक्ष्यों को प्राप्त करने में हमारी सहायता करेगी:

- *वाष्प रिकवरी प्रणाली जैसी न्यून उत्सर्जन तकनीकें अपनाना*
- *कम्प्रेसरों, पम्पों और वॉल्वों में न्यून उत्सर्जन पैकिंग/सील*
- *फ्लेयर गैस में कमी लाना तथा उसका पीएनजी/सीएनजी के रूप में उपयोग करना*
- *फ्युजिटिव उत्सर्जन जैसे इन्फ्रा रेड/थर्मल इमेजिंग और लीक संसूचन प्रणाली की पहचान करने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाना*

हमारी एसडी आकांक्षा 2020 के तहत हम 2010 आधार स्तर की तुलना में अपने जीएचजी उत्सर्जन की तीव्रता (विस्तार-1 और विस्तार -2) में 33 प्रतिशत कमी लाने के लिए वचनबद्ध हैं। समग्र जीएचजी उत्सर्जन तीव्रता निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत की गई है:

	वि.व. 2009-10	2010-11	2011-12
जीएचजी तीव्रता (टीसीओ2ई/करोड़)	109.4	86.7	73.6

ग्राहकः ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना

ग्राहक जरूरतों को पूरा करना एक अनिवार्य गतिविधि है हमारे प्रचालनों से प्रत्येक ग्राहक को एक स्तर पाने की उम्मीद होती है। जब हम अपने ग्राहकों को उनकी उम्मीदों से परे मूल्य और लाभ प्रदान करते हैं तो हम अपने लिए निष्ठावान ग्राहक बनाते हैं। बाजार के वि-नियमन के दौर में हमारे लिए इन ग्राहकों को अपने पास बनाए रखना महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये हमारे वित्तीय निष्पादन से प्रत्यक्ष संबंध रखते हैं और सभी के लिए स्थायी भविष्य निर्माण करते हैं।

गैल गैस गेल (इंडिया) लि. की संपूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

हमेशा अपने ग्राहकों की पहली पसंद बनना हमारा निरंतर प्रयास रहता है। जबकि विश्व भर में उद्योग में उत्पादों और सेवाओं की ओर धीरे-धीरे बढ़ने का रुझान रहा है जो पर्यावरण और सामाजिक संसाधनों पर प्रभावों को कम करता है तथा हम प्रारंभ से इसका भाग रहे हैं। गेल भारत में राष्ट्रीय गैस संभार तंत्र, जो कि कोयले और कच्चे तेल जैसे परंपरागत विकल्पों की तुलना में स्वच्छतर ईंधन है, में अग्रणी है। विगत 10 वर्षों में हमने उपभोक्ताओं के उपेक्षित वर्ग तक भी ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित करने के लिए शहर गैस वितरण (सीजीडी) में मजबूत नींव स्थापित की है। वर्तमान में हमारा सीएनजी तंत्र लगभग 6,00,000 वाहनों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए कुल 386 सीएनजी रिटेल आउटलेट के साथ 105 मदर स्टेशनों, 187 ऑनलाइन स्टेशनों, 87 डॉटर बूस्टर्स और सात डॉटर स्टेशनों सहित भारत के 8 राज्यों के 16 शहरों में प्रचालनरत है।

हमें विश्वास है कि प्लास्टिक और प्लास्टिक उत्पाद, विभिन्न अनुप्रयोगों में अन्य उत्पादों के पर्यावरणीय हितैषी प्रतिस्थापन हैं। प्लास्टिक को प्रणाली में वापस पुनः चक्रित किया जा सकता है जिससे अप्रयुक्त प्राकृतिक संसाधनों का निष्कर्षण करने की आवश्यकता कम होती है। हमने प्लास्टिक उत्पादों के लाभों के बारे में उपभोक्ताओं को शिक्षित करने और जागरूक बनाने तथा एक सुरक्षित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली सृजित करने और प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रणाली में वापस अधिकतम पुनः चक्रण किए जाने को आवश्यकता के संबंध में भारतीय पर्यावरण प्लास्टिक केंद्र (आईसीपीई) के साथ साझेदारी की है। हम अपने व्यवसायों में अपने ग्राहक संतुष्टि सूचकांक पर दृष्टि रखते हैं और चिंता के किसी भी क्षेत्र का निराकरण करने की दिशा में अपने ग्राहकों के साथ व्यस्त रहने और साथ कार्य करने के तरीके और साधन अपनाते हैं।

ग्राहक प्रबंधन और संपर्क

व्यवसाय विकास एवं विपणन समिति, हमारे ग्राहकों की मांग को पूरा करने में सहायता प्रदान करने वाले कार्यनीतिक निर्णयों को लेने के लिए प्रमुख रूप से जिम्मेवार है। प्राकृतिक गैस, एलपीजी, बहुलकों और अन्य उत्पादों के विपणन से संबंधित नीतियों, नियमों और विनियमों को तैयार करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय इस समिति द्वारा लिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, पणधारी शिकायत समिति हमारे ग्राहकों द्वारा प्रकट की गई चिंताओं का समाधान करने के लिए भी जिम्मेवार है।

हमारा ध्यान हमेशा इस बात पर केंद्रित रहता है कि हम अपने ग्राहकों को कितनी बेहतर सेवा प्रदान करते हैं और ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) का मूल्यांकन हमारे आईएमओयू लक्ष्य का एक महत्वपूर्ण भाग है। हम प्रत्येक वर्ष उत्पाद गुणवत्ता, उत्पाद की प्रयोज्यता, तकनीकी सहायता, सामग्री की सुपुर्दगी, पैकेजिंग, सेवा गुणवत्ता, ग्राहक चिंताओं और सुधार हेतु सुझावों जैसे अनेक सुपरिभाषित मानदण्डों पर ग्राहकों के संतुष्टि स्तरों को मापने के लिए व्यवसाय व्यापी ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण संचालित करते हैं। इस वर्ष हमने स्थापित्व मुद्दों के संबंध में अपने विविध ग्राहकों

ग्राहकों के साथ संवाद

के साथ व्यस्तता बढ़ाने के लिए अपने प्रयासों को संवर्धित किया है। स्पष्टतया उदीयमान स्तर पर होते हुए इस वर्ष हमने स्थापित्व संबंधी ग्राहक बोध और जागरूकता को समझने पर बल दिया। यद्यपि ग्राहक विश्वास करते हैं कि गेल, गुणवत्ता और सुपुर्दगी जैसे ग्राहक केंद्रित मानदण्डों पर भली - भांति कार्य करता है तो भी गेल के व्यवसाय उत्तरदायित्व दृष्टिकोण और पहलों के बारे में उनकी जानकारी कम थी। ग्राहकों द्वारा ऊर्जा संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व पर बढ़े बल को सुधार के दो प्रमुख क्षेत्रों के रूप में देखा गया था।

हम तेजी से बदल रही ग्राहक आवश्यकताओं का निराकरण करने, उत्पाद और सेवा गुणवत्ता का संवर्धन करने तथा भविष्य के लिए स्थायित्व विकल्पों को उपलब्ध कराने के लिए प्रौद्योगिकी और अनुसंधान की शक्ति का प्रयोग कर रहे हैं। ''ग्राहकों की सुगमता'' को केंद्रीय बिंदु बनाते हुए अब हमने 100 प्रतिशत ऑनलाइन बैंकिंग कार्यान्वित कर दी है। ग्राहकों को एसएमएस के माध्यम से नए उत्पादों और कीमत के बारे में सूचित किया जाता है और संबंधित व्यवसाय क्षेत्रों में ग्राहक असंतोष अथवा शिकायतों को दर्ज करने के लिए एक ऑनलाइन लिंक उपलब्ध कराया गया है। एक ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से प्राप्त ग्राहक प्रतिपुष्टि और तृतीय पक्षकार बैठकों पर आधारित त्रैमासिक आधार पर प्रत्येक व्यवसाय खण्ड के लिए ग्राहक संतुष्टि स्तरों की गणना की जाती है। हमारा विपणन नेटवर्क, निगमित कार्यालय में पेट्रोकेमिकल विपणन समूह (पीएमजी), गेल पाता में विपणन सेवा समूह (एमएसजी), 12 विपणन कार्यालयों और कार्यनीति रीति से स्थित व्यापारी केंद्रों से युक्त है, जो यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहक की आवश्यकताएं समय पर पूरी की जाएं। कॉर्पोरेट विपणन विभाग, टीक्यूएम विभाग बाह्य परामर्शी और हमारे विपणन कार्मिकों को शामिल करते हुए प्रश्नावालियों के एक सेट पर प्रत्युत्तर के रूप में ग्राहक प्रतिपुष्टि ली जाती है। वित्तीय वर्ष 2011-12 का संपूर्ण सीएसआई विगत वर्ष के 88.55 से बढ़कर 89.44 हो गया है।

गैस प्रबंधन प्रणाली (जीएमएस)

हम भारत के सबसे बड़े, गैस संचरण नेटवर्क का प्रचालन करते हैं जिसमें 9500 कि.मी. से लम्बी उच्च दाब प्राकृतिक गैस ट्रक पाइपलाइनें, विश्व की सबसे लंबी 1250 कि.मी. की केवल एलपीजी पाइपलाइन सहित 2038 कि.मी. से अधिक लंबी एलपीजी परिवहन पाइपलाइन, सात गैस प्रोसेसिंग सुविधाएं, जिनमें 1.124 मिलियन मी. टन एलपीजी, 0.146 मिलियन मी. टन प्रोपेन और 0.146 मिलियन मी. टन एसबीपी सॉल्वेंट तथा नाफ्था मिलाकर कुल 1.44 मिलियन मी. टन एलएचसी उत्पाद है तथा 4,10,000 टीपीए पॉलीइथिलीन (एचडीपीई और एलएलडीपीई) की संस्थापित क्षमता वाला गैस आधारित पेट्रोकैमिकल कॉम्प्लेक्स शामिल है। इस व्यापक नेटवर्क का रखरखाव करने के लिए हमने लगभग 9,700 किलोमीटर के अपने संपूर्ण प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क को शामिल करते हुए एसएपी के साथ एकीकृत एक उद्यम-व्यापी गैस प्रबंधन प्रणाली (जीएमएस) विकसित की है।

जीएमएस के अंतर्गत, समस्त ऑर्डर-टु-कैश चक्र को स्वचालित कर दिया गया है और अपस्ट्रीम गैस आपूर्ति, गैस परिवहन से बिलिंग भुगतान और भुगतानों की अंतिम प्राप्ति तक वास्तविक समय आधार पर उपलब्ध है। यह प्रणाली नेटवर्क उपयोग, गैस बिक्री, अंतरित मात्रा, राजस्व उत्पादन और मूल्य अंतर के संबंध में सूचना सहित वास्तविक समय आधार पर पाइपलाइन नेटवर्क के अत्यावश्यक पक्षों की निगरानी करने में सहायता करता है। इस प्रकार यह प्रणाली सभी सूचना और आंकड़ों के केंद्रीय एकत्रीकरण के माध्यम से दक्षता में सुधार करने के अतिरिक्त उच्चतर पारदर्शिता और वस्तुनिष्ठता सुनिश्चित करती है। ग्राहकों को जीएमएस पाईप सुविधा के माध्यम से सीधे तौर पर सूचना उपलब्ध कराई जाती है और इस प्रकार उन्हें बेहतर योजना बनाने और गैस आपूर्ति का उपयोग करने के लिए सशक्त बनाती है। यह उन्नत ग्राहक सेवा और संतुष्टि की दिशा में हमारी वचनबद्धताओं को भी सुनिश्चित करती है।

वहनीय ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करना

घरेलू ग्राहकों के लिए हाइड्रोकार्बन उत्पादों को वहनीय बनाने के क्रम में गेल अन्य तेल और गैस सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के साथ मिलकर पेट्रोलियम उत्पादों के संबंध में कम वसूलियों में साझा कर रहा है। यह भारत सरकार के निदेशों द्वारा शासित होता है। कम वसूलियों को तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को बट्टे के रूप में दिया जाता है। वर्ष 2003-04 से कम वसूलियां, आईएनआर 13,833 करोड़ राशि की हो गई हैं। इस वर्ष के दौरान, हमने कम वसूलियों में साझे के तौर पर आईएनआर 3,183 करोड़ दे दिए हैं।

ग्राहकों के साथ कार्य करना

ग्राहकों की समस्याओं का प्रभावी रूप से समाधान करने और उन्हें तदनुकूल समाधान देने के लिए हमने एक तकनीकी विंग आरंभ किया है जो ग्राहकों को संयंत्र से सीधे तौर पर जोड़ता है। नोएडा में स्थित गेल पॉलिमर प्रौद्योगिकी केंद्र (जीपीटीसी) एक ऐसे मंच के रूप में कार्य करता है जहां पर ग्राहक, तकनीकी समाधान और अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकते हैं जो संयंत्र से सीधे तौर पर जुड़े प्रश्नों का निराकरण करने में सहायता करता है तथा उन्हें कच्ची सामग्रियों, योजकों और अंतिम उत्पादों हेतु प्लास्टिक परीक्षण सुविधाएं प्रदान करता है। जीपीटीसी हमारे सम्मानित ग्राहकों को उनकी संतुष्टि और निष्ठा को बनाए रखने के लिए तकनीकी सहित विभिन्न सेवाएं प्रदान करने पर लक्षित है। हम अपने ग्राहकों का नए उत्पादों और अनुप्रयोगों का विकास, संवर्धन करने और उन्हें इनके बारे में सूचित करने के लिए अपनी सेवाओं और प्रस्तावों के माध्यम से मार्गदर्शन करते हैं।

अखिल भारतीय सर्वोच्च ग्राहक और कंसाइनमेंट स्टॉकिस्ट के सम्मान समारोह के समान स्थायित्व प्रयास का विवरण

मामला अध्ययन

ग्राहक सम्पर्क

हाल में कोलकाता ज़ोनल कार्यालय द्वारा अगरतला में त्रिपुरा के प्राकृतिक गैस ग्राहकों की बैठक आयोजित की गई थी। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों के लिए वर्तमान पहलों तथा ई-बैंकिंग, ई-लैजर, ई-इनवोइसिंग, सीएसआई और ग्राहक लेखा प्रबंधन प्रणाली जैसी भावी योजनाओं के संबंध में उन्हें जोड़ना और उनके साथ वार्तालाप करना था। सभी ग्राहकों के लिए गैस की अविरत आपूर्ति सुनिश्चित करने और ग्राहक प्रश्नों तथा समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए गेल, ओएण्डएम अगरतला की भूमिका और जिम्मेवारी के संबंध में उन्हें अवगत कराया गया था। त्रिपुरा क्षेत्र में गैस उपलब्धता और आपूर्ति परिदृश्य तथा भविष्य में नियोजित ग्राहक सेवाओं पर विशेष बल देने के साथ गेल की समस्त गतिविधियों और नई पहलों के संबंध में एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण तैयार किया गया था। यह संपर्क कार्यक्रम, महत्वपूर्ण मुद्दों का निराकरण करने के लिए ग्राहक सुझावों और प्रतिपुष्टि को समझने के सत्र के साथ समाप्त हुआ। ऐसी बैठकें, हमारे उत्पादों के उपयोग, नियोजन और संभाल के संबंध में ग्राहकों को शिक्षित करने और उनमें जागरूकता सृजित करने के क्रम में नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं।

उत्पाद दायित्व

हम सुरक्षित, पर्यावरण हितैषी और मितव्ययी उत्पादों को विकसित करने की दिशा में वचनबद्ध हैं। हम एक आईएसओ 9000 प्रमाणित कंपनी हैं और संगठन व्यापी संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूएम) प्रणाली के माध्यम से इस दृष्टि का अनुसरण करते हैं। हमारा दृष्टिकोण सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रभावों के संबंध में हमारे उत्पादों के कार्यकाल के प्रभावों और उनका उपशमन करने के लिए प्रौद्योगिकीय और वाणिज्यिकीय व्यवहार्य समाधान खोजने के लिए एक व्यापक दृष्टि प्रदान करता है। पेट्रोकैमिकल के क्षेत्र में जी-लेक्स (एचडीपीई ब्रैण्ड नाम) और जी-लीन (एचडीपीई और एलएलडीपीई ब्रैण्ड नाम) हमारे प्रमुख उत्पाद हैं।

जबकि प्लास्टिक को पारंपरिक रूप से पर्यावरणीय प्रदूषकों के रूप में समझा जाता रहा है, तो भी हम उनकी उच्च री-साइक्लिंग क्षमता के कारण उन्हें पर्यावरण-हितैषी के रूप में समझते हैं, प्लास्टिक पर्यावरणीय संसाधनों का बोझ कम करता है जिसका उपयोग समान अनुप्रयोगों के लिए विकल्पों को सृजित करने के लिए किया जा सकेगा। तथापि, हम प्लास्टिक की उपयोगिता समाप्ति प्रबंधन और संभाल से संबद्ध चुनौती को समझते हैं। अपने विभिन्न संप्रेषण चैनलों के माध्यम से हमने प्लास्टिक के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए एक अभियान आरंभ किया और महत्वपूर्ण संदेशः ''प्लास्टिक का उपयोग करें, इसका दुरूपयोग न करें'' का प्रचार किया। इस जिम्मेवारी को आगे बढ़ाने के क्रम में हमने इस मामले के संबंध में और अधिक अनुसंधान और विश्लेषण करने के लिए आईसीपीई के साथ साझेदारी की है। अधिक जानकारी के लिए कृपया http://gail.nic.in/final_site/index.html देखें।

हमारा प्रमुख उत्पाद- प्राकृतिक गैस, कोयले और कच्चे तेल जैसे प्रदूषणकारी जीवाश्म ईंधनों की तुलना में एक स्वच्छतर विकल्प है। तथापि, प्राकृतिक गैस के हथालन और परिवहन से अत्यधिक सुरक्षा चुनौती पेश आती है। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रणालियां विकसित की हैं कि इस अनिवार्य ईंधन के लाभ सुरक्षित उपयोग के संबंध में समझौता किए बिना समाज तक पहुंच जाएं।

अनुसंधान और विकास

हमने अपनी अनुसंधान और विकास पहलों के माध्यम से सदैव परिवर्तनशील ग्राहक आवश्यकताओं का निराकरण करने के लिए नए उत्पादों और प्रक्रियाओं को विकसित करने पर अधिक बल देना जारी रखा है। इस वर्ष प्रारंभ की गई परियोजनाओं में शामिल हैं:

- नगरीय ठोस अपशिष्ट से लैण्ड फिल गैस (एलएफजी) निकालने के लिए प्रयोगात्मक कूपों के आधार पर तैयार की गई विस्तृत संभाव्यता और परियोजना रिपोर्ट
- प्लास्टिक अपशिष्ट/लो पॉलीमर वैक्स के मूल्य वर्धित उत्पादों में रूपांतरण के लिए निरंतर चरणबद्ध प्रचालन संबंधी बैंच स्केल अध्ययन

- हाइड्रोजन भण्डारण के लिए नैनो-काम्पोज़ित सामग्रियों का विकास
- भूमिगत कोयला गैसीकरण (यूसीजी) के लिए बाड़मेर में काले-सीम का मूल्यांकन
- ग्राहकों के लिए बेहतर अर्थ-व्यवस्था और सुरक्षा हेतु सीएनजी भण्डारण के लिए कम वजन के मिश्रित सिलेण्डरों का विकास

गेल तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के बीच एमओयू का एक भाग आर एण्ड डी भी है। यह लोक उद्यम विभाग द्वारा प्रकाशित सीपीएसई हेतु आर एण्ड डी दिशा निर्देशों पर आधारित है। वित्तीय वर्ष 2011-12 में आर एण्ड डी परियोजनाओं पर कुल व्यय आईएनआर 40.31 करोड़ रहा। वित्तीय वर्ष 2012-13 में बढ़ते हुए हम पाइपलाइन परिवहन, एलएनजी, ऊर्जा दक्षता और CO2 उपयोग जैसे व्यवसाय क्षेत्रों में परियोजनाओं पर निवेश करने की योजना बना रहे हैं। प्लास्टिक अपशिष्ट को हाइड्रोकार्बंस में परिवर्तित करने के लिए एक पाइलट स्केल परियोजना नियोजित है। हम सीएसआईआर की नवीन सहस्राब्दि भारतीय प्रौद्योगिकी नेतृत्व पहल के अंतर्गत देशज ढंग से विकसित किए जा रहे ठोस ऑक्साईड ईंधन सेल (500 वॉट क्षमता) का परीक्षण संचालित करने की भी योजना बना रहे हैं। जलवायु परिवर्तन और इससे संबंधित प्रभावों संबंधी चिंताओं का निराकरण करने के क्रम में हम CO_2 का रूपांतरण, भण्डारण और पुनः उपयोग करने हेतु एक उत्प्रेरक विकसित करने की दिशा में अनुसंधान संचालित कर रहे हैं।

मामला अध्ययन

लैण्डफिल गैस का सीएनजी में रूपांतरण

गेल ने सीएनजी में रूपांतरण के लिए गाजीपुर लैण्डफिल स्थल पर लैण्डफिल गैस का निष्कर्षण करने के लिए दिल्ली नगर निगम के साथ सहयोग किया है। लैण्डफिल गैस पर चलने वाला सीएनजी स्टेशन विश्व में अपने प्रकार का प्रथम होगा। यह परियोजना केवल स्वच्छतर ईंधन ही उत्पन्न नहीं करेगी बल्कि यह मीथेन को महत्वपूर्ण रूप से जमा करके वैश्विक तापन का सामना करने में सहायता करेगा जो कि अन्यथा वातावरण में मुक्त हो जाती है। इस परियोजना की ऊर्जा के सभी स्रोतों की दिशा में वचनबद्धता के लिए प्लेट्स वैश्विक ऊर्जा पुरस्कार समिति द्वारा सराहना की गई है।

मामला अध्ययन

अपशिष्ट प्लास्टिक का ईंधन में रूपांतरण

हमने अपशिष्ट प्लास्टिक को ईंधन में रूपांतरित करने की संभावना आंकने के लिए बैंच स्केल परीक्षण संचालित किए हैं और इन परीक्षणों से उत्साहवर्धक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हमारी अगले चरण में पायलट स्केल अध्ययन संचालित करने की योजना है। ग्राहकों की आवश्यकताओं के लिए बेहतर उपयुक्त नए पॉलीमर ग्रेड को विकसित करने हेतु आर एण्ड डी प्रयास प्रगति पर हैं।

मामला अध्ययन

प्लास्टिक का उपयोग करें, इसका दुरुपयोग न करें !!

प्लास्टिक ने पहनावे से लेकर आश्रय तक, परिवहन से लेकर सम्प्रेषण तक और मनोरंजन से लेकर स्वास्थ्य देखरेख तक व्याप्त गतिविधियों को प्रभावित करते हुए मानव जीवन की गुणवत्ता को परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कम भार, उच्च बल और संसाधित करने की सुगमता जैसी विशेषताओं के कारण प्लास्टिक तुलनात्मक ढंग से कमतर लागत पर मानव की भौतिक आवश्यकताओं का बड़ा भाग बनता है और यदि इसका, जीवन चक्र में उचित ढंग से प्रबंधन किया जाए तो यह पर्यावरण पर कम दुष्प्रभाव डालता है।

प्लास्टिक का प्रयोग असंख्य अनुप्रयोगों में किया जाता है जहां वे वास्तव में प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हैं। लगभग 40-45 प्रतिशत प्लास्टिक का प्रयोग केवल प्लास्टिक पैकेजिंग में किया जाता है। उदाहरण के लिए बैरियर पैकेजिंग फिल्म्स में भोजन की अपूतिक पैकेजिंग से प्रशीतन लागत बचती है और इस प्रकार पूंजी और ऊर्जा बचती है। यदि हम प्लास्टिक पैकेजिंग की तुलना कागज से करें तो एक टन प्लास्टिक पैकेजिंग से 8-10 वृक्ष बचते हैं, ग्रीन हाउस उत्सर्जन 60 प्रतिशत कम होता है और 40 प्रतिशत कम ऊर्जा की खपत होती है। सुनम्य पैकेजों में पैकेजड् खाद्य तेल और दूध, ऊर्जा- गहरे टिन और ग्लास आधानों के प्रयोग को बंद करता है। प्लास्टिक बैग के प्रयोग ने दूध की बोतल के भार को 450 ग्राम से 2.5 ग्राम तक कम कर दिया है। थोक रासायनिक भण्डारण के लिए प्रयोग किए गए अनम्य एचडीपीई बैटल, संसाधन गहन और महंगे इस्पात ड्रमों के प्रयोग को रोकते हैं। प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने के अतिरिक्त, प्लास्टिक का ऐसे अनुप्रयोगों में उपयोग करने से परिवहन ईंधन की बचत होती है क्योंकि प्लास्टिक वास्तविक रूप से टिन, ग्लास अथवा इस्पात से हल्का होता है। उन्नत पॉलीमर झिल्लियों से लेकर पीईटी बोतलों तक प्लास्टिक एक सुरक्षित और लागत प्रभावी रीति से पेय जल को उत्पन्न और संचित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लगभग 400 प्लास्टिक कुर्सियों द्वारा लकड़ी से बनी कुर्सियों का स्थान लेने का अर्थ, 8.10 वृक्षों को बचाना है जबकि कृषि में प्लास्टिक पाइप का प्रयोग करने से फसल उत्पादन 20-40 प्रतिशत बढ़ जाता है। अधिक जानकारी के लिए आप http://gail.nic.in/final_site/Plastics_for_you.html भी देख सकते हैं।

इस तथ्य ने, कि प्लास्टिक पेट्रोलियम से व्युत्पन्न हाइड्रोकार्बन से बनते हैं, ने इसके स्थायित्व से संबंधित प्रश्न उठाए हैं। तथापि, वास्तविक मुद्दा अपशिष्ट प्रबंधन का है। कूड़ा कचरा फैलाने की आदत को विनियमित करना, प्लास्टिक अपशिष्ट का बार बार उपयोग करना, घर घर जाकर एकत्रण को सुविधाजनक बनाना, अपशिष्ट एकत्रण डिब्बों को संस्थापित करना और ऊर्जा पुनः प्राप्ति तथा पुनः उपयोग जैसी वैकल्पिक निपटान पद्धतियों को प्रोत्साहन देने से पर्यावरण में प्लास्टिक के नकारात्मक प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण रूप से सहायता मिलेगी। इसके अतिरिक्त, प्लास्टिक की पारि-हितैषिता स्पष्ट प्रतीत हो जाती है जब संपूर्ण ''जीवन चक्र'' का मूल्यांकन कच्चे माल, ऊर्जा, बहिः स्रावों तथा किसी सामग्री के उद्भव से लेकर इसके अंतिम निपटान तक निपटान की पद्धतियों के विश्लेषण के आधार पर किया जाता है।

गेल पॉलीमर से बने उत्पाद

आपूर्तिकर्ता : भागीदारी निर्माण

हमारी आपूर्ति श्रृंखला संगठनों, लोगों, प्रौद्योगिकी और संसाधनों की एक जटिल प्रणाली है जो हमें प्राकृतिक संसाधनों को तैयार उत्पादों में रूपांतरित करने और अंततः आपूर्तिकारों के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाने में सहायता देती है। हमारा लक्ष्य अपने आपूर्तिकारों के साथ सहजीवी भागीदारी का निर्माण करना है ताकि हम अपने संयंत्रों में निरंतर उत्पादन सुनिश्चित करें और उनका कल्याण भी सुनिश्चित करें। एक समर्पित आपूर्ति श्रृंखला से हमें तीव्र दर पर अपनी वृद्धि योजना को साकार करने में और इस प्रकार भावी स्थायित्व को आकार देने के प्रयासों में तेजी लाने में सहायता मिलेगी।

हम अपने विक्रेताओं, ठेकेदारों और अन्य व्यवसाय साझेदारों जो उच्च गुणवत्ता का कच्चा माल और सेवाएं जो कि हमारे प्रचालनों के लिए महत्वपूर्ण होती हैं, प्रदान करने के द्वारा हमारे प्रचालनों में सहायता करते हैं, पर निर्भर करते हुए अपने ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण उत्पाद तैयार करते हैं। आपूर्ति, श्रृंखलाएं, व्यवसाय कदाचार के प्रति अत्यधिक प्रणव होती हैं, और इसलिए हम नीतिपरक और पारदर्शी व्यवसाय कार्यों को सुनिश्चित करने के लिए अपने विक्रेताओं और कर्मचारियों में प्रभावी सतर्कता का संवर्धन करने की संपूर्ण जिम्मेवारी लेते हैं। हमने ऐसी सप्लायर प्रापण नीति तैयार की है जिसमें हमारे कर्मचारियों और हमारे सप्लायरों, दोनों की भूमिकाओं और जिम्मेवारियों को सूचीबद्ध किया जाता है। इसे एक आंतरिक पत्रिका ''जागरूक'' द्वारा योग्य रीति से सहायता दी जाती है जो हर एक के लिए सतर्कता संबंधी सूचना उपलब्ध कराती है।

सप्लायर प्रबंधन और व्यस्तता प्रणाली

प्रचालनों में अपने सप्लायरों के साथ पारदर्शिता और जवाबदेही के उच्चतम स्तरों को प्राप्त करने के लिए हमने व्यवसाय के सभी पहलुओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए तीन स्वतंत्र निदेशकों, चार पूर्ण कालिक निदेशकों और कंपनी सचिव से युक्त एक बोर्ड स्तरीय लेखा परीक्षा समिति गठित की है। अनुपालन को बनाए रखने और इसके उच्च स्तर तक पहुंचने के लिए हमने सुनिश्चित किया है कि प्रदान की गई सभी निविदाओं में बच्चों एवं बेगार से संबंधित खण्ड शामिल हैं।

इस वर्ष हमने विक्रेताओं की महत्वपूर्ण चिंताओं का निराकरण करने के लिए कुल 4 विक्रेता सभाएं और नियमित व्यवसाय समीक्षा बैठकें आयोजित की। हमने स्थायित्व संबंधी जागरूकता सृजित करने और गेल की पहलों का संवर्धन करने के लिए अपने विक्रेताओं के लिए स्थायित्व कार्यशालाएं भी संचालित की हैं। हमने विक्रेताओं को उनके दैनिक व्यवसाय में स्थायित्व को अंतर्निविष्ट करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया ताकि पर्यावरण हितैषी उत्पादों का उत्पादन करने पर बल दिया जा सके। अपने विक्रेताओं के साथ और अधिक व्यस्त रहने के लिए हमने विक्रेता स्थायित्व सर्वेक्षण संचालित किया। सर्वेक्षण से इंगित हुआ कि 60 प्रतिशत सप्लायर गेल के साथ कार्य करने में संतुष्ट थे, 80 प्रतिशत सप्लायर स्थायित्व पहलों से अवगत थे और लगभग 50 प्रतिशत सप्लायरों ने गेल द्वारा उनकी शिकायतों पर कार्रवाई करने में लगे समय को 24-48 घण्टे के बीच होने की पुष्टि की थी। संलग्नता के अन्य विवरण हमारे स्टेकहोल्डरों के संलग्नता खंड में दिए गए हैं।

हम अपने देश के तीव्र औद्योगिक विकास के बारे में सचेत रहते हैं और एक मजबूत स्थानीय सप्लायर आधार विकसित करने की दिशा में वचनबद्ध हैं। उनके व्यवसाय हित की सुरक्षा करना हमारा उत्तरदायित्व है ताकि हमारे प्रचालन के क्षेत्रों में आर्थिक विकास सुविधाजनक हो सके। हमने स्थानीय सप्लायरों से अपने प्रापण को गत वर्ष से 37 प्रतिशत बढ़ाकर इस वर्ष आईएनआर 6,793.49 करोड़ की राशि कर दिया है। हम स्थानीय सप्लायरों को प्रचालनों में आधारभूत कार्य संचालित करने के लिए उन्हें वरीयता देने के द्वारा सहायता भी प्रदान करते हैं।

गेल ने अपनी प्रापण प्रक्रियाओं को पारदर्शिता प्रदान करने के लिए उच्च प्रतिष्ठा के स्वतंत्र बाह्य निगरानी (आईईएम) नियुक्त किए हैं। आईईएम विक्रेताओं को उनकी शिकायतों को प्रस्तुत करने के लिए पारदर्शी तरीका उपलब्ध कराने और प्रभावी रीति से इनका निराकरण करके संविदा और प्रापण प्रक्रियाओं में निगरानी को सुदृढ़ बनाता है। जबकि हमने हमारे प्रचालनों में भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने और पारदर्शिता का संवर्धन करने के सख्त उपाय किए हैं तो भी इस वर्ष के दौरान भ्रष्टाचार के सात मामले दर्ज किए गए थे। सतर्कता विभाग द्वारा किए गए अन्वेषण के परिणाम के आधार पर उनके द्वारा आवश्यक कारवाई की गई थी।

हमने पारदर्शिता अंतरराष्ट्रीय के साथ एक सत्यनिष्ठा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और गेल के साथ विक्रेताओं की संबद्धता के दौरान उनमें संतुष्टि के उच्च स्तर को सुनिश्चित करने के लिए बिल अवलोकन प्रणाली, फाइल संचलन प्रणाली, प्रतिवर्ती नीलामी और निविदा निगरानी प्रणाली जैसी विभिन्न पहलें अपनाई हैं। हम अपने दैनिक व्यवसाय में कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बोली लगाने वाले/ठेकेदारों/विक्रेताओं से संबद्ध कार्य करते हैं। टीआई द्वारा विकसित किया गया सत्यनिष्ठा समझौता, कंपनी और उनके सप्लायर ों के बीच सभी गतिविधियों और कार्यों का हथालन निष्पक्ष और पारदर्शी रीति से किया जाना सुनिश्चित करने के लिए हैं। इस सत्यनिष्ठा समझौते पर आईएनआर 1 करोड़ से अधिक के उच्च मूल्य ठेके वाले विक्रेताओं/सप्लायर ों द्वारा भी अनिवार्य रूप से हस्ताक्षर किए जाते हैं।

हमने एक बिल अवलोकन प्रणाली- एक वेब आधारित बिल ट्रैकिंग प्रणाली परिनियोजित की है जो हमारे विक्रेताओं को उनके भुगतान को ट्रैक करने में उन्हें समर्थ बनाने और हम पर उनके भरोसे को और अधिक बढ़ाने के लिए पारदर्शिता को बढ़ाता है। इसके परिणामस्वरूप बिल के भुगतान समय से हुए और बिलों के प्रक्रमण के लिए अपेक्षित समय आठ दिनों से घटकर छः दिन हुआ। इस प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने और इसकी दक्षता में सुधार करने के लिए हमने अनुलिपि बिलों के मामले में चेतावनी संदेश और गेल पर्यवेक्षकों के लिए अगली बिलिंग तिथि की अधिसूचना उपलब्ध कराने के लिए इस प्रणाली को एसएपी में समाविष्ट कर दिया है और विभिन्न स्थानों में समान कार्य की निविदा नियमित रूप से लाने में सहायता की।

गेल में निर्णयन प्रक्रिया को त्वरित करने के लिए हमने एक फाईल संचलन प्रणाली कार्यान्वित की है। यह एक ई-निगरानी उपकरण है जो किसी विशेष फाईल के प्रणाली में रूके रहने के कारणों और स्थान को ट्रैक करता है तथा उसका ठीक ठीक पता लगता है। सर्वोच्च प्रबंधन द्वारा प्रक्रियाओं का निरीक्षण और उन फाइलों की निगरानी की जाती है जो लंबित हैं। प्रक्रिया को और भी मजबूत बनाने के लिए एक कर्मचारी पर लगातार फाइल मार्क करने (पांच बार या अधिक) की ट्रेकिंग की प्रणाली लगाई गई है।

विक्रेता बैठक के अवसर पर परियोजना निदेशक प्रशंसा प्रमाणपत्र देते हुए (दाएं)

किसी कर्मचारी द्वारा अनावश्यक विलंब/अनिर्णायकता के कारण किए गए अवरोध के मामले में, प्रबंधन उस विशेष कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई करेगा। इस वर्ष एक घटना ऐसी हुई जब वित्त अधिकारी ने बारंबार प्रश्न और अस्पष्ट टिप्पणियां भेज कर निर्णयों में विलंब किया। सम्बद्ध अधिकारी को शीघ्र और कुशल निर्णयन-प्रक्रिया के संबंध में परामर्श दिया गया था। लंबित फाईलों अथवा एफएमएस में 90 दिनों से अधिक से विचाराधीन फाइलों की गहन निगरानी के कारण 503 दिनों से घटकर 42 दिन हो गए हैं जो कि वर्ष 2008 स्तरों से 92 प्रतिशत की कमी है।

प्रतिवर्ती नीलामी एक जीवंत प्रक्रिया होती है जो विक्रेताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी कीमत निर्धारण सुनिश्चित करती है। गेल ने आईएनआर 50 करोड़ से अधिक मूल्य के सभी प्रापणों के लिए प्रतिवर्ती नीलामी संचालित किए जाने को अनिवार्य बनाया है। इस वर्ष हमने पहले से ऐसी 14 नीलामी संचालित कर ली हैं जिसके परिणामस्वरूप अनुमानित लागतों पर प्रापण लागत में महत्वपूर्ण बचतें हुई हैं। प्रापण प्रक्रिया में और अधिक पारदर्शिता बढ़ाने के लिए हमने एक सख्त निविदा निगरानी प्रणाली भी विकसित की है जो मांग, निविदा प्राप्त करने, आदेश देने, निष्पादन, भुगतान, संपूर्णता और सामापन सहित प्रापण चक्र संबंधी संपूर्ण सूचना सिर्फ एक क्लिक में उपलब्ध कराती है।

आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (एससीएम)

इस वर्ष हमने संविदा एवं प्रापण विभाग द्वारा प्रबंधित एक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन प्रणाली आरंभ की है। यह पायलट परियोजना विजयपुर और पाता में प्रारंभ की गई थी और तत्पश्चात् कार्यान्वयन की सफलता उपरांत अन्य स्थानों में दोहराई जाएगी। यह प्रणाली निविदा प्राप्त करने की संपूण प्रक्रिया और सामग्रियों के स्थल तक पहुंचने तक की संभाल के लिए जिम्मेवार है। इसके लिए विद्युत, यांत्रिक, वाद्य संगीत, इंस्ट्रूमेंटेशन, रासायनिक और पेट्रोकैमिकल विस्तारण परियोजना जैसे विभिन्न क्षेत्रों से एक दल है जो विनिर्माण, संभार तंत्र निगरानी और पोर्ट स्वीकृतियों के सभी चरणों में विक्रेताओं और उप विक्रेताओं द्वारा कार्य को त्वरित करना सुनिश्चित करती है।

विजयपुर में परिवहन सुरक्षा प्रशिक्षण

विजयपुर का अग्नि एवं सुरक्षा विभाग रोड टैंकरों के द्वारा खतरनाक रासायनों के परिवहन के दौरान सुरक्षित चालन के संबंध में खतरनाक रासायनों को ले जाने वाले टैंकर चालकों को प्रमाणपत्र जारी करने के साथ साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक दिन का होता है और इसमें कक्षा सत्र, सुरक्षा फिल्म की जांच, क्षेत्र प्रशिक्षण, विभिन्न प्रकार के शामकों द्वारा जीवंत अग्निशमन और टैंकर पीएसवी मॉडल को रीसेट करना शामिल है। वित्तीय वर्ष 11-12 के दौरान विजयपुर एफ एण्ड एस विभाग द्वारा टेंकर ड्राइवरों को कुल 11 प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं। इसी प्रकार का सुरक्षा प्रशिक्षण ग्रामवासियों, पाइपलाइनों के समीप वासस्थलों में रह रहे लोगों, संविदा कर्मचारियों और सुरक्षा कार्मिकों को भी प्रदान किया गया है। अब तक ऐसे प्रशिक्षणों के अंतर्गत 2,500 से अधिक व्यक्तियों को शामिल किया गया है।

कर्मचारीः बदलाव के अभिकारक

हम अपने कर्मचारियों को बदलाव के अभिकारक मानते हैं, इसका प्रधान कारण यह है कि यह एक सक्रिय और उत्साही कार्य बल है जो गेल की महत्वाकांक्षी वृद्धि योजनाओं को साकार करने के लिए अपने कर्तव्य से परे जाकर कार्य करते हैं। हमारे अधिकांश स्थायित्व निष्पादन जो आज हैं और ऐसी गतिविधियां जिनकी योजना भविष्य के लिए बनाई गई है, वे पूरी तरह इस पर निर्भर करते हैं कि वो इसका प्रबंधन किस प्रकार करते हैं। यह हमारा निरंतर प्रयास है कि कर्मचारी संतुष्टि का उच्च स्तर बनाए रखा जाए।

अपने कर्मचारियों की बदलती आवश्यकताओं को पहले से भांप लेने, उन्हें समझने और पूरा करने की हमारी क्षमता ही हमारी दीर्घावधिक सफलता का आधार है। अपने लोगों के योगदान को महत्व प्रदान कर, वैयक्तिक विकास का संवर्धनकर, समान अवसर विकसित कर और अच्छे कार्यों को प्रोत्साहित कर हमने उनके लिए लाभप्रद कार्य स्थल तैयार किया है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि व्यस्त कर्मचारी ही हमारे स्वप्नों को साकार करने के लिए अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर हमारी सहायता हेतु अथक प्रयास करेंगे। कर्मचारी विनियोजन के उच्च स्तरों को प्राप्त करने और उन्हें नव प्रयोग की स्वतंत्रता प्रदान करने तथा उनकी अंतर्निष्टि का संभावना का पता लगाने के लिए हमारी मानव संसाधन नीतियों, प्रणालियों और प्रक्रियाओं को स्व निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार कार्य स्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य, शिकायत निवारण, संघ बनाने की स्वतंत्रता, वार्तालाप और कार्य में पारदर्शिता, समान आचरण संहिता तथा उचित व्यवहार सहित सभी कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा को पर्याप्त महत्व दिया जाता है।

मानव संसाधन द्वारा शुरू की गई योग्यता प्रबंधन कार्यनीतियों को निम्नलिखित क्षेत्रों में बांटा गया है:

भर्ती और नियोजनः

मौजूदा तथा भविष्य की व्यवसाय आश्यकताओं की रूपरेखा तैयार करने के लिए सभी व्यावसायिक प्रक्रिया स्वामियों से विस्तृत निवेश पूरे संगठन हेतु मानक मैनिंग कार्य, क्षयन, उत्तराधिकार की योजना बनाने और 'कार्यनीति 2020' के एक भाग के रूप में तैयार की गई व्यवसाय कार्यनीति से उत्पन्न होने वाली मानव संसाधन आवश्यकताओं सहित निपुणता अपेक्षा हेतु योजना बनाते समय प्रासंगिक कारकों का ध्यान रखा जाता है।

प्रतीभा अधिग्रहण :

कैंपस भर्ती, खुली भर्ती, संवेदनशील क्षेत्रों में लेटरल हायरिंग, विशेषज्ञों/सलाहकारों की नियुक्ति, सेकंडमेंट आदि जैसे विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधन योजना के अनुरूप प्रतिभा-अधिग्रहण का कार्य किया जाता है। श्रेष्ठ प्रतिभा की खोज के लिए आईआईटी, बिट्स पिलानी और एनआईटी जैसे ख्याति प्राप्त संस्थानों और कैंपस भर्ती के लिए ख्याति प्राप्त बिजनेंस स्कूलों का लक्ष्य रखा जाता है। पार्श्वीय हायरिंग विशेष रूप से ई एण्ड पी और अन्य नए व्यावसायिक कार्यों हेतु मध्यम और उच्च स्तर के पदों के लिए अनुभवी प्रतिभाओं को ढूंढा जाता है।

प्रतिभा विकासः

कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने और उनके विकास को गति देने के लिए उत्कृष्ट कर्मचारियों को उनके जीवन को प्रारंभिक अवस्था में उच्चतर ग्रोथ ट्राजेक्टरी दी गई है। शहर गैस वितरण, अन्वेषण और उत्पादन तथा संयुक्त उद्यमों के संदर्भ में संगठन ढांचों के नए रूपों के साथ प्रचालन जैसे नए व्यवसायों में हमारे प्रवेश करने से सभी स्तरों पर प्रशासकों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई है। गेल द्वारा विकसित किए गए संयुक्त उद्यमों में वरिष्ठ प्रशासकों को नेतृत्व करने वाले पद लेने के अवसर उपलब्ध कराएं हैं। कार्य की नीरसता खत्म करने और आज अपने कर्मचारियों का सर्वतोमुखी विकास आगे बढ़ाने के लिए क्रॉस फंक्शनल कार्यभार तथा चक्रानुक्रम को प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रतिभा को बनाए रखनाः

सुझाव योजना जैसे अनेक संचार चैनलों के माध्यम से सोच और विचारों की अभिव्यक्ति की आजादी, लंबे समय तक सेवा में बने रहने तथा महिला कर्मचारी को पुरस्कृत करने एवं आकर्षक प्रोत्साहन और लाभ सहित कर्मचारियों को बनाए रखने को बढ़ावा देने के लिए गेल द्वारा कुछ स्मरणीय प्रयास किए गए हैं। हमारी मानव संसाधन नीतियों की सम्पूर्ण सफलता की साक्ष्य है हमारी कम क्षयन दर।

गेल दिवस समारोह

कर्मचारी प्रबंधन और नियुक्ति प्रणालियां

हमारी व्यापक मानव संसाधन (एचआर) नीति में कर्मचारी विकास से लेकर शिकायत निवारण तक के सभी आवश्यक क्षेत्र शामिल हैं। पूरे संस्थान में समान रूप से सचआर नीतियों और प्रक्रियाओं के समुचित कार्यान्वयन की मुख्य जिम्मेदारी निदेशक (एचआर) की ही होती है। गेल स्थित मानव संसाधन विभाग ने हमारी मानव संसाधन कार्यनीति के सफल कार्यान्वयन में व्यवसाय भागों को सुकर बनाने के पूर्वोपाय किए हैं। कम कार्यबल, युवा और उच्च शिक्षित मानव शक्ति, बहु कार्य विशेषज्ञता, शिक्षण संस्थान, स्वतंत्र और खुली विचार विमर्श प्रक्रिया और स्वीकार्य वरिष्ठ नेतृत्व, हमारी मुख्य मानव संसाधन शाक्तियां हैं। हमारे एचआर सेवा प्रदाय मॉडल में निगमित एचआर और इकाई स्तर के विभाग शामिल हैं। ये क्षतिपूर्ति और लाभ परिकल्पना एचआर नीति तैयार करना, भर्ती करना, निष्पादन प्रबंधन प्रणाली जैसी सेवाएं प्रदान करते हैं। एचआरडी द्वारा आउट सोर्सिंग, साझेदारी सेवाएं प्रौद्योगिकी का प्रयोग और आंतरिक परामर्श भी उपलब्ध कराया जाता है। एचआर कार्य के साथ प्रौद्योगिकी के मल से हमारे आंतरिक सेवा प्रदाताओं से बेहतर सेवा प्राप्त करने की मांग बढ़ गई है। एसएपी कर्मचारी स्वयं सेवा (ईएसएस) अनुप्रयोग सहित एसएपी, ईआरपी मानव पूंजी प्रबंधन (एचसीएम) अनुप्रयोग का कार्यान्वयन करने वाली पहली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी होने के कारण गेल एचआर प्रक्रियाओं और कागज सहित कार्य विवरण में ऑटोमेशन के उच्चतर स्तरों तक पहुंच गया है। प्रक्रिया की दक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए कंपनी में निष्पादन प्रबंधन प्रणाली को भी ऑनलाइन किया गया है।

निष्पादन प्रबंधन प्रणाली

आंतरिक समझौता ज्ञापन एमओयू (आईएमओयू) नामक तंत्र के माध्यम से कंपनी के समस्त कार्यनीतिक लक्ष्य कर्मचारियों को उपलब्ध कराए गए हैं। आईएमओयू में मूल्यांकन वर्ष के प्रारंभ में प्रशासकों के लिए उद्देश्यों और लक्ष्यों का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। निरंतर कर्मचारियों प्रेरित करने और उन्हें उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करने के लिए एक नई निष्पादन संबंधी भुगतान (पीआरपी) प्रोत्साहन योजना शुरू की गई है। अपने कर्मचारियों की उत्पादकता में सुधार करने के लिए निष्पादन आधारित भुगतान की योजना विशेष रूप से तैयार की गई है और उसे प्रति कर्मचारी संकेतक मूल्य वृद्धि के माध्यम से दिया गया है।

कर्मचारी नियुक्ति प्रणाली

गेल द्वारा किया गया कर्मचारी नियुक्ति सर्वेक्षण संस्थान के बारे में पैमाने के रूप में कार्य करता है। वे कर्मचारियों की संतुष्टि के स्तर का मूल्यांकन करने और यह जानने के लिए कि हम किस तरह कर्मचारी के समग्र अनुभव को बढ़ाने में सहायता कर सकते हैं, के एकमात्र उद्देश्य से कार्यान्वित किए जाते हैं। इस कार्य के एक भाग के रूप में, सभी कर्मचारियों से लोगों के व्यवहार के

सभी पहलुओं से संबंधित फीडबैक मांगा जाता है। इस प्रक्रिया को पारस्परिक प्रभावी और सहभागी बनाने के लिए न केवल ऑन लाइन प्रश्नावली के माध्यम से अपितु, विभिन्न स्तरों के यादृच्छिक चुने गए कर्मचारियों के नमूने के साथ समूह चर्चा केंद्रित माध्यम से भी प्रतिक्रिया मांगी जाती है। मेसर्स ऑन हेविट प्रा. लि. द्वारा पिछली नियुक्ति के किए गए सर्वेक्षण के विश्लेषण से यह पता चला है कि अत्यधिक प्रेरणा और समर्पित कार्यबल युक्त हम सर्वोत्तम नियोक्ता/उच्च निष्पादन क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। कर्मचारियों की नियुक्ति के स्तरों को सूचित करने के कार्य के अलावा हमने नियुक्ति स्तरों को प्रेरित करने वाले क्षेत्रों को भी विशेष स्थान दिया है।

अपने कर्मचारियों के जागरूकता स्तर और प्रोत्साहन प्रयासों में सह भागिता की संख्या शिकायत निवारण मंचों का कौशल, गेल की सामाजिक और पर्यावरणीय कार्य सूची के संबंध में उनकी जागरूकता तथा प्रोत्साहन कार्यक्षेत्रों में गेल के लिए पर्यावरण के मुख्य क्षेत्रों के बारे में उनकी अवधारणा को बेहतर ढंग से जानने के लिए हमने अपने कर्मचारियों का भी सर्वेक्षण किया है। हमारे विश्लेषण से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए हैं:

- गेल की सामाजिक और पर्यावरणीय कार्यसूची के बारे में कर्मचारियों में जागरूकता अपेक्षाकृत कम है तथा इसमें और अधिक सुधार किया जा सकता है।
- गेल के स्थायित्व प्रयासों में अधिकांश कर्मचारियों की कर्मचारी सहभागिता की श्रेणी और संख्या अपेक्षाकृत कम होने का पता चला है।
- विभाग और व्यक्तिगत दोनों स्तर पर स्थायित्व-विशिष्ट केआरए की शुरुआत करने से कर्मचारियों द्वारा स्थायित्व में शामिल होने में सुधार हो सकता है।

कर्मचारी शिक्षण और विकास

हम कर्मचारी प्रशिक्षण को अपने कर्मचारियों में पर्याप्त योग्यता विकसित करने और भविष्य में हमारे मार्गदर्शन कर सकने वाले नेतृत्वकर्ता तैयार करने के आवश्यक यंत्र के रूप में देखते हैं।

प्रशिक्षण, अत्यधिक आवश्यकता, मूल्यांकन प्रक्रिया द्वारा अभिज्ञात किए जाते हैं और प्रशिक्षण आवश्यकताएं ई इलेक्ट्रॉनिक रूप से पूरी की जाती हैं क्योंकि यह हमारी इलेक्ट्रॉनिक निष्पादन प्रबंधन प्रणाली (ईपीएमएस) का अभिन्न अंग है।

हम ''गेल प्रशिक्षण संस्थान'' (जीटीआई) नोएडा और जयपुर के माध्यम से गैस मूल्य श्रृंखला से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रस्ताव करते हैं। जीटीआई द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम मौजूदा ज्ञान के आधार और कौशल बढ़ाने और नवीनतम प्रौद्योगिकी के प्रभावी प्रयोग को सुकर बनाने के लिए परिकल्पित किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2011-12 में जीटीआई ने 177 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिनके माध्यम से इसने कर्मचारियों के शिक्षण के 14,079 मानव दिवस प्रदान किए। इन हाउस प्रशिक्षण के अतिरिक्त, हमने समकालीन विषयों से संबंधित बाह्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए भी कर्मचारियों को नामांकित किया। जीटीआई ने मुख्य विकासात्मक क्षेत्रों में सहायता हेतु 44 ई-लर्निंग मॉड्यूल्स वाले हार्वड मैनेजमेंट मेंटर के माध्यम से वरिष्ठ प्रशासकों के लिए एक ई-लर्निंग पहल 'ई-ज्ञान परवाह' भी शुरू की है। इसके अतिरिक्त, प्रचलित कार्यकारी विकास कार्यक्रमों के प्रस्ताव हेतु हमने आईआईएम कोलकाता और बंगलौर के साथ भी सहयोग किया है। कर्मचारियों के सतत विकास के महत्व को मन में बिठाने के लिए, जीटीआई सभी व्यवसाय भागों हेतु सतत विकास के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इस बारे में, अपशिष्ट जल उपचार, जल प्रबंधन, वायु प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण कानून से संबंधित विशिष्ट प्रशिक्षण आयोजित किए गए हैं। गेल के नोएडा कार्यालय में सितंबर में सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग हेतु क्षमता निर्माण के लिए एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया था। संस्थान में शिक्षण संस्कृति विकसित करने के लिए हिंदी और अंग्रेजी में व्यावसायिक क्विज का आयोजन किया जाता है। महिला कर्मचारियों को प्रेरित करने और उनके योगदान को मान्यता देने के लिए जीटीआई ''गेल महिला कर्मचारी पुरस्कार'' भी प्रदान करता है। जीटीआई में उपर्युक्त सभी प्रयास वित्त वर्ष 11-12 में 91.76 प्रतिशत का उच्च प्रशिक्षण क्षमता स्कोर प्राप्त करने में सहायक रहे हैं। शिक्षण और विकास के क्षेत्र में गेल द्वारा किए गए कुछ प्रयासों में शामिल हैं:

- परामर्श देने की आवधारणा- इसे गेल के नए भर्ती हुए कार्यकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए शुरू किया गया है जिसमें मध्यम/वरिष्ठ स्तर के संवर्ग नए भर्ती हुए कार्यकारी प्रशिक्षणार्थियों को परामर्श देते हैं।
- गेल प्रशासकों और बाह्य संगठनों के प्रशासकों को एएसएमई प्रमाणित प्रशिक्षण के लिए जीटीआई का अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मकेनिकल इंजीनियर्स (एएसएमई) के साथ सहयोग।
- शहर गैस/सीएनजी, प्राकृतिक गैस/एलपीजी पाइप लाइन प्रचालन एवं रख रखाव, पेट्रोकेमिकल, प्रचालन एवं रख रखाव ओर अग्नि तथा आईओसीएल, बीपीसीएल, आरजीपीएल, बीसीपीएल, आईजीएल, एमएनजीएल, अदनी गैस लि., सीटी एनर्जी, साबरमती गैस, उ. प्र. अग्नि सेवा विभागों, ओपल, होंडा स्कूटर्स एण्ड मोटर साइकिल्स आदि जैसे बाह्य संगठनों के प्रतिभागियों की सुरक्षा संबंधी क्षेत्र में पाठ्यक्र।
- जीटीआई द्वारा ज्ञान हिस्सेदारी पहल के रूप में 'प्रचालन, रखरखाव एवं सुरक्षा तथा ऊर्जा प्रबंधन संबंधी संगोष्ठी' का आयोजन किया गया था जिसमें 75 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किए गए थे।
- गेल के इंट्रानेट में ज्ञान हिस्सेदारी पोर्टल विकसित किया गया जो उनके संगत क्षेत्रों में विषयवस्तु विशेषज्ञों के साथ विचार विमर्श करने के लिए कर्मचारियों मंच उपलब्ध कराता है। गेल के व्यवसाय क्षेत्रों में नीवनतम विकास को दिखाकर कर्मचारी परिप्रेक्ष्य को विस्तार देने के लिए ख्याति प्राप्त व्यक्तियों द्वारा अतिथि व्याख्यान दिए जाते हैं।

हमारी एसडी आकांक्षा 2020 के तहत हम 2020 तक अपने कर्मचारियों में 100 प्रतिशत स्थायित्व जागरूकता लाने के लिए वचनबद्ध हैं। 31 जनवरी 2013 के अनुसार हमने स्थायित्व के विभिन्न पक्षों पर अपने 30.28 प्रतिशत कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया है।

नेतृत्व विकास

नेतृत्व विकास हमारी शिक्षण और विकास पहलों का एक अंतर्निहित पहलू है। अपने वरिष्ठ प्रबंधन विकास केंद्र (एसएमडीसी) के माध्यम से भविष्य के नेतृत्व पदों हेतु अपने वरिष्ठ प्रशासकों को तैयार करने में हम बहुत अधिक निवेश करते हैं। यह केंद्र, हमारे वरिष्ठ प्रशासकों के भविष्य की संभावना का मूल्यांकन करने में हमारी सहायता करता है और तदनुसार उनमें से प्रत्येक के लिए विकासात्मक क्षेत्रों की पहचान की जाती है। पहचान की गई विकासात्मक आवश्यकताओं के आधार पर प्रत्येक प्रतिभागी हेतु वैयक्तिक विकास योजनाएं (आईडीपीएस) तैयार की जाती हैं; जिनमें सुझाई गई पुस्तकें, ई-लर्निंग मॉड्यूल्स, फिल्में और प्रचलित शिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। ये कार्यक्रम आईआईएम, आईएसबी, एमडीआई, एफएमएस और आईआईएफटी जैसे ख्यातिप्राप्त विभिन्न संस्थानों के माध्यम से आयोजित किए जाते हैं। आरआईपीए, लंडन बिजनेस स्कूल, हार्वर्ड बिजनेस स्कूल, केलॉग्ज़ स्कूल ऑफ मैनेजमेंट आदि जैसे सम्मानित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों द्वारा आयोजित शिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भी वरिष्ठ प्रबंधन प्रशासक नामांकित किए जाते हैं। हमारे नेतृत्व विकास कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे वरिष्ठ प्रशासकों को आगे बढ़ाने में हमें मार्गदर्शन हेतु निवेश के रूप में एसएमडीसी के निष्कर्ष का उपयोग कर संस्थान में आंतरिक उन्नयन जुटाव को सरल बनाना है।

कर्मचारी को रोके रखने की कार्यनीति

कर्मचारी को बनाए रखने की उच्च दर और हटाने की निम्न दर प्राप्त करने के लिए हम अपने कर्मचारियों को अच्छा कार्य जीवन संतुलन उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत हैं। हमारी रोके रखने की कार्यनीति की कुछ मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं:

- **आकर्षक प्रतिपूर्ति और लाभ पैकेज:** गेल अपने कर्मचारियों को आकर्षक प्रतिपूर्ति पैकेज का प्रस्ताव करता है। हम, गृह भवन निर्माण, अग्रिम, परिवहन अग्रिम फर्निशिंग अग्रिम और कंप्यूटर/लैपटॉप अग्रिम के रूप में अनुदान ऋण जैसे अनेक अन्य लाभ मुहैया कराते हैं। अपने कार्य से संबंधित उच्च योग्यता प्राप्त करने हेतु कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए उच्च शिक्षा प्रोत्साहन दिया जाता है। महिला कर्मचारियों को दो वर्ष शिशु देखभाल सवेतन अवकाश देने वाला गेल, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में भी ऐसा पहला संस्थान है। अपनी परिभाषित लाभ योजनाओं के अंतर्गत हमने, सेवानिवृत्ति लाभ निधि ट्रस्ट के लिए आईएनआर 51.50 करोड़ और प्रोविडेंट फंड ट्रस्ट के लिए आईएनआर 29.53 करोड़ का योगदान दिया है। इसके अलावा, गेल कर्मचारियों को अन्य लाभ योजनाएं उपलब्ध कराता है जिसमें ग्रेच्युटी, सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ अर्जित अवकाश लाभ, सेवांत लाभ, अर्ध वेतन अवकाश और दीर्घ सेवा पुरस्कार शामिल हैं।
- **सामाजिक सुरक्षा तंत्र:** गेल द्वारा मूल वेतन और मासिक वेतन के महंगाई भत्ते के 30 प्रतिशत की राशि सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में देने का प्रावधान है, जिसमें अंशदायी भविष्य निधि (सीपीएफ), उपदान, पेंशन और सेवानिवृत्ति चिकित्सा लाभ शामिल हैं।
- **पुरस्कार और सम्मान:** चूंकि कर्मचारियों के अभिप्रेरण स्तरों में सुधार करने में पुरस्कारों और सम्मान की मुख्य भूमिका है अतः कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए समुचित सम्मान मिले यह सुनिश्चित करने के लिए गेल में सांस्थानिक तंत्र मौजूद है। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:
  - **महिला पुरस्कार:** गेल की सफलता में महिलाओं की हिस्सेदारी को प्रमुखता देकर महिला कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए गेल का महिला कर्मचारी पुरस्कार शुरू किया गया है। इस पुरस्कार में 1,00,000 रु. का नकद पुरस्कार है।
  - **सुझाव योजना:** सहयोगात्मक कार्य संस्कृति विकसित करने और नवोन्मेष प्रेरण के लिए गेल ने ''सुझाव योजना'' की पहल की है जिसके अंतर्गत, गेल इंट्रानेट के माध्यम से कर्मचारी सीधे अपने सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं।
  - **दीर्घावधि सेवा पुरस्कार:** गेल के साथ लंबे समय से जुड़े कर्मचारियों को पुरस्कृत करने के लिए।

हम कर्मचारियों के बीच विचार विमर्श हेतु मंच तैयार करने के एक साधन के रूप में सामाजिक और क्रीड़ा ईवेंट का भी अभ्यास करते हैं। हम, उन्हें (कर्मचारियों) को इंटर रीजनल स्पोर्ट्स मीट (आईआरएसएम) और पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (पीएसपीबी) जैसी क्रीड़ा ईवेंट्स में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं, जहां वे सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य उपक्रमों के कर्मचारियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं। हम गेल दिवस और दीवाली मनाने जैसी अनेक सामुदायिक ईवेंट्स का भी आयोजन करते हैं जहां कर्मचारी और उनके परिवार एक दूसरे से मेल जोल कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त स्पोर्ट्स क्लब, जिम, तरणताल, पुस्तकालय आदि जैसी सुविधा युक्त गेल नगर क्षेत्र बनाए गए हैं जिनका उद्देश्य दूरस्थ स्थानों जहां हमारे संयंत्र स्थापित हैं, में भी अपने कर्मचारियों और उनके पारिवारिक सदस्यों की जीवन गुणवत्ता में सुधार करना है।

मानवाधिकार

गेल में हम अपने सभी कार्यों में सदैव मानवाधिकरों को प्राथमिकता और प्रोत्साह देते हैं। मई 2011 में यूएनजीसी सिद्धांतों के हस्ताक्षरकर्ता बनकर हमने मानवाधिकारों के समर्थन को वैश्विक प्रतिबद्धता जाहिर की है। हमारी नीतियां उचित ढंग से तैयार की गई हैं और मानवाधिकर सिद्धांतों, भारत के संविधान तथा शुभ कानूनों की पूरी जानकारी दी गई है। अपने सभी पणधारियों द्वारा उठाए गए मुद्दों के निराकरण के लिए हमारे यहां शिकायत निवारण प्रणाली विद्यमान है। हम अल्पसंख्यकों और समाज में आर्थिक रूप से शोषित वर्गों के विकास में भारत सरकार के प्रयासों का समर्थन करते हैं। वित्तीय वर्ष 2011-12 में हमारे कर्मचारी 16.8 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति, 6.6 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति, 17.9 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग, 7.22 प्रतिशत अल्पसंख्यक और 2.2 प्रतिशत शारीरिक रूप से अक्षम श्रेणियों से रहे हैं। 31 मार्च 2012 तक हमारे कार्यदल में 222 महिलाएं शामिल थीं। हम सभी कर्मचारियों की सुरक्षा और कार्यस्थलों पर लिंग भेद को दूर करने पर कार्य कर रहे हैं, मुख्य रूप से हमारे कार्यालय में कार्यरत अल्पसंख्यकों के लिए फिर भी उद्योग की प्रकृति एवं भौगोलिक क्षेत्र जहां हमारी तैनाती होती है, महिलाओं के कार्यदल की उच्च सुरक्षा सुनिश्चित करना कठिन है। हमारे संयंत्रों से संबंधित समुदायों के लिए शैक्षिक परियोजना द्वारा महिलाओं को सशक्त कर हम इस समस्या का मुकाबला कर रहे हैं। हमने जेंड़र मेनस्ट्रीमिंग, इन्क्लूसिवनेस व सकारात्मक कार्यक्रमों की भी शुरूआत की है। जेंड़र मेनस्ट्रीमिंग के तहत हमने महिला कर्मचारियों से संबंधित कार्यक्रमों को रखा है। महिला कर्मचारियों की विकासात्मक आवश्यकताओं की देखरेख हेतु महिला सेल की स्थापना की गई है। सेल का विशेष जोर महिला कार्यदल तक पहुंचने, उनके साथ चर्चा करने और कार्य स्थलों पर होने वाले भेदभावों और शारीरिक शोषण को शामिल करते हुए उनके संबंधितों को अवगत कराने पर रहता है। हम, सभी लिंगों के लिए समान अधिकार के अपने वादे पर कायम हैं और इसकी झलक कर्मचारियों की अनुकम्पा नीति में दिखाई देती है। प्रत्येक राज्य जहां हम कर्म करते हैं में लागू श्रम कानूनों को ध्यान में रखते हुए निम्नतम् मजदूरी की जरूरतों का अनुपालन करते हैं। समाज के कमजोर एवं पिछड़े वर्ग के कल्याण हेतु हम ओपन एवं कैम्पस भर्ती द्वारा सामान्य भर्ती प्रक्रिया के अतिरिक्त विशेष भर्ती का आयोजन करते हैं।

हमारी आचार संहिता में मानव अधिकारों की रक्षा के आदर्श निहित हैं। हमारे सभी कार्यों की संविदाओं और करारों में मानव अधिकारों को सुरक्षित रखने की धाराएं निहित की गई है। सभी कर्मचारियों को पदग्रहण करने के बाद इन पक्षों की समझ विकसित के लिए आचार संहिता का प्रशिक्षण दिया जाता है। कर्मचारियों के लिए वार्षिक पुनश्चर्या प्रशिक्षण के द्वारा भी इसकी अनुपूर्ति हो जाती है। गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) द्वारा संचालित अन्य कई प्रशिक्षण द्वारा भी जागरूकता लाई जा रही है। वित्तीय वर्ष 2011-12 के दौरान जीटीआई ने प्रशिक्षण विषयों जैसे, सूचना का अधिकार अधिनियम, श्रम कानून, व्यावसायिक स्वास्थ्य व सुरक्षा, आरक्षण नीति, औद्योगिक मसले और अन्य लोगों के साथ कार्य जीवन का सामंजस्य बिठाने के पक्षों को 14,376 लोगों तक पहुंचाया। हम अपने किसी भी कार्य में बाल श्रम या बंधुआ मजदूरी के प्रबल विरोधी हैं। कार्य स्थलों पर हमारे कर्मचारियों या संविदा श्रमिकों से उत्पन्न होने वाले ऐसे किसी संभावित खतरे की प्रारंभिक जांच और उसे दूर करने में सहायता हेतु कार्य स्थलों पर मानव संसाधन और औद्योगिक संबंधी कार्मिकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हमारे सभी कार्यों में कर्मचारी यूनियनों, अधिकारी संघों, महिला मंचों को मान्यता और प्रोत्साहन देकर एक महत्वपूर्ण श्रमिक अधिकार, सामाजिक समझौते को प्रोत्साहन दिया जाता है। हमने कर्मचारी समूहों के साथ नियमित विचार विमर्श, श्रमिक प्राधिकरणों के साथ समन्वय, औद्योगिक विवादों को निपटाने, कार्य केंद्र स्तरीय मुद्दों की रिकॉर्डिंग और उनके विश्लेषण तथा यूनियनों के साथ दीर्घावधिक समझौता जैसे अनेक प्रयास किए हैं। गेल में गेल अधिकारी संघ (जीओए), गेल कर्मचारी संघ (जीईए) और गेल कर्मचारी संघ (जीकेएस) तथा गेल एससी एसटी कर्मचारी कल्याण संघ (जीएसईडब्ल्यूए) चार मुख्य समूह हैं।

हमारे प्रचालनों में स्वास्थ्य और सुरक्षा

गेल अपने संयंत्रों, पाइपलाइन प्रणालियों, कार्य केंद्रों तथा अपने नजदीकी समुदायों में भी एचएसई संकेतकों को सर्वाधिक महत्व देता है। हमारे सभी स्थल एकीकृत प्रबंधन प्रणालियों के अंतर्गत प्रमाणित है। जिनमें ओएचएसएएस 18001 ऑक्यूपेशनल स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियां शामिल हैं। एचएसई मानदण्ड सभी संयंत्रों के वार्षिक मूल्यांकन का आवश्यक तत्व हैं। हमारी कॉर्पोरेट एचएसई नीति निम्नलिखित एचएसई उद्देश्यों के अत्यधिक महत्व को स्वीकार करती है:

- उद्योग में सर्वोत्तम की तुलना में एचएसई प्रबंधन प्रणाली लगाना और उसका कार्यान्वयन करना
- सभी स्टेकधारकों, संयंत्रों, परियोजनाओं और आस पास की

गेल संस्थापना में राष्ट्रीय सुरक्षा समारोह

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, उपलब्ध उत्तम पद्धतियों के अनुसार उसकी सुविधाओं का अभिकल्पन, निर्माण, प्रचालन और रखरखाव

- पर्यावरण-हितैषी कार्यकलापों को बढ़ावा देना
- सुरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य, पर्यावरण जिम्मेदारी से संबंधित संवैधानिक नियमों और विनियमों का अनुपालन करना और आंतरिक लक्ष्य निर्धारित करने में इसके परे जाना
- कंपनी के एचएसई नीति कार्यान्वित करने की शक्ति सभी स्तर के कर्मचारियों को देना
- एचएसई निष्पादन की निगरानी के लिए सुनिश्चित और परिमय लक्ष्य निर्धारित करना
- एसएसई उत्तम पद्धतियों के लिए सभी कर्मचारियों को ढांचागत प्रशिक्षण उपलब्ध कराना
- सभी कर्मचारियों और बाह्य पणधारियों को नीति बताना
- व्यवसाय विकास और एचएसई प्रबंधन पद्धतियों में लगातार सुधार के बारे में नीति की प्रासंगिकता की निरंतर समीक्षा करना

एचएसई निष्पादन प्रवृत्ति

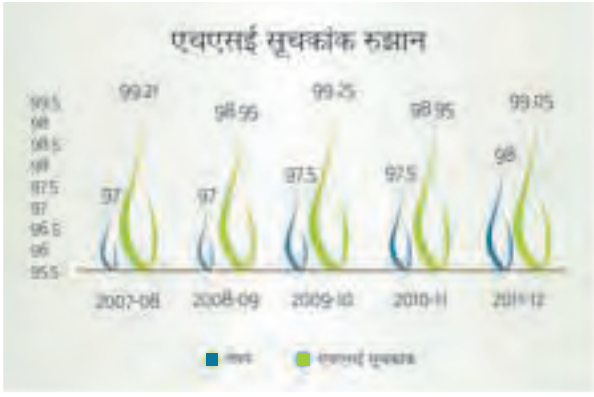

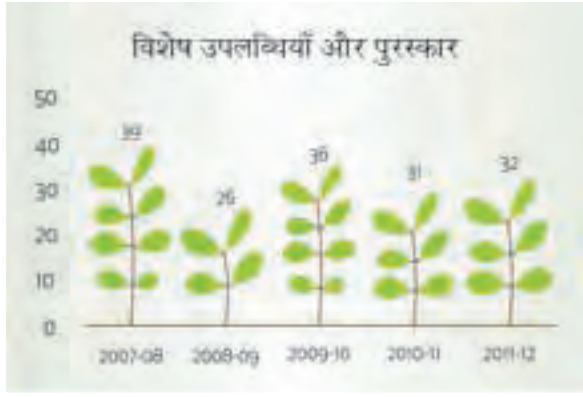

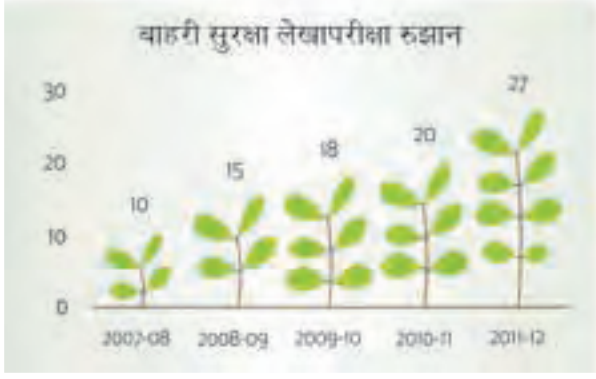

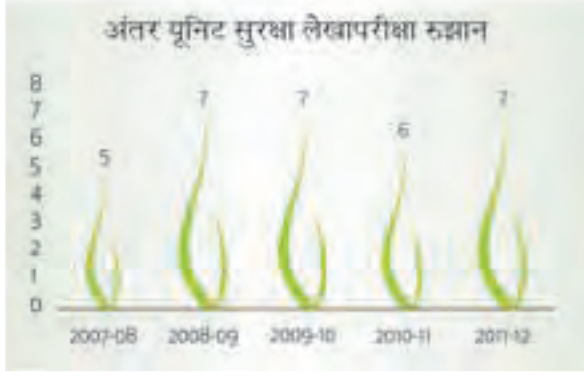

एचएसई सूची के माध्यम से हम अपना एचएसई निष्पादन मापते हैं, जो 13 मापनीय मानदण्डों-एचएसई नेतृत्व और प्रतिबद्धता, एचएसई प्रशिक्षण, घटना की रिपोर्टिंग, जांच और विश्लेषण, कर्मचारी अवबोधन, संवेदनशील प्रणालियों और साधनों के नियंत्रण, असफलता/विश्वसनीयता, प्रक्रिया सुरक्षा सूचना, प्रचालन और रखरखाव, आपातकालीन योजना और प्रतिक्रिया, अनुपालन लेखा परीक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य, पर्यावरणीय प्रबंधन, निरीक्षण और रखरखाव जोखिम विश्लेषण और प्रबंधन से संबंधित मासिक एचएसई अनुपालन रिपोर्ट के आधार पर तैयार की जाती है। प्रत्येक प्रचालन इकाई और संचित गेल प्रचालनों के लिए वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। हमने, वित्तीय वर्ष 2010-11 के एचएसई सूची स्कोर 98.92 की तुलना में इस वर्ष 99.05 प्रतिशत एचएसई सूची स्कोर प्राप्त किया। वित्तीय वर्ष 11-12 में हमने स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में 32 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए जिससे एचएसई मुद्दों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता प्रमाणित होती है। कठोर एचएसई उपायों और कंपनी वार अभियान के माध्यम से वित्तीय वर्ष 11-12 में से प्रतिवेद्य दुर्घटनाओं और आग गेल स्थलों से रिसाव की घटनाओं में कमी करने में सफल हुए हैं।

सुरक्षा प्रशिक्षण और लेखा परीक्षा

गेल में सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करने और विभिन्न सुरक्षा पहलुओं के बारे में सबके बीच जागरूकता उत्पन्न करने तथा उन्हें उद्योगवार नवीनतम प्रणालियों के बराबर लाने के लिए हम ''महत्वपूर्ण सुरक्षा अभियान'' का आयोजन करते हैं।

माह	महत्वपूर्ण सुरक्षा अभियान के लिए विषय
अप्रैल 2011	हाउसकीपिंगः प्रत्येक वस्तु के लिए स्थान और प्रत्येक वस्तु अपने स्थान पर
मई 2011	समुचित पीपीईएस के सही चुनाव एवं उपयोग द्वारा सुरक्षा को बढ़ाना
जून 2011	उत्थापन औजार, उपकरण उनकी मरम्मत एवं रख रखाव प्रक्रिया के संचालन में सुरक्षा
जुलाई 2011	जलपोत एवं सीमित स्थान में प्रवेश के दौरान सुरक्षा
अगस्त 2011	गैस निर्गम प्रचालनों के दौरान सुरक्षा
सितम्बर 2011	खतरनाक बेकार सामान का सुरक्षित निपटान
अक्टूबर 2011	कटिंग, वैल्डिंग और ग्राइंडिंग के दौरान सुरक्षा
नवम्बर 2011	पीएसवी के समायोजन के दौरान सुरक्षा
दिसम्बर 2011	नौकरी में जोखिम का निर्धारण और जोखिम के न्यूनीकरण के मापदण्ड
जनवरी 2012	हाउसकीपिंगः प्रत्येक वस्तु के लिए स्थान और प्रत्येक वस्तु अपने स्थान पर
फरवरी 2012	फिसलने, ठोकर खाने और गिरने से बचाव में सुरक्षा
मार्च 2012	बिजली के सामान को हटाने और बिजली कार्य परमिट का महत्व-इनके दौरान सुरक्षा

संवैधानिक नियमों और विनियमों का अनुपालन, सुरक्षित कार्य पद्धतियों का कार्यान्वयन और सुरक्षा प्रबंधन पद्धतियों में सतत सुधार सुनिश्चित करने के लिए बाह्य और अनुभवी इन-हाउस लेखा परीक्षकों द्वारा संस्थानों की नियमित रूप से लेखा परीक्षा की जा रही है। वित्तीय वर्ष 11-12 के दौरान टी4एस विनियमों के अनुरूप पीएनजीआरबी प्राधिकृत एजेंसी के माध्यम से 27 बाह्य सुरक्षा लेखा परीक्षाएं, सात आंतरिक लेखा परीक्षाएं और सात आकस्मिक सुरक्षा जांचें की गईं थीं।

गेल हजीरा में सुरक्षा सुग्राहीकरण प्रशिक्षण

व्यावसायिक स्वास्थ्य

हमारी एक कार्पोरेट व्यावसायिक स्वास्थ्य समिति है जिसे 6 स्थानीय स्तर की व्यावसायिक स्वास्थ्य समितियों की सहायता प्राप्त है तथा कर्मचारियों के व्यावसायिक स्वास्थ्य की लगातार निगरानी व सुधार हेतु उसकी प्रति तिमाही बैठक होती है। वित्तीय वर्ष 11-12 में कार्य केंद्रों में सभी कर्मचारियों की चिकित्सीय जांच की गई थी। नवंबर 2011 में हमने एचआईवी/एड्स निवारण और नियंत्रण संबंधी कार्यस्थल नीति शुरू की थी। इस नीति का उद्देश्य कर्मचारियों और उनके परिवारों में एचआईवी संक्रमण का संचरण रोकना, संक्रमित कर्मचारियों के अधिकारों की सुरक्षा करना, उपलब्ध उपचार तक पहुंचाना एचआईवी/एड्स से जुड़े कलंक और जटिलता से उनके सम्मान तथा साम्यता की सुरक्षा करना और एचआईवी/एड्स संबंधी सूचना सेवाओं तक पहुंच के साथ सुरक्षित प्रवसन सुनिश्चित करना है। हम संस्थान में प्रस्तावित फिटनेस कार्यक्रमों के एक भाग के रूप में आवधिक रूप से तनाव प्रबंधन कार्यक्रम, योग्य कक्षाओं, स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न विषयों पर व्याख्यानों का भी आयोजन करते हैं। हमारे सभी नगर क्षेत्र अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए अस्पतालों और क्लीनिकों से सुसज्जित हैं। महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मुद्दों पर सूचना और सलाह का प्रसार करना निगमित चिकित्सा विभाग का मुख्य अधिदेश है। बीमारियों को रोकने, उनका पता लगाने और उपचार की जानकारी एवं उपाय

सुरक्षा सुग्राहीकरण कार्यशाला

शेयर करने के लिए इस संबंध में सभी स्थानों के गेल कर्मचारियों को मासिक ई-मेल भेजा जाता है।

हमारे प्रचालनों की सुरक्षा

हमारी अधिकांश परिसंपत्तियां राष्ट्रीय महत्व की हैं। अतः हमारी संस्थापनाओं और पाइपलाइनों की सुरक्षा का बहुत महत्व है। इन परिसंपत्तियों से संबंधित किसी घटना से सामाजिक, पर्यावरण और आर्थिक प्रभाव हो सकते हैं। चूंकि इन संस्थापनाओं और पाइप लाइनों को विरोध प्रदर्शन, तोड़ फोड़ और यहां तक कि आतंकवादी हमले की जोखिमों का सामना करना पड़ता है, हम प्रौद्योगिकी तथा मानवीय हस्तक्षेपों के माध्यम से इन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए भारी निवेश करते हैं। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), पुनर्स्थापना महानिदेशालय (डीजीआर), भूतपूर्व सैनिक विभाग, (रक्षा मंत्रालय), भारत सरकार के माध्यम से भर्ती कार्मिक और भूतपूर्व सैनिकों के साथ गेल की सुरक्षा टीम हमारी संस्थापनाओं और पाइपलाइनों की सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं। हमारे पास 4,300 कार्मिकों का सुरक्षा बल है जिसमें सीआईएसएफ, के 800 और डीजीआर के 3,500 कार्मिक शामिल हैं। सीआईएसएफ, जो सीधे गृह मंत्रालय के अधीन है, द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों पर संपूर्ण सेवा के दौरान औद्योगिक सुरक्षा सहित मानव अधिकारों और जेंडर संवेदनशीलता के सभी पक्षों का प्रशिक्षण देने की अपनी प्रक्रिया बनाई गई है। यद्यपि डीजीआर के सुरक्षा कार्मिक सेवा में प्रशिक्षित हैं, तथापि अपने कौशलों में सुधार लाने के लिए उन्हें निरंतर प्रशिक्षण दिया जाता है। इस वर्ष हमने 394 (वित्तीय वर्ष 2011 की पहली तिमाही), 408 (वित्तीय वर्ष 2011 की दूसरी तिमाही), 435 (वित्तीय वर्ष 2011 की तीसरी तिमाही) और 463 (वित्तीय वर्ष 2011 की चौथी तिमाही) सुरक्षा कार्मिकों को औद्योगिक सुरक्षा, आपातकालीन स्थिति, गश्त और सुरक्षा उपायों आदि के विभिन्न पक्षों पर प्रशिक्षण दिया। हम अपनी सभी संस्थापनाओं और पाइपलाइनों के तकनीकी और सुरक्षा मानकों के रखरखाव के लिए ओआईएसडी द्वारा बनाए गए मानकों का भी पालन करते हैं। आगे बढ़ते हुए हमारी योजना मानव अधिकारों के पक्षों पर विभिन्न लागू राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार मानकों के विभिन्न पक्षों के बारे में जागरूकता लाकर अपने सुरक्षा कार्मिकों के लिए व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने की है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हम मानव अधिकारों का आदर और पालन करते हैं, जाति, धर्म, नस्ल, वंश, लिंग, भाषा या रंग के आधार पर कोई भेद नहीं करते, किसी व्यक्ति की निजता में कोई विवादास्पद व्यवधान नहीं डालते, किसी अमानवीय या निम्न स्तरीय व्यवहार की रोकथाम करते हैं और बल या अग्निशस्त्रों के उपयोग में कठोर दिशानिर्देशों का पालन करते हैं।

कर्मचारियों में रक्षा एवं सुरक्षा संस्कृति का प्रसार करने के लिए हम सुरक्षा विषयों को शामिल करते हुए आंतरिक मासिक पत्रिका, 'रक्षक' का प्रकाशन करते हैं जिसका अन्य संस्थानों पर हमारे जैसा प्रभाव पड़ सके। इसके अतिरिक्त हम प्रत्येक वर्ष गेल में सभी कर्मचारियों के साथ सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का आयोजन करते हैं।

हमारा स्थायित्व निष्पादन

हमारा पर्यावरणीय निष्पादन

सामग्री की खपत				
		वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2010-11	वित्तीय वर्ष 2011-12
एनजी प्रसंस्कृत	एमएमएससीएम	14,601.13	14,849.11	15,119.53
उत्पाद बनाने के लिए एनजी का उपयोग	एमएमएससीएम	1,123.45	1,060.21	1,136.57
पाइपलाइन के लिए वापस एनजी भेजना	एमएमएससीएम	13,121.74	13,342.26	13,418.95
अन्य सामग्री	एमटी	8,862.85	10,399.56	9903.36
पैकेजिंग सामग्री	एमटी	2,128.00	2,112.00	2,249.00
ऊर्जा की खपत				
प्रत्यक्ष ऊर्जा	जीजे	37,435,788.89	38,266,388.21	38,998,299.32
अप्रत्यक्ष ऊर्जा	जीजे	971,397.52	1,039,694.31	1,166,517.48
अक्षय ऊर्जा	जीजे	546.36	31,749.65	49,568.61
एनजी/एलपीजी फ्लेयरिंग से ऊर्जा	जीजे	393,925.78	380,325.80	342,375.86
एनजी/एलपीजी वेंटिंग से ऊर्जा	जीजे	101,464.27	117,815.78	137,044.06
कुल ऊर्जा बचत	जीजे	-	672,231.73	1,174,889.03
उत्सर्जन				
कुल विस्तार 1 उत्सर्जन	टीसीओ2ई	2,561453.97	2,620,811.71	2,747,264.25
कुल विस्तार 2 उर्त्सजन	टीसीओ2ई	215,529.04	230,677.50	258,858.07
जल				
जल की खपत	एम^3	12819257.09	13812275.82	14077699.01
उत्पन्न अपशिष्ट जल	एम^3	1298864.40	1629378.27	2,255,184.53
इकाई से बाहर निकाला गया अपशिष्ट जल	एम^3	710,547	854,256.62	1,331,330.45
रिसाइकल किया गया जल	एम^3	562291.03	736895.45	868490.41
खतरनाक अपशिष्ट उत्पादन				
प्रयुक्त तेल/प्रयुक्त ल्यूब ऑयल/स्लोप ऑयल	लीटर	275,248.81	342,952.89	641360.27
प्रयुक्त बैटरी	संख्या	225.00	610.00	138.00
प्रयुक्त बैटरी	एमटी	8.97	2.94	10.18
बास्केट फिल्टर अपशिष्ट	एमटी	2.82	3.52	84.48
ईटीपी स्लज	एमटी	-	-	6.00
टार/टार एश	एमटी	3.35	34.70	12.47
ऑयली स्लज	एमटी	300.00	282.00	343.43
खाली ड्रम	संख्या	213.00	220.00	8,694.00
ई-अपशिष्ट	एमटी	35.20	45.19	312.25
जैव चिकित्सा अपशिष्ट	एमटी	0.15	0.23	0.21

जारी.....

गैर खतरनाक अपशिष्ट उत्पादन				
प्रयुक्त उपभोग्य सामग्रियां	एमटी	0.48	0.56	-
प्रयुक्त बैग फिल्टर	संख्या	1,090.00	869.00	982.00
खाली बैरल	संख्या	419.00	257.00	253.00
धातु स्क्रैप	एमटी	264.73	385.18	631.74
प्लास्टिक स्क्रैप	एमटी	15.78	17.18	46.80
लकड़ी स्क्रैप	एमटी	12.60	0.70	235.74
स्पेंट एल्युमिना	एमटी	1,168.51	1,221.73	1,151.70
सिलिका जेल	एमटी	24.01	45.51	45.01
सेलूलोज स्लज	एमटी	0.28	0.14	0.16
कैंटीन अपशिष्ट	एमटी	10.60	11.20	12.57
आण्विक छननी	एमटी	-	100.00	0.43
सिरेमिक सामग्री	संख्या	116.00	-	-
एल्युमिनियम स्क्रैप	एमटी	1.05	0.36	0.74
विविध अपशिष्ट	एमटी	-	13.81	24.88
वायु उत्सर्जन				
एसपीएम	टन/वर्ष	955.84	1,055.49	1,105.01
एनओएक्स	टन/वर्ष	1,002.29	886.82	814.35
सीओ	टन/वर्ष	0.02	0.04	0.03
एसओएक्स	टन/वर्ष	758.16	702.82	429.02
वीओसी	टन/वर्ष	0.02	0.01	0.01
ओडीएस गैस की खपत				
आर-22	किलो	2,204.50	2,393.30	2,298.94
कुल पर्यावरण संरक्षण निवेश और व्यय के प्रकार				
कारण बताओ नोटिस प्राप्त	संख्या	-	-	1.00
पर्यावरणीय जुर्माना	आई एन आर करोड़	-	-	-
पर्यावरणीय व्यय	आई एन आर करोड़	3.73	5.89	6.35

हमारा सामाजिक निष्पादन

कार्यबल ब्यौरा- ग्रेड				
		वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2010-11	वित्तीय वर्ष 2011-12
वरिष्ठ प्रबंधन	संख्या	164	192	208
मध्य प्रबंधन	संख्या	1,237	1,275	1,317
कनिष्ठ प्रबंधन	संख्या	1,291	1,429	1,502
गैर प्रबंधन श्रमिक	संख्या	1,002	973	911
कुल सुरक्षा कर्मचारी	मानव घंटे कार्य किया	6,033,619	6,031,595	5234020
अनुबंधित श्रमिक	मानव घंटे कार्य किया	10,135,904	10,952,133	19,636,958

जारी.....

कार्यबल ब्यौरा- लिंग				
पुरुष	संख्या	3,495	3,652	3,715
महिलाएं	संख्या	199	217	222
क्षयन दर				
पुरुष	प्रतिशत	0.69	0.49	0.69
महिलाएं	प्रतिशत	0.50	0.92	-
स्वास्थ्य और सुरक्षा समिति				
प्रबंधन प्रतिनिधि	संख्या	292	314	324
प्रबंधन प्रतिनिधि	संख्या	163	233	235
स्वास्थ्य और सुरक्षा -कर्मचारी				
बाल-बाल बचने वाले मामले	संख्या	160	169	148
मामूली चोटें	संख्या	5	2	-
रिपोर्ट करने योग्य चोट- पुरुष	संख्या	-	2	-
रिपोर्ट करने योग्य चोट- महिला	संख्या	-	-	-
रिपोर्ट करने योग्य चोट के कारण दिन की हानि- पुरुष	संख्या	-	115	
रिपोर्ट करने योग्य चोट के कारण दिन की हानि- महिला	संख्या	-	-	-
घातक परिणाम- पुरुष	संख्या	-	1	-
घातक परिणाम- महिला	संख्या	-	-	-
प्राथमिक चिकित्सा मामले	संख्या	8	20	17
कार्य के श्रम घंटे	मानव घंटे	6,280,243	6,355,332	6,147,211
एलटीआईएफआर (प्रति मिलियन श्रम कार्य घण्टे)		-	0.31	
गंभीरता की दर (प्रति मिलियन श्रम कार्य घण्टे)		-	18.10	-
मृत्यु दर (प्रति मिलियन मानव श्रम कार्य घण्टे)		-	0.16	-
स्वास्थ्य और सुरक्षा -संविदा श्रमिक				
बाल-बाल बचने वाले मामले	संख्या	170	182	209
मामूली चोटें	संख्या	12	28	3
रिपोर्ट करने योग्य चोट - पुरुष	संख्या	-	1	-
रिपोर्ट करने योग्य चोट - महिला	संख्या	-	-	-
रिपोर्ट करने योग्य चोट के कारण दिन की हानि- पुरुष	संख्या	-	-	-
रिपोर्ट करने योग्य चोट के कारण दिन की हानि- महिला	संख्या	-	-	-

जारी.....

घातक परिणाम – पुरुष	संख्या	1	2	-
घातक परिणाम – महिला	संख्या	-	-	-
प्राथमिक चिकित्सा मामले	संख्या	120	110	73
कार्य के श्रम घंटे	मानव घंटे	10,135,904	10,952,133	19,636,958
एलटीआईएफआर (प्रति मिलियन श्रम कार्य घण्टे)		-	0.05	-
गंभीरता की दर (प्रति मिलियन श्रम कार्य घण्टे)		-	-	-
मृत्यु दर (प्रति मिलियन श्रम कार्य घण्टे)		0.06	0.10	-
प्रशिक्षण				
प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष) – पुरुष	मानव घंटे	92,691.50	99,218.70	106,057.50
प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष) – महिला	मानव घंटे	3,960.00	5,974.00	5,445.00
कर्मकार (प्रत्यक्ष कर्मचारी) – पुरुष	मानव घंटे	47,102.10	48,595.75	28,966.00
कर्मकार (प्रत्यक्ष कर्मचारी) – महिला	मानव घंटे	1,656.00	1,392.00	1,520.00
संविदा श्रम– पुरुष	मानव घंटे	30,197.00	28,617.50	38,944.50
संविदा श्रम– महिला	मानव घंटे	5.00	-	-
सुरक्षा कर्मचारी – पुरुष	मानव घंटे	22,223.50	48,758.00	35,126.50
सुरक्षा कर्मचारी – महिला	मानव घंटे	20.00	12.00	44.00
हमारा आर्थिक निष्पादन				
आर्थिक मूल्य उत्पादित और वितरित				
राजस्व	करोड़	24,996.40	32,458.60	40,280.70
प्रचालन लागत	करोड़	20,889.10	27,654.40	35,373.40
कर्मचारी के वेतन और लाभ	करोड़	621.20	752.70	678.00
पूंजी के प्रदाताओं के लिए भुगतान	करोड़	951.40	951.40	1,103.60
सरकार को भुगतान	करोड़	3,840.10	4,442.50	5,561.60
सरकार की ओर से वित्तीय सहायता	करोड़	-	-	-
स्थानीय आपूर्तिकर्ता				
वस्तु और आपूर्ति की कुल खरीद	करोड़	6,286.00	4,667.00	8,229.83
स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं की वस्तुओं और आपूर्तियों की कुल खरीद	करोड़	3,999.00	4,046.00	6,843.29

एनवीजी – एसईई पर संचार

बाजार पूंजीकरण द्वारा भारत की सर्वोच्च 100 कंपनियों में से एक होने के नाते गेल द्वारा निगमित कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित व्यापार की सामाजिक, पर्यावरण संबंधी और आर्थिक जिम्मेदारियों पर राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशानिर्देशों (एनवीजी-एसईई) पर एक रिपोर्ट दी जानी है। एनवीजी- एसईई के तहत शामिल सभी व्यापार संबंधी जिम्मेदारियों के सिद्धांतों पर हमारी स्थायित्व रिपोर्ट के विभिन्न खंडों के तहत चर्चा की गई है, निम्नलिखित खंड में उन सिद्धांतों के प्रति हमारे संचार के संपर्कों को जोड़ता है।

	सिद्धांत	विवरण
सिद्धांत 1	व्यापार में नीति, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ प्रचालन और नियंत्रण।	हमारे एजेंडा में व्यापार में निष्पक्षता, नैतिकता और पारदर्शिता सर्वोच्च स्थान पर है। हमारे व्यापार की आचार संहिता में यह गहराई से निहित है और यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है कि निदेशक मंडल द्वारा इसका कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाता है। इस विचारधारा का पालन करते हुए हम 6 वर्ष पहले ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंटेग्रिटी पैक्ट पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। निदेशकों की अध्यक्षता में अनेक बोर्ड समितियों और उप समितियों, जैसे नीति शास्त्र समिति, शेयरधारक और स्टेकधारक शिकायत समिति का गठन नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही के मामलों पर विचार करने हेतु किया गया है।
सिद्धांत 2	व्यापार द्वारा ऐसी वस्तुओं और सेवाओं को प्रदान किया जाए जिनके जीवन चक्र में सुरक्षा दी जा सके और स्थिरता में योगदान दिया जा सके।	हमारे सभी गैस प्रसंस्करण और पेट्रो कैमिकल संयंत्र एवं एलपीजी पाइप लाइन प्रणालियों तथा प्राकृतिक गैस कम्प्रेसर स्टेशनों में आईएसओ 9001, आईएसओ 14001 और ओएचएसएएस 18001 प्रमाणित प्रचालन किया जाता है। हम संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूएम) मार्ग द्वारा इस दूर दृष्टि को प्राप्त करते हैं। इस प्रणाली से वाणिज्यिक तथा तकनीकी दृष्टि से व्यवहार्य समाधान सुनिश्चित होते हैं और पर्यावरण तथा सुरक्षा के संदर्भ में इनके उत्पादों के कार्यकाल चक्र प्रभावों से जुड़े किसी जोखिम के शमन की दिशा में योजनाओं की संकल्पना की जाती है। गेल प्राकृतिक गैस में अग्रणी है, जो पारंपरिक विकल्पों जैसे कोयला या कच्चे तेल की तुलना में स्वच्छतर ईंधन है। हम प्राकृतिक गैस की सुरक्षित हैंडलिंग पर जागरूकता बढ़ाने और आगे ले जाने का कार्य जारी रखते हैं। इसी के साथ हमने उपभोक्ताओं को प्लास्टिक के बारे में शिक्षित करने के लिए आईसीपीई के साथ गठबंधन किया है कि यदि जीवन के अंत में इसका प्रबंधन उचित रूप से किया जाए तो यह पर्यावरण अनुकूल उत्पाद हो सकता है।
सिद्धांत 3	व्यापार सभी कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ावा देने वाला हो।	सभी कर्मचारियों के कल्याण को समझने और उसे बढ़ावा देने के लिए अनेक नीतियों, प्रणालियों और प्रक्रियाओं का निष्पादन कर्मचारियों की संपूर्ण संभाव्यता का उपयोग करने के उपयुक्त अवसर देकर किया जाता है, इसी के साथ संचार और कार्रवाई में पारदर्शिता लाकर उनके हितों की रक्षा की जाती है। मानव संसाधन प्रबंधन द्वारा कुछ प्रतिभा प्रबंधन कार्यनीतियां बनाई गई हैं, जैसे भर्ती और प्रेरणा; प्रतिभा अधिग्रहण; प्रतिभा का विकास और अवधारण। कर्मचारियों की शिकायतों के निपटान के लिए कर्मचारी विकास से सभी अनिवार्य क्षेत्रों को लेकर एक व्यापक मानव संसाधन कार्यनीति बनाई गई है।

जारी.....

	सिद्धांत	विवरण
सिद्धांत 4	व्यापार को सभी हितधारकों का सम्मान करना चाहिए, और वह सभी के प्रति उत्तरदायी हो, खासकर वे लोग जो वंचित, कमजोर और उपेक्षित हैं।	गेल संयुक्त राष्ट्र वैश्विक प्रभाव (यूएनजीसी) सिद्धांतों का हस्ताक्षरी है और समाज के कमजोर वर्गों के लिए बेहतरी की दिशा में कार्य करने हेतु वचनबद्ध है। हम समाज के अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के विकास पर भारत सरकार के प्रयासों का समर्थन करते हैं। हमारे अधिकांश प्रचालन दूर दराज के क्षेत्रों में हैं, जहां आम तौर पर अनेक संसाधनों तक बहुत कम पहुंच होती है जिनसे दैनिक जीवन पर प्रभाव पड़ता है। हमारी सीएसआर पहुँच में समाज की इन अनेक महत्वपूर्ण चुनौतियों को समेकित और संबोधित किया गया है।
सिद्धांत 5	व्यापार को मानव अधिकारों का सम्मान करना और उन्हें बढ़ावा देना चाहिए।	गेल आईएलओ के सिद्धांतों तथा राष्ट्रीय विनियमों के अनुसार हमारे प्रचालनों एवं प्रभाव क्षेत्रों में मानव अधिकारों को सबसे अधिक प्राथमिकता देता है और उन्हें बनाए रखता है। मानव अधिकारों का संरक्षण हमारी आचार संहिता में शामिल है। नीति शास्त्र समिति और मानव संसाधन समिति जैसी अनेक समितियों द्वारा इसका अबाधित कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाता है। हमने अनेक प्रणालियों और कार्यक्रमों को अपनाया है, जैसे शिकायत निपटान और पालन न की जाने वाली बातों पर प्रबंधन का तत्काल ध्यान आकर्षित करने के लिए विसल ब्लोअर नीति तथा परिणामस्वरूप उपयुक्त कार्रवाई करना।
सिद्धांत 6	व्यापार को पर्यावरण को बहाल करने का प्रयास करना चाहिए और उसका सम्मान व रक्षा करनी चाहिए।	इस वर्ष हमने अपनी स्थायी विकास नीति प्रस्तुत की है जिसमें हमारे परिवेश के प्रति एक जिम्मेदार और संरक्षात्मक मार्ग को समेकित किया गया है। हम अपने प्रचालनों के परिणामस्वरूप होने वाली किसी पर्यावरण संबंधी घटना को न्यूनतम बनाने के लिए सचेत प्रयास करते हैं, प्राकृतिक परिवेश के संरक्षण/बहाली और पालन के परे जाकर पर्यावरण संबंधी मानकों का पालन करते हैं। इनके पर्यावरण मिशन में ऊर्जा, सामग्री और जल की खपत का अनुकूलन, मौसम परिवर्तन एवं वायु उत्सर्जन पर इनके प्रभावों का शमन, जैव विविधता के प्रति संवेदनशीलता सुनिश्चित करना और पर्यावरण की दृष्टि से मजबूत प्रचालनों का प्रबंधन करना शामिल है। हमारे सभी प्रचालन आईएसओ 14001 पर्यावरण प्रबंधन प्रणालियों के तहत प्रमाणित हैं। इसी के साथ हमने कुछ समुदाय कार्यक्रमों का विकास किया है, जो समुदायों द्वारा पानी के संरक्षण और अक्षय ऊर्जा को अपनाने पर बनाए गए हैं। इससे समुदाय एवं पर्यावरण को अधिक लाभ पहुंचाने के लिए हमारे ज्ञान आधार को बांटना सुनिश्चित होता है।

जारी.....

	सिद्धांत	विवरण
सिद्धांत 7	व्यापार, जब सार्वजनिक और विनियामक नीति को प्रभावित करने में संलग्न हो तब उसे जिम्मेदार ढंग से करना चाहिए।	हम अनेक वैश्विक कार्य सूचियों और प्रयासों के हस्ताक्षरी हैं जैसे ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंटेग्रिटी पैक्ट, संयुक्त राष्ट्र वैश्विक प्रभाव जो व्यापारों द्वारा स्थायित्व के सिद्धांतों को अपनाने का बढ़ावा देते हैं। हम तेल और गैस क्षेत्र की स्थायित्व रिपोर्ट के मानकों का पालन करते हैं जिसमें जीआरआई के तेल और गैस क्षेत्र पूरक तथा आईपीआईईसीए के दिशानिर्देश निहित है। एक लोक क्षेत्र उद्यम के तौर पर हम सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों पर अपने राष्ट्र एजेंडा को पूरा करने में योगदान देते हैं। हम पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, डीजीएच, पीएनजीआरबी, ओआईएसडी, पीसीआरए, पर्यावरण और वन मंत्रालय, पीपीएसी, पीसीबी और सीपीसीबी, पीईएसओ तथा उद्योग संघों जैसे फिक्की, सीआईआई, इंटरनेशनल गैस यूनियन, पेट्रोफैड, वर्ल्ड एनर्जी काउंसिल तथा टेरी के साथ ऊर्जा क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों पर कार्य करते हैं। हमने प्राकृतिक गैस परिवहन में धुआं युक्त उत्सर्जन की चुनौती पर कार्य करने के लिए ग्लोबल मिथेन इनीशिएटिव हेतु यूएस ईपीए के साथ संबंध बनाया है। इसके साथ हमारी योजना उद्योग संघों और विभिन्न मंत्रालयों के कार्य बलों के माध्यम से नीति विकास की दिशा में अपने योगदान जारी रखने की है।
सिद्धांत 8	व्यापार को समावेशी विकास और न्यायसंगत विकास का समर्थन करना चाहिए।	गेल के प्रचालन मूलभूत सुविधाओं और संसाधनों तक सीमित पहुंच के साथ दूर-दराज के स्थानों में चलाए जाते हैं। हमारा व्यापक सीएसआर मार्ग है जो समावेशी और साम्यतापूर्ण विकास तथा उक्त समुदायों के सशक्तिकरण पर आधारित है। हमारा फोकस सात प्रमुख क्षेत्रों की ओर है जिसमें समुदाय विकास, पेय जल और स्वच्छता, स्वास्थ्य, मूल संरचना, कौशल विकास, साक्षरता उन्नयन और पर्यावरण संरक्षण शामिल हैं। हमारे सभी सीएसआर कार्यान्वयन सर्वोच्च स्तर पर सीएसआर उप समिति द्वारा अभिशासित किए जाते हैं और इनमें हमारे कर पश्चात लाभ के दो प्रतिशत का निधिकरण किया जाता है।
सिद्धांत 9	व्यापार को ग्राहकों और उपभोक्ताओं के साथ संलग्न रहना चाहिए और उन्हें जिम्मेदार रूप से महत्व प्रदान करना चाहिए।	ग्राहक देखभाल और मूल्य सृजन अपनी व्यापार संकल्पना का एक अविभाज्य भाग है। यह हमारे स्थायी प्रयास का परिणाम है कि हमारे ग्राहकों की संतुष्टि में लगातार सुधार आया है। हमने आधुनिकतम ग्राहक प्रबंधन प्रणालियों की संकल्पना की है जिसमें ग्राहक सामग्री चुनौतियों को संबोधित किया जाता है। इस दिशा में हमारी गैस प्रबंधन प्रणालियां एक उदाहरण हैं। हम अपने शहरी गैस वितरण व्यापार के विस्तार से आम आदमी की जरूरतें पूरी करते हैं ताकि उन्हें लागत प्रभावी और स्वच्छ ऊर्जा स्रोत दिए जा सकें। हमने प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग के लाभ और इसकी सुरक्षित रिसाइकिलिंग के महत्व पर उपभोक्ताओं की जागरूकता बढ़ाने के लिए आईसीपीई के साथ भागीदारी की है।

Sustainable Solutions for the Environment

स्वतंत्र आश्वासन कथन

Sustainable Solutions for the Environment

गेल (इंडिया) लिमिटेड ने वर्ष 2011-12 के लिए अपनी निगमित स्थायित्व रिपोर्ट के स्वतंत्र आश्वासन को पूरा करने के लिए एमर्जेंट वेंचर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की है। आश्वासन प्रक्रिया एए 1000 एएस 2008) के अनुसार लागू की गई है। एए 1000 एएस (2008), तथा जीआरआई 2006 (जीआरआईजी3) में उल्लिखित अनुसार समग्रता, भौतिकता और उत्तरदायित्व के आश्वासन सिद्धांतों का मानदण्ड के अनुसार प्रयोग किया गया है जिसके आधार पर रिपोर्ट का मूल्यांकन किया जाएगा।

इस आश्वासन विवरण के वांछित प्रयोक्ता गेल की स्थायित्व विकास रिपोर्ट 2011-12 के पाठक हैं। गेल का प्रबंधन शेयरधारकों के साथ संपर्क बनाने, सामग्री मुद्दों की पहचान करने और रिपोर्ट में निहित सूचना को एकत्र और प्रस्तुत करने के लिए जिम्मेदार है। आश्वासन कार्यकलापों का निष्पादन करने के लिए ईवीआई की जिम्मेदारी और कंपनी की शर्तों के अनुसार केवल गेल के प्रबंधन तक ही सीमित है। इसलिए हम किसी तृतीय पक्षकार के निर्णयों, चाहे निवेश के हों या अन्यथा, को स्वीकार नहीं करते या मामले, जिन्हें इस आश्वासन विवरण के आधार पर बनाया गया हो। ईवीआई को इस आश्वासन विवरण को छोड़कर किसी विवरण या आंकड़ों को तैयार करने में शामिल नहीं किया गया था, इस प्रकार पूर्ण स्वतंत्रता और निष्पक्षता बरती गई है।

आश्वासन का कार्यक्षेत्र

ईवीआई को एए 1000 एएस (2008) में निर्धारित अनुसार आश्वासन माडरेट स्तर टाइप 2 उपलब्ध कराने के लिए नियुक्त किया गया है। इस आश्वासन के कार्यक्षेत्र में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. समग्रता, भौतिकता और उत्तरदायित्व के सिद्धांतों तथा ग्लोबल रिपोर्टिंग पहल जी3 दिशा-निर्देशों के सिद्धांतों का एए 1000 एपीएस (2008) के अनुपालन का मूल्यांकन करना।
2. अप्रैल, 2011 से मार्च, 2012 तक की अवधि के लिए विनिर्दिष्ट स्थायित्व निष्पादन सूचना की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करना।

हमारा दृष्टिकोण

आश्वासन विनियोजन नियोजित था और उसे दिसम्बर 2012-जनवरी 2013 में लागू किया गया था। प्रमाणित स्थायित्व आश्वासन प्रेक्टिशनर (सीएसएपी) के नेतृत्व में हमारे आश्वासन दल स्थायित्व और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में पुराना प्रदर्शन और अनुभव रखने वाले व्यावसायिक शामिल हैं। हमारे निष्कर्ष संगत सूचना की पहचान और एकत्र करने की प्रक्रियाओं और पद्धतियों की समीक्षा; रिपोर्ट की विषय-वस्तु और निष्पादन आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें शेयरधारक नियुक्ति की समीक्षा और गेल द्वारा अपनाई गई भौतिकता सुदृढ़ता प्रक्रिया की समीक्षा शामिल है। संगत दस्तावेज, प्रोसेस और प्रणाली के संबंध में हमारी टिप्पणियां तथा संबंधित विभागों के साथ बातचीत जिसमें विभिन्न स्टेकधारक शामिल हैं, समग्रता के सिद्धांतों, एएस 1000 एएस (2008) के अंतर्गत आश्वासन हेतु अपेक्षित भौतिकता और उत्तरदायित्व पर हमारे आश्वासन का आधार है।

हमने निम्नलिखित मुख्य उपाय किए हैं:

1. **कार्य स्थल दौरे:** ईवीआई दल ने गेल की प्रसुविधाओं के एक प्रतिनिधित्व सेट का दौरा किया है जिसमें चार गैस प्रोसेसिंग संयत्र (पाता, विजयपुर, वाघोडिया, गंधार), एक पेट्रोकेमिकल संयंत्र (पाता), दो गैस कंप्रेसर स्टेशन (वाघोडिया, विजयपुर) और एक एलपीजी पंपिंग स्टेशन शामिल है ताकि आंकड़ों और आंकड़ा मालिकों के साक्षात्कार कर स्रोतों का मूल्यांकन किया जा सके। हमने दिल्ली में निगमित कार्यालय और गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई), नोएडा का भी दौरा किया है।
2. **साक्षात्कार:** कार्य स्थलों पर डाटा मालिकों का साक्षात्कार लेने के अलावा, हमने स्टेकधारक नियुक्ति तथा गेल में भौतिकता निर्धारित करने की प्रक्रिया को समझने के लिए वरिष्ठ प्रबंधन के अनेक प्रतिनिधियों का भी साक्षात्कार लिया।
3. **आंकड़े सटीकता जांच:** रिपोर्ट में विभिन्न संकेतकों के अंतर्गत दर्शाई गई सूचना के आंकड़े एकत्र करने और उनका सूचना के स्रोत से मिलान करके सत्यापन किया गया था। हमने विभिन्न दस्तावेजों और स्रोतों के नमूनों जैसे आंतरिक एसएपी प्रणाली, बीजक, कार्य आदेशों, विनियामक निकायों को प्रस्तुत रिपोर्टों; उपयोगिता बिलों, अंतरविभागीय संचार आदि तथा ऑन-साइट निरीक्षण और टिप्पणियों पर विश्वास किया है। कुछ स्थलों में हमें कंपनी के आंतरिक दस्तावेज पर विश्वास करना पड़ा था। हमने नजरअंदाज के अवसर को न्यूनतम करने के लिए दो अलग-अलग स्रोतों से प्रति सत्यापन करने का प्रयास किया है।

रिपोर्ट के आर्थिक खण्ड में कंपनी का वित्तीय निष्पादन या उपलब्ध कराई गई सूचना को गेल की वेबसाइट (www.gailonline.com) पर उपलब्ध लेखा-परीक्षित वार्षिक रिपोर्ट से सीधे लिया गया था।

सीमाएं और अपवर्जन

1. आश्वासन का कार्यक्षेत्र रिपोर्ट में परिभाषित की गई सीमा है और 1 अप्रैल, 2011 से 31 मार्च, 2012 तक सीमित है।
2. आश्वासन सामग्रियों जैसे उपयोग सामग्री की मालसूची, अपशिष्ट पदार्थों से उत्पन्न उत्सर्जन और बहिःस्राव आदि की वास्तविक पुष्टि के अधीन नहीं है। आश्वासन कंपनी द्वारा तैयार किए गए अथवा किसी अन्य तीसरे पक्ष डाटा कंपनी को उपलब्ध कराए गए दस्तावेज पर निर्भर है।
3. आश्वासन के कार्यक्षेत्र में कंपनी की पद्धति, रणनीति, उद्देश्य, आशाओं, अपेक्षाओं अथवा विश्वासों अथवा इरादों की व्याख्या करने वाले रिपोर्ट के विवरण शामिल नहीं हैं।

Emergent Ventures India Pvt. Ltd., 5th Floor, Universal Trade Tower, Sec-49, Gurgaon, Haryana, 122 001
Phone: +91 124 6653100, Fax: +91 124 6653200, Email: contact@emergent-ventures.com
Website: www.emergent-ventures.com

Sustainable Solutions for the Environment

निष्कर्ष

अपनी समीक्षा के आधार पर हम निम्नलिखित निष्कर्षों पर पहुंचे हैं:

हमारी राय में, गेल की पहली स्थायित्व रिपोर्ट कंपनी द्वारा की गई स्थाई विकास पहलों का उपयुक्त प्रतिनिधित्व करती है। यह रिपोर्ट कंपनी की अधिकतर प्रसुविधाओं के निष्पादन आकड़े एकत्रित करने, अंतरराष्ट्रीय पेट्रोलियम उद्योग पर्यावरण संरक्षण संघ (आईपीआईईसीए) और अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट (एपीआई) की स्वैच्छिक स्थायित्व रिपोर्ट (2005) और जीआरआई जी-3 दिशा-निर्देशों के सिद्धांतों के अनुपालन की सूचना की रिपोर्ट देने संबंधी कंपनी के वास्तविक पहलुओं की पहचान करने में अच्छी भूमिका निभाती है।

एए 1000 एपीएस (2008) के अंतर्गत तीन सिद्धांतों के पालन पर हमारा निष्कर्ष निम्न प्रकार है:

समग्रता: हमें ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला जिससे यह निष्कर्ष निकलता कि गेल ने अपने स्टेकधारकों को नियुक्त करने में समग्रता के सिद्धांत को लागू नहीं किया है। विभिन्न विभाग बहु-कार्य चैनलों के जरिए अपने संगत स्टेकधारकों को नियमित रूप से नियुक्त करते हैं। तथापि, गेल अपनी स्थायित्व जागरूकता में सुधार करने के लिए अपने स्टेकधारकों के साथ वर्तमान संचार चैनलों में माड्यूलर से विशेष स्थायित्व को शामिल करने पर विचार कर सकता है।

भौतिकता: गेल ने भौतिकता सुदृढ़ता की ढांचागत प्रक्रिया अपनाई है। इस प्रक्रिया में कर्मचारियों के अलावा स्टेकधारकों के विचारों को भी शामिल करके सुधार किया जा सकता है। हमारे कार्यक्षेत्र और स्थल दौरों, बातचीत तथा टिप्पणियां, जैसे प्रयोजन के लिए शुरू किए गए कार्यकलापों के आधार पर हमें स्थायित्व निष्पादन का कोई सामग्रीगत पहलू नहीं मिला है जिसे रिपोर्ट में छोड़ा गया हो।

उत्तरदायित्व: हमारी टिप्पणियों, साक्षात्कारों और दस्तावेजों के आधार पर हम मानते हैं कि गेल ने अपने स्टेकधारकों के संबंध में उत्तरदायित्व के सिद्धांत का पर्याप्त रूप से पालन किया है। कार्य उपयुक्त विभागों को सौंपा गया है, जो संबंधित स्टेकधारकों को नियुक्त करते हैं, उनके विचार प्राप्त करते हैं और सामग्री मुद्दों की पहचान करते हैं तथा तत्पश्चात् इन मुद्दों का समाधान करने के लिए कार्य-योजना बनाते हैं। हमें ऐसा कोई सामग्रीगत साक्ष्य नहीं मिला है जिससे हमें यह विश्वास होता कि उत्तरदायित्व सिद्धांत का शेयरधारकों से निपटने में पर्याप्त रूप से पालन नहीं किया गया हो।

जीआरआई जी 3.1 दिशा-निर्देश (तेल एवं गैस खण्ड परिशिष्ट) : रिपोर्ट में सूचना और हमारे से प्राप्त निष्पक्ष आश्वासन के आधार पर हमने यह पाया है कि कंपनी जीआरआई जी 3 दिशा-निर्देशों द्वारा विनिर्दिष्ट अनुसार रिपोर्टिंग के ए+ स्तर की आवश्यकता को पूरा करती है।

टिप्पणियां और सिफारिशें

स्थायित्व रिपोर्ट पर हमारे समग्र निष्कर्षों को प्रभावित किए बिना हम रिपोर्ट की निम्नलिखित टिप्पणियों और सिफारिशों की ओर ध्यान दिलाना चाहेंगे:

- गेल ने अपने स्टेकधारक की नियुक्ति की प्रणाली का विस्तार किया है। जैसे -जैसे गेल अपनी स्थायित्व पहलों को परिपक्व करता जाता है, वैसे -वैसे रिपोर्ट में अधिक से अधिक बाह्य स्टेकधारकों के दृष्टिकोणों को समाहित करने की आवश्यकता होती जाती है
- गेल को आंकड़े संग्रहण करने और सूचना का प्रबंधन करने के लिए प्रणाली (प्रणालियों) को और सुदृढ़ बनाना चाहिए। रिपोर्ट की गई सूचना की विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए सामाजिक निष्पादन संकेतकों पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

कृते एमर्जेंट वेंचर्स इंडिया प्रा. लि.

AA1000 Licensed Assurance Provider

आशुतोष पांडेय
अध्यक्ष
एमर्जेंट वेंचर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
गुड़गांव, 15 जनवरी, 2013

Emergent Ventures India Pvt. Ltd., 5th Floor, Universal Trade Tower, Sec-49, Gurgaon, Haryana, 122 001
Phone: +91 124 6653100, Fax: +91 124 6653200, Email: contact@emergent-ventures.com
Website: www.emergent-ventures.com

शब्दावली

एआईईईई	अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा
एपीआई	अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट
एएसएमई	अमेरिकन सोसायटी ऑफ मेकेनिकल इंजीनियर्स
बीपीसीएल	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
बीओजी	बॉयल्ड ऑफ-गैस
बीसीपीएल	ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड
बीडी	व्यापार विकास
सीए	निगमित मामले
सीसी	निगमित संचार
सीएस	कार्बन स्टील
सीएसआई	ग्राहक संतुष्टि सूचकांक
सीपी	निगमित योजना
सीपीसीबी	केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
सीपीएसई	केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम
सीवीसी	केन्द्रीय सतर्कता आयोग
सीएमडी	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
सीएफसी	क्लोरो-फ्लोरो कार्बन्स
सीजीडी	शहर गैस वितरण
सीबीएम	कोल बेड मीथेन
सीआरजेड	तटीय विनियामक क्षेत्र
सीएजीआर	मिश्रित वार्षिक वृद्धि दर
सीएनजी	संपीड़ित प्राकृतिक गैस
सीआईआई	भारतीय उद्योग परिसंघ
सीएसआर	निगमित सामाजिक दायित्व
सीएसटी	कम्पनी सचिवालय
डीवीपीएल	दहेज-विजयपुर पाइपलाइन
डीजीएम	उप महाप्रबंधक
डीजीएच	हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय
डीआईएन	डच इंस्टीट्यूट फर नोरमंग
ईवीआई	एमरजेंट वेंचर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
ईपीए	पर्यावरणीय सुरक्षा एजेंसी

जारी.....

ईडी	कार्यपालक निदेशक
ईएंडपी	अन्वेषण और उत्पादन
एफआईसीसीआई	भारतीय वाणिज्य और उद्योग चैंबर्स परिसंघ
एफवाई	वित्तीय वर्ष
जीटीआई	गेल प्रशिक्षण संस्थान
जीपीयू	गैस प्रोसेसिंग इकाई
जीआरईपी	गैस पुनर्वास और विस्तार परियोजना
जीएम	महाप्रबंधक
जीजे	गीगा-जूल
जीआरआई	ग्लोबल रिपोर्टिंग पहल
जीएचजी	ग्रीन-हाउस गैस
जीएसपीसी	गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन
एचवीजे	हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर
एचएसई	स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण
एचएसईएमएस	स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली
एचआरएसजी	हीट रिकवरी स्टीम जनरेटर
एचडीपीई	उच्च घनत्व पॉली-ईथिलीन
एचआर	मानव संसाधन
एचआरडी	मानव संसाधन विकास
आईईएम	स्वतंत्र बाह्य मॉनीटर
आईआईटी-जेईई	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान - संयुक्त प्रवेश परीक्षा
आईएनआर	भारतीय राष्ट्रीय रुपया
आईएसटीडी	भारतीय प्रशिक्षण और विकास सोसायटी
आईएसआरओ	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
आईजीएल	इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड
आईटी	सूचना प्रौद्योगिकी
आईएलएफएस	इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनैंशियल सर्विसिज
आईएमएस	एकीकृत प्रबंधन प्रणाली
आईएसओ	अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन
आईपीआईईसीए	अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम उद्योग पर्यावरणीय संरक्षण एसोसिएशन
जेएलपीएल	जामनगर लोनी पाइपलाइन
जेएनएनएसएम	जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन
जेवी	संयुक्त उद्यम
केएम	किलोमीटर
केजी	कृष्णा-गोदावरी
एलपीजी	तरलीकृत पेट्रोलियम गैस
एलएचसी	तरल हाइड्रो कार्बन

जारी.....

एलएलडीपीई	लीनियर लो डेंसिटी पॉलीइथिलीन
एलपी	लो पॉलीमर
एमडीपी	प्रबंधन विकास कार्यक्रम
एमओयू	समझौता-ज्ञापन
एमटी	मीट्रिक टन
एमएमएससीएमडी	मिलियन मीट्रिक स्टैन्डर्ड क्यूबिक मीटर प्रतिदिन
एमओईएफ	पर्यावरण और वन मंत्रालय
एमओपीएंडएनजी	पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
एमओआरडी	ग्रामीण विकास मंत्रालय
एमएफओ	मिश्रित ईंधन तेल
एनसीआर	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
एनएच	राष्ट्रीय राजमार्ग
एनआईटी	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
एनजी	प्राकृतिक गैस
एनईएलपी	नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति
एनजीओ	गैर-सरकारी संगठन
एनओसी	अनापत्ति प्रमाण-पत्र
एनआरएल	नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड
ओएचएसएएस	ऑक्युपेश्नल हैल्थ एंड सेफ्टी एसैस्मैंट सीरीज
ओआईसी	प्रभारी अधिकारी
ओएनजीसी	ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन
ओआईएल	ऑयल इंडिया लिमिटेड
ओआईएसडी	तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय
ओएमसी	तेल विपणन कंपनियां
ओएंडएम	प्रचालन और रखरखाव
ओएफसी	ऑप्टिकल फाइबर केबल
ओबीसी	अन्य पिछड़े वर्ग
एनओएक्स	ऑक्साइड्स ऑफ नाइट्रोजन
एसओएक्स	ऑक्साइड्स ऑफ सल्फर
ओडीएस	ओजोन क्षरण पदार्थ
पीईएसओ	पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन
पीएनजीआरबी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड
पीसीआरए	पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन
पीपीएसी	पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ
पीएनजी	पाइप्ड नैचुरल गैस
पीसीबी	प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
पीयूसी	प्रदूषण नियंत्रणाधीन

जारी.....

पीएंडईआर	नीति एवं कर्मचारी सम्बन्ध
पीई	पॉलीइथिलीन
पीएटी	कर पश्चात लाभ
पीपीपी	सार्वजनिक निजी भागीदारी
आरजीआईपीटी	राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान
आरजीपीपीएल	रत्नगिरि गैस एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड
आरएलएनजी	पुनः गैसीकृत तरल प्राकृतिक गैस
आरएंडडी	अनुसंधान और विकास
आरओयू	उपयोग का अधिकार
आरटीआई	सूचना का अधिकार
एससी	अनुसूचित जातियां
एसटी	अनुसूचित जनजातियां
एसएमडीसी	वरिष्ठ प्रबंधन विकास केन्द्र
एसबीपी	स्पेशल बॉयलिंग पॉइंट
एसएच	राज्य राजमार्ग
एससीएडीए	सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डाटा एक्विजिशन
एसपीएम	सस्पेंडेड पार्टिकुलेट मैटर
एसडी	स्थायी विकास
एसजीएसवाई	स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना
टीआईएसएस	टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसिज
टीईआरआई	द एनर्जी एंड रिसोर्सिज इंस्टिट्यूट
टीएमटी	हजार मीट्रिक टन
टीसीओ2ई	टन्ज ऑफ कार्बन डाइऑक्साइड इक्विवलैन्ट
टीपीए	टन प्रति वर्ष
टीडीएस	टोटल डिजॉल्व्ड सॉलिड्ज
टीआई	ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल
टीबी	क्षयरोग
टीएपीआई	तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-इंडिया
यूएनजीसी	यूनाइटेड नेशंस ग्लोबल कॉम्पैक्ट
यूएस	यूनाइटेड स्टेट्स
यूएसडी	यूनाइटेड स्टेट्स डॉलर
यूपी	उत्तर प्रदेश
यूपीटीयू	उत्तर प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय
वीएचपी	अत्यधिक दबाव
वीएसपीएल	विजाग-सिकंदराबाद पाइपलाइन

जीआरआई विषयवस्तु सूचकांक और यूएनजीसी/आईपीआईईसीए संदर्भ

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
1.	**कार्यनीति और विश्लेषण**				
1.1	संगठन के वरिष्ठतम निर्णय निर्माता का वक्तव्य	पूरी तरह	▪ सीएमडी के संदेश के लिए पृष्ठ 7 देखें ▪ गेल स्थायी विकास आकांक्षाएं 2020 के तहत लक्ष्यों के लिए पृष्ठ 40 देखें		
1.2	प्रमुख प्रभावों, जोखिम और अवसरों के विवरण	पूरी तरह	▪ हमारे जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण के लिए पृष्ठ 25 देखें ▪ गेल हेतु सामग्री मुद्दों और चुनौतियों के लिए पृष्ठ 34 देखें ▪ हितधारकों पर प्रभाव आकलन की जानकारी हम कैसे प्राप्त करें, इसके लिए पृष्ठ 25 देखें		
2.	**संगठनात्मक प्रोफाइल**				
2.1	संगठन का नाम	पूरी तरह	▪ अग्रणी आवरण		
2.2	प्राथमिक ब्रांड, उत्पाद, और / या सेवाएं	पूरी तरह	▪ हमारे व्यापार, उत्पाद और सेवाओं के लिए कृपया पृष्ठ 16-17 पर देखें		
2.3	प्रमुख प्रभागों, ऑपरेटिंग कंपनियों, सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यम सहित संगठनों की प्रचालन संरचना	पूरी तरह	▪ हमारे व्यापार, उत्पाद और सेवाओं के लिए कृपया पृष्ठ 16-17 पर देखें ▪ वार्षिक रिपोर्ट 2011-12 का पृष्ठ 17, 18, 19 पर देखें		
2.4	संगठन के मुख्यालयों का स्थान	पूरी तरह	▪ पिछला आवरण		
2.5	देशों की संख्या, जहां संगठन प्रचालनरत है और उन देशों के नाम जहां या तो प्रमुख प्रचालन है या इस रिपोर्ट में शामिल स्थायित्व के मुद्दों के लिए विशेष रूप से संगत हैं।	पूरी तरह	▪ भारत में आधारित गेल पूर्ण नियंत्रण (100 प्रतिशत स्वामित्व) के तहत सभी प्रमुख प्रचालन। कृपया पृष्ठ 11 पर हमारे व्यापार, उत्पाद और सेवाओं के खंड की अतिरिक्त जानकारी के लिए देखें और वार्षिक रिपोर्ट 2011-12 के पृष्ठ 17, 18, 19 पर देखें। ▪ इस रिपोर्ट के बारे में पृष्ठ 2 पर खंड भी देख सकते हैं।		
2.6	स्वामित्व और कानूनी रूप का स्वरूप	पूरी तरह	▪ गेल केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है जो एलएसई पर बीएसई, एनएसई और जीडीआर में सूचीबद्ध है		
2.7	बाजार सेवा (भौगोलिक ब्रेकडाउन, सेवा, क्षेत्र और ग्राहकों/लाभार्थियों के प्रकार सहित)	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 16-17 पर हमारे व्यापार, उत्पाद और सेवाओं का खंड देखें ▪ वार्षिक रिपोर्ट 2011-12 के पृष्ठ 17, 18, 19 पर देखें		

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
2.8	संगठन रिपोर्ट के पैमाने	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 16-17 पर हमारे व्यापार, उत्पाद और सेवाओं का खंड देखें		
2.9	रिपोर्टिंग अवधि के दौरान आकार, संरचना, या स्वामित्व के बारे में महत्वपूर्ण परिवर्तन	पूरी तरह	▪ कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं किया गया। पृष्ठ 2 परिवर्तन में रिपोर्ट के विस्तार पर रिपोर्ट के खंड में देखें		
2.10	रिपोर्टिंग अवधि में प्राप्त पुरस्कार	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 20 पर पुरस्कार और सम्मान के अध्याय देखें		
3.	**रिपोर्ट मापदण्ड**				
3.1	सूचना प्रदान करने के लिए रिपोर्टिंग अवधि (उदाहरण के लिए राजकोषीय/कैलेण्डर वर्ष)	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 2 पर इस रिपोर्ट के बारे में खंड देखें।		
3.2	हाल में दी गई पिछली रिपोर्ट की तिथि (यदि कोई हो)	पूरी तरह	▪ यह गेल की दूसरी स्थिरता रिपोर्ट है; 29 फरवरी 2012 को पहली रिपोर्ट जारी की गई		
3.3	रिपोर्टिंग चक्र (वार्षिक, द्विवार्षिक आदि)	पूरी तरह	▪ वार्षिक		
3.4	रिपोर्ट या इसकी सामग्री के बारे में प्रश्नों के लिए संपर्क बिन्दु	पूरी तरह	▪ सभी प्रश्नों के लिए ई-मेल किया जा सकता है: श्री सांतनु रॉय (sroy@gail.co.in) और/या श्री के के चटीवाल (kk.chatiwal@gail.co.in)		
3.5	रिपोर्ट सामग्री को परिभाषित करने के लिए प्रक्रिया	पूरी तरह	▪ रिपोर्ट की सामग्री हमारे पणधारी संलग्नता के आधार पर और सामग्री मामलों के चयन द्वारा परिभाषित की गई है। हमने गेल के सभी प्रमुख पणधारी समूहों को संलग्न किया है। ▪ पृष्ठ 5 पर भविष्य को आकार देना खंड देखें ▪ पृष्ठ 28 पर स्टेकधारकों के साथ संलग्नता का खंड देखें ▪ पृष्ठ 34 पर सामग्री मुद्दों का निर्धारण का खंड देखें		
3.6	रिपोर्ट की सीमा (उदाहरण के लिए देश, प्रभाग, सहायक सहायक कंपनियां, पट्टे पर सुविधाएं, संयुक्त उपक्रम, आपूर्तिकर्ता)। अतिरिक्त मार्गदर्शन के लिए जीआरआई बाउंडरी प्रोटोकॉल देखें।	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 2 पर इस रिपोर्ट के बारे में खंड देखें		
3.7	रिपोर्ट के विस्तार या सीमा पर कोई विशिष्ट सीमा बताएं (विस्तार की व्याख्या के लिए पूर्णता के सिद्धांत देखें)	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 2 पर इस रिपोर्ट के बारे में खंड देखें		

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
3.8	संयुक्त उपक्रम, सहायक कंपनियों, पट्टे पर सुविधाओं, आउटसोर्स प्रचालन और अन्य संस्थाओं की अवधि से अवधि तक और/या संगठनों के बीच तुलनीयता को प्रभावित करने पर रिपोर्टिंग करने का आधार	पूरी तरह	▪ गेल केवल अपने 100 प्रतिशत नियंत्रणाधीन प्रचालनों पर रिपोर्ट करता है ▪ पृष्ठ 2 पर इस रिपोर्ट के बारे में खंड देखें		
3.9	डेटा मापन तकनीक और गणनाओं के आधार सहित सूचकांकों के संकलन पर लागू अनुमानों में निहित तकनीकें तथा रिपोर्ट में अन्य जानकारी। जीआरआई सूचकांक पोर्टलों से लागू न करने या पर्याप्त विचालन के निर्णय समझाएं।	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 2 पर इस रिपोर्ट के बारे में खंड देखें		
3.10	पिछली रिपोर्ट में दी गई जानकारी के किसी पुनः वक्तव्य की व्याख्या और इस पुनः वक्तव्य के कारण (उदाहरण के लिए विलीन करना/ अधिग्रहण, आधार वर्ष में बदलाव/अवधि, व्यापार का प्रकार, मापन विधि)	पूरी तरह	▪ डेटा प्रबंधन प्रणाली में सुधार के लिए रिपोर्ट में प्रस्तुत डेटा में कुछ बदलाव किए गए हैं। जहां भी ये संगत है इन्हें पूरी रिपोर्ट में फुटनोट के रूप में हाइलाइट किया गया है।		
3.11	रिपोर्ट के विस्तार, सीमा या लागू मापन विधियों में पिछली रिपोर्ट अवधियों से उल्लेखनीय बदलाव	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 2 पर इस रिपोर्ट के बारे में खंड देखें		
3.12	रिपोर्ट में मानक प्रकटीकरण के स्थान की पहचान की तालिका	पूरी तरह	▪ जीआरआई सामग्री सूचकांक देखें		
3.13	रिपोर्ट के लिए बाहरी आश्वासन पाने के विषय में नीति और वर्तमान प्रथा	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 2 पर इस रिपोर्ट के बारे में खंड देखें ▪ पृष्ठ 89 पर स्वतंत्र आश्वासन कथन देखें		
4.	**नियंत्रण, प्रतिबद्धताएं और संलग्नता**				
4.1	कार्यनीति या संगठनात्मक निरीक्षण की स्थापना जैसे विशिष्ट कार्यों के लिए उच्चतम उत्तरदायी नियंत्रण निकाय के तहत समितियों के साथ संगठन की नियंत्रण संरचना	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 21 पर निगमित नियंत्रण का खंड देखें		
4.2	बताएं कि उच्चतम नियंत्रण निकाय की अध्यक्षता करने वाले कार्यकारी अधिकारी भी है	पूरी तरह	▪ हमारे अध्यक्ष कार्यकारी अधिकारी भी हैं		

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
4.3	जिन संगठनों में यूनिटरी बोर्ड संरचना है, उनके लिए, उच्चतम नियंत्रण निकाय के सदस्यों की संख्या और लिंग, जो स्वतंत्र और/या गैर-कार्यकारी सदस्य हैं, बतायें	पूरी तरह	▪ 'हमारी वार्षिक रिपोर्ट' 2011-12 का पृष्ठ 36 देखें		
4.4	उच्चतम नियंत्रण निकाय को सिफारिशें या दिशा-निर्देश प्रदान करने हेतु शेयरधारकों और कर्मचारियों के लिए तंत्र	पूरी तरह	▪ सिफारिशें निदेशक मंडल के तहत शेयरधारक और स्टेकधारक शिकायत समिति को दी जा सकती हैं। ▪ अतिरिक्त सलंग्नता प्रक्रिया पर जानकारी के लिए पृष्ठ 41 पर निवेशकः संपत्ति सृजन और पृष्ठ 73 पर कर्मचारीः बदलाव के अभिकारक का खंड देखें।		
4.5	उच्चतम नियंत्रण निकाय के सदस्यों, वरिष्ठ प्रबंधकों और कार्यपालकों (प्रस्थान व्यवस्थाओं सहित), और संगठन के निष्पादन (सामाजिक और पर्यावरण संबंधी निष्पादन सहित) के लिए मुआवजे के बीच सह-संबंध	पूरी तरह	▪ पूर्णकालिक निदेशकों की परिलब्धि का निर्धारण भारत के राष्ट्रपति द्वारा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से किया जाता है। प्रतिफल में निष्पादन से जुड़ा प्रोत्साहन शामिल है जो भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के तहत परिभाषित निष्पादन मानदंडों पर आधारित हैं।		
4.6	हितों के विवाद टालने का सुनिश्चय करने के लिए उच्चतम शासी निकाय के लिए प्रक्रियाएं	पूरी तरह	▪ कॉर्पोरेट नियंत्रण खंड पर नैतिकता और पारदर्शिता के उप खंड पृष्ठ 25 पर देखें		
4.7	उच्चतम नियंत्रण निकाय और इसकी समितियों सहित जेंडर और विविधता के अन्य सूचकांकों के लिए संरचना, योग्यता और विशेषज्ञता निर्धारण की प्रक्रिया	पूरी तरह	▪ पूर्णकालिक निदेशकों का चयन लोक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) द्वारा किया जाता है और नियुक्ति पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) द्वारा की जाती है। अंशकालिक सरकारी मनोनीत निदेशकों की नियुक्ति एमओपीएनजी द्वारा की जाती है। स्वतंत्र निदेशक, जो स्टेकधारकों के हित का प्रतिनिधित्व करते हैं, उनका चयन खोज समिति द्वारा किया जाता है और नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा एमओपीएनजी के माध्यम से की जाती है।		
4.8	मिशन या मूल्यों, आचार संहिताओं, और आर्थिक, पर्यावरण संबंधी तथा सामाजिक निष्पादन के संगत सिद्धांतों व उनके कार्यान्वयन की स्थिति के आंतरिक रूप से विकसित वक्तव्य	पूरी तरह	▪ गेल की संकल्पना और मिशन वार्षिक रिपोर्ट में तथा स्थायित्व नीति इस रिपोर्ट के पृष्ठ 6 पर में देखें		

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
4.9	उच्चतम शासी निकाय द्वारा संगठन की पहचान और आर्थिक, पर्यावरण तथा सामाजिक निष्पादन सहित संगत जोखिम और अवसरों के निरीक्षण की प्रक्रिया और अंतरराष्ट्रीय रूप से सहमत मानकों, आचार संहिता और सिद्धांतों का पालन या इन पर कायम रहना	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 21 पर निगमित नियंत्रण खंड देखें		
4.10	उच्चतम नियंत्रण निकाय के निष्पादन के मूल्यांकन की प्रक्रिया, खास तौर पर आर्थिक, पर्यावरण तथा सामाजिक निष्पादन सहित।	पूरी तरह	▪ वार्षिक रिपोर्ट 2012 का पृष्ठ 38 देखें		
4.11	यह व्याख्या करना कि संगठन द्वारा सावधानी के मार्ग या सिद्धांत को किस प्रकार अपनाया जाता है।	पूरी तरह	▪ सावधानी का मार्ग उपयोग करना हमारी जोखिम प्रबंधन रूपरेखा में अंतर निहित है। कृपया निगमित नियंत्रण के तहत जोखिम प्रबंधन देखें		
4.12	बाहरी तौर पर विकसित आर्थिक, पर्यावरण तथा सामाजिक अधिकार पत्र, सिद्धांत या अन्य प्रयास, संगठन जिनका पृष्ठांकन या अंशदान करता है।	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 2 पर इस रिपोर्ट के बारे में खंड देखें		
4.13	संघ की सदस्यता (जैसे उद्योग संघ) और/या राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय समर्थन संगठन जिसमें शासी निकाय के पद, परियोजना या समितियों में भागीदारी, नियमित सदस्यता देय राशि के अलावा पर्याप्त निधि या सदस्यता को सामरिक रूप से देखना	पूरी तरह	▪ कृपया पृष्ठ 86 पर एनवीजीः एसईई पर संचार का सिद्धांत 7 देखें		
4.14	संगठनों द्वारा संलग्न किये गए स्टेकधारी समूहों की सूची	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 28 पर 'हमारे स्टेकधारी के साथ संलग्नता' खंड देखें		
4.15	उन स्टेकधारियों की पहचान और चयन का आधार जिनके साथ संलग्न होना है।	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 28 पर 'हमारे स्टेकधारी के साथ संलग्नता' खंड देख		
4.16	टाइप तथा स्टेकधारी समूह द्वारा संलग्नता की आवृत्ति सहित स्टेकधारियों की संलग्नता का दृष्टिकोण समझना	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 28 पर 'हमारे स्टेकधारी के साथ संलग्नता' खंड देख		

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
4.17	ऐसे प्रमुख विषय तथा सरोकार जो स्टेकधारी संलग्नता के माध्यम से उठाए गए हैं और उन प्रमुख विषयों व सरोकारों पर संगठन द्वारा कैसी प्रतिक्रिया दिखाई गयी है।	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 34 पर सामग्री मुद्दों का निर्धारण खंड देखें		
प्रबंधन दृष्टिकोण पर प्रकटीकरण – ईसी					
	आर्थिक निष्पादन	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 41 पर निवेशकः संपत्ति सृजन खंड देखें ▪ वार्षिक रिपोर्ट पर प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण के लिए पृष्ठ 26 देखें		
	स्थानीय सामग्री सहित बाजार में मौजूदगी	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 42 पर व्यापार वृद्धि और प्राकृतिक गैस की सोर्सिंग पर उप खंड के निवेशक खंड देखें ▪ पृष्ठ 35 पर गैस-सोर्सिंग और व्यापार में वृद्धि-इन सामग्री मुद्दों पर प्रतिक्रिया देखें		
	अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 42 पर अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभावों पर उप खंड में निवेशक खंड देखें		
	भंडार	पूरी तरह	▪ लागू नहीं		
प्रबंधन दृष्टिकोण पर प्रकटीकरण – ईएन					
		पूरी तरह	▪ पृष्ठ 35 और 42 पर गैस सोर्सिंग का खंड देखें		एसई5
	ऊर्जा	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 43 पर प्रचालनात्मक उत्कृष्टता की उपलब्धि खंड और पृष्ठ 40 पर स्थायी विकास आकांक्षाएं 2020 खंड देखें	सिद्धांत 7, सिद्धांत 9,	ई2, ई3
	पानी	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 61 पर 'जल संसाधनों का प्रबंधन' देखें	सिद्धांत 7, सिद्धांत 8, सिद्धांत 9,	ई6, ई9
	जैव विविधता सहित पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 60 पर समुदाय खंड के तहत 'जैव विविधता पर हमारे प्रभाव का प्रबंधन' देखें	सिद्धांत 8,	ई5
	उत्सर्जन, अपशिष्ट और कचरा	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 62 पर 'उत्सर्जन और अपशिष्ट संबंधी उप खंड' देखें	सिद्धांत 7, सिद्धांत 8,	ई1, ई7, ई10
	उत्पाद और सेवाएं	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 67 पर 'उत्पाद दायित्व' का खंड देखें		एचएस4
	अनुपालन	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 47 पर पणधारी/निवेशक खंड के तहत 'विनियामक अपेक्षाओं का अनुपालन' देखें	सिद्धांत 10,	एसई14

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
	परिवहन	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 70 पर 'आपूर्तिकर्ताः भागीदारी निर्माण' खंड देखें		
	समग्र	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन के अन्तर्गत' हमारा पर्यावरणीय निष्पादन देखें ▪ पृष्ठ 43 पर 'स्वच्छ ऊर्जा में विविधीकरण' खंड देखें		
प्रबंधन दृष्टिकोण पर प्रकटीकरण - एलए					
	रोजगार	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 73 पर 'कर्मचारीः बदलाव के अभिकारक' खंड और पृष्ठ 37 पर 'कुशल जनशक्ति की उपलब्धता' देखें	सिद्धांत 1,	एसई6, एस16, एसई17
	श्रम/प्रबंधन संबंध	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 77 पर 'मानवाधिकार' खंड देखें	सिद्धांत 4, सिद्धांत 5,	एसई8, एसई9, एसई10
	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 78 पर 'हमारे प्रचालनों में स्वास्थ्य और सुरक्षा' का खंड देखें		एचएस1, एचएस2, एचएस3, एचएस5
	प्रशिक्षण और शिक्षा	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 75 पर 'कर्मचारी शिक्षण और विकास' का खंड देखें		एचएस1, एसई16, एसई17
	विविधता और समान अवसर	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 77 पर 'मानवाधिकार' का खंड देखें	सिद्धांत 6,	एसई15, एसई18
	महिलाओं और पुरुषों के लिए समान पारिश्रमिक	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 77 पर 'मानवाधिकार' का खंड देखें ▪ पृष्ठ 77 पर 'कर्मचारी को रोके रखने की कार्यनीति' खंड देखें	सिद्धांत 1,	एसई8, एसई9, एसई10, एसई15
प्रबंधन दृष्टिकोण पर प्रकटीकरण –मानव संसाधन					
	निवेश और प्रापण प्रथाएं	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 15 पर 'व्यावसायिक रूपरेखा' खंड देखें, पृष्ठ 35 पर 'व्यापार में वृद्धि' और 'गैस सोर्सिंग' खंड के तहत सामग्री के मामले देखें ▪ पृष्ठ 41 पर 'निवेशकः संपत्ति सृजन' खंड देखें	सिद्धांत 10,	एचएस4, एसई4, एसई7, एसई9, एसई11, एसई12
	गैर भेदभाव	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 77 पर 'मानवाधिकार' का खंड देखें	सिद्धांत 1, सिद्धांत 2,	एसई2, एसई7, एसई9, एसई15
	साहचर्य की स्वतंत्रता और सामूहिक मोलभाव	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 77 पर 'मानवाधिकार' का खंड देखें	सिद्धांत 3,	एसई1, एसई2, एसई5, एसई16
	बाल श्रम	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 77 पर 'मानवाधिकार' का खंड देखें	सिद्धांत 5,	एसई9, एसई10
	बलपूर्वक और अनिवार्य श्रम की रोकथाम	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 77 पर 'मानवाधिकार' का खंड देखें	सिद्धांत 4,	एसई9, एसई10
	सुरक्षा प्रथाएं	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 78 पर 'हमारे प्रचालनों में स्वास्थ्य और सुरक्षा' का खंड देखें	सिद्धांत 1,	एचएस2, एसई10

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
	स्वदेशी अधिकार	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 50 पर 'समुदाय विकास' का खंड देखें		एसई2, एसई8
	आकलन	पूरी तरह	▪ 'आपूर्तिकर्ता, कर्मचारी और समुदाय खंड देखें		एसई8
	उपचार	पूरी तरह	▪ 'आपूर्तिकर्ता, कर्मचारी और समुदाय खंड देखें		एसई।8
प्रबंधन दृष्टिकोण पर प्रकटीकरण -एसओ					
	स्थानीय समुदाय	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 50 पर 'समुदाय विकास' का खंड देखें		एसई।, एसई4, एसई5
	भ्रष्टाचार	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 25 पर 'नैतिकता और पारदर्शिता' का खंड देखें ▪ पृष्ठ 7। पर 'आपूर्तिकर्ता प्रबंधन और व्यस्तता प्रणाली' खंड देखें ▪ पृष्ठ 42 पर 'निवेशक प्रबंधन और संलग्नता' खंड देखें	सिद्धांत 10,	एसई।1, एसई।2, एसई।3
	लोक नीति	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 86 पर 'एनवीजी-एसईई पर संचार' का खंड देखें		एसई।4
	प्रतिस्पर्द्धा विरोधी व्यवहार	पूरी तरह	▪ हम प्रतिस्पर्द्धा विरोधी व्यवहार को रोकने के लिए सभी राष्ट्रीय विनियमों का पालन करते हैं।	सिद्धांत 10,	एसई।1, एसई।4
	अनुपालन	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 25 पर 'नैतिकतृ और पारदर्शिता' का खंड देखें ▪ पृष्ठ 47 पर 'विनियामक अपेक्षाओं का अनुपालन' देखें		एसई।1
	आपातकालीन तैयारियां	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 78 पर 'हमारे प्रचालनों में स्वास्थ्य और सुरक्षा' का खंड देखें		
	अस्वैच्छिक पुनर्वास	पूरी तरह	▪ हम पुनर्स्थापना और पुनर्वास पर सभी राष्ट्रीय विनियमों का पालन करते हैं, तथापि हमारे किसी प्रचालन से इस वर्ष कोई पुनर्स्थापना और पुनर्वास नहीं हुए		एसई।
	परिसंपत्ति समग्रता और प्रक्रिया सुरक्षा	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 78 पर 'हमारे प्रचालनों में स्वास्थ्य और सुरक्षा' का खंड देखें		एचएस4, एचएस5
प्रबंधन दृष्टिकोण पर प्रकटीकरण - पीआर					
	ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 36 पर 'ग्राहक संतुष्टि' का खंड देखें ▪ पृष्ठ 65 पर 'ग्राहक प्रबंधन और व्यस्तता' का खंड देखें		एचएस4

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
	उत्पाद और सेवा लेबलिंग	पूरी तरह	▪ लागू नहीं		एचएस4
	विपणन संचार	पूरी तरह	▪ लागू नहीं		
	ग्राहक की गोपनीयता	पूरी तरह	▪ लागू नहीं		
	अनुपालन	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 25 पर 'नैतिकता और पारदर्शिता' का खंड देखें ▪ 'विनियामक अपेक्षाओं का अनुपालन' के लिए पृष्ठ 47 देखें	सिद्धांत 10,	एसई11, एसई14
	जीवाश्म ईंधनों के विकल्प	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 35 पर 'व्यापार में वृद्धि' का खंड देखें ▪ पृष्ठ 43 पर 'स्वच्छ ऊर्जा में विविधीकरण' का खंड देखें।	सिद्धांत 8, सिद्धांत 9,	ई3
निष्पादन संकेतक - आर्थिक					
ईसी1	राजस्व, प्रचालन लागतें, कर्मचारी मुआवजा, दान और अन्य समुदाय निवेश, और पूंजी प्रदाताओं तथा सरकारों को भुगतान सहित प्रत्यक्ष आर्थिक मूल्य उत्पादित व वितरित	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		
ईसी2	मौसम में बदलाव के कारण संगठन की गतिविधियों के लिए वित्तीय निहितार्थ और अन्य जोखिम तथा अवसर	पूरी तरह	▪ गेल ने एसडी आकांक्षा 2020 के तहत मौसम बदलाव पर विशिष्ट लक्ष्य बनाए हैं, हम आने वाले वर्षों में मौसम बदलाव के शमन के लिए अपनी परियोजनाएं हाथ में लेने हेतु वित्तीय निहितार्थों और परिव्ययों की निगरानी करेंगे।		
ईसी3	संगठन की परिभाषित लाभ योजना दायित्वों का कवरेज	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 77 पर 'कर्मचारी को रोके रखने की कार्यनीति' का खंड देखें		
ईसी4	सरकार से प्राप्त उल्लेखनीय वित्तीय सहायता	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		एसई13
ईसी5	प्रचालन के महत्वपूर्ण स्थानों पर जेंडर की तुलना में स्थानीय न्यूनतम पारिश्रमिक के साथ मानक प्रवेश स्तर के अनुपातों की रेंज	पूरी तरह	▪ हमारे द्वारा दिया जा रहा न्यूनतम वेतन हमारे कार्य-प्रचालन के दौरान विनियमन के अनुसार अनुशंसित मानक प्रवेश स्तर वेतन से अधिक है		

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
ईसी6	प्रचालन के उल्लेखनीय स्थानों पर नीति, प्रथाएं और स्थानीय आधारित आपूर्तिकारों पर व्यय का अनुपात	पूरी तरह	▪ हम स्थानीय को भारतीय उप महाद्वीप के रूप में परिभाषित करते हैं। व्यय पर विवरणों के लिए तालिका में पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' देखें। यद्यपि हमारे पास स्थानीय विक्रेताओं के पोषण/ समर्थन के लिए कोई विशिष्ट नीति नहीं है, जहां भी संभव होता है वहां सभी मानदंडों को समान मानते हुए हम स्थानीय विक्रेताओं को प्राथमिकता देते हैं। साथ ही, अधिकांश संविदाएं/कैंटीन संविदाएं/टाउनशिप सुविधाएं स्थानीय विक्रेताओं को आउटसोर्स कर दी गई हैं।		एसई4, एसई7
ईसी7	प्रचालन के उल्लेखनीय स्थानों पर स्थानीय समुदाय से लिए गए वरिष्ठ प्रबंधन का अनुपात और स्थानीय रूप से चयन की प्रक्रिया	पूरी तरह	▪ कार्यपालक/अधिकारी भर्ती केवल अखिल भारतीय आधार पर की जाती है, स्थानीय स्तर पर नहीं, साथ ही पृष्ठ 74 पर 'प्रतिभा विकास' का खंड भी देखें।		एसई6
ईसी8	संरचना निवेश और प्रदान की गई सेवाओं का विकास तथा प्रभाव जो वाणिज्यिक माध्यम से वस्तु या प्रोबोनो नियुक्ति के माध्यम से सार्वजनिक लाभ के लिए हैं	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 55 पर 'अवसंरचना' का खंड देखें		एसई4
ईसी9	प्रभावों की सीमा सहित महत्वपूर्ण और अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभावों को समझना और विवरण देना	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 48 पर 'समुदायः सामाजिक पूंजी का पोषण' का खंड' और पृष्ठ 41 पर 'निवेशकः संपत्ति सृजन' का खंड देखें		एसई4
ओजी1	अनुमानित प्रमाणित भंडारों और उत्पादन के परिमाण व प्रकार	पूरी तरह	▪ लागू नहीं		
निष्पादन संकेतक - पर्यावरणीय					
ईएन1	वजन या मात्रा द्वारा प्रयुक्त सामग्रियाँ	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		एसई5
ईएन2	पुनर्चक्रित इनपुट प्रयुक्त सामग्रियों का प्रतिशत	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		
ईएन3	प्राथमिक ऊर्जा स्रोत द्वारा प्रत्यक्ष ऊर्जा की खपत	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		ई2
ईएन4	प्राथमिक ऊर्जा स्रोत द्वारा अप्रत्यक्ष ऊर्जा की खपत	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		ई2
ओजी2	नवीकरणीय ऊर्जा में कुल निवेशित राशि	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 41 पर 'निवेशकः संपत्ति सृजन' का खंड देखे		ई3

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
ओजी3	स्रोत द्वारा उत्पादित कुल नवीकरणीय ऊर्जा	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		
ईएन5	संरक्षण और क्षमता सुधार के कारण हुई ऊर्जा की बचत	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें और पृष्ठ 43 पर 'प्रचालनात्मक उत्कृष्टता की उपलब्धि' का खंड देखें		
ईएन6	ऊर्जा-दक्ष या अक्षय ऊर्जा आधारित उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने के प्रयास तथा इन प्रयासों के परिणाम स्वरूप ऊर्जा आवश्यकताओं में कमी	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		
ईएन7	अप्रत्यक्ष ऊर्जा खपत में कमी लाने के प्रयास और प्राप्त कमी	नहीं	▪ हम वर्तमान में अप्रत्यक्ष ऊर्जा खपत में कमी की व्यवस्थित ट्रैकिंग नहीं कर पा रहें हैं		
ईएन8	स्रोत द्वारा वापस लिया गया कुल पानी	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें ▪ पृष्ठ 61 पर 'जल संसाधनों का प्रबंधन' का खंड देखें		
ईएन9	वापस लिए गए पानी द्वारा उल्लेखनीय रूप से प्रभावित हुए जल स्रोत	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें ▪ पृष्ठ 61 पर 'जल संसाधनों का प्रबंधन' का खंड देखें		ई6
ईएन10	रीसाइकल और दोबारा उपयोग किए गए पानी का प्रतिशत और कुल आयतन	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें ▪ पृष्ठ 61 पर 'जल संसाधनों का प्रबंधन' का खंड देखें		
ईएन11	स्वामित्व, पट्टे पर, प्रबंधित, सुरक्षित क्षेत्रों के पास की भूमि का स्थल और आकार और सुरक्षित क्षेत्रों के बाहर उच्च जैव विविधता मूल्य के क्षेत्र	पूरी तरह	▪ हमारे कोई भी प्रचालन सुरक्षित क्षेत्रों के पास नहीं हैं। पृष्ठ 60 पर 'जैव विविधता के संबंध में हमारे प्रभाव का प्रबंधन' का खंड देखें		ई5
ईएन12	सुरक्षित क्षेत्रों और सुरक्षित क्षेत्रों के बाहर उच्च जैव विविधता मूल्य के क्षेत्रों में जैव विविधता पर गतिविधियों, उत्पादों और सेवाओं के विवरण	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 59 पर 'राइट-ऑफ-वे....' का खंड देखें।		ई5
ईएन13	सुरक्षित या पुनः सुधार किए गए अधिवास	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 60 पर ''जैव विविधता के संबंध में हमारे प्रभाव का प्रबंधन' का खंड देखें।		ई5

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
ईएन14	जैव विविधता पर प्रभावों के प्रबंधन के लिए कार्यनीतियां, वर्तमान कार्रवाइयां और भावी योजनाएं	पूरी तरह	▪ 'समुदाय खंड' के तहत 'जैव विविधता के संबंध में हमारे प्रभाव का प्रबंधन' का उप खंड देखें		ई5
ओजी4	उल्लेखनीय प्रचालन स्थलों की संख्या और प्रतिशत जहां जैव विविधता जोखिम का आकलन और निगरानी की गई है।	पूरी तरह	▪ जैव विविधता जोखिम के लिए 100 प्रतिशत स्थानों का मूल्यांकन किया गया है		
ईएन15	आईयूसीएन लाल सूचीबद्ध और राष्ट्रीय संरक्षण सूचीबद्ध प्रजातियों की संख्या के साथ उन क्षेत्रों में अधिवास, जो लुप्त होने के स्तर तक प्रचालन से प्रभावित हैं।	पूरी तरह	▪ हमारे प्रचालनों में से कोई भी प्रचालन उन क्षेत्रों में अवस्थित नहीं हैं जहां आईयूसीएन रैड लिस्ट प्रकार के या राष्ट्रीय संरक्षण सूची में सूचीबद्ध प्रजातियां रह रही हैं।		
ईएन16	कुल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन का भार	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		ई1
ईएन17	अन्य संगत अप्रत्यक्ष ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन का भार	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		ई1
ईएन18	ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने के प्रयास और अर्जित कमी	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड, पृष्ठ 34 पर 'सामग्री मुद्दों...', पृष्ठ 62पर 'वायु उत्सर्जन कम करना' का खंड देखें		ई1
ईएन19	ओजोन का उत्सर्जन घटाने वाले पदार्थों का भार	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		ई7
ईएन20	नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर ऑक्साइड और अन्य उल्लेखनीय वायु उत्सर्जन का प्रकार और भार	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन', 'वायु-उत्सर्जन कम करना' के बारे में पृष्ठ 62 का खंड देखें		ई7
ईएन21	कुल जल निकासी की गुणवत्ता और गंतव्य	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें ▪ पृष्ठ 61 पर 'जल संसाधनों का प्रबंधन' का खंड देखें		ई9
ईएन22	प्रकार और निपटान विधि द्वारा अपशिष्ट का कुल भार	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		ई10
ओजी5	निर्मित या उत्पादित जल का आयतन	पूरी तरह	▪ लागू नहीं		
ईएन23	उल्लेखनीय स्पिल की कुल संख्या और आयतन	पूरी तरह	▪ कोई विशेष छलकनें नहीं		ई8
ओजी6	फ्लेयर्ड और वेंटेड हाइड्रोकार्बन का आयतन	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		ई4
ओजी7	खुदाई अपशिष्ट की मात्रा (खुदाई की कीचड़ और कटिंग) और उपचार तथा निपटान की कार्यनीतियां	पूरी तरह	▪ लागू नहीं		

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
ईएन24	परिवहन, आयात, निर्यात या उपचारित किये गये अपशिष्ट का भार जिसे बेसल कंवेंशन अनुलग्नक I, II, III और VIII के नियमों के तहत जोखिमपूर्ण माना गया है और अंतरराष्ट्रीय रूप से परिवहन किए गए अपशिष्ट का प्रतिशत	पूरी तरह	▪ लागू नहीं		
ईएन25	संबंधित संगठन के पानी के डिस्चार्ज और रनऑफ से प्रभावित जल निकायों संबधित निवासियों की पहचान, आकार संरक्षण-स्थिति और जैव विविधता मूल्य	पूरी तरह	▪ हमारे प्रचालनों के आसपास के क्षेत्र में स्थित हमारे अपशिष्ट जल निर्वहन और जलाशयों में बह कर जाने का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है		
ईएन26	उत्पादों और सेवाओं के पर्यावरणीय प्रभावों और प्रभाव शमन की सीमा तक कम करने के लिए पहल	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 67 पर 'उत्पाद दायित्व' का खंड देखें।		
ईएन27	बेचे गए उत्पादों और उनकी पैकेजिंग सामग्री का प्रतिशत जिसे श्रेणी के द्वारा रीक्लेम किया गया	पूरी तरह	▪ यह हमारे गैस संचरण कारोबार के लिए लागू नहीं है। हालांकि, पेट्रोकैमिकल के लिए पैकेजिंग बैग के छोटे आकार के कारण यह संभव नहीं है कि इसका ट्रैक और पुनः प्राप्ति की जाए।		
ओजी8	ईंधन में बेंजीन, लैड और सल्फर की मात्रा	पूरी तरह	▪ प्राकृतिक गैस में बेंजीन और लैड की मात्रा नहीं है, सल्फर की मात्रा प्राकृतिक गैस की गुणवत्ता और स्रोत पर निर्भर करते हुए 4.5 पीपीएम से कम है।		
ईएन28	पर्यावरण कानूनों और नियमों के साथ गैर अनुपालन के लिए महत्वपूर्ण जुर्माना और गैर-मौद्रिक प्रतिबंधों की कुल संख्या का मौद्रिक मूल्य	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		
ईएन29	संगठन के संचालन के लिए इस्तेमाल होने वाले उत्पादों और अन्य वस्तुओं और सामग्री परिवहन और कार्यबल में से परिवहन करने वाले सदस्यों के पर्यावरणीय प्रभाव	पूरी तरह	▪ वर्तमान में हम कर्मचारी व्यापार यात्रा के खाते पर उत्पन्न जीएचजी उत्सर्जन का मानचित्रण और रिपोर्टिंग कर रहे हैं		
ईएन30	कुल पर्यावरण संरक्षण व्यय और निवेश के प्रकार	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		
निष्पादन सूचक - श्रमिक प्रथाएं और शिष्ट कार्य					
एलए1	रोजगार प्रकार, रोजगार अनुबंध और क्षेत्र द्वारा कुल कर्मचारियों की संख्या का जेंडर के अनुसार विवरण	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		एसई15

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
एलए2	कुल संख्या और नए कर्मचारी और आयु वर्ग, लिंग और क्षेत्र के अनुसार और कर्मचारी कारोबार की दर	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		
एलए3	पूर्णकालिक कर्मचारियों को दिए जाने वाले लाभ जो प्रमुख प्रचालनों द्वारा अस्थायी या अंशकालिक कर्मचारियों को प्रदान नहीं किए जाते हैं	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 77 पर 'कर्मचारी को रोके रखने की कार्यनीति' का खंड देखें		
एलए15	लिंग के आधार पर अभिभावक अवकाश के बाद काम पर वापस आने और प्रतिधारण की दरें	पूरी तरह	▪ अभिभावक अवकाश के बाद काम पर वापस आने के लिए पुरुष और महिला दोनों प्रकार के कर्मचारियों में वापसी और प्रतिधारण की 100 प्रशित दरें		
एलए4	सामूहिक सौदेबाजी समझौतों के द्वारा कवर हुए कर्मचारियों का प्रतिशत	पूरी तरह	▪ सभी कर्मकारी, जो कुल कर्मचारियों की संख्या का 23.5 प्रतिशत हैं, सामूहिक सौदेबाजी समझौते द्वारा कवर किए गए हैं		एचएस1
एलए5	महत्वपूर्ण प्रचालन परिवर्तनों के बारे में न्यूनतम नोटिस अवधि, जिसमें निर्दिष्ट सामूहिक समझौते सामिल हैं	पूरी तरह	▪ हम औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 9ए और ▪ महत्वपूर्ण प्रचालन परिवतनों के बारे में नोटिस अवधि प्रदान करने के लिए अनुसूची 4 का पालन करते हैं		
एलए6	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा कार्यक्रमों पर सलाह देने और निगरानी के लिए औपचारिक संयुक्त स्वास्थ्य प्रबंधन कार्यकर्ता और सुरक्षा समितियों में प्रतिनिधित्व करने वाले कुल कर्मचारियों की संख्या का प्रतिशत	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		एचएस1
एलए7	क्षेत्र और लिंग के आधार पर चोट की दरें, व्यावसायिक रोगों, हानि दिवसों और अनुपस्थिति व काम से संबंधित मौतों की संख्या	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		एचएस2, एचएस3
एलए8	कार्यबल के सदस्यों उनके परिवारों या समुदाय के सदस्यों को गंभीर बीमारियों के बारे में शिक्षा, प्रशिक्षण, परामर्श, रोकथाम और जोखिम नियंत्रण कार्यक्रम	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 78 पर 'हमारे प्रचालनों में स्वास्थ्य और सुरक्षा' का खंड देखें		एचएस2
एलए9	ट्रेड यूनियनों के साथ हुए औपचारिक समझौते में शामिल स्वास्थ्य और सुरक्षा विषय	पूरी तरह	▪ हम वर्तमान में स्वास्थ्य और सुरक्षा विषयों कार्यों में यूनियनों को शामिल करने की प्रक्रिया में हैं		एचएस2
एलए10	लिंग और कर्मचारी श्रेणी के आधार पर प्रति कर्मचारी, प्रति वर्ष प्रशिक्षण के औसत घंटे	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 82 पर 'हमारा स्थायित्व निष्पादन' का खंड देखें		एसई17

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
एलए11	कर्मचारियों के प्रबंधन कौशल और आजीवन सीखने के कार्यक्रम जो उनकी निरंतर रोजगारपरकता को समर्थन देते हैं और कैरियर के अंत के प्रबंधन में सहायता देते हैं।	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 77 पर 'कर्मचारी को रोके रखने की कार्यनीति' का खंड देखें		
एलए12	लिंग द्वारा नियमित रूप से निष्पादन और कैरियर के विकास की समीक्षा प्राप्त करने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 73 पर 'कर्मचारीः बदलाव के अभिकारक' का खंड देखें		एसई16
एलए13	शासी निकाय की संरचना और लिंग, आयु समूह, अल्पसंख्यक समूह सदस्यता और अन्य विविधता संकेतकों तथा कर्मचारी श्रेणी के अनुसार कर्मचारियों का विवरण	पूरी तरह	▪ हमारी वार्षिक रिपोर्ट 2011-12 के पृष्ठ 21 पर 'निगमित नियंत्रण' का खंड देखें		एसई15
एलए14	▪ कर्मचारी श्रेणी और प्रचालन के महत्वपूर्ण स्थलों के आधार पर पुरुषों की तुलना में महिलाओं के मूल वेतन और पारिश्रमिक का अनुपात	पूरी तरह	▪ किसी भी कार्य केन्द्र में क्षतिपूर्ति में लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता		
प्रदर्शन संकेतक – मानव अधिकार					
एचआर1	महत्वपूर्ण निवेश समझौतों और अनुबंधों का प्रतिशत जिनमें मानव अधिकारों के सरोकार शामिल हैं या जो मानव अधिकारों की छानबीन से गुजरे हैं	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 25 पर 'नैतिकता और पारदर्शिता' का खंड देखें ▪ पृष्ठ 77 पर 'मानवाधिकार' का खंड देखें		एसई8
एचआर2	महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ताओं और संविदाकारों और अन्य व्यापार भागीदारों का प्रतिशत जो मानव अधिकारों की छानबीन से गुजरे हैं और कार्यों को लिया है	पूरी तरह	▪ वर्तमान में हम अपने आपूर्तिकर्ताओं और संविदाकारों के मानवाधिकार प्रदर्शन के लिए प्रणाली की स्थापना की प्रक्रिया में हैं। हम वित्तीय वर्ष 2013-14 में इस सूचक पर रिपोर्ट करेंगे		एसई9
एचआर3	मानव अधिकारों के लिए प्रचालन के प्रासंगिक पहलुओं से संबंधित नीतियों और प्रक्रियाओं पर कर्मचारी प्रशिक्षण के कुल घंटे सहित प्रशिक्षित कर्मचारियों का प्रतिशत	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 77 पर 'मानवाधिकार' का खंड देखें		
एचआर4	भेदभाव और सुधारात्मक कार्रवाई की घटनाओं की कुल संख्या	पूरी तरह	▪ भेदभाव की कोई घटना नहीं		

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
एचआर5	प्रचालन और महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ताओं की पहचान जिसमें संघ की स्वतंत्रता और सामूहिक सौदेबाजी के प्रयोग के अधिकार का उल्लंघन किया जा सकता है या महत्वपूर्ण जोखिम है और कार्रवाई करने के लिए इन अधिकारों को समर्थन दिया गया है	पूरी तरह	▪ जबकि इसमें इन प्रचालनों को अभिज्ञात करने के लिए कोई औपचारिक/विशिष्ट प्रयास नहीं है, ऐसा कोई प्रचालन नहीं है जिसमें ऐसा जोखिम हो जो संघ की अभिव्यक्ति या सामूहिक मोलतोल के अधिकार के लिए जोखिमपूर्ण है।		
एचआर6	संचालन और महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ताओं बाल श्रम की घटनाओं के लिए महत्वपूर्ण जोखिम वाले और बाल श्रम के प्रभावी उन्मूलन में योगदान के लिए किए गए उपायों के रूप में अभिज्ञात	पूरी तरह	▪ समीक्षाधीन अवधि में बाल मजदूरी की किसी घटना की रिपोर्ट नहीं है। प्रभारी अभियंता सुनिश्चित करते हैं कि संगत विधानों का पालन किया जाता है। बाल मजदूरी संल मजदूरी का निषेध मानक सी एंड पी प्रावधान है।		
एचआर7	प्रचालन और महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ताओं को बलपूर्वक या अनिवार्य श्रम की घटनाओं के लिए महत्वपूर्ण खतरे के रूप में पहचान की गई है और बलपूर्वक या अनिवार्य श्रम के सभी रूपों के उन्मूलन के लिए उपाय करने के लिए योगदान।	पूरी तरह	▪ जबकि इसमें इस तरह के प्रचालनों को पहचानने करने के लिए एक औपचारिक/विशिष्ट पहल की कोई घटना नहीं हुई है मूल्यांकन वर्ष में बलपूर्वक या अनिवार्य श्रम नियुक्ति की घटनाएं सूचित नहीं की गई हैं। प्रभारी अभियंता इसके विधानों का पालन सुनिश्चित करते हैं।		
एचआर8	मानव अधिकारों के लिए प्रासंगिक नीतियों प्रक्रियाओं प्रशिक्षित कर्मियों की प्रतिशतता जो प्रचालन के पहलुओं से संबंधित हैं	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 73 पर 'कर्मचारीः बदलाव के अभिकारक' का खंड देखें		एसई10
एचआर9	स्वदेशी लोगों के अधिकारों के उल्लंघन में शामिल और की गई कार्रवाई की घटनाओं की कुल संख्या	पूरी तरह	▪ स्वदेशी लोगों के अधिकारों के उल्लंघन की कोई घटनाएं नहीं हुईं		
एचआर10	प्रतिशत और प्रचालनों की कुल संख्या जो मानव अधिकारों की समीक्षा और/या प्रभाव के मूल्यांकन के तहत हैं	पूरी तरह	▪ हमारे सभी मुख्य प्रचालनों में लगातार निगरानी की जाती हैं और मानव अधिकार जोखिम को समाप्त करने के लिए समीक्षा की जाती है। अधिक जानकारी के लिए पृष्ठ 77 पर 'मानवाधिकार' का खंड देखें		
ओजी9	प्रचालन जहां स्वदेशी समुदाय मौजूद हैं या गतिविधियों से प्रभावित हैं और जहां विशिष्ट संलग्नता कार्यनीति हैं।	पूरी तरह से	▪ हमारे प्रचालनों में से एक झाबुआ में हैं जहां हमारे प्रचालनों के पास स्वदेशी समुदायों की उपस्थिति है। अधिक जानकारी के लिए कृपया पृष्ठ 52 देखें।		

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
एचआर11	''मानव अधिकारों से संबंधित शिकायतों को संख्या जो दर्ज कराई गयीं, संबोधित की गईं और जिनका औपचारिक शिकायत तंत्र माध्यम से निराकरण किया गया''	पूरी तरह	▪ ऐसी कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई		
प्रदर्शन संकेतक – समाज					
एसओ1	स्थानीय समुदाय के साथ कार्यान्वित प्रचालनों का प्रतिशत, प्रभाव आकलन और विकास कार्यक्रम	पूरी तरह	▪ हमारे सभी प्रचालन हमार निगमित सामाजिक दायित्व से अभिशासित होते हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया पृष्ठ 48 देखें		एसई1
एसओ9	स्थानीय समुदायों पर महत्वपूर्ण संभावित या वास्तविक नकारात्मक प्रभावों के साथ प्रचालन	पूरी तरह	▪ लागू नहीं		
एसओ10	प्रचालनों में स्थानीय समुदायों पर महत्वपूर्ण संभावित या वास्तविक नकारात्मक प्रभावों के साथ रोकथाम और शमन उपायों को लागू करना	पूरी तरह	▪ लागू नहीं		
ओजी10	स्थानीय समुदायों और स्वदेशी लोगों के साथ महत्वपूर्ण विवादों की संख्या और वर्णन	पूरी तरह	▪ किसी भी स्थानीय समुदाय और स्वदेशी लोगों के साथ हमारी महत्वपूर्ण विवादों की घटनाएं नहीं हुई थीं।		एसई2
ओजी11	साइटों की संख्या जिन्हें डीकमीशन किया गया है और साइटें जिनमें डीकमीशन की प्रक्रिया चल रही है	पूरी तरह	▪ लागू नहीं		
एसओ2	प्रतिशत और भ्रष्टाचार से संबंधित जोखिम के लिए विश्लेषित व्यावसायिक इकाइयों की कुल संख्या	पूरी तरह	▪ भ्रष्टाचार के जोखिम हमारी सतर्कता प्रक्रिया और जोखिम प्रबंधन ढांचे के अंतर्गत आते हैं। चूंकि हमारी सतर्कता प्रक्रियाएं भारत सरकार द्वारा स्थापित नियमों के तहत अनिवार्य हैं, अतः हमारे 100 प्रतिशत प्रचालन भ्रष्टाचार से संबंधित पहलुओं सहित जोखिम विश्लेषण के अंतर्गत आते हैं।		एसओ3
एसओ3	संगठन की भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों और प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित कर्मचारियों का प्रतिशत।	पूरी तरह	▪ हमारे सभी कर्मचारियों के लिए आचार संहिता का पालन करना अनिवार्य है और अपने कार्यकाल के दौरान इसका पालन करते हैं। अधिक जानकारी के लिए पृष्ठ 77 पर 'मानवाधिकार' पर खंड देखें।		

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
एसओ4	भ्रष्टाचार की घटनाओं पर प्रतिक्रियास्वरूप कार्रवाई की गई हैं	पूरी तरह	▪ यद्यपि हमने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और अपने परिचालनों में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए कड़े कदम उठाए हैं, तथापि इस वर्ष के दौरान भ्रष्टाचार के सात मामले रिपोर्ट किए गये। सतर्कता विभाग द्वारा जांच के परिणाम पर आधारित आवश्यक कार्रवाई की गई। पृष्ठ 25 पर 'नैतिकता और पारदर्शिता' पर खंड देखें		
एसओ5	सार्वजनिक नीति पदों और सार्वजनिक नीति विकास और पैरवी में भागीदारी।	पूरी तरह	▪ एनवीजी-एसईई प्रतिक्रिया के तहत सिद्धांत सं.7 का संदर्भ लें।		एसई14
एसओ6	राजनीतिक दलों, नेताओं, और देश से संबंधित संस्थानों को वित्तीय और वस्तु योगदान का कुल मूल्य।	पूरी तरह	▪ राजनीतिक दलों आदि को कोई वित्तीय या वस्तु रूप में योगदान नहीं किया गया		
एसओ7	प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार, विश्वास-विरोधी और एकाधिकार प्रथाओं और उनके परिणामों के लिए की गई कानूनी कार्रवाइयों की कुल संख्या।	पूरी तरह	▪ गेल के खिलाफ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं गई क्योंकि इसमें प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार, विश्वास-विरोधी या एकाधिकार प्रथाओं के कोई उदाहरण नहीं थे।		
एसओ8	कानून और नियमों का पालन न करने के लिए उल्लेखनीय जुर्माने का मौद्रिक मूल्य और कुल गैर मौद्रिक स्वीकृति की संख्या	पूरी तरह	▪ उपरोक्त1 कारण बताओ नोटिस के अलावा इस वर्ष में कोई कानूनी उल्लंघन नहीं किए गए है। इस जानकारी को वार्षिक रिपोर्ट के माध्यम से भी सत्यापित किया जा सकता है।		
ओजी12	प्रचालन जहां अनैच्छिक पुनर्वास किए गए, प्रत्येक में बसाए गए परिवारों की संख्या, और उस प्रक्रिया में उनकी आजीविका कैसे प्रभावित हुई	पूरी तरह	▪ इस तरह के कोई प्रचालन नहीं।		एसई3
ओजी13	व्यापार गतिविधि द्वारा सुरक्षा प्रक्रिया की घटनाओं की संख्या।	पूरी तरह	▪ इस तरह की कोई घटनाएं नहीं हुई हैं		एचएस5
प्रदर्शन संकेतक - उत्पाद जिम्मेदारियां					
पीआर1	जीवन चक्र के चरण जिनमें सुधार के लिए उत्पादों और सेवाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रभावों और महत्वपूर्ण उत्पादों और सेवाओं का मूल्यांकन किया जाता है तथा ऐसी प्रक्रियाओं के अधीन श्रेणियों के प्रतिशत	पूरी तरह	▪ पृष्ठ 67 एवं 69 पर 'उत्पाद दायित्व' के खंड में देखें। 'अनुसंधान और विकास' पर जानकारी के लिए कृपया पृष्ठ 67 देखें। हमारे सामग्री और उत्पादों के परिवहन के लिए कृपया पृष्ठ 72 देखें।		एचएस4

जारी.....

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित	प्रतिक्रिया	यूएनजीसी प्रधान लिंक	एपीआई/ आईपीआईईसीए दिशानिर्देश लिंक
पीआर2	अपने जीवन चक्र के दौरान स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावों के नियमों और स्वैच्छिक संहिताओं की गैर अनुपालन घटनाओं की कुल संख्या तथा परिणामों के प्रकार के विषय में उत्पादों और सेवाओं के प्रभाव	पूरी तरह	▪ रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान गैर अनुपालन की कोई घटनाएं नहीं हुईं		
पीआर3	प्रक्रियाओं द्वारा उत्पाद और सेवा के प्रकार और इस तरह की जानकारी आवश्यकताओं के अधीन महत्वपूर्ण उत्पादों और सेवाओं के प्रतिशत की आवश्यक जानकारी।	पूरी तरह	▪ हमारे पेट्रोकैमिकल उत्पाद पैकेज भारतीय विधानों के अनुसार रासायनिक संरचना और कुल भार सहित स्थानीय विनिर्माण सुविधा वहन करते हैं।		
पीआर4	उत्पाद और सेवा की जानकारी के नियमों और स्वैच्छिक संहिता से संबंधित गैर अनुपालन की घटनाओं की कुल संख्या और परिणामों के प्रकार द्वारा लेबलिंग	पूरी तरह	▪ रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान गैर अनुपालन की ऐसी कोई घटनाएं नहीं हुईं		
पीआर5	ग्राहकों की संतुष्टि से संबंधित प्रथाओं सहित ग्राहकों की संतुष्टि को मापने के सर्वेक्षण के परिणाम।	पूरी तरह	▪ सामग्री के मुद्दों के निर्धारण के रूप में पृष्ठ 36 पर 'ग्राहक संतुष्टि' का खंड देखें		
पीआर6	विज्ञापन, संवर्धन, और प्रायोजन सहित संबंधित कानूनों, मानकों, और विपणन संचार स्वैच्छिक संहिता का पालन करने के लिए कार्यक्रम	पूरी तरह	▪ गेल विज्ञापन और संचार कार्यों के लिए पूरी तरह से एएससीआई मानदंडों का अनुपालन करता है और एएससीआई अधिकृत मीडिया एजेंसी के साथ ही काम करता है		
पीआर7	गैर अनुपालन नियमों और स्वैच्छिक कोड सहित विपणन संचार, विज्ञापन, संवर्धन, परिणामों के प्रकाूर और प्रायोजन के विषय के साथ घटनाओं की कुल संख्या।	पूरी तरह	▪ रिपोर्टिंग अवधि के दौरान गैर अनुपालन की कोई घटनाएं नहीं थीं।		
पीआर8	ग्राहकों की गोपनीयता और ग्राहक डेटा के नुकसान से सम्बंधित के उल्लंघनों के बारे में पुष्ट शिकायतों की कुल संख्या	पूरी तरह	▪ ग्राहक गोपनीयता हमारे उद्योग के लिए एक सामग्री मुद्दा नहीं है और इसलिए इसकी सूचना नहीं दी गई है		
पीआर9	उत्पादों और सेवाओं के प्रावधान के उपयोग से संबंधित कानूनों और विनियमों के गैर अनुपालन के लिए महत्वपूर्ण जुर्मानों का मौद्रिक मूल्य	पूरी तरह	▪ रिपोर्टिंग अवधि के दौरान गैर अनुपालन की कोई घटनाएं नहीं थीं।		
ओजी14	स्थिरता मानदंड पूरे करने वाले जैव ईंधन का उत्पादन और खरीदी गई मात्रा।	पूरी तरह	▪ लागू नहीं		

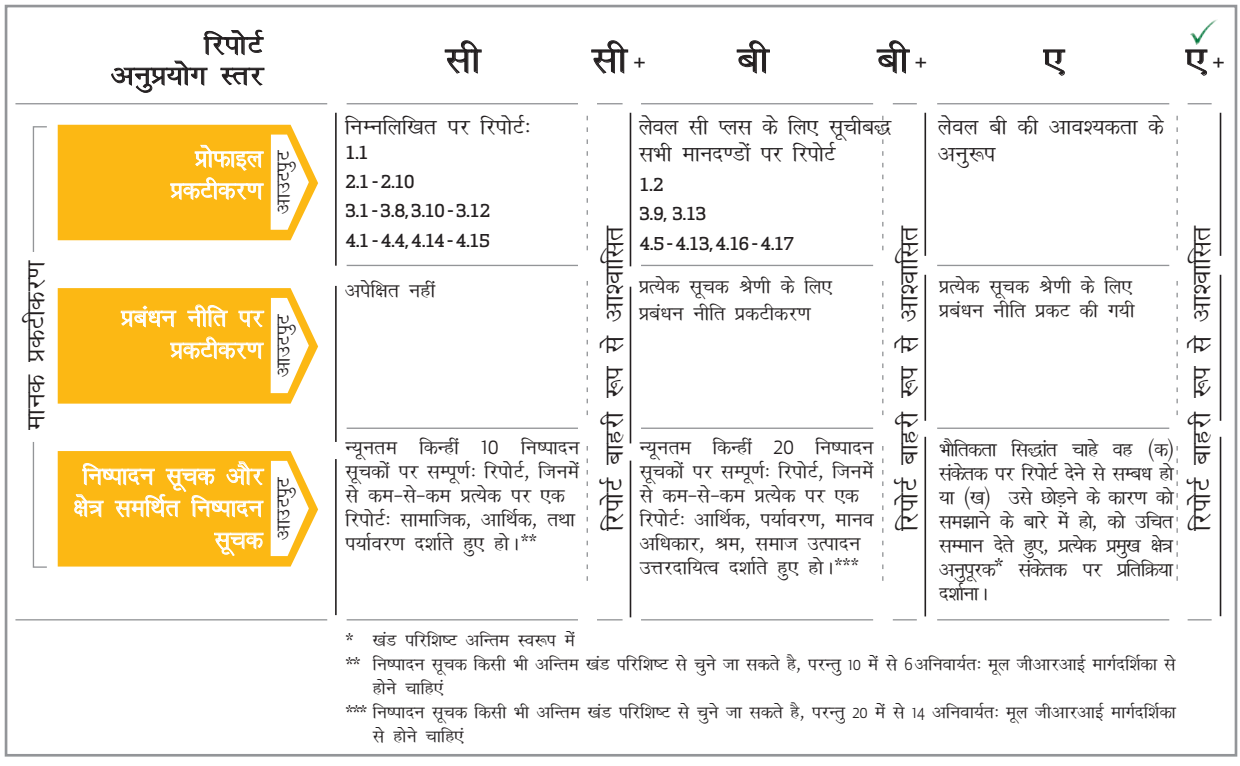

गेल स्थायित्व रिपोर्ट वित्त वर्ष 2011-12, 'भविष्य को आकार देते हुए' एक जीआरआई - जी3.1+ ओजीएसएस कम्प्लायैंट एप्लिकेशन लेवल ए+ रिपोर्ट है

भावी मार्ग

यह वर्ष गेल की स्थायित्व यात्रा में एक निर्णायक बिन्दु था। हमने ऐसे अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए जो हमारे स्थायित्व प्रयासों को एक निश्चित दिशा देंगे। हमने गेल की स्थायित्व कार्य सूची में सर्वोच्च प्रबंधन के शामिल होने में मजबूती लाने के लिए अनेक नियंत्रण प्रक्रियाएं बनाई हैं और अपने स्थायित्व प्रयासों के कार्यान्वयन और निगरानी में सुधार किया है। हमारी स्थायित्व कार्य सूची को आगे बढ़ाने के लिए एक स्वतंत्र निदेशक के नेतृत्व में बोर्ड स्तरीय उप समिति का गठन किया गया तथा निदेशक (बीडी) के नेतृत्व में एक विषय निर्वाचन समिति बनाई गई। अपने स्थायित्व प्रयासों को दिशा देने और सुचारु बनाने के लिए हमने एक व्यापक स्थायित्व नीति का भी विकास किया है। इन प्रयासों में जल संरक्षण, ग्रीन हाउस गैस लेखा जोखा, ऊर्जा दक्षता, जलागम प्रबंधन, जैव विविधता प्रबधंन और अक्षय ऊर्जा से संबंधित मुद्दों पर एक व्यापक स्पैक्ट्रम शामिल है। हमने अपनी एसडी आकांक्षा 2020 को आरंभ किया है जहां हम ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कमी, ऊर्जा दक्षता, जल प्रबंधन और स्थायित्व पर जागरूकता के पक्षों में सुपरिभाषित वास्तविक लक्ष्य प्राप्त करेंगे और अधिकतम बल प्रदान करेंगे। मई 2011 में स्थायित्व के प्रति हमारी वचनबद्धता दर्शाने के लिए गेल ने संयुक्त राष्ट्र के ग्लोबल कॉम्पेक्ट पर हस्ताक्षर किए। ये ऐसे महत्वपूर्ण कदम हैं जो हमारे और हमारी भावी पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए हमारे प्रयासों की आधारशिला बनाएंगे।

हम सीएसआर के तहत अभिनव परियोजनाओं और डीपीई के एसडी दिशानिर्देशों तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ अपने समझौता ज्ञापन के भाग के रूप में इसका कार्यान्वयन जारी रखते हैं। अपनी कार्यनीति 2020 के भाग के रूप में हमने अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने पर विशेष बल देते हुए मानक व्यापार प्रचालनों के दायरे से आगे बढ़कर उद्यम किया है। हम, गेल में आगे बढ़ते हुए जागरूकता के पक्षों के विकास, स्टेकधारी से संपर्क और सामग्री, कार्यनीति एवं नियंत्रण पर अधिक ध्यान केन्द्रित करेंगे। हमारी योजना अपनी एसडी कार्यशालाओं को जारी रखते हुए विभिन्न स्थानों पर वरिष्ठ प्रबंधन, ग्राहकों और आपूर्तिकारों सहित अपने कर्मचारियों की जागरूकता को बढ़ाने की है ताकि वे स्थायित्व के तत्व को जान सकें। हम पुनः स्टेकधारियों के साथ अपनी संलग्नता की प्रक्रियाओं को पुनः परिभाषित करेंगे और सभी स्थलों पर इस प्रक्रियाओं को सुचारु बनाएंगे। इससे हमें सामग्री आकलन प्रक्रिया को स्टेकधारी संलग्नता के साथ पूरी तरह जोड़ने में सहायता मिलेगी। एसडी आकांक्षा 2020 की उपलब्धि प्रमुख क्षेत्रों में से एक होगी और अंततः हमारी योजना इन सभी आकांक्षाओं को अपनी कार्यनीति 2020 में जोड़ने की है। इस कदम से हम गेल में स्थायित्व को सुचारु बनाने में सहायता पा सकेंगे और साथ ही बाजार में एक विशिष्ट प्रतिस्पर्द्धात्मक लाभ प्रदान करेंगे। हम स्थलों पर स्थायित्व प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए सभी स्थलों के ओआईसी के नेतृत्व में वरिष्ठ स्तरीय बहु विषयक समिति का गठन करने की प्रक्रिया में हैं और वे स्थलों द्वारा जमा की गई जानकारी तथा डेटा के अभि प्रमाणन और प्रमाणन के लिए भी जिम्मेदार होंगे। आने वाले वर्षों में हमारी योजना अपने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों की तुलना में हमारे स्थायित्व निष्पादन की बैंचमार्किंग करने की है।

हम स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं का आकलन करते हैं और साथ ही टीआईएसएस की सहायता से अपने समुदाय विकास के प्रयासों के प्रभाव का निर्धारण भी करते हैं। इस आकलन द्वारा हमारे सीएसआर बजट और प्रयासों को परिभाषित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाएगी। हम पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, हाइड्रो कार्बन मंत्रालय, पीएनजीआरबी, ओआईएसडी, फिक्की, सीआईआई, टेरी, एसोचैम, इंटरनेशनल गैस यूनियन आदि के साथ तेल और गैस क्षेत्र में विभिन्न व्यापार और स्थायित्व के मुद्दों पर अपना सहयोग भी जारी रखेंगे। यूएनजीसी के हस्ताक्षरी के रूप में हम 10 सिद्धांतों के तहत अपनाए गए प्रयासों पर अपनी प्रगति की जानकारी भी देते रहेंगे।

यदि आप इस पर कोई रचनात्मक प्रतिक्रिया देना चाहते हैं कि गेल किस प्रकार सभी के लिए बेहतर भविष्य को आकार दे सकता है, तो अपने सभी प्रश्न इन्हें लिखें:

श्री शांतनु रॉय, महाप्रबंधक (निगमित योजना) sroy@gail.co.in

श्री कमल किशोर चेटिवाल, उपमहाप्रबंधक (निगमित योजना) kk.chatiwal@gail.co.in

अश्वत्थः सर्व वृक्षाणाम्

(गीता के दसवें अध्याय का श्लोक)

मैं (ऊर्जा का रूप) अश्वत्थ हूँ
(आकार, विशालता और वृद्धि)
सभी वृक्षों में।

(हिन्दी नाम : पीपल)
(फाइकस रैलीजियोसा या पवित्र फिग)

हमारा हरा रंग अश्वत्थ से प्रेरित है : लम्बे जीवन का प्रतीक और अधिक ऑक्सीजन उत्पन्न करने की क्षमता।

'हम में से प्रत्येक इस ब्रह्मांड में एक अलग प्रकार की ऊर्जा रखता है'। यह वक्तव्य ''गीता'' – भारत का एक प्राचीन साहित्य, जिसमें अश्वत्थ वृक्ष अपने आकार, विशालता और वृद्धि के गुणों के कारण ऊर्जा के कणों के रूप में माना गया है, से लिया गया है। कलाकारों, कवियों और कथाकारों ने अश्वत्थ वृक्ष का उद्धरण देकर इसे भारत और अनेक एशियाई देशों में विश्वसनीयता के प्रतीक के रूप में प्रचारित किया है।

कार्बन पद चिन्हों को कम करते हुए

गेल (इंडिया) लिमिटेड

एक महारत्न कम्पनी

पंजी. कार्यालयः 16, भीकाएजी कामा प्लेस, आर. के. पुरम, नई दिल्ली–110066

वेबसाइटः www.gailonline.com